राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 125

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 13 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

विश्व चैंपियन बनने से एक कदम दूर हैं मंजू >> 14

सरोकार

फसल की बजाय अब कीटों पर वार

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ स्थित सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंटल ऑर्गनाइजेशन (सीएसआइओ) के वैज्ञानिक ने ऐसी डिवाइस तैयार की है, जिससे स्प्रे करने पर कीटनाशक सीधे पौधे के प्रभावित हिस्से पर प्रहार करेगा। बहुत ही कम रसायन के इस्तेमाल से हानिकारक कीटों को तो खत्म किया जा सकेगा। (पेज-11)

रविवार विशेष

गड्ढे में मोती उगाकर तकदीर बदल रहा किसान

जमशेदपुर : झारखंड के किसान अब तक धान और सब्जी की खेती ही करते आए हैं, लेकिन एक किसान ऐसा है जो अपने खेत में ही मोती की खेती कर रहा है। जमशेदपुर से 25 किलोमीटर दूर रंगामटिया गांव में यह खेती हो रही है। (पेज-11)

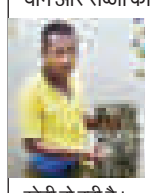

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज ▶ पृष्ठ 2

प्रधानमंत्री मोदी की भतीजी से दिल्ली में झपटा पर्स

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में झपटमारों के हौसले बुलंद हैं। शनिवार सुबह स्कूटी सवार दो बदमाश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भतीजी दमयंती बेन से पर्स छीनकर फरार हो गए। पर्स में 56 हजार रुपये, दो मोबाइल फोन और कई अहम दस्तावेज थे। बदमाशों की उम्र 17-18 साल के करीब थी।

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

मोदी आठ को करेंगे करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ नवंबर को करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री हरसिमरत बादल ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। यह कॉरिडोर पाकिस्तान के करतारपुर स्थित दरबार साहिब और पंजाब के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक देव गुरुद्वारों को जोड़ेगा।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

उत्तर प्रदेश में एक और भाजपा नेता की हत्या

सहारनपुर : उप्र में कानून-व्यवस्था दुरुस्त होने का दावा भले ही सरकार और पुलिस कर रही हो, पर सहारनपुर में पांच दिनों के भीतर भाजपा के दो नेताओं की हत्या से सनसनी मच गई है। शनिवार को देवबंद में भाजपा नेता व नगर पालिका सभासद चौधरी धारा सिंह गुर्जर की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गुस्साए ग्रामीणों ने एसएसपी दिनेश कुमार पी का घेराव किया।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

ट्रंप प्रशासन से एक और मंत्री ने दिया इस्तीफा

वाशिंगटन : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का साथ छोड़ने वाले शीर्ष अधिकारियों की सूची में शुक्रवार को केविन मैक्लीनन का भी नाम जुड़ गया। उन्होंने अमेरिका के कार्यवाहक गृह सुरक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मैक्लीनन के इस्तीफे का एलान खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया। वह अगले हफ्ते नए कार्यवाहक मंत्री के नाम का एलान करेंगे।

मतभेदों को नहीं बनने देंगे विवाद

सफलता ▶ मोदी-चिनफिंग वार्ता में सहयोग का नया दौर शुरू करने पर सहमति

तकरीबन साढ़े छह घंटे चली व्यक्तिगत वार्ता में आर्थिक व कारोबारी मुद्दों पर हुई चर्चा

जयप्रकाश रंजन, मामल्लपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच यहां दो दिनों तक हुई दूसरी अनौपचारिक वार्ता में दोनों नेताओं के बीच सहमति बनी है कि वे रिश्तों में उपजने वाले छोटे-मोटे मतभेदों को विवाद का रूप नहीं लेने देंगे और न ही इन मतभेदों से साझा भविष्य तलाशने की कोशिशों पर असर पड़ने देंगे। मोदी और चिनफिंग के बीच दोनों दिन कई चरणों में तकरीबन साढ़े छह घंटे चली व्यक्तिगत वार्ता में आर्थिक और कारोबारी मुद्दों को लेकर काफी विमर्श हुआ। इनके समाधान के लिए एक उच्चस्तरीय वार्ता तंत्र बनाने पर सहमति बनी। दोनों ने पिछले वर्ष वुहान में हुई इस तरह की पहली बैठक में सीमा पर अमन और शांति बहाली के लिए उठाए गए कदमों को और मजबूती से लागू करने की बात दोहराई। इस बारे में जल्द ही अतिरिक्त उपायों की घोषणा की जाएगी। इससे भी अहम बात यह है कि हर वर्ष अनौपचारिक तौर पर मिलकर रिश्तों को दिशा देने की यह कोशिश दोनों नेता आगे भी जारी रखेंगे। इसके लिए चिनफिंग ने मोदी को न्योता दिया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

मोदी और चिनफिंग के बीच 1400 वर्ष पूर्व स्थापित इस ऐतिहासिक शहर में हुई वार्ता में लिए गए फैसलों को 'चेन्नई कनेक्ट' के नाम से चिह्नित किया गया है। पिछली बैठक को 'वुहान स्पिरिट' के नाम से जाना जाता है। विदेश सचिव विजय गोखले ने बताया कि भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की बीच दो दिनों की इस बातचीत में कश्मीर का मुद्दा नहीं उठा। हालांकि चीनी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की हालिया चीन यात्रा के बारे में जानकारी दी। दरअसल, इमरान खान के पांच दिन पहले चीन पहुंचने और वहां राष्ट्रपति चिनफिंग की तरफ से कश्मीर पर कुछ टिप्पणी करने के बाद इसका साया मामल्लपुरम वार्ता पर भी पड़ने की बात कही जा रही थी। माना जा रहा है कि चिनफिंग की टिप्पणी पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने जिस तरह से कड़ी टिप्पणी की थी, संभवतः उससे साफ हो गया था कि कश्मीर पर भारत हस्तक्षेप सहन करने के मूड में नहीं है। दूसरी बात यह है कि जिस तरह भारतीय पक्ष ने राष्ट्रपति चिनफिंग और उनके साथ आए करीब 100 सदस्यीय दल का स्वागत किया, यह उसका भी असर हो।

चीन के राष्ट्रपति के साथ आधिकारिक स्तर की वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पिछले दो हजार साल के अधिकांश कालखंड में भारत और चीन दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्तियां रहे हैं और अब इस शताब्दी में हम फिर से साथ-साथ उस स्थिति को हासिल कर रहे हैं। हमने तय किया है कि हम मतभेदों का समझदारी से समाधान करेंगे और उन्हें विवाद नहीं बनने देंगे। हम एक दूसरे की चिंताओं के बारे में संवेदनशील रहेंगे। हमारे चेन्नई विजन से दोनों देशों के बीच सहयोग का नया दौर शुरू होगा।'

राष्ट्रपति चिनफिंग का बयान भी कम सकारात्मक नहीं रहा। मेहमानवाजी से गदगद चिनफिंग ने कारोबार को लेकर भारत की चिंताओं को बखूबी समझने की बात कही। चाहे चीन से बढ़ते आयात की वजह से भारत के पक्ष में गड़बड़ाते कारोबारी घाटे की बात हो या क्षेत्रीय कारोबारी समझौते (रीजनल कंप्रीहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप-आरसेप) को लेकर भारत की चिंताओं की बात हो, चिनफिंग ने हर मुद्दे को सुना और कहा कि वह ऐसा समाधान निकालने का समर्थन करेंगे जिससे हर पक्ष के हितों का ख्याल रखा जा सके।

चीनी राजदूत ने यात्रा को बताया बेहद सफल : भारत में चीन के राजदूत शुन वी डोंग ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति चिनफिंग की वार्ता को बहुत ही सफल करार दिया। वार्ता से पहले भी डोंग ने कहा था कि भारत और चीन एक दूसरे के लिए खतरा नहीं हैं और दोनों देशों का सहयोग दक्षिण एशिया और विश्व शांति के लिए बेहद जरूरी है।

वुहान टू मामल्लपुरम (विशेष आयोजन) पेज>>5

मामल्लपुरम में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को सिल्क का विशेष शॉल भेंट किया। बुनकरों द्वारा तैयार इस शॉल की खास बात यह है कि इस पर चिनफिंग की तस्वीर बनी है। (संबंधित खबर पेज-5 पर) प्रेट्र

'चेन्नई कनेक्ट' की खास बातें

- मोदी और चिनफिंग ने अपने हाथों में ली रिश्तों की कमान
- राष्ट्रपति चिनफिंग बोले, कारोबार पर भारत की चिंताओं का रखेंगे ख्याल
- कारोबारी समस्याओं को दूर करने के लिए उच्चस्तरीय तंत्र होगा गठित
- कश्मीर और पाकिस्तान से आगे देखने की होगी कोशिश, नहीं उठा मुद्दा
- सीमा पर शांति बहाल रखेंगे, जल्द होगा उपायों का एलान
- आतंकवाद और धार्मिक कट्टरवाद रोकने के लिए बढ़ाएंगे सहयोग

कश्मीर में पाबंदियां खत्म, कल से शुरू होगी मोबाइल सेवा

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- घाटी के 99 फीसद इलाकों में आवाजाही पर अब कोई रोक-टोक नहीं
- इंटरनेट और प्रीपेड सेवा के लिए अभी कुछ और दिन करना होगा इंतजार

कश्मीर में हालात सुधर रहे हैं। ऐसे में सामान्य जनजीवन को पूरी तरह पटरी पर लाने के लिए प्रशासन ने शनिवार को बड़ा कदम उठाते हुए 14 अक्टूबर से सभी पोस्टपेड मोबाइल सेवाओं को बहाल करने का एलान किया है। यह सेवा कश्मीर के सभी 10 जिलों में शुरू होगी। घाटी के 99 फीसद इलाकों में हालात पूरी तरह सामान्य हैं और आवाजाही की पाबंदियां पूरी तरह से हटा ली गई हैं। सिर्फ आठ-दस पुलिस थाना क्षेत्रों में ही थोड़ी-बहुत पाबंदियां हैं। लैंडलाइन सेवाएं पहले से पूरी तरह बहाल हैं। सभी शिक्षण संस्थान भी खुल चुके हैं। इंटरनेट पर रोक से आने वाली दिक्कतों के हल के लिए प्रत्येक जिला मुख्यालय में एक से दो स्थानों पर 25 टर्मिनल पर आधारित इंटरनेट कैफे भी बनाए गए हैं।

बता दें कि पहले राज्य प्रशासन ने यह सेवा शनिवार को बहाल करने का संकेत दिया था, जिन्हें किन्हीं कारणों से अब सोमवार दोपहर 12 बजे बहाल किया जाएगा। प्री-पेड मोबाइल और इंटरनेट सेवा के लिए अभी कुछ और इंतजार करना होगा, लेकिन पर्यटकों के लिए पर्यटन स्थलों पर इंटरनेट सेवा जल्द शुरू हो सकती है। राज्य सरकार के प्रवक्ता और प्रधान सचिव रोहित कंसल ने शनिवार को कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने से पहले चार अगस्त को वादी में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए यह पाबंदियां लगाई गई थीं। वहीं, हालात में लगातार सुधार और स्थिति की नियमित समीक्षा के आधार पर पाबंदियों को सिलसिलेवार तरीके से हटाया गया है।

कंसल ने बताया कि जम्मू संभाग के दस जिलों के अलावा लेह और कारगिल में सभी प्रकार की फोन सेवाएं पहले ही बहाल की जा चुकी हैं। सिर्फ घाटी में ही मोबाइल सेवा बंद थी। ऐसे में अब बीएसएनएल समेत जितनी भी दूरसंचार क्षेत्र के कंपनियां कश्मीर में यह सेवा प्रदान कर रही हैं, अपनी सेवाएं शुरू कर देंगी।

कंसल ने कहा-आतंकियों से डरने की नहीं है जरूरत

प्रदेश में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाने के अपने संकल्प को दोहराते हुए रोहित कंसल ने कहा कि हम विघटनकारी तत्वों की हर साजिश को नाकाम बनाएंगे। व्यापारियों, उद्योगपतियों, ट्रांसपोर्टरों, दुकानदारों, होटल मालिकों और ठेकेदारों को आतंकियों व अलगाववादियों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें बेखौफ अपनी सामान्य दिनचर्या पर लौटना चाहिए। वहीं, कोई शरारती तत्व उन्हें तंग करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटक एडवाइजरी वापस लेने के बाद लिया फैसला : पोस्टपेड मोबाइल सेवा बहाल करने का फैसला राज्य सरकार द्वारा नौ अक्टूबर को पर्यटकों के लिए एडवाइजरी वापस लिए जाने के बाद आया है। विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक और टूरिस्ट संगठनों ने कहा था कि जब तक मोबाइल सेवा बहाल नहीं होगी, पर्यटकों के लिए हटाई गई ट्रैवल एडवाइजरी कारगर नहीं होगी।

चरणबद्ध तरीके से होगी रिहाई : हिरासत में लिए गए राजनीतिक लोगों की रिहाई के संदर्भ में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि इन सभी को संबंधित कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए, हालात में सुधार और संबंधित परिस्थितियों की समीक्षा के आधार पर चरणबद्ध तरीके से रिहा किया जाएगा।

श्रीनगर में सचिवालय के समीप ग्रेनेड हमला, आठ लोग घायल पेज>>6

अयोध्या मसले पर समझौते से पर्सनल लॉ बोर्ड का इन्कार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोर्ड को सुप्रीम कोर्ट का फैसला मुस्लिमों के हक में आने की उम्मीद
- तीन तलाक कानून को बताया शरीयत में हस्तक्षेप, कोर्ट में देंगे चुनौती

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने शनिवार को अयोध्या मसले पर किसी भी समझौते से इन्कार कर दिया। बोर्ड कार्यकारिणी की बैठक में उम्मीद जताई गई कि सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या विवाद का फैसला मुसलमानों के हक में आएगा। बोर्ड ने तत्काल तीन तलाक कानून को शरीयत में हस्तक्षेप मानते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्णय किया है। बोर्ड ने कहा कि समान नागरिक संहिता न सिर्फ मुसलमानों के लिए बल्कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों सहित अन्य समुदायों के लिए भी बड़ी दिक्कतें पैदा करेगा।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या मामले की सुनवाई अंतिम चरण में है। वहीं, मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने भी पिछले दिनों अयोध्या मसले का हल कोर्ट से बाहर किए जाने की मांग की थी। बुद्धिजीवियों ने कहा था कि यदि मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट से मुकदमा जीत भी जाता है तो उसे यह जमीन हिंदुओं को दे देनी चाहिए। इसी के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड कार्यकारिणी की बैठक अहम मानी जा रही थी।

शनिवार को लखनऊ के नदवा कॉलेज में हुई बैठक के बाद बोर्ड ने साफ किया कि अयोध्या मसले पर वह अपने पुराने रुख पर कायम है। बोर्ड ने इस मसले पर किसी भी समझौते से इन्कार कर दिया है। बोर्ड ने कहा कि जो जमीन मस्जिद के लिए वक्फ कर दी जाती है, उसे मुसलमान न तो किसी को दे सकते हैं और न ही उसे छोड़ सकते हैं। समझौते की पहले भी कई बार नाकाम कोशिशें हो चुकी हैं। बैठक में कहा गया कि बोर्ड के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. राजीव धवन की अगुआई में जो दलील व गवाह अदालत में पेश किए गए, उससे पूरी उम्मीद है कि फैसला बाबरी मस्जिद के हक में आएगा। मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी की अध्यक्षता में हुई बैठक में समान नागरिक संहिता के बारे में कहा गया कि यह देश के लिए किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं है। बोर्ड इसका विरोध करेगा। बोर्ड ने केंद्र सरकार से भी इसे लागू न करने की मांग की।

बैठक में तत्काल तीन तलाक कानून पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस कानून को शरीयत में हस्तक्षेप मानते हुए इसका हर स्तर पर विरोध करने का निर्णय किया गया। बोर्ड ने कहा कि इससे औरतों और बच्चों के हक भी प्रभावित होंगे। इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया जाएगा। बैठक में महासचिव मौलाना वली रहमानी, उपाध्यक्ष फखरुद्दीन अशरफ किछौछवी, जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी, मौलाना महमूद मदनी, जफरयाब जीलानी, मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी और मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली समेत तमाम सदस्य मौजूद रहे।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में जाते मौलाना महमूद मदनी व अन्य। जागरण

महिलाओं को ऑड-इवेन से मिली छूट

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चार से 15 नवंबर तक लागू होने वाले ऑड-इवेन योजना में इस बार भी महिलाओं को छूट दी गई है, लेकिन निजी सीएनजी वाहनों को रियायत नहीं होगी। सार्वजनिक वाहनों पर यह व्यवस्था लागू नहीं होगी और दोपहिया वाहन के बारे में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जुर्माने पर भी कोई फैसला नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दोपहिया वाहनों से बहुत प्रदूषण होता है, मगर दिल्ली में चल रहे 70 लाख दोपहिया में से 35 लाख को सड़क से हटा दिया जाएगा तो परिवहन की समस्या खड़ी हो जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि दोपहिया को छूट मिल सकती है। इसमें सुबह व शाम को तीन-तीन घंटे तक अनुमति देने का फार्मूला भी अपनाया जा सकता है।

दो हजार अतिरिक्त बसों का इंतजाम : ऑड-इवेन के दौरान लोगों को परेशानी से बचाने के लिए दिल्ली सरकार ने दो हजार अतिरिक्त बसों का इंतजाम किया है। निजी बस चालकों से संपर्क किया गया है। बेहतर यातायात संचालन के लिए 200 स्थानों पर पांच हजार वॉलंटियर्स लगाए जाएंगे। एप आधारित टैक्सी सेवा उबर के अधिकारियों को बता दिया गया है कि किसी भी कीमत पर डेढ़ गुना से ज्यादा कीमत की वसूली नहीं हो सकती है।

दफ्तर की टाइमिंग पर चल रही बात : सीएम ने बताया कि ऑड-इवेन के दौरान सार्वजनिक वाहनों पर एक समय दबाव न बने इसके लिए दफ्तरों का समय बदलने पर विशेषज्ञों से बात चल रही है। जल्द ही इसे तय कर लिया जाएगा। अभी 11 बजे से साढ़े सात बजे तक सरकारी कार्यालयों का समय करने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने लोगों को दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ कार पूलिंग करने की सलाह भी दी।

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री के निजी सहायक ने की आत्महत्या

- सुसाइड नोट में छापे से परेशान होकर आत्महत्या की बात कही
- शनिवार को एक बार फिर आयकर विभाग ने परमेश्वर के यहां मारे छापे

बेंगलुरु, एजेंसियां : कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर के निजी सहायक एनएस रमेश (38) ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। घटनास्थल से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने छापे से परेशान होकर सम्मान की रक्षा के लिए खुदकशी करने की बात कही है। पत्र में पुलिस से पत्नी और बच्चों को परेशान नहीं करने का अनुरोध किया गया है। इस घटनाक्रम के बाद आयकर विभाग ने एक बार फिर परमेश्वर से जुड़े आवास, कार्यालय और शिक्षा संस्थानों पर छापे मारे। परमेश्वर के ठिकानों से आयकर विभाग ने करोड़ों रुपये जब्त किए थे। गौरतलब है कि आयकर विभाग ने दो दिन पहले परमेश्वर के आवास, कार्यालय और सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में छापे मारे थे और रमेश से भी पूछताछ की थी।

पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह भारतीय खेल प्राधिकरण के मैदान के पास रमेश का शव एक पेड़ से लटकता मिला। वह रामनगर के मेल्लईहल्ली के रहने वाले थे। रमेश ने सुसाइड नोट में लिखा, 'मैं अपने घर में आयकर विभाग के छापे से परेशान हूं और सम्मान की रक्षा के लिए मैंने आत्महत्या करने का फैसला किया है। गरीब हमेशा गरीब रहना चाहिए, इस संस्कृति से ऊबकर मैं इस निर्णय पर पहुंचा हूं।'

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस कार्यालय में बतौर टाइपिस्ट से काम शुरू करने वाले रमेश जल्द ही परमेश्वर के करीबी बन गए थे। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष रहे परमेश्वर ने बताया कि छापों से परेशान रमेश को उन्होंने निडरता से पूरे मामले का सामना करने को कहा था। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैं नहीं जानता कि उन्होंने क्यों खुदकशी की। सुबह भी मैंने उनसे बात की थी।' परमेश्वर के अनुसार आयकर विभाग ने उन्हें मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि कुछ छात्रों की शिकायतों के बाद छापे की कार्रवाई की गई। छापों को राजनीतिक रंग देने से इन्कार करते हुए उन्होंने कहा कि वह आयकर विभाग के हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं।

रमेश की खुदकशी उत्पीड़न का उदाहरण : कांग्रेस

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रमेश की खुदकशी को उत्पीड़न का उदाहरण बताया है। पार्टी ने एक ट्वीट में कहा कि आयकर विभाग के उत्पीड़न के चलते ही सीसीडी (कैफे कॉफी डे) के संस्थापक सिद्धार्थ ने आत्महत्या की थी और अब रमेश ने जान दे दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश गुंडू राव ने सवाल किया कि आखिर कांग्रेस नेताओं के घर पर ही क्यों छापे मारे जा रहे हैं? ऐसा लगता है कि इसके पीछे एकमात्र एजेंडा उन लोगों को निशाना बनाना और परेशान करना है, जो भाजपा के खिलाफ लिखते या बोलते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने आरोप लगाया कि दो-तीन दिनों की पूछताछ के दौरान रमेश को यातनाएं दी गईं, जिसके चलते उन्होंने खुदकशी की।

आयकर विभाग ने कहा-रमेश के घर कोई छानबीन नहीं की पेज>>6

ईडी ने जब्त की भूषण स्टील की 4025 करोड़ की संपत्ति

- दिल्ली की सीबीआइ कोर्ट के आदेश पर हुई कार्रवाई

जासं, भुवनेश्वर : दिवालिया घोषित की जा चुकी भूषण पावर एंड स्टील कंपनी के प्रमोटरों द्वारा जाली कागजात के आधार पर 5500 करोड़ रुपये का लोन लेने के मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने कंपनी की संबलपुर स्थित फैक्ट्री को अटैच कर लिया है। जब्त की गई संपत्ति की कीमत 4025 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दिल्ली की सीबीआइ कोर्ट के निर्देश के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई की है।

ताजा मामले में भूषण पावर एंड स्टील कंपनी के कंपनी के प्रमोटर संजय सिंघल व अन्य के खिलाफ फर्जी कागजात दिखाकर पंजाब नेशनल बैंक और इलाहाबाद बैंक से लगभग 5500 करोड़ रुपये का कर्ज लेने की शिकायत की गई थी। इस मामले की जांच सीबीआइ कर रही थी। सीबीआइ ने संजय सिंघल और अन्य के खिलाफ जालसाजी, आपराधिक साजिश, भ्रष्टाचार निरोधक कानून और मनी लॉन्ड्रिंग के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले की सुनवाई दिल्ली स्थित सीबीआइ कोर्ट में चल रही है। सिंघल परिवार पर जालसाजी के आरोप की पुष्टि के बाद सीबीआइ कोर्ट ने ईडी को कंपनी की संपत्ति जब्त करने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि भूषण पावर एंड स्टील कंपनी को कानूनी तौर पर बेचने की प्रक्रिया चल रही है। इस कंपनी को खरीदने के लिए 19500 करोड़ रुपये की सर्वाधिक बोली का टेंडर जेएसडब्ल्यू स्टील ने भरा है। कंपनी पर वर्तमान में 48000 करोड़ रुपये का बैंक कर्ज है। इसी कारण इसे दिवालिया घोषित किया गया था।

पेश की मिसाल

ट्विटर पर तीन मिनट के वीडियो में मामल्लपुरम में मिशन मोड में दिखाई दिए प्रधानमंत्री, लोगों से की सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने की अपील

समुद्र तट पर कचरा साफ कर मोदी ने दिया बड़ा संदेश

मामल्लपुरम, प्रेट्र : चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए इस ऐतिहासिक नगर में मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह समुद्र तट पर 'प्लॉगिंग' की। उन्होंने सुबह की सैर के दौरान समुद्र तट से प्लास्टिक का कूड़ा, पानी की बोतलें और दूसरे प्रकार का कचरा उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

मोदी ने ट्विटर पर तीन मिनट का एक वीडियो जारी किया जिसमें वह कूड़ा एकत्र करते हुए नजर आए। उन्होंने ट्वीट किया, 'मामल्लपुरम में सुबह समुद्र तट पर प्लॉगिंग करते हुए। यह करीब 30 मिनट तक चला। साथ ही मैंने एकत्र किया हुआ कूड़ा जयराज को थमाया जो होटल के कर्मचारी हैं।' एक अन्य ट्वीट में मोदी ने कहा, 'मामल्लपुरम में खूबसूरत तट के किनारे तरोताजा करने वाली सैर और कसरत।' उन्होंने आगे लिखा 'हम सभी यह सुनिश्चित करें कि हमारे सार्वजनिक स्थान साफ एवं सुंदर रहें। चलिए, यह भी सुनिश्चित करते हैं कि हम स्वस्थ रहें।' बता दें कि 'प्लॉगिंग' का मतलब जॉगिंग करते या दौड़ते वक्त प्लास्टिक की उपयोग की हुई बोतलें जैसा कूड़ा-कचरा उठाना होता है।

प्रधानमंत्री के 'प्लॉगिंग' वीडियो को टैग करते हुए भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'एक सच्चा नेता उदाहरण स्थापित कर नेतृत्व करता है। हम स्वच्छता की दिशा में अथक प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आभारी हैं। आइए हम उनके स्वच्छ और समृद्ध भारत के संकल्प को और आगे बढ़ाएं।'

याद दिला दें कि इसी साल स्वतंत्रता दिवस पर मोदी ने देश को एक बार इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक से मुक्त बनाने का अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। भारत को स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत 2014 में की गई थी। यह उनका प्रिय अभियान है। 29 सितंबर को 'मन की बात' कार्यक्रम में उन्होंने संभवतः भारत के पहले प्लॉगर रिपुदमन बेल्वि के प्रयासों की सराहना की थी जिन्होंने सुबह की सैर के दौरान कचरा उठाने का अभियान शुरू किया था। प्रधानमंत्री का कहना था कि विदेश में प्लॉगिंग पहले से चलन में है, लेकिन भारत में बेल्वि ने इसे काफी हद तक बढ़ावा दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा था कि प्लॉगिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार देशभर में दो किलोमीटर की दौड़ का आयोजन भी करेगी। इस हफ्ते की शुरुआत में भी मोदी ने प्लॉगिंग को सभी के लिए लाभकारी बताया था क्योंकि इससे फिटनेस के साथ-साथ पर्यावरण में भी सुधार होता है। एक ट्वीट में उन्होंने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मुंबई में प्लॉगिंग पर आधारित सामाजिक प्रयोग की प्रशंसा की थी।

तमिलनाडु के मामल्लपुरम में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुबह की सैर के दौरान समुद्र तट से कूड़ा-कचरा साफ किया। एएनआइ

मीरजापुर में नमक-रोटी के बाद सीतापुर में मिड डे मील में हल्दी का घोल और चावल परोसा

जागरण संवाददाता, सीतापुर

- उत्तर प्रदेश में लापरवाही का एक और मामला सामने आया

मीरजापुर में बच्चों को नमक-रोटी देने की घटना के बाद अब सीतापुर के पिसावां ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय बिचपरिया में मिड डे मील (एमडीएम) पर सवाल उठा है। दावा है, यहां बच्चों को हल्दी के घोल में कच्चे चावल परोस दिए गए। शनिवार दोपहर इस आशय का वीडियो वायरल होने के बाद अफसरों में खलबली मच गई। यही नहीं, मुख्यमंत्री दफ्तर ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए रिपोर्ट तलब की है, जिसके बाद एडीएम विनय कुमार पाठक देर शाम तक गांव में जांच करते रहे। बच्चों के बयान भी दर्ज किए, जिसके बाद उन्होंने घटना को गलत बताते हुए किसी भी कार्रवाई से इन्कार कर दिया।

बिचपरिया स्कूल में कुल 104 बच्चे हैं। इनमें 54 उपस्थित थे। शनिवार की दोपहर स्कूल के बच्चों की थाली में पीला घोल (जिसे हल्दी का घोल बताया गया) और चावल के दानों का एक वीडियो वायरल हुआ। कहा गया कि बच्चों को हल्दी के घोल में कच्चे चावल परोस दिए। वीडियो वायरल होने के बाद बीएसए अजय कुमार को जांच के निर्देश मिले। स्कूल बंद होने के बावजूद बीएसए मौके पर गए और बच्चों व अभिभावकों के बयान लिए।

बीएसए ने बताया कि शनिवार को मध्याह्न भोजन का मेन्यू सब्जी-चावल था। स्कूल में आलू और सोयाबीन की सब्जी व चावल बना था। छात्रा प्रियांशी व रागिनी और अभिभावक नीलकंठ सहित कई लोगों ने भोजन अच्छा होने की बात कही है। भोजन का आखिरी हिस्सा रसा व चावल शेष था, जिसका किसी ने वीडियो बना लिया। एडीएम विनय कुमार पाठक ने बताया कि वायरल वीडियो गलत है। हमने गांव में पहुंचकर दो दर्जन से अधिक अभिभावकों और छात्रों से जानकारी ली है। किसी ने भी भोजन के संबंध में कोई शिकायत नहीं की। ग्रामीण और बच्चे भोजन की गुणवत्ता से संतुष्ट हैं। ऐसे में कोई कार्रवाई नहीं बनती है।

सीतापुर में पिसावां ब्लॉक के बिचपरिया प्राथमिक विद्यालय में एमडीएम लिए बच्चे का वायरल फोटो।

इंडिया गेट पर शबद अनहद समागम...

गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार रात इंडिया गेट पर 'शबद अनहद समागम' का आयोजन किया गया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) की ओर से आयोजित इस समागम में 550 रागियों ने कीर्तन किया। लाइट शो के माध्यम से भी गुरु का गुणगान किया गया। इस आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। कमेटी के अध्यक्ष मनजीत सिंह सिरसा ने कहा कि गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव को यादगार बनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एक मंच पर 1100 स्कूली बच्चे भी कीर्तन कर चुके हैं। अनहद समागम में देश के अलग-अलग राज्यों से रागी शामिल हुए। जागरण

एम्स ने मोबाइल वैन सेवा का किया विस्तार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : एम्स ने मादक पदार्थ व नशीली दवाओं की लत से पीड़ित लोगों की मदद के लिए मोबाइल वैन की सेवा में विस्तार किया है। इसके तहत एम्स की मोबाइल वैन अब पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी और इसके आसपास के इलाकों में भी नशे की लत से पीड़ित लोगों को इलाज के लिए दवाएं उपलब्ध कराएगी। ताकि वे नशीली दवाओं की लत छोड़ सकें। इस मोबाइल वैन क्लीनिक में एक नर्स और एक अन्य प्रशिक्षित कर्मचारी मौजूद होता है। इससे पहले पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी के गोल चक्कर के आसपास इस मोबाइल वैन से लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

डॉक्टर कहते हैं कि देश में मादक पदार्थ व नशीली दवाओं की लत से देश में करीब 28 लाख लोग प्रभावित हैं। जबकि सिर्फ दो फीसद लोगों को ही दवाएं उपलब्ध हो पाती हैं। इसका बड़ा कारण नशा मुक्ति केंद्रों की कमी है। साथ ही यह देखा गया है कि बार-बार अस्पताल आने में परेशानी के कारण नशे की लत से पीड़ित लोग दवा लेना छोड़ देते हैं। यही वजह है कि एम्स ने यह पहल की है। जो मरीज पहले एक बार अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर से दवा लिखवा चुके होते हैं उन्हें मोबाइल वैन दवाएं उपलब्ध कराती है। आने वाले समय में दिल्ली के अन्य इलाकों में भी ये सुविधा शुरू की जाएगी।

सोनिया के दरबार पहुंचा दिल्ली कांग्रेस का घमासान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

कलह

- चाको के विरोध में मोर्चा खोलने वाले पूर्व मंत्रियों के खिलाफ मैदान में उतरे कांग्रेस के जिला अध्यक्ष
- लगाया पार्टी को कमजोर करने का आरोप, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष से की सख्त कार्रवाई करने की मांग

पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित द्वारा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीसी चाको को पत्र लिखने से पार्टी में शुरू हुआ घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। चाको के समर्थन में पार्टी के जिला अध्यक्षों ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखा है। उन्होंने प्रदेश प्रभारी के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पूर्व मंत्रियों व नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पार्टी के नेता जिस तरह से दो गुट में बंट गए हैं, उससे आने वाले दिनों में लड़ाई और बढ़ने की संभावना है।

दीक्षित द्वारा लिखे गए पत्र पर पार्टी के अनुशासनात्मक समिति को फैसला करना है, लेकिन इसे लेकर दिल्ली के कांग्रेस नेता आपस में भिड़ रहे हैं। शुक्रवार को पूर्व मंत्री रमाकांत गोस्वामी, मंगत राम सिंघल व किरण वालिया और प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र कोचर व रोहित मनचंदा ने प्रेसवार्ता करके प्रदेश प्रभारी पीसी चाको पर पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि शीला दीक्षित को कांग्रेस को मजबूत करने से रोका गया, जिससे वह परेशान थीं। उन्होंने उनकी मौत की जांच कराने और चाको को प्रदेश प्रभारी के पद से हटाने की मांग की थी।

शनिवार को विभिन्न जिला अध्यक्षों के हस्ताक्षर से सोनिया गांधी को पत्र भेजा गया है। जिला अध्यक्षों ने पार्टी के विरोध में बयान देने वाले पूर्व मंत्रियों व नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन के नेतृत्व में पार्टी लगातार मजबूत हो रही थी, लेकिन इन नेताओं ने नगर निगम चुनाव के पहले बगावत का झंडा उठा लिया था जिससे पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। अब विधानसभा चुनाव के पहले भी उसी राह पर चल रहे हैं। यदि इन्हें नहीं रोका गया तो विधानसभा चुनाव में पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम गोयल ने भी चाको के समर्थन में सोनिया गांधी को पत्र लिखा है। वहीं, प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता जितेंद्र कोचर का कहना है कि जिला अध्यक्षों के फर्जी हस्ताक्षर करके पत्र जारी किया गया है।

अलका लांबा ने फिर थामा कांग्रेस का हाथ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : चांदनी चौक से पूर्व विधायक अलका लांबा शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी पीसी चाको, वरिष्ठ कांग्रेस नेता चतर सिंह सहित अन्य नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत किया। लांबा ने कहा कि देश में फैली अराजकता से सिर्फ कांग्रेस ही मुक्ति दिला सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोगों के जीवन में सुधार के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने पिछले पांच वर्षों में कोई भी काम नहीं किया है। आप नेतृत्व कार्यकर्ताओं के सुझाव और शिकायत पर गौर नहीं करता है। दूसरी ओर कांग्रेस में कार्यकर्ताओं के सुझाव पर ध्यान दिया जाता है। यही एक पार्टी है जो दिल्ली के विकास के लिए काम करती है इसलिए वह कांग्रेस में शामिल हो रही हैं। पिछले काफी दिनों से उनके कांग्रेस में जाने की चर्चा थी। शनिवार को उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली।

गोयल विस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दें : भाजपा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को एक बिल्डर के घर में जबरदस्ती घुसने के लिए दोषी करार दिया है। अदालत के फैसले के बाद भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा है। विधानसभा अध्यक्ष से इस्तीफे की भी मांग की है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि आप के कई विधायकों व मंत्रियों के खिलाफ मामले दर्ज हुए हैं। ज्यादातर मामले महिलाओं के साथ उत्पीड़न के हैं। अब विधानसभा अध्यक्ष को अदालत ने दोषी ठहरा दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को अपराधमुक्त शासन देने का वादा करने वाले मुख्यमंत्री केजरीवाल आरोपित व दोषी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें संरक्षण दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आप सरकार के कार्यकाल में शिक्षा, रोजगार दिलाने, नई बसें लाने, प्रदूषण कम करने और यमुना को साफ करने के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ है। कहा कि आप को जनता से ज्यादा सत्ता से प्यार है। यदि आरोपित व दोषी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो दिल्ली की जनता मुख्यमंत्री को माफ नहीं करेगी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद अब गोयल को विधानसभा अध्यक्ष पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। संवैधानिक पद की गरिमा को देखते हुए उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

रखी बात ▶ दिल्ली में 25 फीसद तक प्रदूषण कम होने का श्रेय लेने की मची होड़ के बीच सीएम बोले

प्रदूषण को कम करने में सभी का रहा योगदान

मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से सड़कों की सफाई की योजना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली में 25 फीसद तक प्रदूषण कम होने का श्रेय लेने की मची होड़ के बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली में सभी के प्रयास से प्रदूषण कम हुआ है। दिल्ली सचिवालय में प्रदूषण को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ईस्टर्न व वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे शुरू कराया। दूसरे राज्यों को जाने वाले वाहन दिल्ली में आने बंद हो गए। नगर निगम ने निर्माण स्थलों को लेकर सख्ती की। दिल्ली सरकार ने भी इस मामले में सख्ती की।

नगर निगमों ने कई जगह मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से सफाई शुरू कराई है। मगर अभी इसमें बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि नगर निगम जल्द ही दिल्ली भर में मैकेनिकल स्वीपिंग से सड़कों की सफाई कराएंगे।

उन्होंने कहा कि चिंता का विषय है कि अब प्रदूषण बढ़ने लगा है। आसपास के राज्यों से पराली जलाने का धुआं आने लगा है। इस धुएं को बर्दाश्त करते हुए कई साल हो गए हैं। अब हमें आपस में मिलकर इसके लिए कोई न कोई हल निकालना पड़ेगा। दूसरे राज्यों को इस बारे में कार्रवाई करनी चाहिए। हम लोग भी इससे निपटने के लिए तैयारी कर रहे हैं। दिवाली पर अपने यहां पटाखे नहीं छोड़ें, बल्कि हमारे साथ दिवाली मनाएं। उन्होंने कहा कि इस बार चार दिन कनॉट प्लेस में दिवाली मनाई जाएगी। 26 से 29 अक्टूबर तक दिवाली मनाई जाएगी। कनॉट प्लेस में शाम सात बजे से लेजर शो होगा। लोग अपने परिवार के साथ आएं और दिवाली मनाएं। सभी के घरों पर मास्क भिजवाए जा रहे हैं। 50 लाख मास्क बांटे जाएंगे।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। साथ में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत। इस दौरान उन्होंने राजधानी में प्रदूषण पर स्थिति स्पष्ट की। जागरण

एनएचएआइ पर वायु प्रदूषण करने पर लगा 90 लाख 23 हजार का जुर्माना

जागरण संवाददाता, साहिबाबाद

जिले के बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शनिवार को व्यापक कार्रवाई करते हुए दो बड़े जुर्माने लगाए हैं। इसमें उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया पर वायु प्रदूषण करने पर 90 लाख 23 हजार 437 रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही ईंधन में प्लास्टिक का इस्तेमाल करने पर प्रदूषण बोर्ड ने दो फैक्ट्रियों पर भी करीब 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बता दें कि प्रदूषण के खिलाफ यह बीते एक साल की बड़ी कार्रवाई है।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी उत्सव शर्मा ने बताया है कि लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने जगह-जगह जांच की। जांच में सामने आया कि एनएच-9 के चौड़ीकरण कार्य में एनएचएआइ की तरफ से धूल को उड़ने से रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। इस पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से 90 लाख 23 हजार 437 रुपये का जुर्माना एनएचएआइ पर लगाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी जिलाधिकारी गाजियाबाद और यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी ने एनएचएआइ पर 2.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। इस दौरान जिलाधिकारी की तरफ से एनएचएआइ के अधिकारियों को निर्माणाधीन साइट पर धूल उड़ने से रोकने के लिए कदम उठाने के सख्त निर्देश दिए गए थे।

ईंधन में प्लास्टिक जलाने पर दो फैक्ट्रियों पर 50 लाख का जुर्माना किया गया है। साथ ही यूपीपीसीबी की तरफ से हापुड़ रोड पर वेद सेल्युलोस और मोदीनगर रोड पर आरएसी पेपर लिमिटेड पर भी करीब पचास लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जांच के दौरान दोनों फैक्ट्रियों में बॉयलर के ईंधन में प्लास्टिक का इस्तेमाल मिला। इस पर बोर्ड की तरफ से वेद सेल्युलोस पर 26 लाख 25 हजार रुपये और आरएसी पेपर लिमिटेड पर 24 लाख 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

इंदिरापुरम से नोएडा का सफर जल्द होगा आसान

जागरण संवाददाता, इंदिरापुरम : दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे निर्माण के दौरान जाम से जूझने वाले इंदिरापुरम, वैशाली और वसुंधरा के लोगों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। यूपी गेट से मेरठ के बीच के एक्सप्रेस-वे के हिस्से में आने वाले सीआइएसएफ कट के पास बने दूसरे अंडरपास को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया एक सप्ताह में चालू कर देगा। अंडरपास चालू होने के बाद दिल्ली-नोएडा जाने वाले करीब दस हजार से अधिक वाहनों को जाम से नहीं जूझना पड़ेगा।

दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ तक बन रहे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का काम यूपी गेट तक पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में यूपी गेट से डासना तक आठ लेन का काम अक्टूबर में पूरा करने का दावा नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआइ) कर रहा है। इसी कड़ी में अब यूपी गेट से मेरठ के बीच बने 13 अंडरपासों में से सीआइएसएफ कट पर बना दूसरा अंडरपास शुरू होने जा रहा है। यह अंडरपास इंदिरापुरम के शिप्रा सनसिटी से नोएडा सेक्टर-62 के बीच बनाया गया है। एनएचएआइ अंडरपास का निर्माण लगभग पूरा कर चुका है। सड़क बनाकर अंडरपास को शुरू कर दिया जाएगा।

इंदिरापुरम, वैशाली और वसुंधरा से आने वाले लोग काला पत्थर और शिप्रा मॉल वाली रोड से अंडरपास पहुंचेंगे। अंडरपास से दाईं ओर मुड़कर सर्विस रोड पर चढ़कर सीधे एक्सप्रेस-वे पर प्रवेश कर सकेंगे।

फर्जी आधार व पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- सात गिरफ्तार, प्लास्टिक का अंगूठा बनाकर कर रहे थे फर्जीवाड़ा, एक महीने में होती थी चार लाख की कमाई

सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र से पुलिस ने फर्जी आधार व पैन कार्ड बनाने वाले सात आरोपितों को धर दबोचा है। आरोपित लंबे समय से फर्जीवाड़ा कर रहे थे। हरियाणा के रहने वाले मुख्य आरोपित राहुल के नाम से बनी अधिकृत आइडी का प्रयोग फर्जीवाड़े में किया जा रहा था। राहुल एक दिन के सात हजार रुपये आरोपितों से लेता था, जो कि आधार कार्ड बनाते थे। प्लास्टिक का अंगूठा बनाकर पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया जा रहा था। एक महीने में आरोपित चार लाख की कमाई करते थे। पुलिस ने सातों आरोपितों को कोर्ट में पेश किया। वहां से सातों को जेल भेज दिया गया। गिरोह में शामिल एक और आरोपित प्रवीण अभी फरार है।

एसपी देहात रणविजय सिंह ने बताया कि सूरजपुर कोतवाली पुलिस को फर्जी आधार व पैन कार्ड बनाने के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर सूरजपुर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र सिंह दीखित व थाने की क्राइम टीम प्रभारी शैलेंद्र तोमर ने टीम के साथ छापेमारी की। छापेमारी कर मौके से सात आरोपितों को धर दबोचा गया। आरोपित मलकपुर में बने एक बैंक के पीछे बने कमरे में आधार कार्ड बना रहे थे। कमरे के बाहर आधार कार्ड व पैन कार्ड बनवाने वाले लोगों की लाइन लगी हुई थी। आरोपितों के कब्जे से 50 प्लास्टिक के आधार कार्ड, 25 आधार कार्ड लेमिनेशन, 20 आधार बनवाने वाले फार्म, 18 पर्ची, 16 पैनकार्ड आदि सामान बरामद हुआ है।

ऐसे बनाते थे आधार कार्ड : मुख्य आरोपित राहुल की अधिकृत आइडी पर दर्ज अंगूठे के निशान का प्लास्टिक का अंगूठा आरोपितों ने बना लिया था। आरोपित यूटीडीएआइ डाट इन की वेबसाइट पर कैंप मोड में जाकर फर्जीवाड़ा करते थे। कैंप मोड में अलग-अलग क्षेत्र में आधार कार्ड बनाने का विकल्प दिखाता है। इसी विकल्प का प्रयोग कर आरोपित फर्जीवाड़े को अंजाम दे रहे थे।

आरोपितों ने राहुल के अंगूठे का निशान प्लास्टिक पर उतारने के लिए एमसील का प्रयोग किया। एमसील का अंगूठा बनाकर उसमें बने निशान को प्लास्टिक में फिट कर दिया गया और प्लास्टिक के अंगूठे से फर्जीवाड़े को अंजाम देने लगे।

ढाई सौ में बनाते थे एक कार्ड : आरोपितों ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि एक आधार कार्ड वह ढाई सौ सौ रुपये में बनाते थे। एक महीने से तीन से चार लाख की कमाई करते थे। इसमें से सात हजार रोजाना से हिसाब से मुख्य आरोपित राहुल को देते थे।

कोटला फिरोजशाह में महल क्षेत्र का होगा संरक्षण

वीके शुक्ला, नई दिल्ली : कोटला फिरोजशाह स्मारक में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने बड़े स्तर पर संरक्षण की योजना बनाई है। इसके तहत 50 साल में पहली बार स्मारक के महल क्षेत्र में संरक्षण कार्य कराया जाएगा। इसके अलावा स्मारक में स्थित जामे मस्जिद की गिर चुकी दीवार बनाई जाएगी। ऐसा पहली बार हो रहा है जब जामे मस्जिद में एएसआइ कोई काम कराने जा रहा है। महल क्षेत्र व दीवार बनाने के लिए पुराने दस्तावेज व फोटो इकट्ठे किए जा रहे हैं, जिससे यहां के 50 या 100 साल पहले के स्वरूप के बारे में सही जानकारी मिल सके। इस स्मारक के गेट से लेकर उत्तरी भाग तक करीब 500 मीटर लंबा पाथ-वे बनाने की भी योजना है। संरक्षण कार्य के लिए तैयारी चल रही है। जल्द ही काम शुरू होगा।

फिरोजशाह तुगलक का कार्यकाल 1351 से 1388 के बीच रहा। इस दौरान किला का निर्माण कराया गया था। लंबे समय बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) अब यहां बड़े स्तर पर संरक्षण कार्य व व्यवस्थाओं में सुधार करने जा रहा है। एएसआइ का प्रयास है कि किले की दीवारें व अन्य अवशेष जो बचे हैं, उनका संरक्षण किया जा सके। इसके अलावा उन भागों को फिर से बनाया जा सके, जिसके पूर्ण रूप से दस्तावेज मौजूद हैं। स्मारक के मुख्य भाग में पाथ-वे बनाया जा चुका है जबकि गेट से लेकर उत्तरी भाग को जोड़ने के लिए जल्द पाथ-वे का काम शुरू होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की भतीजी से दिनदहाड़े झपटमारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में झपटमारों के हौसले बुलंद हैं। शनिवार सुबह स्कूटी सवार दो झपटमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भतीजी दमयंती बेन मोदी से राजनिवास मार्ग स्थित गुजराती समाज भवन के बाहर से पर्स छीनकर फरार हो गए। पर्स में 56 हजार रुपये, दो मोबाइल फोन और कई अहम दस्तावेज थे। बदमाशों की उम्र 17-18 साल के करीब थी और वे बिना हेलमेट के थे। दमयंती को गुजराती समाज भवन के गेस्ट हाउस में दिन में आराम करने के बाद शाम को गुजरात की फ्लाइट पकड़नी थी।

दमयंती पीएम मोदी के बड़े भाई प्रहलाद भाई मोदी की बेटी हैं। वह तीन दिन पहले पति विकास मोदी व छह वर्षीय बेटी के साथ घूमने के लिए निकली थीं। पहले वह अमृतसर गई थीं। वहां से शनिवार सुबह वह बस से पुरानी दिल्ली पहुंची थीं। यहां से ऑटो लेकर सुबह सात बजे वह गुजराती समाज भवन पहुंचीं। यहां ऑटो चालक को वह पैसे दे रही थीं। इसी बीच स्कूटी से उतरे एक झपटमार ने उनका पर्स छीन लिया। इसके बाद वह अपने साथी के साथ फरार हो गया। इस बीच दमयंती न तो बदमाशों के चेहरे देख पाईं और न ही स्कूटी का नंबर। सूचना पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। उन्हें जब पता चला कि पीड़िता प्रधानमंत्री की भतीजी हैं, तो जिले की डीसीपी सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंच गए। ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी झपटमारी के मामले में डीसीपी स्तर की अधिकारी मौके पर पहुंचीं। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। शाम को फ्लाइट से दमयंती बने गुजरात चली गईं।

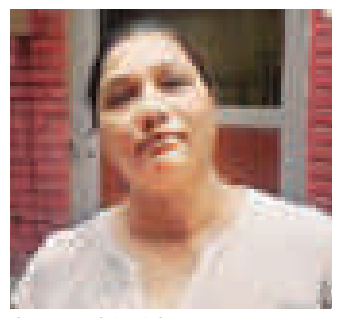

पीड़िता दमयंती बेन मोदी। जागरण

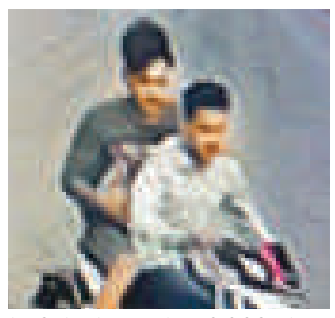

बैग छीनने वाले झपटमारों का सीसीटीवी फुटेज।

सदर बाजार के हैं झपटमार, 20 टीमें कर रहीं तलाश : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भतीजी दमयंती बेन मोदी का पर्स झपटने वाले दोनों झपटमारों की पहचान कर ली गई है। वारदात के दौरान दोनों की तस्वीर गुजराती समाज भवन के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। दोनों सदर बाजार के रहने वाले पेशेवर झपटमार बताए जा रहे हैं। इन्हें दबोचने के लिए पुलिस दोपहर से ही हर संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने झपटमारों के नाम अभी उजागर नहीं किए हैं।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक मीडिया के जरिये झपटमारों को पता लग गया है। इसके बाद दोनों मोबाइल बंद करके घरों से फरार हो गए हैं। जिला पुलिस के अलावा स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच की 20 से ज्यादा टीमें झपटमारों को दबोचने में जुट गई हैं। प्रधानमंत्री की भतीजी से जुड़ा मामला होने के कारण दिल्ली पुलिस के कई आला अधिकारी भी इस मामले पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और घटना की तफ्तीश के बारे में लगातार अपडेट ले रहे हैं। उत्तरी जिला के विभिन्न थानाक्षेत्र में जितने भी झपटमारों के नाम दर्ज हैं, उन सभी के जरिये आरोपितों की पहचान की जा रही है। दमयंती बेन मोदी से पर्स झपटने के दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों का कहना था कि अति सुरक्षित राज निवास मार्ग पर आए दिन झपटमारी की वारदात होती रहती है। उन्होंने बताया कि सुबह दस बजे के बाद सड़क पर पुलिस की मुस्तैदी बढ़ जाती है। ऐसे में झपटमार सुबह तड़के ही वारदात को ज्यादातर अंजाम देते हैं।

आप ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भतीजी के साथ हुई झपटमारी के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। आप के नेता राघव चड्ढा ने कहा दिल्ली पुलिस सीधे तौर केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करती है, लेकिन दिल्ली के लोगों को सुरक्षा देने में वह नाकाम रही है। आए दिन दिल्ली में झपटमारी जैसी घटनाएं होती हैं, लेकिन दिल्ली पुलिस इस पर लगाम लगाने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में राजनीतिक विरोधियों पर कार्रवाई करने के लिए दिल्ली पुलिस जरा भी देरी नहीं करती है। इस तरह के दोहरे रवैये से दिल्ली के नागरिकों को नुकसान हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भतीजी के साथ झपटमारी का मामला बेहद हैरान करता है क्योंकि यह घटना उस स्थान पर हुई, जहां से थोड़ी ही दूरी पर उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री का आवास है। दूसरी ओर राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली अपराध की राजधानी बन गई है। राजधानी दिल्ली में अगर प्रधानमंत्री की भतीजी सुरक्षित नहीं हैं तो आम लोगों की सुरक्षा का क्या होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। केंद्र सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए।

बदली तस्वीर

दिल्लीवासियों के दिल को छू गया टेराकोटा हस्तशिल्प, सरस आजीविका मेले में गोरखपुर के स्टॉल पर जुटी भीड़

संघर्ष से तपी 'लाल मिट्टी' से चमकाई अपनी किस्मत

संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

लाल मिट्टी को आग में तपाकर बनाई गई टेराकोटा मूर्तियां रखने की जगह नहीं थी। मिट्टी का मिलना भी मुश्किल। मूर्तियां किसी तरह बन भी जाएं तो खरीदार नहीं मिलते थे। बारिश के दिनों में मूर्तियां गलकर खराब हो जाती थीं। हम एक नहीं चौतरफा मार झेल रहे थे। गोरखपुर स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने संघर्ष की कहानी बताते हुए भावुक हो जाती हैं। कहती हैं कि हम परेशान जरूर थे, लेकिन कभी हौसला नहीं हारा। सरकारी संरक्षण मिला तो हमारे संघर्ष से तपकर लाल हुई लाल मिट्टी ने हमारी किस्मत भी चमका दी। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के चेहरों पर ना केवल खुशियां लौटीं, बल्कि कारोबार भी बढ़ा।

इंडिया गेट लॉन में आयोजित सरस आजीविका मेले में पहली बार दिल्ली आने का मौका मिला तो समूह में नए उत्साह का संचार हुआ। यहां स्टॉल पर जिस तरह से ग्राहकों की भीड़ जुट रही है, वह यह बताने के लिए काफी है कि टेराकोटा की मूर्तियां दिल्लीवासियों के दिल में बस गई हैं।

सरस आजीविका मेले में गोरखपुर के स्टॉल पर टेराकोटा का सामान देखती महिला। जागरण

संघर्ष से सफलता का सफर : गौतम स्वयं सहायता समूह, गांव भावलिया, ब्लॉक भटहट में सक्रिय है। स्टॉल पर मौजूद समूह की सदस्य गुड्डी देवी कहती हैं कि हमारे यहां गांव में काफी सालों से लोग टेराकोटा की मूर्तियां बना रहे हैं। 1986 में ससुर अक्षयवर ने सबसे पहले टेराकोटा मूर्ति बनाने का प्रशिक्षण लिया एवं फिर गांव के बाकि लोगों को सिखाया। बाद में मूर्तियां तो बनाना जारी रहा, लेकिन संघर्ष बढ़ता गया।

गांव-देहात में ही औने पौने दाम में बेचना पड़ता। लेकिन हाल के वर्षों में सरकार ने सुध ली और सरस के माध्यम से हमने अपना समूह बनाया। समूह में दस महिलाएं हैं। एक महीने पहले खादी ग्रामोद्योग ने हमें चाक और मिट्टी फेरने वाली मशीन भी दी है। इस मदद का ही परिणाम है कि हम यहां एक ट्रक सामान लेकर बेचने आए हैं। इनमें मूर्तियां, टेबल समेत अन्य सामान है। सबसे महंगा टेबल है जो 950 रुपये में है।

गोरखपुर के टेराकोटा की देश में खास पहचान है। गोरखपुर में बनने वाले टेराकोटा में किसी मशीन का प्रयोग नहीं होता है। हाथ से ही इसे आकार दिया जाता है। इसे पकाने में आज भी सिर्फ गोबर के कंडे का प्रयोग किया जाता है। आग में पकने के बाद मूर्ति का सूर्ख लाल रंग देखते ही बनता है। मूर्ति बनाने के लिए एक विशेष प्रकार की मिट्टी का प्रयोग किया जाता है जो तालाब से निकाली जाती है। इस मिट्टी की विशेषता है कि यह चिपकती नहीं है। मिट्टी में आम की छाल, सोडा आदि भी मिलाया जाता है। मूर्तियों का स्वाभाविक रंग तो लाल होता है, लेकिन यहां बहुत सी मूर्तियों पर रंग भी लगाया गया है जो दर्शकों को खूब पसंद आ रही हैं।

छठ पर गांव चलने से मना किया तो बहन की ले ली जान

स्वदेश कुमार, नई दिल्ली

शकरपुर इलाके में मामूली बात पर एक चचेरे भाई ने बहन की जान ले ली। भाई चाहता था कि बहन उसके साथ छठ पर्व पर बिहार स्थित गांव चले, लेकिन उसने मना कर दिया। इसको लेकर दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। इस दौरान आरोपित ने अपने पर्स से सर्जिकल ब्लेड निकालकर कान के पास हमला कर दिया। अधिक खून बहने की वजह से बहन की मौत हो गई। मृतका की पहचान सोनी (18) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित जितेंद्र (34) को दो दिन बाद मालवीय नगर से गिरफ्तार कर लिया है।

मूलरूप से बांका के गांव आरामपुर, बिहार निवासी सोनी यहां अपनी दीदी पूजा और जीजा सुमित के साथ किराये के मकान में शकरपुर गांव में रहती थी। सुमित सब्जी बेचते हैं। सोनी यहां करीब दो साल पहले आई थी। पत्राचार से वह बीकॉम कर रही थी। इसके साथ वह बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाती थी। गत आठ अक्टूबर को दशहरे के दिन चचेरा भाई जितेंद्र उनके घर आया था। रात में खाना खाने के बाद सोनी पहली मंजिल पर अपने कमरे में चली गई। जितेंद्र सोनी के कमरे में चला गया। उसने सोनी को बताया कि छठ पर गांव चलना है। उसने अपने साथ उसका भी ट्रेन का टिकट ले लिया है। सोनी ने बिना पूछे टिकट बनवाने पर एतराज जताया। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। सोनी ने जितेंद्र को थप्पड़ मार दिया। बदले में उसने पर्स से ब्लेड निकालकर सोनी के कान के नीचे हमला कर दिया। सुबह पूजा ने सोनी को आवाज दी तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। वह कमरे में पहुंची तो खून से लथपथ सोनी का शव पड़ा था। पूजा ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। हत्या का केस दर्ज कर पुलिस ने जितेंद्र की तलाश शुरू कर दी। पता चला कि जितेंद्र मालवीय नगर में रहकर पुताई का काम करता है।

84 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है केंद्र सरकार ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले के धार्मिक स्थल सुद्धमहादेव और मानतलाई के विकास के लिए।

लोकतंत्र में मील का पत्थर साबित हुआ आरटीआइ : शाह

रखी बात ▶ बोले, शासन में पारदर्शिता लाना सरकार की प्राथमिकता, अब डैशबोर्ड पर उपलब्ध है सरकारी कामकाज की हर जानकारी

देश में भ्रष्टाचार खत्म हुआ है और सुशासन की गति भी बढ़ी है

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरकार के कामकाज को पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है, ताकि किसी को सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कानून के इस्तेमाल की जरूरत ही नहीं पड़े। उनके अनुसार मोदी सरकार ने पिछले पांच साल में इस दिशा में अहम कदम उठाए हैं। सरकारी कामकाज की जानकारी डैशबोर्ड पर ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही है। आरटीआइ कानून को लोकतंत्र में मील का पत्थर बताते हुए गृह मंत्री ने कहा कि इससे सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने में मदद मिली है।

केंद्रीय सूचना आयोग के 14वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि मोदी सरकार का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा सूचनाओं को सक्रियता के साथ सार्वजनिक पटल पर रखना है ताकि लोगों को आरटीआइ आवेदन दायर करने की जहमत न उठानी पड़े। शाह ने कहा, 'आरटीआइ आवेदन दायर करने के सहज तरीके उपलब्ध होने के बावजूद उनकी संख्या कम होने का अर्थ है कि सरकार का काम संतोषजनक है।'

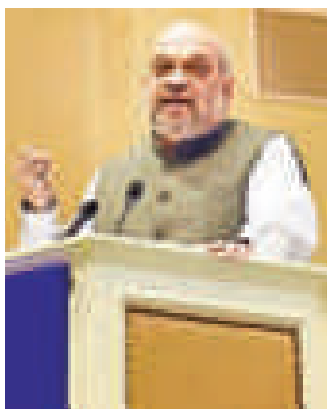

नई दिल्ली में शनिवार को केंद्रीय सूचना आयोग के 14वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

गृह मंत्री ने सरकार की स्वच्छ कार्यप्रणाली पर बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाई गई डैशबोर्ड प्रणाली ने सुनिश्चित किया कि हर किसी को बिना आरटीआइ आवेदन दायर किए देश में जारी योजनाओं की ऑनलाइन जानकारी मिल सके। सरकार ने इस प्रणाली के जरिए एक नए पारदर्शी युग की शुरुआत की है। कोई भी व्यक्ति डैशबोर्ड पर जाकर देख सकता है कि कितने शौचालय बनाए गए है। सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन कब मिलेगा। एक महिला डैशबोर्ड पर क्लिक कर जान सकती है कि उसे गैस सिलेंडर कब मिलेगा।

शाह ने कहा कि आरटीआइ कानून बनाने के पीछे मूल विचार व्यवस्था में लोगों का विश्वास बढ़ाना था। सरकार पिछले 14 साल में इस मंशा को पूरा करने में सफल रही है। उन्होंने कहा व्यवस्था संविधान के चार कोणों पर चलती है। कानून का मुख्य उद्देश्य लोगों में विश्वास पैदा करना है कि व्यवस्था संविधान के अनुसार चल रही है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में आवश्यक है कि शासन एवं व्यवस्था में लोगों का विश्वास एवं सहभागिता मजबूत हो। जब हम आरटीआइ के परिणामों का आकलन करते हैं तो हम देखते हैं कि पारदर्शिता बढ़ी है, भ्रष्टाचार खत्म हुआ है और इस कानून की वजह से सुशासन की गति भी बढ़ी है। शाह ने बताया कि जब उन्होंने इस कानून का बारीकी से अध्ययन किया तो उन्हें इसके दुरुपयोग का डर था। लेकिन, उन्होंने कहा कि आज वो इस बात से संतुष्ट हैं कि इस कानून का दुरुपयोग कम और सदुपयोग बहुत ज्यादा हुआ है।

गृह मंत्री ने कहा-मानवाधिकार को भारतीय संदर्भ में परिभाषित करने की जरूरत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- **आतंकवाद और नक्सलवाद को बताया मानवाधिकार उल्लंघन का सबसे बड़ा कारक**
- **कहा, भारतीय समाज में मौजूद है बच्चों-महिलाओं के मानवाधिकार की सुरक्षा की व्यवस्था**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मानवाधिकार को भारतीय संदर्भ में नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत बताई है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर गृहमंत्री ने कहा कि मानवाधिकार को पुलिस ज्यादती और हिरासत में मौत के दायरे तक सीमित नहीं रखा जा सकता है। मूलभूत जरूरतों से जनता को वंचित रखना भी मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि उनका भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए...' के एक-एक वाक्य का भावार्थ हम लोगों के सामने रखेंगे तो इससे बड़ा मानवाधिकार के लिए कोई चार्टर हो ही नहीं सकता। शाह ने कहा कि हमारे देश और समाज में बच्चों और महिलाओं के मानवाधिकार से संबंधित व्यवस्थाएं पहले से ही मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति, हमारा देश, हमारा समाज वर्षों से संकुचित सोच से ऊपर वसुधैव कुटुंबकम की भावना से सोचने वाला देश है। उन्होंने कहा कि 'जब आप पूरे विश्व को अपना परिवार समझते हो तो वसुधैव कुटुंबकम के अंदर ही मानवाधिकार का दायित्व समाहित दिखाई पड़ता है।'

अमित शाह के अनुसार मानवाधिकार सिर्फ पुलिस ज्यादती और हिरासत में मौत तक सीमित नहीं है, बल्कि आम जनता को विकास से वंचित रखना भी मानवाधिकार का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल तक देश में पांच करोड़ लोगों के पास घर नहीं था, 3.5 करोड़ लोगों के घर में बिजली नहीं थी, 50 करोड़ लोगों के पास स्वास्थ्य सुरक्षा नहीं थी, महिलाओं को शौचालय उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ये इन लोगों के मानवाधिकार का हनन नहीं है। शाह ने कहा कि हमारी सरकार ने करोड़ों लोगों तक इन सुविधाओं को पहुंचाकर एक अलग प्रकार से मानवाधिकार के लिए लड़ाई लड़ी है और सफलता भी प्राप्त की है।

अमित शाह ने पुलिस ज्यादती और हिरासत में मौत के प्रति जीरो टालरेंस की नीति का समर्थन करते हुए आंतकवाद और नक्सलवाद को मानवाधिकार के हनन का सबसे बड़ा कारक बताया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में आतंकवाद की भेंट चढ़ गए करीब 40,000 से ज्यादा लोग के परिवार के मानवाधिकार की भी चिंता करनी होगी।

इस अवसर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस एचएल दत्तू ने पिछले 26 सालों में आयोग की उपलब्धियां और आम जनता तक पहुंचने के लिए हाल में उठाए गए कदमों की जानकारी दी। जस्टिस दत्तू ने बताया कि आयोग के नए कदमों से लंबित मामलों में भारी कमी आई है और 99 फीसद मामलों में सरकारों ने आयोग के निर्देशों का पालन किया है।

19 अक्टूबर से भारत और जापान का साझा सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली, एएनआइ : भारत व जापान के सैनिक 19 अक्टूबर से दो नवंबर के बीच साझा सैन्य अभ्यास करेंगे। इस अभ्यास को 'धर्म गार्जियन' नाम दिया गया है। यह सैन्य अभ्यास मिजोरम के काउंटर इंसर्जेंसी एंड जंगल वारफेयर स्कूल में किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय सेना व जापानी ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्सेज के 25-25 सैनिकों की टुकड़ी अभ्यास में शामिल होगी। इस अभ्यास का मुख्य लक्ष्य आतंक-रोधी अभियानों का अनुभव साझा करना है। साथ ही दोनों देशों के सैनिकों के तौर-तरीकों को जानना भी है।

दोनों देशों के इस वार्षिक सैन्य अभ्यास की शुरुआत 2018 में हुई थी। इस साल दोनों देश के सैनिक जंगल व शहरी इलाकों में आतंकरोधी मिशन को अंजाम देने के लिए प्रशिक्षण लेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारतीय सेना दुनियाभर की कई सेनाओं के साथ साझा सैन्य अभ्यास करती है। हालांकि, जापान के साथ किया जाने वाला धर्म गार्जियन अभ्यास कई मामलों में अहम व निर्णायक है। दोनों देश वैश्विक आतंकवाद के चलते सुरक्षा के मोर्चे पर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में यह सैन्य अभ्यास और महत्वपूर्ण हो जाता है। इस अभ्यास से दोनों देशों की सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग बढ़ने की भी उम्मीद है।

पीएम को पत्र लिखने पर विवि से छह छात्र निष्कासित

- **महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विवि ने की कार्रवाई, पीड़ित छात्र पिछड़े और दलित समाज के**

वर्धा (महाराष्ट्र), आइएएनएस : हाल में हुई सांप्रदायिक घटनाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखना महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के छह छात्रों को महंगा पड़ा। चुनाव आचार संहिता और न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालने के आरोप में विवि ने इन्हें अनिश्चितकाल के लिए निष्कासित कर दिया है। सभी पीड़ित छात्र पिछड़े और दलित समाज से ताल्लुक रखते हैं।

निष्कासित छात्र चंदन सरोज, रजनीश आंबेडकर, पंकज वेला, नीरज कुमार, राजेश कुमार और वैभव पिंपालकर ने शुक्रवार को बताया कि उन लोगों ने मॉब लिंचिंग की घटनाओं, रेलवे और बीपीसीएल जैसी सरकारी कंपनियों में विनिवेश और बैंकों में चल रही समस्याओं पर प्रधानमंत्री को पोस्ट कार्ड भेजे थे। छात्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इन पत्रों को आपत्तिजनक बताया और 49 सेलेब्रिटी पर दर्ज राजद्रोह मामले के खिलाफ किए गए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन में भाग लेने के आरोप में उन्हें निष्कासित कर दिया। इस मुद्दे पर कुलपति रजनीश शुक्ला और इलाहाबाद व कोलकाता स्थित विवि के कैंपस के किसी जिम्मेदार व्यक्ति से प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। छात्रों के निष्कासन का पत्र कार्यकारी रजिस्ट्रार राजेश्वर सिंह के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

कांग्रेस व माकपा ने निष्कासन रद करने की मांग की

इस पूरे मुद्दे पर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने विश्वविद्यालय के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे छात्रों का शैक्षिक जीवन प्रभावित होगा। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र लिखकर पूछा है कि क्या भारतीय निर्वाचन आयोग ने आचार संहिता उल्लंघन के इस तरह के मामलों का स्वत: संज्ञान लेने का अधिकार विश्वविद्यालय को दे दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। माकपा ने भी छात्रों का निष्कासन रद करने की मांग की है। पार्टी ने कहा कि विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा छात्रों का उत्पीड़न अलोकतांत्रिक है और महात्मा गांधी के उन सभी मूल्यों के खिलाफ है जिनके नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी।

देश की अर्थव्यवस्था पर सरकार को घेरने आई कांग्रेस छापों पर भड़की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस ने अर्थव्यवस्था को लेकर शनिवार को सरकार पर फिर हमला बोला है। आरोप लगाया है कि वह अर्थव्यस्था को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है, जबकि अर्थव्यवस्था दिनों-दिन कमजोर होती जा रही है। हालांकि इसके साथ ही राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया और पार्टी के अकाउंट विभाग से जुड़े कर्मचारियों के यहां पड़े आयकर छापे को लेकर तीखी नाराजगी जताई है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा में पार्टी के अकाउंट विभाग के कर्मचारियों के यहां डाले गए छापे को निंदनीय बताया और कहा कि हम भी सरकार में थे, लेकिन विपक्षी पार्टियों के साथ कभी ऐसा बर्ताव नहीं किया। उन्होंने कहा कि वैसे भी इस सरकार में दो निजाम दिखते हैं, एक भाजपा के लिए और दूसरे विपक्षी दलों के लिए। क्योंकि सिर्फ विपक्षी दलों के नेताओं को ही निशाना बनाया जा रहा है। इससे साफ है कि सरकार प्रतिशोध की भावना से काम कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए घातक है। अब तो नेताओं के साथ पार्टी में काम कर रहे कर्मचारियों को भी निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि चुनाव का समय है, ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी के अकाउंट आफिस में ताला लगा है। हम अपने प्रत्याशियों की मदद नहीं कर पा रहे हैं।

शर्मा ने इस दौरान अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार और वित्त मंत्री की समझ पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें अर्थव्यवस्था को लेकर कोई समझ नहीं है। सरकार के पास राजस्व की भारी कमी है। जीएसटी रिफंड, एक्सपोर्ट रिफंड और पीएसयू के बगैर भुगतान वाले बिलों का आंकड़ा करीब दस लाख करोड़ हो गया है। यदि इसे जोड़ दिया जाए, तो सरकार का राजकोषीय घाटा 3.3 फीसद की जगह बढ़कर आठ फीसद के ऊपर हो जाएगा।

एक सवाल के जवाब में शर्मा ने बैंक धोखाधड़ी के मामलों में बढ़ोत्तरी का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीएमसी बैंक घोटाले के पीड़ित वित्त मंत्री से मिलते हैं तो वह घोटाले पर कमेटी बनाने और रिजर्व बैंक से बात करने की बात करती हैं। यह सरकार संवेदनहीन है। यह केवल लोगों का पैसा लेना जानती है। उनकी फंसी रकम वापस करने को लेकर गंभीर नहीं है। मोदी की चीन के राष्ट्रपति के साथ अनौपचारिक वार्ता से जुड़े सवाल कांग्रेस ने कहा कि चीन के साथ भारत को कई मुद्दों पर मतभेद है। बावजूद इसके चीन के साथ तालमेल बढ़ाने की पहल सबसे पहले राजीव गांधी ने 1988 में की थी। वह चीन के दौरे पर गए थे। जहां उनकी के चीन के शीर्ष नेता के साथ बातचीत हुई थी।

कोच्चि में एआइसीसी कर्मचारी के आवास पर आयकर का छापा

कोच्चि, आइएएनएस : आयकर विभाग की सात सदस्यीय टीम ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) के दिल्ली कार्यालय के एक कर्मचारी मैथ्यु वर्गीज के कोच्चि के चोट्टानिकारा के समीप स्थित आवास पर छापामारी की। शुक्रवार सुबह से जारी छापामारी अभी तक जारी है। आयकर दस्ते में एक अतिरिक्त निदेशक एवं अन्य शामिल हैं। टीम के सदस्य दिल्ली से आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, वर्गीज करीब 50 साल से एआइसीसी कोष कार्यालय से जुड़े हैं। पारिवारिक चर्च के सालाना उत्सव में भाग लेने के लिए वह हाल ही में यहां आए थे। उन्हें वरिष्ठ कांग्रेसी और कोषाध्यक्ष अहमद पटेल का करीबी माना जाता है।

बाहुबली मुख्तार के बेटे के पास एक लाइसेंस पर पांच हथियार, केस दर्ज

जागरण संवाददाता,लखनऊ

उत्तर प्रदेश के बाहुबली विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने धोखाधड़ी कर एक ही लाइसेंस पर पांच हथियार खरीद लिए थे। एसटीएफ की जांच के बाद लखनऊ पुलिस ने अब्बास अंसारी पर आर्म्स एक्ट और धोखाधड़ी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

उप्र एसटीएफ को अगस्त में अब्बास अंसारी के अधिक हथियार खरीदने का पता चला था। बताया गया कि अब्बास के नाम 2002 में डीएम लखनऊ की ओर से डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस नंबर 1628 निशातगंज पेपरमिल कॉलोनी स्थित उसके पते से जारी किया गया। इसके बाद अब्बास ने जिला प्रशासन की अनुमति और वेरीफिकेशन के बिना ही इस लाइसेंस को नई दिल्ली बसंतकुंज स्थित किशनगंज के पते पर स्थानांतरित करवा लिया। दिल्ली में अब्बास ने खुद को विख्यात निशानेबाज बताते हुए लाइसेंस नंबर एसडीबीएस/2/2015/1 की यूआइडी (10675002 1283342015) पर चार और हथियार खरीदे। इसकी सूचना लखनऊ पुलिस को भी नहीं दी गई। अब्बास शॉट गन में नेशनल शूटर बताया जाता है। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में बसपा ने अब्बास अंसारी को घोसी सीट से टिकट भी दिया था, लेकिन वह हार गया।

कई लाइसेंस हैं मुख्तार और अब्बास के पास : जांच में पता चला है कि मुख्तार अंसारी और उनके करीबी रिश्तेदारों के नाम नौ शस्त्र लाइसेंस जारी किए गए हैं। इनमें से तीन लाइसेंस मुख्तार अंसारी और तीन बेटे अब्बास के नाम पर हैं।

दिल्ली से भी हुई चूक

अब्बास अंसारी ने दिल्ली में जब अपने शस्त्र लाइसेंस के हस्तांतरण के लिए आवेदन किया तो वहां के प्रशासन और पुलिस ने लखनऊ पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। इस चूक के कारण दो प्रदेशों में दो लाइसेंस बने और उस पर पांच हथियार हासिल किए गए।

अब्बास अंसारी के लाइसेंस पर हथियार खरीदने की गड़बड़ी जांच के बाद सामने आई है। दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा रहा है।

- कलानिधि नैथानी, एसएसपी लखनऊ

खुर्शीद ने फिर कहा राहुल को कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहिए

नई दिल्ली, प्रेट्र : पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने शनिवार को एक बार फिर दोहराया कि राहुल गांधी को दोबारा कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालना चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ही हमारे नेता हैं।

खुर्शीद ने हाल ही में कहा था कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में अपनी हार की समीक्षा नहीं कर पाई थी, क्योंकि उसके नेता राहुल गांधी चुनाव के बाद पार्टी को छोड़कर भाग गए थे। उनके 'भाग गए' शब्द के प्रयोग को लेकर कांग्रेस में बवाल मच गया था। कांग्रेस के कई नेताओं ने उनकी आलोचना की थी।

अपने आलोचकों को जवाब देते हुए खुर्शीद ने सोशल मीडिया पर एक पत्र जारी किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि जिन लोगों को निजी भक्ति या राजनीतिक रणनीति के बारे में कुछ जानकारी नहीं हैं उनके उपदेशों से उन्हें हैरानी हुई है। वह विश्वास और निष्ठा को आस्था और निजी पसंद का मामला मानते हैं। अपने आलोचकों को पाखंडी और हृदयहीन मशीन करार देते हुए खुर्शीद ने कहा कि उन्हें सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए, उससे दूर नहीं भागना चाहिए। खुर्शीद ने कहा है कि महात्मा गांधी की विरासत को बचाने के लिए कांग्रेस को बड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा।

तमिलनाडु के कोचिंग संस्थान से 30 करोड़ की नकदी जब्त

नई दिल्ली, प्रेट्र : तमिलनाडु में छात्रों को नीट जैसी विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थान पर आयकर छापे के बाद 30 करोड़ रुपये का कालाधन जब्त किया गया है। सीबीडीटी ने शनिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि नामक्कल में स्थित अज्ञात समूह के 17 परिसरों पर शुक्रवार को छापामारी की गई। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, समूह की आय 150 करोड़ रुपये से ज्यादा है। समूह मुख्य रूप से शिक्षण संस्थान और प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए कोचिंग चलाता है। इसमें कई फर्म और व्यक्तियों के समूह द्वारा नियंत्रित ट्रस्ट साझीदार है।

नामक्कल, पेरुंदुरै, करुर और चेन्नई में समूह के प्रमोटरों के 17 आवासीय ठिकानों पर छापामारी की गई। सीबीडीटी ने कहा है कि समूह द्वारा छात्रों से वसूले गए शुल्क में कर चोरी में संलिप्त होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद तलाशी ली गई है।

संस्थान द्वारा नकद वसूले गए शुल्क को नियमित अकाउंट बुक में नहीं दर्शाया जाता था। इसकी जगह ली गई राशि अलग खाते में दर्ज की जाती थी। तलाशी के दौरान वसूली गई राशि दबाने जैसे अपराध का संकेत देने वाले सुबूत पाए गए। डायरी में दर्ज अकाउंट, इलेक्ट्रानिक स्टोरेज डिवाइस और अनगिनत नकदी मिली है। यह पाया गया कि कर्मचारियों के नाम पर बैंक लाकरों में नकदी रखी गई थी। बोर्ड ने कहा कि मुख्य स्कूल परिसर के आडिटोरियम के भीतर भी पर्याप्त मात्रा में नकदी पाई गई। सीबीडीटी ने कहा है कि खाते में दर्ज नहीं की गई राशि से निजी निवेश के रूप में अचल संपत्तियां खरीदी गईं। इसके बाद अन्य शहरों में पांव पसारने के लिए संपत्तियां लंबे समय तक ट्रस्ट को लीज पर दी गईं।

गोवा में दो कारोबारी समूहों पर आयकर विभाग के छापे

पणजी : आयकर विभाग ने गोवा में दो कारोबारी समूहों के छह ठिकानों पर छापामारी अभियान चलाया। ये समूह गोवा में होटल रिसोर्ट की खरीद-बिक्री में शामिल थे। विभाग ने 4.39 करोड़ की अघोषित संपत्ति जब्त की है। विभाग ने यहां 10 अक्टूबर को छापामारी की थी। इस दौरान 2.55 करोड़ रुपये नकद और 1.84 करोड़ रुपये के आभूषण आदि जब्त किए गए।

अपर्णा सेन सहित 49 पर दर्ज प्राथमिकी असत्य, फाइनल रिपोर्ट दाखिल

जासं, मुजफ्फरपुर : उन्मादी भीड़ की हिंसा को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखने पर अभिनेत्री अपर्णा सेन सहित 49 फिल्मी कलाकारों और बुद्धिजीवियों के खिलाफ बिहार के मुजफ्फरपुर सदर थाने में दर्ज केस को असत्य बताते हुए कोर्ट में फाइनल रिपोर्ट पेश की गई है। जांच अधिकारी द्वारा अंतिम रिपोर्ट में गलत केस कराने वाले वादी के खिलाफ भी कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा द्वारा 27 जुलाई को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एसके तिवारी की अदालत में परिवाद पेश किया था। सुनवाई के बाद सदर थानाध्यक्ष को केस दर्ज कर मामले की जांच के आदेश दिए गए थे। मामले में अभिनेत्री सेन के अलावा गोपाल कृष्णन, शुभा दुग्गल, सुमित्रा चटर्जी, रेवती, कोंकणा सेन, श्याम बेनेगल व इतिहासकार रामचंद्र गुहा आदि को आरोपित किया गया था। परिवाद में अधिवक्ता ने कहा था कि 23 जुलाई को 49 बुद्धिजीवियों ने देश में हो रही उन्मादी भीड़ की हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। आरोपितों का यह काम देश की छवि की खराब करने वाला वाला है।

मेहुल चोकसी ने पीएसबी के साथ 44.1 करोड़ की धोखाधड़ी की थी

- **पहली बार पंजाब एंड सिंध बैंक ने यह जानकारी सार्वजनिक की**
- **एंटीगुआ में जा बसा है पीएनबी बैंक घोटाले का आरोपित**

मुंबई, आइएएनएस : पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ 13,000 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा करने वाले भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने पंजाब एंड सिंध बैंक (पीएसबी) के साथ भी लगभग 44.1 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। बैंक ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह पहली बार है, जब 111 वर्ष पुराने बैंक ने चोकसी द्वारा डिफॉल्ट के बारे में खुलकर जानकारी दी है। वर्तमान में चोकसी एंटीगुआ की नागरिकता लेकर वहीं रह रहा है।

बैंक ने कहा है कि चोकसी की कंपनी गीतांजलि जेम्स लिमिटेड ने उससे कर्ज लिया था। चोकसी कंपनी में निदेशक के साथ-साथ गारंटर है। जब चोकसी ने कर्ज राशि नहीं चुकाई तो 31 मार्च, 2018 को पीएसबी ने उसे एनपीए में डाल दिया। बैंक ने चोकसी को कर्ज राशि और ब्याज एवं अन्य शुल्कों का 23 अक्टूबर, 2018 को भुगतान करने के लिए कहा था। लेकिन जब भुगतान नहीं किया गया तो 17 सितंबर, 2019 को पीएसबी ने चोकसी को जानबूझकर चुकता नहीं करने वाला घोषित कर दिया। सीबीआइ ने गुरुवार को मुंबई की एक कोर्ट से आग्रह किया कि पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपित मेहुल चोकसी को भगोड़ा घोषित किया जाए। एजेंसी ने कहा कि वह गैर

मेहुल चोकसी। फाइल फोटो

जमानती वारंट का जवाब देने में विफल रहा है। सीबीआइ मामलों के विशेष न्यायाधीश वीसी बारदे के समक्ष आवेदन देकर एजेंसी ने कहा कि मामले में पहली प्राथमिकी दर्ज होने से पहले ही 'खुद को छिपाने के लिए' वह देश छोड़कर भाग गया। इसने कहा, 'चोकसी ने एंटीगुआ की नागरिकता ले रखी है, ताकि अदालत से जारी वारंट से बच सके।'

मध्य प्रदेश के मंत्री ने आरएसएस को लेकर दिया विवादित बयान

नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश के भिंड जिले में लगाए एक पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा के साथ कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया का फोटो लगाने पर स्थानीय कांग्रेस विधायक व राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने पोस्टर लगाने पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कई आरोप लगाए। आरएसएस की मप्र इकाई ने डॉ. सिंह के बयान पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया है।

मंत्री डॉ. सिंह शनिवार को पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आरएसएस का नाम राष्ट्रीय षड्यंत्रकारी संगठन होना चाहिए। आरएसएस में बचपन से ही झूठ बोलने और षड्यंत्र फैलाने की सीख दी जाती है। आरएसएस का नाम तो राष्ट्रीय षड्यंत्रकारी संगठन होना चाहिए। भाजपा व आरएसएस ने षड्यंत्र करके ही भिंड जिले में सिंधिया के भाजपा नेताओं के साथ पोस्टर लगवाए हैं। गौरतलब है कि भिंड जिले में सिंधिया के दौरे के दौरान कई स्वागत पोस्टर लगाए गए थे, जिनमें से एक भारत रक्षा मंच के कथित जिला अध्यक्ष हृदयेश शर्मा के नाम से भी लगा था।

प्रधानमंत्री मोदी आठ नवंबर को करेंगे उद्घाटन

करतारपुर कॉरिडोर

केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर ने कहा, 72 साल के कांग्रेस राज में जो न हो सका, मोदी ने कर दिखाया

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ नवंबर को करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री हरसिमरत बादल ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। यह कॉरिडोर पाकिस्तान के करतारपुर स्थित दरबार साहिब और पंजाब के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक देव गुरुद्वारों को जोड़ेगा।

हरसिमरत बादल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत की तरफ बने एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, 'गुरु नानक देव जी के आशीर्वाद से, श्री करतारपुर साहिब के खुले दर्शन दीदार के लिए सिख पंथ का अरदास हकीकत में बदलने जा रहा है। आठ नवंबर को, पीएम नरेंद्र मोदी जी द्वारा करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन करने के साथ ही नए इतिहास की रचना होगी।' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'कांग्रेस शासन के तहत 72 वर्षों में जो संभव नहीं हो सका, पीएम मोदी ने उसे सही किया है।'

बता दें कि पिछले हफ्ते पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करतारपुर कॉरिडोर के उद्घटान समेत गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक बादल ने बताया कि करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी सुल्तानपुर लोधी में मत्था टेकेंगे। 11 नवंबर को गृहमंत्री अमित शाह शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कार्यक्रम में शामिल होंगे। जबकि, 12 नवंबर को राष्ट्रपति कोविंद एसजीपीसी के समारोह में शामिल होंगे।

रावी नदी के पार पाकिस्तान के नरोवल जिले में करतारपुर साहिब स्थित है। पिछले साल नवंबर में भारत और पाकिस्तान के बीच करतारपुर कॉरिडोर के निर्माण पर सहमति बनी थी। सिख पंथ के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने 1522 में करतारपुर स्थित दरबार साहिब गुरुद्वारा की स्थापना की थी। यहीं पर उन्होंने अंतिम सांस भी ली थी। दोनों देशों के बीच हुए समझौते के तहत दरबार साहिब जाने के लिए भारतीय सिखों को वीजा की जरूरत नहीं होगी। उन्हें सिर्फ परमिट लेना पड़ेगा।

हरसिमरत कौर ने ट्वीट कर दी जानकारी। फाइल

10 हजार सिखों को वीजा जारी करेगा पाकिस्तान

लाहौर, आइएएनएस : गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के मौके पर पाकिस्तान इस साल नवंबर में 10 हजार सिख श्रद्धालुओं वीजा जारी करेगा। श्रद्धालुओं का पहला जत्था नवंबर के पहले हफ्ते में विशेष ट्रेन से रवाना होगा। वाघा रेलवे स्टेशन से तीर्थयात्री अटारी रेलवे स्टेशन जाएंगे और फिर वहां से ननकाना साहिब रवाना होंगे। आठ नवंबर तक ये सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान में रहेंगे। पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा समिति के प्रमुख सरदार सतवंत सिंह ने प्रकाश पर्व समारोह में शामिल होने के लिए दुनिया भर के सिखों को आमंत्रित किया है।

शिया-सुन्नी वक्फ बोर्ड संपत्तियों की सीबीआइ जांच की सिफारिश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने शिया व सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की संपत्तियों में अनियमितताओं की जांच आखिरकार सीबीआइ से कराने का निर्णय ले लिया। गृह विभाग ने प्रयागराज व लखनऊ में दर्ज दो मुकदमों के साथ ही यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड व यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा अनियमित रूप से खरीदी-बेची गईं एवं स्थानांतरित की गई संपत्तियों की सीबीआइ जांच कराने संबंधी पत्र केंद्र सरकार को भेजा है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि सचिव कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक लोक शिकायत व पेंशन मंत्रालय तथा निदेशक सीबीआइ को पत्र भेजकर शिया-सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की संपत्तियों में अनियमिता की सीबीआइ जांच की सिफारिश की गई है। शिया-सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की संपत्तियों में अनियमितता को लेकर कोतवाली प्रयागराज में वर्ष 2016 में तथा लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में 2017 में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए गए थे।

कह के रहेंगे माधव जोशी

यूं ही अजेय नहीं है बारामती क्षेत्र में पवार का परिवार

ओमप्रकाश तिवारी, बारामती (पुणे)

सामान्यतया किसी जनप्रतिनिधि का पांच वर्ष के बाद दुबारा चुनकर आना भी मुश्किल होता है। ऐसे में 52 वर्ष तक लगातार किसी क्षेत्र में एक ही परिवार का अजेय रहना किसी अचरज से कम नहीं है, लेकिन यह सच हो रहा है पुणे जिले के बारामती विधानसभा क्षेत्र में। यहां से राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के भतीजे अजीत पवार सातवीं बार जीत के प्रति आश्वस्त दिख रहे हैं।

बारामती विधानसभा क्षेत्र से पहली बार 1967 में शरद पवार खुद चुनकर आए थे। तबसे इसी विधानसभा क्षेत्र से छह बार वह स्वयं और छह बार उनके भतीजे अजीत पवार जीत चुके हैं। इसके अलावा बारामती लोकसभा सीट से शरद पवार स्वयं पांच बार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले तीन बार चुनी गई हैं। पवार परिवार के प्रति मतदाताओं की इस वफादारी का सीधा कारण क्षेत्र में स्पष्ट दिखाई देता विकास है। यह देश के किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए अनुकरणीय हो सकता है। कहा जा सकता है कि रोटी फिल्म में राजेश खन्ना पर फिल्माया गया गीत, 'ये जो पब्लिक है, सब जानती है' यहां सच दिखाई देता है।

अजीत पवार। फाइल

शरद पवार। फाइल

सुप्रिया सुले। फाइल

शरद पवार की छवि महाराष्ट्र में उलटफेर करते रहने वाले नेता की रही है। सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार उससे पहले अर्स कांग्रेस और इंडियन कांग्रेस सोशलिस्ट जैसे दलों में रह चुके हैं, लेकिन वह अपने क्षेत्र के मतदाताओं के लिए हमेशा वफादार रहे हैं। बारामती विधानसभा क्षेत्र हो, या लोकसभा क्षेत्र, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ यहां के लोगों को जिनता मिलता रहा है, शायद ही किसी और क्षेत्र के लोगों को मिला हो।

महाराष्ट्र अपनी सहकारी चीनी मिलों के लिए मशहूर है, तो उसमें बहुत बड़ा योगदान शरद पवार का भी रहा है। अकेले बारामती लोकसभा क्षेत्र में ही सात चीनी मिलें हैं। जिनमें सीधे काम करने वाले लोगों के अलावा इनका सीधा लाभ यहां के किसानों को मिलता है।

किसानों को मिलने वाला यह लाभ सिर्फ गन्ने तक ही सीमित नहीं है। उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए पवार के ही प्रयास से दुग्धउत्पाद तैयार करने वाली एक बहुराष्ट्रीय कंपनी श्रीबर डायनमिक्स यहां काम कर रही है। भारत फोर्ज जैसी और भी कई कंपनियां इस क्षेत्र को उन्नत औद्योगिक क्षेत्र की छवि प्रदान करती हैं।

पवार परिवार द्वारा ही चलाए जा रहे कई शैक्षणिक संस्थानों के कारण बारामती आज पुणे के बाद शिक्षा का दूसरा बड़ा केंद्र बन चुका है। यहां देश भर से विद्यार्थी आइटी, इंजीनियरिंग, बायोटेक और मेडिकल की शिक्षा पाने आते हैं। यहां के निवासी अभिजीत शिंदे ने कहा कि इन शैक्षणिक संस्थानों के कारण स्थानीय लोगों के रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

अभिजीत बताते हैं कि केंद्र या राज्य सरकार द्वारा घोषित जनकल्याण की योजनाओं का जैसा लाभ बारामती के लोगों को मिलता है, वैसा शायद ही कहीं और मिल पाता हो। उदाहरण के लिए उन्होंने दिव्यांगों के लिए बनी राष्ट्रीय वयोश्री योजना का उल्लेख किया। इसमें दिव्यांगों को उनके उपयोग के उपकरण मुफ्त प्रदान किए जाते हैं। इस योजना में बारामती पूरे देश में अव्वल है।

शायद इन्हीं विकास कार्यों का परिणाम है कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में प्रबल मोदी लहर के बावजूद बारामती लोकसभा क्षेत्र से शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले को डेढ़ लाख से ज्यादा मतों से जीत हासिल हुई है। अब बारामती विधानसभा क्षेत्र में अजीत पवार को चुनौती देने के लिए भाजपा को जातीय गणित के आधार पर एक उम्मीदवार बाहर से लाना पड़ा है। बारामती विधानसभा क्षेत्र में मराठा समुदाय के अलावा धनगरों की आबादी भी अच्छी-खासी है। इसलिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने चंद दिनों पहले ही भाजपा में शामिल हुए धनगर नेता गोपीचंद पडालकर को उम्मीदवार बनाया है। लेकिन भाजपा सरकार द्वारा मराठा समुदाय को 16 फीसद आरक्षण देने के बावजूद समुदाय का संगठन मराठी क्रांति मोर्चा बारामती में पूरी तरह मराठा छत्रप शरद पवार के परिवार के साथ है।

शिवसेना के घोषणापत्र में आरे जंगल का जिक्र नहीं

मुंबई, प्रेट्र: भाजपा के साथ गठबंधन करके महाराष्ट्र में 124 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही शिवसेना ने शनिवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। पार्टी ने 10 रुपये में भरपेट भोजन और किसानों की कर्जमाफी का तो वादा किया है, लेकिन पार्टी ने जिस आरे जंगल में पेड़ों की कटाई को लेकर सत्ता में सहयोगी भाजपा का विरोध किया था, उसी आरे जंगल के मुद्दे को इसमें जगह नहीं दी गई है।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य ठाकरे ने शनिवार को घोषणापत्र जारी किया। आदित्य ठाकरे इस चुनाव में मुंबई की वरली सीट से पार्टी के उम्मीदवार हैं। मेट्रो कारशेड प्रोजेक्ट के बारे में पूछे जाने पर उद्धव ने कहा, हम आरे कॉलोनी में बनने वाले कारशेड का विरोध करते रहेंगे। यह बात ठीक है कि घोषणापत्र में आरे जंगल के मुद्दे को जगह नहीं दी गई, लेकिन इसमें शहरी इलाकों में कुछ खुला स्थान सुनिश्चित रखने का भरोसा दिया गया है। पार्टी का कहना है कि इस स्थान को मुंबई और ठाणे की तर्ज पर शहरी जंगल के तौर पर विकसित किया जाएगा। बता दें कि पिछले हफ्ते आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई को लेकर भारी विरोध-प्रदर्शन हुआ था। पुलिस ने एहतियातन इलाके में निषेधाज्ञा लागू की थी और 29 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें बाद में कोर्ट से जमानत मिल गई थी। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य ठाकरे ने आरे मुद्दे पर सरकार का विरोध किया था। आदित्य ने आरे में पेड़ों की कटाई को शर्मनाक और घिनौना कृत्य करार दिया था।

10 रुपये में भरपेट भोजन और किसानों की कर्जमाफी का वादा

बिजली दरों में 30 फीसद कटौती का वादा

घोषणापत्र में शिवसेना ने पूरे महाराष्ट्र में 1000 फूड जाइंट खोलने का वादा किया है। यहां पर 10 रुपये में भरपेट भोजन दिया जाएगा। इसके अलावा पार्टी ने बिजली की दरों में 30 फीसद कटौती और किसानों की कर्जमाफी का भी वादा किया है। शिवसेना ने पूरे राज्य में 'एक रुपये क्लिनिक' खोलने का भी वादा किया है। यहां गरीबों का सिर्फ एक रुपये में हेल्थ चेकअप होगा।

इनेलो का किसान कार्ड गरीब-युवा टॉप एजेंडे में

सुधीर तंवर, चंडीगढ़

जोर पकड़ते जा रहे विधानसभा चुनाव के बीच इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने भी अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इनेलो ने भी कांग्रेस की तर्ज पर लोक लुभावन वादों की झड़ी लगाते हुए किसान, व्यापारी, पिछड़े, युवा, खिलाड़ी, महिलाओं और कर्मचारियों को शीर्ष एजेंडे में रखा। हर तबके के लिए कोई न कोई बड़ा वादा करते हुए इनेलो ने घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का सपना दिखाया है। बुजुर्गों को पांच हजार रुपये बुढ़ापा पेंशन मिलेगी और शहीद सैनिकों के परिवारों को 200 गज के प्लाट और दो कमरे बनाकर दिए जाएंगे। गरीब लड़कियों की शादी में पांच लाख का कन्यादान इनेलो देगी।

शनिवार को चंडीगढ़ स्थित पार्टी मुख्यालय में इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष बीरबल दास ढालिया और राष्ट्रीय महासचिव आरएस चौधरी ने अन्य पदाधिकारियों के साथ 111 वादों के साथ चार पन्ने का घोषणा पत्र जारी कर दिया। घोषणा पत्र में एसवाईएल (सतलुज-यमुना लिंक) नहर बनाकर राज्य के हिस्से का पानी लाने और दादूपुर नलवी नहर को फिर चालू करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। मेवात फीडर कैनाल से भी हरियाणा के हिस्से का पानी दिलवाया जाएगा। किसानों को बिजली मुफ्त मिलेगी। किसान और व्यापारियों के दस लाख रुपये तक के कर्ज माफ किए जाएंगे। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 11 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि रजत पदक पर सात करोड़ और कांस्य पर पांच करोड़ रुपये दिए जाएंगे। हर घर से एक व्यक्ति को रोजगार का वादा घोषणापत्र में किया गया है। देवी रक्षक योजना के तहत हर आदमी का पांच लाख रुपये का बीमा होगा।

इसके अलावा परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए नई बसें खरीदी जाएंगी। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त किया जाएगा। नगर पालिकाओं और नगर निगमों में लागू प्रॉपर्टी टैक्स को खत्म कर फिर से हाउस टैक्स लागू किया जाएगा। इससे लोगों को खाली पड़े प्लाटों पर टैक्स नहीं देना पड़ेगा। युवाओं को नशे से बचाने के लिए हरियाणा को ड्रग मुक्त किया जाएगा।

चुनावी व्यस्तताओं के चलते नहीं पहुंचे अभय चौटाला : इनेलो के राजनीतिक सफर में पहली बार विधानसभा चुनावों का घोषणापत्र लांच करने के लिए चौटाला परिवार का कोई सदस्य नहीं पहुंच सका। ऐलनाबाद से चुनाव लड़ रहे अभय सिंह चौटाला ने फील्ड में सक्रियता और चुनावी व्यस्तताओं के चलते पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से ही घोषणापत्र जारी कराने को तरजीह दी। सकारात्मक रूप से इसे देखा जाए तो यह पार्टी नेतृत्व पर भरोसा भी है।

111 वादों के साथ दिखाई हरियाणा में बदलाव की तस्वीर, हर हाल में लाएंगे एसवाईएल का पानी

200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, बुजुर्गों को पांच हजार रुपये बुढ़ापा पेंशन और गरीब लड़कियों को पांच लाख का कन्यादान

किससे क्या किया वादा

1. किसान
- नुकसान की भरपाई को किसान कोष
- स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार 50 फीसद मुनाफे के आधार पर फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य
- दस लाख रुपये तक के कर्जे माफ
- ट्यूबवेल का बिजली बिल पूरा माफ
- ट्रैक्टरों एवं कृषि यंत्रों, खाद, बीज एवं कीटनाशकों पर जीएसटी खत्म
- ट्रैक्टर का निशुल्क पंजीकरण

2. महिलाएं
- नौकरियों में 33 फीसद आरक्षण
- गरीब परिवारों की लड़कियों की शादी में पांच लाख रुपये कन्यादान
- 35 से 60 साल तक की बेरोजगार एवं गरीब महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की ग्रांट

3. पिछड़े-दलित
- बीपीएल का नए सिरे से सर्वे। नए पीले कार्ड बनेंगे
- पंचायतों से लेकर लोकसभा तक में राजनीति में आरक्षण

4. युवा
- बेरोजगार युवाओं को 15 हजार रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता
- निजी कंपनियों में 75 प्रतिशत रोजगार युवाओं को

5. शिक्षा
- सरकारी स्कूलों का आधुनिकीकरण
- उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार

6. उद्योग-व्यापार
- छोटे व्यापारियों का दस लाख रुपये तक का कर्ज माफ
- जीएसटी के तहत 1.5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले कारोबार में व्यापारी को रिटर्न तथा कर की राशि तिमाही जमा कराने का प्रावधान
- ई-वे बिल की प्रकिया खत्म होगी

7. कर्मचारी-मजदूर
- एडहॉक तथा ठेके पर लगे कर्मचारियों को 58 साल की उम्र तक निकाला नहीं जाएगा
- सरकारी कर्मचारियों की छठे और सातवें वेतन आयोग की वेतन विसंगतियां दूर होंगी

'पाक को सबक सिखाने में हरियाणा भी शामिल'

बोले योगी ▶ उत्तर प्रदेश के सीएम ने हरियाणा के झज्जर, भिवानी व हिसार में जनसभाओं को किया संबोधित

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने को बताया भाजपा का साहसिक फैसला

जेएनएन, हिसार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदमपुर में भाजपा प्रत्याशी सोनाली फोगाट की ओर से आयोजित जनसभा में कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने में हरियाणा की धरती काम आई थी।

उन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक का जिक्र करते हुए कहा कि वे लखनऊ से विमान में बैठकर सीधा सिरसा एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे। यहां उतरकर उन्होंने देखा कि किस प्रकार सिरसा एयरफोर्स स्टेशन से सुखोई विमानों ने उड़ान भरकर पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक की थी। योगी ने जनसभा में हरियाणा के लिए नया नारा भी दिया। उन्होंने कहा हरियाणा की शान, जय जवान जय किसान। योगी शनिवार को झज्जर व भिवानी में भी भाजपा प्रत्याशियों की ओर से आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने अनुच्छेद 370 खत्म करने को साहसिक फैसला बताते हुए कहा कि पूर्व की सरकारें इसको समाप्त करने की हिम्मत नहीं दिखा पाईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआत में ही इसे खत्म करके बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और सरदार पटेल के सपने को पूरा किया। हुड्डा और कांग्रेस के गढ़ के रूप में पहचान रखने वाले जिला झज्जर की बादली विधानसभा से कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश धनखड़ तथा झज्जर विस से डॉ. राकेश कुमार के लिए उन्होंने पाटौदा तथा सासरौली में जनसभाओं को संबोधित किया। यहां भी योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त फैसले लिए हैं। जिस कांग्रेस के राज में आतंकवाद पनपता था, अब वहां खुशहाली है। मोदी ने आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी है। भिवानी व बवानीखेड़ा के भाजपा प्रत्याशियों की ओर से आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि अब देश में एक झंडा और एक संविधान हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देशहित कार्य का विरोध कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर आतंकियों के पक्षधर होने का आरोप लगाया।

हिसार के आदमपुर में भाजपा की जनसभा में मंच पर पहुंचे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पांव छूकर आशीर्वाद लेतीं भाजपा प्रत्याशी सौनाली फोगाट। गुलशन बजाज

'हमनै बिचोलियों के कुड़ते खूंटी पै टंगवा दिए'

जागरण संवाददाता, बहादुरगढ़ (झज्जर): तेज होते चुनाव प्रचार के बीच शनिवार को बहादुरगढ़ पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहर लाल पूरी तरह आक्रामक मुद्रा में दिखे। ठेठ हरियाणवी लहजे में उन्होंने न केवल विरोधियों बल्कि रोजगार, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था के मुद्दों पर खरी-खरी बात कही। उन्होंने कहा कि रिश्वत का माध्यम बनने वाले बिचौलियो के कुड़ते-पजामे हमनै खूंटी पै टंगवा दिये। सवा एक बजे बहादुरगढ़ पहुंचे सीएम मनोहर लाल सब्जी मंडी में आयोजित विजय संकल्प रैली में 30 मिनट से ज्यादा बोले। करीब सवा दो बजे उनका हेलीकाप्टर यहां से उड़ान भर गया। इससे पहले सीएम ने मंच से विरोधियों पर कई ऐसे तंज कसे, जिन पर सभी ने ठहाके लगाए।

सीएम बोले-हमने समान विकास की बात की तो हमारे और विपक्षी विधायक दोनों हैरान थे। विपक्षी मुझे कहते थे कि...ये तो अनाड़ी है, इसे राजनीति नहीं आती। मगर अब विपक्षियों को पता चल गया कि असली खिलाड़ी कैसा होता है। जातपात, क्षेत्रवाद, अपना-पराया ये हमारी राजनीति का हिस्सा नहीं है। प्रदेश को आगे ले जाना है तो हरियाणा एक-हरियाणवी एक के साथ सबका साथ और सबका विकास जरूरी है। भाजपा से पहले जिनकी सत्ता रही, उन्होंने तो खुद का और अपनों का घर भरने का काम किया। हमने भ्रष्टाचार और अपराध को खत्म किया। जहां रोजगार की बात है तो हम नौकरी देने वाले कौन हैं, जो पढ़ा-लिखा और काबिल होगा, वह हमसे खुद नौकरी पा लेगा। भाषण की शुरूआत में सीएम ने यह कहकर सबको हंसाया कि चुनाव का मौसम है, इसलिए सबके नाम के साथ जी जरूर लगना चाहिए। इस दौरान स्थानीय भाजपा प्रत्याशी नरेश कौशिक और तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

बोले मनोहर, पहली बार एंटी इंकमबैंसी की जगह प्रो इंकमबैंसी

सीएम मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में पहली बार एंटी इंकमबैंसी की जगह प्रो इंकमबैंसी माहौल है। पहले किसी दल की यदि दोबारा सरकार आई भी तो सीटें कम हो गई, लेकिन हमारी बढ़ने जा रही हैं।

प्रियंका के फॉर्मूले पर ही बनेगी उत्तर प्रदेश में जिलों की टीम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उप्र कांग्रेस की नई टीम बना चुकीं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने जिलों के लिए भी ऐसा ही खाका बना रखा है। खुद दावेदारों के साक्षात्कार तक ले चुकीं प्रियंका ने जिला कमेटियों में भी जमीनी और युवा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने की बात कही है। सभी नाम लगभग तय हो चुके हैं और अब एक सप्ताह में घोषणा की उम्मीद है।

कांग्रेस संगठन में सिरे से बदलाव की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। प्रदेश प्रभारी एवं पार्टी महासचिव प्रियंका वाड्रा ने इस ओर कदम बढ़ाते हुए प्रदेश कमेटी में बड़े बदलाव कर दिए। जमीनी कार्यकर्ता अजय कुमार लल्लू को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के साथ ही टीम में नए चेहरों को स्थान दिया गया है। अब बारी जिला कमेटियों की है। जिलाध्यक्ष और शहर अध्यक्ष बनाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों को जिलों में भेजा गया। प्रियंका ने खुद भी कई दावेदारों का साक्षात्कार लिया। उसी आधार पर नाम लगभग तय किए जा चुके हैं। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बताया कि जिस तरह से संघर्ष करने वाले और युवा कार्यकर्ताओं को प्रदेश की टीम में रखा गया है, ठीक उसी प्रकार से जिलों की टीम होगी। सभी जिलों में महिला कार्यकर्ता को उपाध्यक्ष बनाने के भी निर्देश हैं। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह में सभी जिला और शहर अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा। फाइल

- कमेटी में जमीनी और युवा कार्यकर्ताओं को मिलेगी तरजीह
- एक सप्ताह में हो सकती है घोषणा, हर जिले में एक महिला उपाध्यक्ष भी

सोनिया गांधी से की लल्लू ने मुलाकात : प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद अजय कुमार लल्लू दिल्ली पहुंचे। वहां उन्होंने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राष्ट्रीय महासचिव से शिष्टाचार भेंट की।

बगावत कर चुनावी रण में उतरे 16 नेताओं की कांग्रेस से छुट्टी

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : भाजपा के बाद कांग्रेस ने भी बगावत कर चुनावी रण में उतरे नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाना शुरू कर दिया है। हरियाणा कांग्रेस की प्रधान कुमारी सैलजा ने ऐसे 16 नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है जो विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ ही मैदान में उतरे हैं। इनमें पूर्व सांसद रणजीत सिंह, पूर्व मंत्री निर्मल सिंह, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष आजाद मोहम्मद, पूर्व मुख्य संसदीय सचिव जिले राम शर्मा को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है।

इनके अलावा पूर्व विधायक नरेश यादव, नरेश सेलवाल, रामनिवास घोड़ेला व राकेश कंबोज, चित्रा सरवारा, अमनदीप कौर, गजे सिंह कबलाना, प्रेम मलिक, अंजना वाल्मीकि, मोहित धन्वंतरी, अजय अहलावत और रवि खत्री को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित किया गया है।

चुनाव के लिए नियुक्त किए प्रचार सचिव: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महामंत्री वेणुगोपाल ने पार्टी के प्रचार-प्रसार विभाग को गति देने के लिए प्रदेश स्तर पर प्रचार सचिवों की नियुक्ति की है। यमुनानगर से राजेश शर्मा, पंचकूला से नीले सैनी, अहीरवाल से राजन यादव आदि को जिम्मा सौंपा गया है।

हुड्डा बोले, हमें इवेंट मैनेजमेंट नहीं आता, भाजपा इसमें माहिर

पंकज आत्रेय, कुरुक्षेत्र

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस को इवेंट मैनेजमेंट नहीं आती है। भाजपा इस काम में माहिर है। वर्ष 2014 के चुनाव में उनकी सरकार को प्रदेश में कोई विरोध नहीं था, लेकिन नरेंद्र मोदी की इवेंट मैनेजमेंट पॉलिसी काम कर गई। प्रदेश सरकार भी इसी नीति पर काम कर रही है, लेकिन बुनियाद विकास सिर्फ दावों में ही सिमट कर रह गया। हुड्डा ने शिक्षा, स्वास्थ्य और नेशनल हाईवे निर्माण के आंकड़े गिनवाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल इन क्षेत्रों में एक भी राष्ट्रीय उपलब्धि बता दें, वे राजनीति छोड़ देंगे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शुक्रवार की रात कुरुक्षेत्र में अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति बनाई। उनसे आसपास की सभी विधानसभा सीटों का फीडबैक लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आज जिस भी काम का श्रेय ले रही है, वह सभी प्रोजेक्ट उनके द्वारा शुरु किए गए थे। इसमें करनाल का कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज हो या कुरुक्षेत्र में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन। इस सरकार ने मेट्रो एक इंच भी आगे नहीं बढ़ाई। नेशनल हाईवे पांच साल में मात्र 39 किलोमीटर के ही बनाए, जबकि उनकी सरकार में 27 हजार करोड़ रुपये की लागत से 1893 किलोमीटर हाईवे बने थे। हुड्डा ने कहा कि हैप्पनिंग हरियाणा में छह लाख करोड़ रुपये के विदेशी निवेश का दावा किया था, लेकिन इसमें से सिर्फ चार प्रतिशत ही निवेश हुआ है।

बहुमत का दावा किया

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उनके कार्यकाल में कांग्रेस ने प्रदेश को नई दिशा दी थी। प्रति व्यक्ति आय से लेकर विकास तक में प्रदेश नंबर वन था। अब प्रदेश के लोगों का भाजपा से मोह भंग हो गया है। इस बार सिरसा और फतेहाबाद में भी कांग्रेस पार्टी की लहर है। हम वहां भी सीटें जीत रहे हैं, जहां कांग्रेस कभी भी नही जीती थी।

हम 72 पार में काम चला लेंगे

अपने साथी पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रामप्रकाश का कुशलक्षेम पूछने के बाद उम्र का जिक्र चल पड़ा। हुड्डा बोले, डॉ. साहब की उम्र 75 पार हो चुकी है। वे मुझे तीन साल बड़े हैं। यानी मैं 72 पार का हूं। चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में वे 72 पार से ही काम चला लेंगे।

हालात

चुनावी दंगल में मशगूल हरियाणा की मुक्केबाज बेटियों की बात, जो पहली बार डालेंगी वोट

हरियाणा की राजनीति के मैदान में 'छोरों' से कम 'छोरियां'!

भिवानी बॉक्सिंग क्लब से लाइव

प्रियम, भिवानी

मिंझी हुई मुट्ठी, गुर्राती आंखें, मजबूत शरीर और तार्किक बातें...क्या लगा कि किसी मेहनती पुरुष के व्यक्तित्व का वर्णन कर रहे हैं या किसी खिलाड़ी का चित्रण कर रहे हैं। अगर मैं हरियाणा के संदर्भ में कहूं तो गच्चा खा जाएंगे, अगर जाकर देखेंगे तो एक बार में 'महिला खिलाड़ी' कहकर ऐसी किसी भी पहेली को सुलझा पाएंगे। ठीक समझा आपने...यह व्याख्या एक महिला बॉक्सर की थी, जो अपने शॉट के लिए नहीं बल्कि शॉट जीतने के लिए बिल्कुल तैयार थी। भले ही आपके आंखों में हरियाणा का नाम सुनते ही महिला उत्पीड़न और पुरुष वर्चस्व की तमाम तस्वीरें उतर आती थीं, लेकिन अब यह प्रदेश बदल रहा है और यहां की महिला बाकी प्रदेशों से शारीरिक तौर पर ज्यादा मजबूत नजर आती हैं। अब इनके इरादे बुलंद हैं और इनकी बाजुओं में पुरुषों को भी पटखनी देने का दम है। अब ये तर्क करती हैं और अपने साथ परिवार के सपनों में भी रंग भरती हैं। इन दिनों हरियाणा में चुनावी जंग छिड़ी है, ऐसे में इन लड़कियों के भी अपने मुद्दे हैं और सरकार को लेकर इनमें भी शर्तें लगी हैं। रविवार विशेष में आपको भिवानी के बॉक्सिंग क्लब से बदलते हरियाणा की तस्वीर दिखा रहे हैं, महिलाओं में छिपी खिलाड़ी से आपको मिलवा रहे हैं। पसीने की खुशबू के बीच इरादों का सामना हो रहा था। एक तरफ लड़के सुस्ता रहे थे तो दूसरी तरफ मैदान में 20 साल की श्वेता का 16 साल की रितिका से मुकाबला हो रहा था। श्वेता हिट दर हिट मुद्दों के साथ अपने तर्क दे रही थीं। कहा कि अब हरियाणा बदल गया है, महिलाओं का सामाजिक स्तर काफी बेहतर हुआ है। मैं खुद अपनी मर्जी से खेल में करियर बनाने आई हूं। रितिका कहती हैं कि हर जगह बदलाव नहीं है, जहां स्थिति खराब है वहां के लिए महिला भी बराबरी से जिम्मेदार है।रुचिका समूह में प्रैक्टिस कर रही थीं। कहती हैं, खेलों में महिलाओं की संख्या तो बढ़ी है लेकिन महिला कोच की नहीं। महिला कोचों के आने से कई तरह के शॉट जो हम मिस कर जाते हैं उनमें बारीकी आएगी। जगदीश सिंह बेशक अच्छे कोच हैं, लेकिन इस पहल से हर क्षेत्र में महिला आएगी। रुचिका के साथ बाकी लोगों का बाहर आना बिखरी बहस के लिए एक सामूहिक मंच तैयार कर देता है। खेल और आर्थिक मुद्दों पर ये समूह सवाल करता है।

हरियाणा के भिवानी स्थित बॉक्सिंग अकादमी में अभ्यास करतीं लड़कियां। जगदीश यादव

हरियाणा में महिलाएं आगे हैं, लेकिन राजनीति में नहीं

हरियाणा की खास बात ये है कि इस राज्य की 90 में से 58 सीटें ऐसी हैं, जहां से कभी भी कोई महिला विधायक बनी ही नहीं।
कांग्रेस ने 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए केवल नौ सीटों पर महिलाओं को टिकट दिए हैं।
भाजपा भी कांग्रेस जैसी ही है। उसने 12 सीटों पर महिला प्रत्याशियों को उतारा है। वह भी तब जब सत्ता में है।
इनेलो ने इस बार 15 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिए हैं, जबकि जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने सिर्फ सात महिलाओं को उतारा है।

सोम को 'स्टार वार', पीएम मोदी शाह और राहुल गांधी की रैलियां

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के चुनावी रण में प्रचार के लिए सिर्फ एक सप्ताह बाकी है। सोमवार से प्रदेश में 'स्टार वार' का आगाज होगा जब हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की ताबड़तोड़ रैलियों के बीच कांग्रेस के पूर्व प्रधान राहुल गांधी मुस्लिम बाहुल्य नूंह में पहली बार दस्तक देंगे। सप्ताह के पहले ही दिन तीन हाई प्रोफाइल हस्तियों के एक साथ अलग-अलग स्थानों पर चुनाव प्रचार से सियासी पारा चरम पर पहुंच जाएगा। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने जहां पहले ही 18 केंद्रीय मंत्रियों और पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित 40 स्टार प्रचारक मैदान में उतारे हुए हैं, वहीं कांग्रेस की ओर से पहली बार कोई केंद्रीय नेता हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए आ रहे हैं। 14 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी फरीदाबाद संसदीय क्षेत्र के बल्लभगढ़ में दक्षिण हरियाणा की रैली को संबोधित करेंगे तो अमित शाह टोहाना, ऐलनाबाद, नारनौंद और समालखा में चार रैलियां कर एक दर्जन हलकों में पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मुस्लिम बाहुल्य नूंह में दोपहर बाद तीन बजे रैली कर दक्षिण हरियाणा में अलग सियासी संदेश छोड़ने की कोशिश करेंगे। उनके साथ हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सैलजा, हरियाणा कांग्रेस विधायक दल के नेता व पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी होंगे। हालांकि राहुल के अगले दौरे का शेड्यूल अभी फाइनल नहीं हो पाया है, जबकि कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी और प्रियंका के चुनावी दौरों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को फिर हरियाणा दौरे पर होंगे। 15 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कुरुक्षेत्र में उत्तर हरियाणा व चरखी दादरी में मध्य हरियाणा की रैली करेंगे।

वुहान टू मामल्लपुरम

द्विपक्षीय संबंधों पर दोनों देशों के बीच स्पष्ट और दिल से दिल की चर्चा गहन और अच्छी थी। चीन-भारत संबंधों को बनाए रखना और विस्तारित करना हमारी सरकार की दृढ़ नीति है। **शी चिनफिंग**, चीनी राष्ट्रपति

वुहान की भावना ने हमारे संबंधों को नई गति एवं विश्वास प्रदान किया। आज, हमारा चेन्नई कनेक्ट दोनों देशों के बीच सहयोग के एक नए युग की शुरुआत करेगा। **प्रधानमंत्री मोदी**

मिले तो फिर पूरब से निकलेगा सूरज

अगर विशेषज्ञ इस सदी को एशिया की सदी मान रहे हैं तो इसमें हैरत नहीं होनी चाहिए। भारत और चीन की अगुआई में जिस तरह से इस क्षेत्र के विकासशील देश विकसित होने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं, उससे पश्चिमी देशों का चैन-सुकून गायब हो चुका है। भारत और चीन इतिहास को दोहरा रहे हैं। 15वीं से लेकर 18वीं सदी तक दोनों का आधे वैश्विक व्यापार पर नियंत्रण था। यह प्रभुत्व 19वीं सदी में भारत को ब्रिटेन द्वारा उपनिवेश बनाए जाने तक कायम था। बीसवीं सदी के मध्य में भारत को आजादी मिली तो चीन में साम्यवाद स्थापित हुआ। अब एक बार फिर दोनों ने नए सिरे से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को जमाना शुरू किया। 21वीं सदी में दोनों देश दुनिया की सबसे तेज विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। लिहाजा वैश्विक व्यापार का केंद्र पूर्व की ओर बदलता महसूस किया जा सकता है। पिछले पांच सौ सालों में इन दोनों एशियाई दिग्गजों के आर्थिक विकास पर एक नजर:

16वीं सदी

भारत : लालसागर से होकर भारतीय सामान को यूरोप ले जाकर अरब व्यापारियों द्वारा बेचे जाने के समय भारतीय अर्थव्यवस्था की विश्व की आय में 24.5 फीसद हिस्सेदारी थी। वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी के मामले में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर था। टेक्सटाइल्स, चीनी, मसाले, आम, कारपेट इत्यादि बेचकर यह सोना और चांदी खरीदकर अपना व्यापार संतुलन बनाए रखता था।

चीन : यूरोप और चीन के बीच सीधा समुद्री कारोबार पुर्तगालियों के साथ शुरू हुआ। इसके बाद अन्य यूरोपीय देशों ने भी इसका अनुसरण किया। भारत और चीन के बीच कारोबार जमीनी रास्तों से होता था।

17वीं सदी

भारत : सदी के अंत तक भारत के मुगलों की सालाना आय (17.5 करोड़ पौंड) ब्रिटिश बजट से अधिक हो चुकी थी। **शाहजहां के** शासनकाल में आयात से अधिक निर्यात किया जाने लगा था। खंभात से इतना अधिक व्यापार किया जाता था कि इस बंदरगाह पर हर साल तीन हजार समुद्री जहाज आया करते थे।

चीन : लगातार वैश्विक कारोबार के एक चौथाई पर इसका आधिपत्य कायम रहा। 1637 में कैंटोन में अंग्रेजों ने एक व्यापार चौकी भी स्थापित की। 1680 में समुद्री व्यापार में **क्विंग** शासक द्वारा छूट देने के बाद इसमें उत्तरोत्तर विकास होता गया। अब तक ताइवान **क्विंग साम्राज्य** के अधीन हो चुका था।

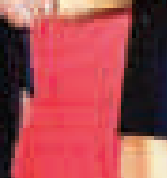

18वीं सदी

भारत : मुगल शासक औरंगजेब के समय देश का विश्व की आय में 24.4 फीसद हिस्सा था। मुगल ताकत के क्षीण होते ही ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत के दुनिया से कारोबारी संबंधों को तहस-नहस कर दिया।

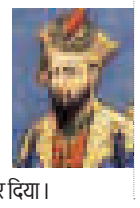

चीन : 1760 में वैश्विक कारोबार में इसकी हिस्सेदारी भी घटने लगी। सरकार ने व्यापार के लिए आने वाले विदेशियों और विदेशी जहाजों के लिए कई सख्त नियम-कानून बना दिए। यहां आने वाले विदेशी व्यापारियों के लिए केवल एक बंदरगाह कैंटोन को इस नियम कानून से मुक्त रखा गया। 1776 में आजादी की लड़ाई के बाद अमेरिकियों ने चीन से व्यापार करना शुरू किया। ब्रिटेन के लिए यह एक बड़ा झटका था।

19वीं सदी

भारत : वैश्विक आय का 16 फीसद रह चुकी भारतीय अर्थव्यवस्था 1820 तक पूरी तरह ईस्ट इंडिया कंपनी के चंगुल में आ चुकी थी। कंपनी चीन के साथ अफीम कारोबार को बढ़ावा दे रही थी। कंपनी ने भारतीय कृषि पद्धति को बदल कर रख दिया। 1870 तक वैश्विक आय में भारतीय हिस्सेदारी 12.2 फीसद रह गई

चीन : **क्विंग शासक** ने विदेशी व्यापारियों के लिए सभी बंदरगाह खोलने से मना कर दिया। भारत के साथ अफीम कारोबार पर भी प्रतिबंध लगाया। ब्रिटेन और चीन के बीच दो बार जंग भी हुई। हारकर चीन ने अफीम कारोबार की स्वीकृति दी और अपने अति विकसित क्षेत्रों को पश्चिमी व्यापारियों के लिए खोल दिया। लिहाजा 1843 के बाद आठ साल के भीतर ही चाय का निर्यात पांच गुना बढ़ गया।

20वीं सदी

भारत : 1913 में वैश्विक आय में भारतीय अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी महज 7.6 फीसद रह गई। 1952 में यह 3.8 फीसद पर पहुंच गई। 1973 में इसकी 494.8 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का वैश्विक आय में हिस्सा केवल 3.1 फीसद था। 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री **नरसिंह राव** द्वारा आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत की गई। लिहाजा 1998 तक अर्थव्यवस्था की वैश्विक आय में हिस्सेदारी बढ़कर पांच फीसद हो गई। 2005 तक देश की अर्थव्यवस्था बढ़कर 3815.6 अरब डॉलर पहुंच गई। अब तक वैश्विक आय में इसकी हिस्सेदारी बढ़कर 6.3 फीसद हो चुकी थी।

चीन : 1949 में साम्यवादी चीन के अस्तित्व से पहले देश में प्रमुख रूप से यार्न, कोयला, कच्चा तेल, कॉटन और अनाज का उत्पादन किया जाता था। चीन के बड़े नेता **माओ जेडांग** ने देश को एक समाजवादी दिशा दी। 1980 में चीन ने शेनझेन में पहला विशेष आर्थिक क्षेत्र गठित किया। 1986 में देश की 'ओपेन डोर' पॉलिसी ने विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया। 1992 में 'सोशलिस्ट मार्केट इकोनॉमी' की स्थापना हुई। पहली बार चीन दुनिया की शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ। 2001 में यह विश्व व्यापार संगठन में शामिल हुआ।

शी के साथ चेन्नई एयरपोर्ट पर पहली बार उतरे दो बड़े विमान

चेन्नई, प्रेट्र : स्थानीय एयरपोर्ट ने शनिवार को कहा कि उसके यहां पहली बार कोड एफ श्रेणी के दो विशालकाय विमान उतरे। इन विमानों से चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अनौपचारिक बैठक के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ आए थे। चेन्नई एयरपोर्ट ने कोड एफ श्रेणी के बोइंग 747-800 जंबो विमानों की आगवानी करने को ऐतिहासिक और गौरव का क्षण बताया है। एयर चाइन के इन विमानों से चिनफिंग और उनके प्रतिनिधिमंडल के सदस्य शुक्रवार को यहां पहुंचे थे। चीन की सरकारी विमान कंपनी एयर चाइना अपने नेताओं को आधिकारिक विदेशी दौरों के लिए विशेष विमान मुहैया कराती है।

नेटिजन ने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा

नई दिल्ली, आइएएनएस : मामल्लपुरम में शनिवार को जब पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच महत्वपूर्ण शिखर वार्ता चल रही थी, उसी दौरान ट्विटर पर 'हैशटैगडोंटगोबैकमोदी' ट्रेंड कर रहा था। एक यूजर ने लिखा कि कई पीढ़ियों के बाद एक ऐसा नेता पैदा हुआ है। दरअसल, शुक्रवार को हैशटैगमोदीगोबैक ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा था। जिन हैंडल से से यह प्रपंच फैलाया जा रहा था, वह सभी पाकिस्तान के थे। इस दुष्प्रचार के खिलाफ सोशल मीडिया यूजर ने मोर्चा संभाल लिया और 'हैशटैगडोंटगोबैकमोदी' ट्रेंड करने लगा।

मोदी ने तमिलनाडु सरकार और लोगों का धन्यवाद किया

मामल्लपुरम, आइएएनएस : मामल्लपुरम में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शिखर सम्मेलन के दौरान दिखाई गई अत्यधिक गर्मजोशी और आतिथ्य के लिए पीएम मोदी ने तमिलनाडु के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, 'तमिलनाडु के मेरे भाइयों और बहनों को विशेष धन्यवाद। हमेशा की तरह उनकी गर्मजोशी और आतिथ्य सत्कार उल्लेखनीय था।' पीएम मोदी ने मामल्लपुरम में शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए तमिलनाडु सरकार और उसके प्रयासों के लिए आभार जताया है। बता दें कि इससे पहले शी ने कहा था कि वह मामल्लपुरम में आतिथ्य से अभिभूत हैं। शी ने कहा था कि वह भारत सरकार, तमिलनाडु सरकार और यहां के लोगों द्वारा दिखाई गई मित्रतापूर्ण भावनाओं को महसूस करते हैं।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर पीएम ने बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम को लेकर आयोजित एक बैठक की शनिवार को अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, 'मामल्लपुरम से लौटने के बाद शनिवार शाम प्रधानमंत्री के कई कार्यक्रम थे। उन्होंने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम पर चर्चा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।' इसमें कहा गया है, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' मोदी की एक व्यक्तिगत पहल है जो भारत की विविधता और राष्ट्रीय एकता को उजागर करती है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम की घोषणा सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती पर की थी।

हाथी और ड्रैगन का नृत्य ही भारत-चीन के लिए सही : चिनफिंग

नजदीकियां बढ़ीं ▶ अनौपचारिक वार्ता के बाद चीन की ओर से जारी बयान में दिखा सकारात्मक असर

जयप्रकाश रंजन, मामल्लपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई अनौपचारिक वार्ता के बाद चीन सरकार की तरफ से जो बयान जारी किया गया है वह अपने आप में यह साबित करने के लिए काफी है कि अपने आपको सुपर पावर के तौर पर पेश कर रहा चीन बखूबी यह समझ रहा है कि उसे भारत का साथ चाहिए। इस बयान में चिनफिंग के हवाले से कहा गया है कि भारत और चीन के लिए सही विकल्प यही है कि हाथी और ड्रैगन साथ-साथ डांस करें।

चीन सरकार ने यह भी संकेत दिए हैं कि वह भारत के साथ मिलकर दक्षिण एशिया, आसियान और अफ्रीका में क्षेत्रीय नेटवर्क बनाने की मंशा रखता है। माना जा रहा है कि इस बारे में राष्ट्रपति चिनफिंग ने पीएम मोदी के समक्ष कुछ प्रस्ताव भी रखे हैं जिसके बारे में आगे विस्तार से बात होगी। साथ ही इसे चीन के बॉर्डर रोड इनीशिएटिव परियोजना का विरोध कर रहे भारत को भरोसे में लेने के तौर पर भी देखा जा रहा है। भारत का रुख इस बारे में अभी पता नहीं चला है। चिनफिंग का सुझाव है कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक संवाद को समयपरक और प्रभावशाली बनाया जाना चाहिए। दोस्ती और सहयोग पर फोकस होना चाहिए ताकि संदेह को खत्म किया जा सके। राजनीतिक सिद्धांतों के मुताबिक हमें अपने सीमा विवाद का समाधान इस तरह से करना चाहिए जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हो। एक दूसरे के कोर मुद्दों को सावधानी से रखना चाहिए। उन्हें भी सावधानी से नियंत्रण में रखना चाहिए। चिनफिंग ने तीसरा सुझाव यह दिया है कि भारत और चीन को सैन्य सुरक्षा व सहयोग पर ज्यादा काम करना चाहिए। संयुक्त अभ्यास करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

तमिलनाडु में मामल्लपुरम के समीप कोवलम में शनिवार को अनौपचारिक शिखर बैठक के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

मोदी ने भेंट की चिनफिंग का चित्र उकेरी हुई रेशम की शॉल

चेन्नई, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दो दिवसीय अनौपचारिक वार्ता के बाद चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को हाथ से बनी रेशम की एक बड़ी शॉल भेंट की। शॉल में सुनहरे रंग के जरी के काम से चिनफिंग की तस्वीर बनाई गई है। इस शॉल की पृष्ठभूमि चटक लाल रंग की है और सुंदरता को बढ़ाने के लिए चिनफिंग के चित्र के दोनों ओर पुष्प के पैटर्न उकेरे गए हैं। इस शॉल को कोयंबटूर स्थित श्रीरामलिंगा सोदांबिगई हैंडलूम वीवर्स कोऑपरेटिव सोसायटी के बुनकरों ने बनाया। मल्बेरी सिल्क से बनी इस शॉल को बनाने में पांच दिन का समय लगा। मालूम हो कि सिल्क बुनाई एक प्राचीन और कीमती शिल्प है जिसके विशिष्ट पैटर्न और डिजाइनों को बुनकरों ने पीढ़ी दर पीढ़ी संजोकर रखा है। तमिलनाडु कई ऐसी रेशम परंपराओं का घर है, जिन्हें अक्सर उन प्राचीन शहरों के नाम पर रखा गया है जिनके आसपास उनका विकास हुआ। कांचीपुरम, अरणी, मदुरई, कोयंबटूर और रासीपुरम इन कालजयी शास्त्रीय परंपराओं के कुछ उदाहरण हैं। शॉल भेंट करने से पहले मोदी चिनफिंग को एक हथकरघा प्रदर्शनी में ले गए, जहां तमिलनाडु के हस्तशिल्पयों ने अपनी कला को प्रदर्शित किया।

मोदी-शी की अनौपचारिक मुलाकात रणनीतिक संबंधों के लिए बेहतर

चेन्नई, प्रेट्र : भारतीय निर्यात संगठनों के परिसंघ (एफआईईओ) ने शनिवार को कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनौपचारिक शिखर बैठक दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों के लिए बेहतर है। इससे एशिया के दो बड़े देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूती तो मिलेगी ही विवाद के मुद्दों को सुलझाने का मौका भी मिलेगा।

एफआईईओ के अध्यक्ष शरद कुमार सराफ ने एक बयान में कहा कि चेन्नई शिखर वार्ता व्यापार और अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए एक व्यवहारिक रचनात्मक तरीका है। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसियों के बीच मतभेद नए नहीं हैं और इनके समाधान की कुंजी रचनात्मक बातचीत और परामर्श ही है।

सराफ ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा चिंता का विषय है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह 53 अरब डॉलर (लगभग 37000 करोड़ रुपये) था। इससे भी ज्यादा चिंता का विषय चीन द्वारा भारतीय सामान के लिए अपने बाजार को नहीं खोलना है।

चीन में भारतीय निर्यात की संभावना बहुत अधिक है। यह 18 अरब डॉलर (13000 करोड़ रुपये) तक हो सकता है जो अमेरिका को किए जाने वाले 16.8 अरब डॉलर के निर्यात से भी ज्यादा है। भारतीय डेयरी उत्पाद, सोयाबीन, कई फलों और दवा कंपनियों के लिए चीन अपने बाजार नहीं खोल रहा। उन्होंने कहा कि भारत बड़ा बाजार है और चीन के 25 फीसद के मुकाबले 15 फीसद कार्पोरेट टैक्स की दर के निवेश के लिए आकर्षक स्थल है।

चीनी नागरिकों को अब पांच साल के लिए मिलेगा ई-वीजा

बीजिंग, एएनआइ : भारत ने चीनी नागरिकों के लिए ई-वीजा नीति में बदलाव करते हुए कई रियायतों की घोषणा की है। भारतीय दूतावास ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूसरी अनौपचारिक मुलाकात हुई है।

- **सैलानियों के लिए कई बार आने-जाने की भी होगी सुविधा**
- **एक महीने और एक साल के लिए ई-वीजा शुल्क में भी कटौती**

भारतीय दूतावास की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, 'अक्टूबर 2019 से चीनी नागरिक पांच साल तक वैध रहने वाले ई-टूरिस्ट वीजा (ई-टीवी) के लिए आवेदन कर सकते हैं, इस वीजा पर कई बार आने-जाने की सुविधा होगी। पांच साल के इस पल्टीपल एंट्री (कई बार आने-जाने की सुविधा) वीजा के लिए 80 डॉलर (लगभग तीन हजार रुपये) का शुल्क देना होगा।' इसके अलावा, अगर कोई चीनी नागरिक 30 दिन के लिए ई-वीजा लेना चाहता है तो उसे 25 डॉलर शुल्क चुकाने होंगे। लेकिन इस वीजा में सिर्फ एक बार प्रवेश का प्रावधान होगा। जबकि, अप्रैल से जून के दौरान 30 दिन के ई-वीजा के लिए सिर्फ 10 डॉलर शुल्क लगेगा। बयान के मुताबिक एक साल के लिए भी मल्टीपल एंट्री वीजा जारी किया जाएगा और इसके लिए 40 डॉलर का शुल्क लगेगा। इसके अलावा मौजूदा ई-मेडिकल वीजा, ई-कांफ्रेंस वीजा, और एक साल के लिए मल्टीपल एंट्री ई-बिजनेस वीजा भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जारी किए जाते रहेंगे। बयान में उम्मीद जताई गई है कि इस सुविधा से भारत और चीन के बीच लोगों के बीच संपर्क बढ़ेगा। साथ ही ज्यादा से ज्यादा चीनी सैलानी घुमने के लिए भारत जाना पसंद करेंगे।

कारोबारी समस्याओं के हल के लिए नया तंत्र बनाएंगे भारत और चीन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने दूसरी अनौपचारिक वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश और सेवाओं से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए एक नया मंत्री स्तरीय तंत्र बनाने का फैसला किया है।

विदेश सचिव गोखले ने बताया कि कारोबार और आर्थिक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने और समस्याओं को सुलझाने के लिए यह तंत्र वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और चीन के उपप्रधानमंत्री हू चुंगहुआ की अध्यक्षता में बनेगा। इसकी घोषणा दोनों तरफ के संबंधित मंत्रालयों की तरफ से जल्द की जाएगी। दोनों मंत्रियों की तरफ से एक दूसरे के देश की कंपनियों को निवेश में होने वाली दिक्कतों को दूर करने पर खास तौर पर ध्यान दिया जाएगा। चीन ने मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भारतीय कंपनियों के साथ साझा उपक्रम स्थापित करने की पेशकश की है। दोनों देशों की कंपनियां संयुक्त उपक्रम के जरिये तीसरे देशों में संयुक्त निवेश कर सकें, इसका भी रास्ता खोजा जाएगा।

रणनीतिक रिश्तों का करेंगे आगाज

राष्ट्रपति चिनफिंग के साथ बातचीत में रणनीतिक और रक्षा साझेदारी की बात भी उठी। दोनों नेताओं ने इस बात पर खास तौर पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अमन और शांति बनाए रखने के लिए और ज्यादा जोर दिया जाना चाहिए। इसके लिए पिछले वर्ष जो कदम उठाए गए थे उनको आगे भी जारी रखा जाएगा। चीन ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी आमंत्रित किया और माना जा रहा है कि तभी व्यापक रणनीतिक संबंधों पर बात की जा सकेगी। सीमा पर शांति बहाली के लिए जल्द ही कुछ अतिरिक्त उपायों का भी एलान किए जाने के संकेत दिए गए हैं। वैसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर दोनों नेताओं के बीच सहमति थी। दोनों देश बहुलवादी सभ्यताओं वाले देश हैं और मानते हैं कि धार्मिक कट्टरता उनके लिए साझा चुनौती है। धार्मिक कट्टरता खत्म करने के बारे में भी दोनों देश आगे सहयोग स्थापित करेंगे।

जनता को भी करीब लाएंगे दोनों देश : मोदी और चिनफिंग के बीच हुई इस वार्ता में दोनों देशों की जनता को आपस में करीब लाने के कई पहलुओं पर भी बात हुई। दोनों नेताओं ने माना कि 2.7 अरब की आबादी के बीच समझबूझ बढ़ने से दुनिया को कई तरह के लाभ होंगे। इसके लिए पर्यटन पर खास तौर पर ध्यान दिया जाएगा। मोदी ने सुझाया कि अभी चीन अपनी पार्टी के 70 वर्ष पूरे होने का साल मना रहा है, जबकि भारत जल्द ही आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाएगा। साथ ही दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित किए जाने के भी 70 वर्ष हो रहे हैं। ऐसे में पर्यटन को बढ़ाने की विशेष कोशिश की जा सकती है। इस क्रम में बताते चलें कि चीन स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को ही वहां के नागरिकों को आसानी से वीजा देने संबंधी नियमों की घोषणा की है। इसके अलावा मामल्लपुरम और चीन के फुजियांग शहर के बीच पुराने संबंधों को खोजने के लिए साझा अध्ययन करने पर भी सहमति बनी।

प्रत्यर्पण समेत चीन और नेपाल के बीच आज हो सकते कई अहम समझौते

काठमांडू, प्रेट्र : चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भारत की अपनी दो दिन की यात्रा समाप्त कर शनिवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे। पिछले 23 साल में नेपाल आने वाले चीन के वो पहले राष्ट्राध्यक्ष हैं। दो दिन की उनकी यात्रा के दौरान चीन और नेपाल के बीच प्रत्यर्पण संधि समेत कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इसमें काठमांडू और तिब्बत के बीच रेल सेवा शुरू करना भी शामिल है।

नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चिनफिंग का हवाईअड्डे पर स्वागत किया। बाद में नेपाली सेना ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। बाद में शाम के वक्त चिनफिंग ने राष्ट्रपति भंडारी से उनके शीतल निवास पर मुलाकात की।

दोनों नेताओं के बीच आपसी हित के द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। वहीं, नेपाली पीएम ओली के साथ उनकी प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत रविवार को होगी। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि समेत कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। आशंका जताई जा रही है कि चीन प्रत्यर्पण संधि का इस्तेमाल तिब्बती शरणार्थियों के खिलाफ कर सकता है, जो बड़ी संख्या में नेपाल में रहते हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के स्वागत में नेपाल और चीन के झंडे लेकर खड़ा युवक। फाइल

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक काठमांडू और तिब्बत के बीच रेल सेवा बहाल करने को लेकर भी दोनों देशों के बीच समझौता होगा। नेपाल चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव में 2017 में शामिल हुआ था। यह रेल सेवा उसी का हिस्सा है। इसके अलावा चीन हाईवे, एयरपोर्ट और बिजली संयंत्रों के निर्माण और सुधार में भी नेपाल की मदद करेगा।

हालांकि, अधिकारियों ने प्रत्यर्पण संधि को लेकर आशंका जताई है। अधिकारियों का कहना था कि इस संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के आसार कम हैं। हालांकि, दोनों ही देशों ने इसे अपनी प्राथमिकता में रखा है।

बदला नजरिया

चीन के अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' ने कहा- भारत दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग का हब बन सकता है

'मेक इन इंडिया' को हकीकत बना सकता है भारत

बीजिंग, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मेक इन इंडिया' को शुरू हुए पांच साल बीतने के बावजूद मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने भारत में कारखाने लगाने में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है। मिसाल के तौर पर चीन से पलायन कर रही कंपनियां भारत में अपने पैर पसारने में उतनी दिलचस्पी नहीं दिखाई है, जितनी दिलचस्पी वे वियतनाम जैसे छोटे से देश में ले रही हैं। हालांकि, चीन के अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' ने कहा है कि नई दिल्ली अगर बीजिंग के प्रति अपना नजरिया बदले और उसकी कामयाबी से सीख ले तो भारत दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग का हब बन सकता है और मेक इन इंडिया को सफल बना सकता है।

- **चीनी दैनिक ने कहा, बीजिंग से सीख ले तो भारत बन सकता है मैन्युफैक्चरिंग हब**
- **पिछले कुछ साल से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत बनाने की चेष्टा कर रहा है भारत**

भावी द्विपक्षीय संबंधों की रूपरेखा तय होगी

अखबार ने कहा है कि मोदी-शी की मुलाकात से दोनों देशों के अगले चरण के द्विपक्षीय संबंधों के लिए सुर और दिशा तय होगी। इससे अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। अखबार ने आगे लिखा है कि दुनिया की कुछ ताकतें नहीं चाहती हैं कि भारत और चीन नजदीक आएं। लेकिन दोनों देश अपनी समस्याओं को काबू में करने के लिए धीरे-धीरे अपने संबंधों को मजबूत बना रहे हैं। दोनों नेताओं के दिशानिर्देश में बन रहे द्विपक्षीय संबंध भविष्य में अंतरराष्ट्रीय संबंधों का निर्धारण करने में उल्लेखनीय घटक बनेंगे।

अखबार के आलेख में इस बात का संकेत भी दिया गया है कि चेन्नई के पास मामल्लपुरम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच दूसरी अनौपचारिक शिखर वार्ता से भारत के लिए इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। 'ग्लोबल टाइम्स' में प्रकाशित लेख में कहा गया है कि भारत पिछले कुछ साल से अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत बनाने की चेष्टा कर रहा है, लेकिन लॉजिस्टिक्स की सुविधा, मानव शक्ति और अन्य पूरक बुनियादी ढांचे की क्षमता अपेक्षा के अनुरूप नहीं होने के कारण उसे कामयाबी नहीं मिल पाई है। लेख के मुताबिक, 'दोनों देशों के बीच शिखर वार्ता से नई दिल्ली को इस हालात को बदलने का अवसर मिलेगा। पिछले साल वुहान में दोनों देशों के बीच रिश्तों में प्रगाढ़ता लाने की दिशा में किए गए प्रयास के बाद अगर, नई दिल्ली इस मुलाकात को वास्तव में व्यावहारिक नजरिए से ले तो मेकइन इंडिया को हकीकत में बदला जा सकता है।' जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमूरा के एक अध्ययन के नतीजों के अनुसार, अप्रैल 2018 से लेकर अगस्त 2019 के दौरान चीन से 56 कंपनियों का पलायन हुआ जिनमें से सिर्फ तीन भारत आई जबकि सबसे ज्यादा 26 कंपनियों ने वियतनाम में अपना कारोबार शुरू किया।

यौन शोषण का आरोप लगने से डरे एसडीएम ने महिला मित्र से की शादी

जागरण संवाददाता, कुशीनगर

उप्र के कुशीनगर स्थित खड्डा तहसील के एसडीएम रहे दिनेश कुमार ने शुक्रवार की आधी रात में नगर के गायत्री मंदिर में अपनी महिला मित्र से शादी रचा ली। इसी महिला मित्र ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। शिकायत के बाद एसडीएम शादी के लिए तैयार हो गए।

महिला शुक्रवार को आजमगढ़ कलेक्ट्रेट पहुंची और डीएम को शिकायती पत्र देकर जिले के ही गांव बुढ़नपुर निवासी दिनेश कुमार पर शादी का झांसा देकर चार साल से यौन शोषण करने का आरोप लगाया। डीएम ने प्रकरण एडीएम विंध्यवासिनी राय को सौंपकर तत्काल समाधान का निर्देश दिया। दिनेश कुमार का तबादला बीते दिनों हापुड़ जिले में एसडीएम पद पर हो चुका है। वहां कार्यभार ग्रहण करने के बाद वह शुक्रवार को खड्डा स्थित सरकारी आवास से सामान लेने आए थे। यह जानकारी मिलने पर रेनू कुशीनगर पहुंच गईं। मंदिर में रात डेढ़ बजे हिंदू रीति रिवाज से दोनों की शादी के गवाह एसडीएम सदर रामकेश यादव व एसडीएम हाटा प्रमोद तिवारी बने।

> महिला ने एसडीएम के विरुद्ध डीएम को शिकायती पत्र सौंपा था। दोनों पक्षों से बातचीत की गई। बाद में दोनों आपसी सहमति से शादी को राजी हो गए। देर रात दोनों ने शादी कर ली।
> -विंध्यवासिनी राय, एडीएम कुशीनगर

ऐसे हुई दोनों की मुलाकात : चार वर्ष पूर्व बीएड की पढ़ाई के दौरान रेनू को प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए मुरादाबाद जाना था। घर के लोगों ने क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारी पद पर कार्यरत दिनेश कुमार से मदद मांगी तो उन्होंने परिवार से उसे फैजाबाद तक बस से भिजवाने को कहा। उस समय वह फैजाबाद में रहते थे। बकौल रेनू फैजाबाद पहुंचने पर दिनेश उसे अपने साथ ले गए।

पोप फ्रांसिस भारतीय नन को आज घोषित करेंगे संत

कोच्चि, प्रेट्र : पोप फ्रांसिस रविवार को वेटिकन सिटी में भारतीय नन मरियम थ्रेसिया चिरामेल मानकिडियन को संत घोषित करेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन करेंगे। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी है। मरियम त्रिशूर में कांग्रीगेशन ऑफ द सिस्टर्स ऑफ द होली फैमिली (सीएचएफ) की संस्थापक थी। वेटिकन न्यूज ने कहा है कि रोम के पीटर्स स्क्वायर पर समारोह में उन्हें संत घोषित किया जाएगा। शुरू में मरियम थ्रेसिया को थ्रेसिया ही कहा जाता था। 1904 से उन्होंने मरियम थ्रेसिया कहे जाने की इच्छा जताई थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मुरलीधरन सिस्टर मरियम थ्रेसिया को संत घोषित करने के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए वेटिकन सिटी की दो दिवसीय यात्रा करेंगे। सिस्टर मरियम थ्रेसिया का जन्म 26 अप्रैल 1876 को त्रिशूर में हुआ था। आठ जून, 1926 को उनका निधन हो गया था। पोप जॉन पॉल द्वितीय ने नौ अप्रैल, 2000 को उन्हें 'धन्य' घोषित किया था।

न्यूज गैलरी

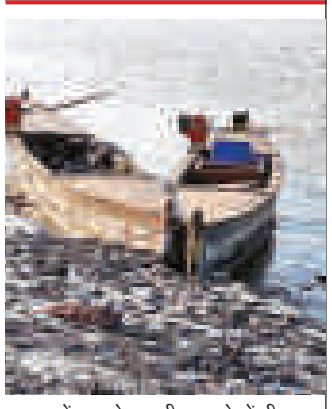

गुजरात में कच्छ के सरक्रीक इलाके में सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पाकिस्तानी नौकाएं जब्त की हैं। एएनआइ

बीएसएफ ने जब्त की पांच पाकिस्तानी नौकाएं

अहमदाबाद : कच्छ के सरक्रीक इलाके के हरामी नाले में सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पांच पाकिस्तानी नौकाएं जब्त की हैं। मछली पकड़ने वाली ये नौकाएं सर्च ऑपरेशन के दौरान लावारिस हालत में मिली थीं। बीएसएफ भारत-पाकिस्तान सीमा से लगने वाले सरक्रीक इलाके में नियमित रूप से गश्त और सर्च ऑपरेशन करती रहती है। बीएसएफ की ओर से शनिवार को जारी बयान के मुताबिक शुक्रवार रात 10 :45 बजे सर्च के दौरान जवानों को पांच नौकाएं मिलीं। नौकाओं से खाने-पीने का सामान और चार-पांच आइस बाक्स मिले हैं। छोटे डीजल इंजन वाली इन नौकाओं का प्रयोग पाकिस्तानी करते हैं। (राब्यू)

समाज में खुलेआम हिंसा चिंताजनक : नसीरुद्दीन

मुंबई : अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने शनिवार को कहा कि वह भीड़ हिंसा की घटनाओं को लेकर अपने बयान पर कायम हैं लेकिन वह समाज में 'खुलेआम हिंसा' से बहुत व्यथित हैं। पिछले साल 69 वर्षीय अभिनेता ने भीड़ हिंसा की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा था कि कई जगहों पर किसी पुलिसकर्मी की मौत के बजाय गाय की मौत को अधिक अहमियत दी जा रही है। 'इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट' में शाह के साथ बातचीत में अभिनेता आनंद तिवारी ने उनसे पूछा था कि क्या राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों पर उनके विचारों का फिल्म बिरादरी में उनके संबंधों पर असर पड़ता है। इस पर उन्होंने कहा, 'फिल्म उद्योग या फिल्म से जुड़े लोगों से किसी मामले में कभी भी उनके करीबी रिश्ते नहीं रहे हैं।' वहीं, गीतकार-लेखक जावेद अख्तर ने शनिवार को कहा कि लोगों को व्यवस्था के खिलाफ होने पर भी अपनी राय देना बंद नहीं करना चाहिए। सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचारों को लेकर मुखर रहने वाले अख्तर का मानना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को एक लोकतांत्रिक समाज में रोका नहीं जा सकता है। (प्रेट्र)

करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण 25 अक्टूबर तक होगा पूरा

डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर) : नेशनल हाईवे अथारिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआइ) के चेयरमैन नित्या सिन्हा ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर का 90 फीसद कार्य कर लिया गया है। 25 अक्टूबर तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। एनएचएआइ के चेयरमैन नित्या सिन्हा ने शनिवार को पहली बार करतारपुर कॉरिडोर के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने गांव मान, चंदू नंगल, पक्खोके टाहली साहिब, डेरा बाबा नानक तथा जीरो लाइन पर बनाए गए ब्रिज व पाकिस्तान को जाने के लिए लगाए गए गेट का भी निरीक्षण किया। (जासं)

आयकर विभाग ने कहा- रमेश के घर पर छानबीन नहीं की

प्रथम पृष्ठ से आगे...

आयकर विभाग ने एक बयान में कहा कि रमेश के घर पर न तो छापा मारा गया था और न ही छानबीन की गई थी। इतना ही नहीं आयकर अधिनियम 1961 की धारा 131 अथवा 132 (4) के तहत उसके बयान भी दर्ज नहीं किए गए थे। हालांकि विभाग ने यह जरूर माना कि 10 अक्टूबर को जब परमेश्वर के घर पर छापा मारने की कार्रवाई शुरू की गई थी तो वहां रमेश मौजूद था। छापे की कार्रवाई 12 अक्टूबर को सुबह पौने तीन बजे तक चली। इस दौरान रमेश वहां मौजूद रहा। उसकी उपस्थिति पंचनामा में भी दर्ज है।

श्रीनगर में सचिवालय के समीप ग्रेनेड हमला, आठ लोग घायल

नापाक हरकत ▶ कश्मीर में सुधरते हालात से हताश हैं आतंकी

आतंकियों की तलाश में अभियान, इलाके की सुरक्षा बढ़ाई गई

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट इलाके में ग्रेनेड हमले के बाद बाद घटनास्थल पर सुरक्षाकर्मी। जागरण

कश्मीर में सुधरते हालात से हताश आतंकियों ने शनिवार को ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट इलाके में ग्रेनेड हमला किया। इस हमले में आठ लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोटस्थल से करीब 300 मीटर की दूरी पर ही नागरिक सचिवालय भी है। हमले के बाद पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

यह हमला दोपहर करीब पौने तीन बजे हुआ। आतंकियों ने जहांगीर चौक को हरि सिंह हाई स्ट्रीट से जोड़ने वाली सड़क पर तैनात सीआरपीएफ के जवानों को निशाना बनाते हुए ग्रेनेड फेंका। ग्रेनेड जवानों से दूर सड़क पर गिरा, जहां बड़ी संख्या में लोग ठेलों और फुटपाथ पर सजी दुकानों पर खरीदारी कर रहे थे। धमाका होते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट में तीन निजी कारों और सुरक्षाकर्मियों के एक वाहन की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए।

मौके पर पहुंचे सुरक्षाबलों ने हमले में घायल सभी लोगों को उपचार के लिए तुरंत एसएमएचएस अस्पताल में दाखिल कराया। अस्पताल में तीन घायलों को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी, जबकि पांच अन्य अस्पताल में उपचाराधीन हैं। इस बीच, धमाके के फौरन बाद मौके पर पहुंचे पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारियों ने हालात का जायजा लेते हुए विस्फोट स्थल के आसपास के इलाकों की घेराबंदी करते हुए आतंकियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। हालांकि देर शाम तक न किसी आतंकी संगठन ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी ली थी और न पुलिस ने किसी को इस सिलसिले में पकड़ा था।

यहां सुबह-शाम खुलती हैं दुकानें : आतंकियों ने जिस जगह हमला किया, वहां पर अलगाववादियों और आतंकियों के फरमान व धमकियों के बावजूद सुबह-शाम दुकानें खुलती हैं। दिनभर ठेलों पर सामान बेचने वाले भी मौजूद रहते और इलाके में लोगों की भीड़ लगी रहती है। दरअसल, कश्मीर में हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं, जो आतंकियों को रास नहीं आ रहा।

घाटी में माहौल बिगाड़ने की साजिशें बरती जा रही सतर्कता : मुख्य सचिव

श्रीनगर में शनिवार को जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रवक्ता व प्रधान सचिव रोहित कंसल पत्रकार वार्ता में कश्मीर में सामान्य हो चुके हालात की जानकारी देते हुए। इस मौके पर मंडलायुक्त कश्मीर बसीर अहमद खान और आइजी कश्मीर रेंज एसपी पाणि भी मौजूद रहे। जागरण

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में बीते दो माह से पसरी शांति को भंग करने के लिए पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लगातार बड़ी वारदात को अंजाम देने का मौका तलाश रहे हैं। सरहद पार से राज्य में विशेषकर घाटी में सामान्य जनजीवन को प्रभावित करने की लगातार साजिशें रची जा रही हैं। जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तोयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन जैसे आतंकी संगठन लोगों को बंद और हड़ताल के लिए डरा-धमका रहे हैं। यह जानकारी राज्य सरकार के प्रवक्ता और मुख्य सचिव रोहित कंसल ने शनिवार को दी।

रोहित कंसल ने बताया कि पूरी वादी में किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया गया है और सरहदी इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए फैसले को जिस तरह से कश्मीर के लोगों ने स्वीकारा है, उससे आतंकी संगठन व उनके आका परेशान हैं। उन्होंने कहा कि खुफिया तंत्र ने पता चला है राष्ट्रविरोधी तत्व, विघटनकारी ताकतें और आतंकी राज्य के भीतर और सरहद पर बड़े पैमाने पर हमले कर सकते हैं। कश्मीर में लोगों को डराने, उन्हें डरा धमका कर मुख्यधारा से दूर रखने, यहां के हालात बिगाड़ने और जन-धन की व्यापक पैमाने पर हानि के लिए हमलों की साजिश रच रहे हैं। जैश, लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों द्वारा लोगों को लगातार डराने-धमकाने की घटनाएं हो रही हैं। इसके बावजूद लोग एक सामान्य जिंदगी की तरफ बढ़ रहे हैं। लोगों को एक सुरक्षित और विश्वासपूर्ण माहौल बनाने के लिए सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

भारत ने एलओसी पार पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को किया तबाह

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : उत्तरी कश्मीर के जिला कुपवाड़ा में एलओसी पर भारतीय जवानों ने पिछले दो दिन में पाक गोलाबारी और आतंकियों की घुसपैठ का कड़ा जवाब दिया है। भारत की कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के कई इमारती ढांचे तबाह हुए हैं। भारतीय जवानों की कार्रवाई में दो दिन में गुलाम कश्मीर में नीलम घाटी और अथमुकाम के अलावा उससे सटे इलाकों में नुकसान हुआ है। अथमुकाम में ही पाकिस्तानी सेना की निगरानी में आतंकियों के तीन से चार लांचिंग पैड बीते दो माह से सक्रिय हैं। इन पैड पर हमेशा ही अलग-अलग गुटों में घुसपैठ के लिए 12 से 15 आतंकी तैयार रहते हैं।

इसी इलाके में हैं आतंकियों के लांचिंग पैड : सूत्रों ने अनुसार पाकिस्तानी सेना को अथुमकाम और नीलम घाटी के शारदा और चनगन इलाके में नुकसान पहुंचा है। इसी इलाके में नागरिक बस्तियों के बीच ही पाकिस्तानी सेना की निगरानी में आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप भी हैं। लांचिंग पैड भी इसी इलाके में हैं। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई के बाद पाक सेना ने इसी क्षेत्र अग्रिम बस्तियों को भी खाली कराया है।

भारत ने मार गिराए थे तीन पाक सैनिक : बता दें कि जम्मू संभाग के राजौरी और पुंछ के अग्रिम इलाकों में तैनात भारतीय जवानों ने भी बीते तीन दिनों के दौरान पाकिस्तानी सेना को संघर्ष विराम उल्लंघन पर मुहंतोड़ जवाब देते हुए उसके एक आयुध डिपो को तबाह करने के अलावा तीन सैनिकों को मार गिराया है। वहीं, शुक्रवार को नौशहरा सेक्टर में भारतीय सेना के नायक सुभाष थापा भी शहीद हो गए थे।

बोधगया धमाके के आतंकियों को पनाह देने वाला गिरफ्तार

नईदुनिया, रायपुर

- सऊदी अरब में नाम बदलकर छह साल से टैक्सी चला रहा था अजहर
- फ्लाइट से हैदराबाद एयरपोर्ट पर उतरते ही एटीएस और पुलिस टीम ने दबोचा

2013 में पीएम नरेंद्र मोदी की बिहार के बोधगया और पटना की सभा में बम बलास्ट की साजिश रचने और आतंकियों को रायपुर में पनाह देने के मामले में सिमी के स्लीपर सेल अजहरूद्दीन खान उर्फ अजहर उर्फ केमिकल निवासी मौदहापारा को आखिरकार छत्तीसगढ़ एटीएस टीम ने धर दबोचा। वह छह साल से सऊदी अरब में नाम बदलकर टैक्सी चला रहा था। भारत वापसी में फ्लाइट से हैदराबाद एयरपोर्ट पर उतरते ही उसे गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

रायपुर एसएसपी आरिफ शेख ने बताया कि एटीएस के सहयोग से सीएसपी सिविल लाइन त्रिलोक बंसल और उनकी टीम ने छह साल से फरार अजहर को पुख्ता सूचना पर हैदराबाद से गिरफ्तार किया। अजहर प्रतिबंधित संगठन सिमी का प्रचार-प्रसार, संगठन की मीटिंग का आयोजन, जरूरी सामान मुहैया कराने का काम करता था। उसने बोध गया और पटना ब्लास्ट के आरोपितों को रायपुर में छिपाने के साथ लाने और ले जाने का काम किया था। धमाकों के बाद सिमी के 17 कार्यकर्ताओं की रायपुर में ताबड़तोड़ गिरफ्तारी होते ही वह फरार हो गया था। एसएसपी ने बताया कि अजहर यहां से भागकर हैदराबाद गया। वहां कुछ दिन रकने के बाद सऊदी अरब चला गया। वहां पर अपना नाम बदलकर वह टैक्सी चलाने के साथ सुपर मार्केट में सहायक मैनेजर के रूप में काम कर रहा था। एटीएस को लगातार उसके हैदराबाद आकर वापस लौट जाने की खबर मिल रही थी। फिर से जब अजहर के हैदराबाद आने की सूचना मिली तो एटीएस अलर्ट हुई। एटीएस और पुलिस की संयुक्त टीम ने हैदराबाद जाकर एयरपोर्ट अथॉरिटी से समन्वय स्थापित कर अजहर की जानकारी साझा की। इसके बाद शुक्रवार को हैदराबाद एयरपोर्ट में विदेश से आने वाली फ्लाइट से उतरने वाले सभी यात्रियों की निगरानी की जा रही थी। इसी दौरान अजहरूद्दीन को एयरपोर्ट से बाहर निकलते देखकर टीम ने बिना मौका गंवाए उसे दबोच लिया।

मालविंदर की फर्म की देनदारी चुकाने को निकाले थे 1,260 करोड़

जागरण संवाददाता नई दिल्ली : रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) कंपनी घोटाले में नया रहस्योद्घाटन हुआ है। इसके मुताबिक 1,260 करोड़ रुपये मालविंदर सिंह की फर्म आरएचसी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड की देनदारियों को पूरा करने के लिए निकाला गया था। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा किए गए फोरेंसिक ऑडिट में इस राशि की हेराफेरी का पता चला है।

ज्ञात हो कि रेलिगेयर से धोखाधड़ी के मामले में सिंह बंधुओं समेत पांच को गुरुवार रात गिरफ्तार किया गया था। पांचों चार दिन की पुलिस रिमांड पर हैं और उनसे विस्तार से पूछताछ शुरू हो गई है। इन पर रेलिगेयर एंटरप्राइजेज को 2,397 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। आरोपितों को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस की आर्थिक शाखा ने (ईओडब्ल्यू) ने शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। शिकायतकर्ता कंपनी ने आरबीआइ की एक रिपोर्ट के आधार पर बताया कि कंपनी से निवेश के लिए निकाले गए रुपये की धोखाधड़ी कंपनी के प्रबंधन में शामिल ऊंचे पद पर बैठे लोगों की सिफारिश पर किया गया था।

आर्थिक मंदी नकारने के लिए प्रसाद ने तीन हिंदी फिल्मों की सफलता का उदाहरण दिया

मुंबई, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने बॉलीवुड फिल्मों की सफलता का उदाहरण देते हुए आर्थिक मंदी की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को तीन फिल्मों ने 120 करोड़ रुपये की कमाई की। यह 'अर्थव्यवस्था' में मजबूती का संकेत है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और विधि मंत्री ने बेरोजगारी पर राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) की रिपोर्ट को भी 'गलत' बताया। इसमें कहा गया था कि साल 2017 में बेरोजगारी की दर पिछले 45 साल में सबसे ज्यादा रही। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि भारत और ब्राजील में आर्थिक मंदी इस साल कुछ ज्यादा साफ दिखती है।

प्रसाद ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग योजनाबद्ध तरीके से सरकार के खिलाफ लोगों को बेरोजगारी की स्थिति के बारे में गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दो अक्टूबर को राष्ट्रीय अवकाश के दिन तीन हिंदी फिल्मों ने 120 करोड़ रुपये की कमाई है। यदि अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती तो केवल तीन फिल्में एक दिन में 120 करोड़ रुपये का कारोबार कैसे करतीं?'

एनएसएसओ की रिपोर्ट पर प्रसाद ने

रविशंकर प्रसाद। फाइल

कहा, 'मैं आपको 10 मापदंड बता सकता हूं जहां अर्थव्यस्था का अच्छा प्रदर्शन है लेकिन एनएसएसओ की रिपोर्ट में इनमें से किसी को नहीं दर्शाया गया है। इसलिए मैं इस रिपोर्ट को गलत कहता हूं।'

आइएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जिर्जीवा ने हाल में कहा है कि दुनिया की 90 फीसद अर्थव्यवस्था सुस्ती के दौर से गुजर रही है। भारत और ब्राजील जैसे देशों पर इसका असर साफ नजर आ रहा है। इस बयान के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'भारत को लेकर मुद्राकोष का अनुमान अभी अधूरा है। यह नहीं भूलना चाहिए कि जब मनमोहन सिंह सत्ता में थे तो भारत 11वें पायदान पर था; आज हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यस्था हैं। हमने फ्रांस को भी पछाड़ दिया है।'

प्रसाद ने अर्थव्यवस्था में गिरावट की धारणा को दूर करने का प्रयास करते हुए कहा, 'इलेक्ट्रानिक विनिर्माण, सूचना एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र, मुद्रा लोन और वाणिज्यिक सेवा क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने कभी नहीं कहा था कि हम सबको सरकारी नौकरी देंगे।' उन्होंने कहा, 'कुछ लोग सरकार के खिलाफ मोर्चा बनाकर बेरोजगारी के मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं।'

केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि अनुच्छेद 370 समाप्त करना भारत का आंतरिक मामला है। उनसे पूछा गया कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 समाप्त करने पर बातचीत की? उन्होंने कहा कि इस बारे में भारत फैसला लेगा।

कांग्रेस, माकपा ने उठाए सवाल: कांग्रेस और माकपा ने तीन फिल्मों की कमाई का उदाहरण देकर आर्थिक मंदी को नकारे जाने की आलोचना की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि चीन अपनी अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य को रेल भाड़ा, बिजली की खपत और बैंक कर्ज से निर्धारित करता है। हमारे अपने मंत्री प्रसाद के लिए फिल्म का रोजाना का कारोबार पैमाना है।

पत्नी के रहते लिव इन रिलेशनशिप को कैसे दें मान्यता : हाई कोर्ट

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़

- साली के चक्कर में बेटियों व पत्नी को छोड़ा, हाई कोर्ट ने लगाई फटकार
- साली के साथ लीव इन रिलेशनशिप में रह रहे पति ने मांगी थी सुरक्षा

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने फरीदाबाद निवासी जीजा-साली की सुरक्षा मांगने की एक याचिका को खारिज कर दिया। लीव इन रिलेशनशिप में रह रहे जीजा-साली ने पत्नी व रिश्तेदारों से जान को खतरा बता कर हाई कोर्ट में सुरक्षा की मांग की थी।

सुनवाई के दौरान सामने आया कि यह प्रेमी जोड़ा, जो सुरक्षा की मांग को लेकर हाई कोर्ट आया है, दरअसल दोनो के बीच जीजा-साली का रिश्ता है। पुरुष याचिकाकर्ता की दो बेटियां भी हैं और उसकी पत्नी प्रेमिका की सगी बहन है। याचिकाकर्ता अपनी पत्नी व दो लड़कियों को छोड़ कर अपनी साली के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रहा है। याचिकाकर्ता की पत्नी अपने पैतृक घर में रह कर दोनों नाबालिग बेटियों का पालन पोषण कर रही है। अभी दोनों के बीच तलाक का केस कोर्ट में विचाराधीन है, लेकिन पति अभी से अपनी साली के साथ पत्नी की तरह रह रहा है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पति की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि उसको अपनी पत्नी से जान को खतरा है। इसलिए हाई कोर्ट प्रशासन को आदेश देकर उनकी जान माल की रक्षा करे। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान हैरानी जताते हुए कहा कि वह कैसे याचिकाकर्ता यानी जीजा-साली के लीव इन रिलेशनशिप के रिश्ते को मान्यता दे। हाई कोर्ट ने कहा कि उसे नहीं लगता कि याची की जान को किसी तरह का खतरा है। ऐसे में वह इस मामले में क्यों हस्तक्षेप कर आदेश जारी करे। हाई कोर्ट ने सुरक्षा देने की मांग न मानते हुए याचिका को खारिज करने का फैसला सुना दिया।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट। फाइल

किराएदार को बाथरूम की सुविधा देना मकान मालिक का दायित्व

कमल जोशी, चंडीगढ़ : बाथरूम और टॉयलेट को मूलभूत सुविधाओं में शामिल करते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कहा है कि किराएदार को यह सुविधाएं उपलब्ध कराना मकान मालिक का दायित्व है।

लुधियाना की एक व्यावसायिक संपत्ति को लेकर दायर अपील को खारिज करते हुए जस्टिस सुदीप आहलूवालिया की पीठ ने कहा कि संपत्ति मालिक किसी किराएदार को बाथरूम या टॉयलेट की सुविधा का लाभ लेने से सिर्फ इसलिए नहीं रोक सकते कि उनके रेंट एग्रीमेंट में बाथरूम की सुविधा उपलब्ध करवाने की शर्त नहीं है। लुधियाना के रेंट कंट्रोलर ने अपीलकर्ता गुरप्रीत सिंह को आदेश दिए थे कि वे किराएदार को चौथी मंजिल पर स्थित बाथरूम का इस्तेमाल करने से न रोकें। कंट्रोलर ने कहा था कि किसी भी बिल्डिंग में किराएदार को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना संपत्ति मालिक का फर्ज है। इस फैसले को सही मानते हुए हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कर्नाटक हाई कोर्ट के एक केस का हवाला देते हुए कहा है कि बाथरूम और टॉयलेट आवश्यक सुविधाएं हैं। चाहे ये सुविधाएं किराए पर दी संपत्ति का हिस्सा हो या न हों।

तिहरे हत्याकांड की सीआइडी जांच शुरू, दो और हिरासत में

जागरण संवाददाता, मुर्शिदाबाद

- मृतक के पिता और एक व्यापारी दोस्त से हो रही पूछताछ
- संपत्ति के लिए पिता-पुत्र में विवाद की बात आई सामने

जिले के जियागंज में हुए तिहरे हत्याकांड की पुलिस के साथ ही सीआइडी ने भी शनिवार से जांच शुरू कर दी। फारेंसिक विशेषज्ञों ने भी घटनास्थल का मुआयना कर नमूने एकत्र किए। उधर प्राथमिक जांच से एक बार फिर नया मोड़ आ गया है।

पता चला है कि संपत्ति को लेकर शिक्षक और उसके पिता के बीच वर्षों से विवाद चल रहा था। पिता की दूसरी शादी के बाद संबंध में और खटास आ गई थी। लाखों की देनदारी का मामला भी सामने आया है। पुलिस ने शिक्षक के पिता, उसके व्यापारी दोस्त को हिरासत में लिया है। इससे पहले शुक्रवार को भी दो लोगों को हिरासत में लिया गया था।

अब तक इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि विजयादशमी के दिन जियागंज-अजीमगंज नगरपालिका के अंतर्गत कनाईगंज के लेबूबगान इलाके में रहने वाले पेशे से शिक्षक बंधु प्रकाश पाल, उनकी पत्नी ब्यूटी पाल और आठ वर्षीय बेटे बंधु अंगन पाल की धारदार हथियारों से वार कर नृशंस हत्या कर दी गई थी। तीनों के शव घर से खून से लथपथ हालत में बरामद हुए थे। मृत शिक्षक के आरएसएस कार्यकर्ता होने की चर्चा के जोर पकड़ते ही बंगाल का सियासी पारा भी चढ़ गया था।

शनिवार सुबह सीआइडी अधिकारी इंद्र चक्रवर्ती के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। जांच में यह भी पता चला है कि शिक्षक ने ब्याज पर करीब आठ लाख रुपये लेकर अपने व्यापारी दोस्त सौभिक बनिक को दिए थे लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी सौभिक रकम नहीं लौटा रहा था। पुलिस इस ओर भी गौर कर रही है। पुलिस अधीक्षक मुकेश के अनुसार सुपारी किलर के शामिल होने की आशंका को भी दरकिनार नहीं किया जा रहा।

श्रेष्ठ विचारों और चरित्रवान लोगों से बदलेगा देश : भागवत

जासं, भुवनेश्वर : समाज के हर वर्ग को संगठित व विकसित करना संघ का लक्ष्य है। संघ ऐसे श्रेष्ठ विचारों वाले चरित्रवान और समर्पित स्वयंसेवक तैयार करने पर विश्वास रखता है जो पूरे देश के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकें। ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को भुवनेश्वर में कही। संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने नौ दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे भागवत ने बुद्धिजीवियों से बात की। संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सहित अन्य कार्यक्रम नौ दिन तक आयोजित होंगे। इसमें देश के विभिन्न स्थानों से बुद्धिजीवी तथा संघ के प्रचारक भाग ले रहे हैं।

स्थानीय सोआ विश्वविद्यालय में आयोजित संघ के बुद्धजीवी सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर मोहन भागवत ने कहा कि समाज को संगठित करने के लिए संघ काम कर रहा है। संगठित समाज के जरिए ही राष्ट्र का निर्माण संभव है। ओडिशा में पहली बार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को लेकर यहां के स्वयंसेवकों में काफी उत्साह है।

महायज्ञ

चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ में चौथे दिन अमित शाह भी पहुंचे, कहा- हमने कभी अपना ज्ञान सीमित नहीं रखा

हमेशा से ज्ञान बांटने वाला देश रहा है भारत : भय्या जी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस के सर कार्यवाह दोनों ने यज्ञ में विधि विधानपूर्वक भाग लिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह भय्या जी जोशी ने कहा कि भारत विश्व गुरु रहा है। हमने कभी भी ज्ञान को अपने तक सीमित नहीं रखा। हम कहीं भी कभी भी कुछ लेने के लिए नहीं, बल्कि देने के लिए गए हैं। भारत हमेशा से ज्ञान बांटने वाला देश रहा है। विश्व का जो समाज सकारात्मक सोचता है वह भारत की इस पुण्य संपदा को नमन करता है।

भय्या जी जोशी मंदिर मार्ग स्थित श्री लक्ष्मी नारायण (बिड़ला) मंदिर में आयोजित चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ के चौथे दिन बतौर यजमान पहुंचे थे। उनके साथ गृह मंत्री और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह भी पहुंचे। दोनों ने यज्ञ में विधि विधानपूर्वक भाग लिया।

भय्या जी जोशी ने कहा कि लोग कहते हैं कि भविष्य भारत का है। भारत अपने श्रेष्ठ विचारों, परंपराओं और मूल्यों को लेकर आज विश्व के सामने बहुत सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत हो रहा है। प्राचीन परंपराओं का चिंतन वेदों में समाविष्ट है। ऐसी बहुत संपदा ज्ञान के रूप में हमें प्राप्त हुई और हम इसके उत्तराधिकारी बने हैं। ईश्वरीय संकेतों के अनुसार कलयुग के इस चरण में भारत समेत विश्व में प्रारंभ हुए परिवर्तन के हम साक्षी बने हैं। यह भी भाग्य है, लेकिन हम इस परिवर्तन के मूक साक्षी नहीं बल्कि इसको गति देने के भागीदार बनेंगे।

उन्होंने कहा कि हमें जो भाग्य से मिला है, उसका अहंकार तो नहीं पर आनंद जरूर है। श्रेष्ठ जीवन के मूल्यों को लेकर आचरण करने वाला समाज ही दूसरों को कुछ दे सकता है। देश पर कभी अंग्रेजों का राज था। पर एक समय ऐसा आया जब बाबा रामदेव इंग्लैंड गए तो राजमहल बुलाकर रानी ने कहा कि हमें कुछ सिखाइए। इस पर बाबा रामदेव ने कहा कि आपने हम पर राज किया है। हम आपके श्वास पर राज करेंगे। इसमें विचार और आचरण सकारात्मक है। भारत को किसी को हराने की जरूरत नहीं है। हम तो दुनिया को अपने विचारों के जरिये जीतने निकले हैं। हम किसी का पराभाव नहीं करेंगे।

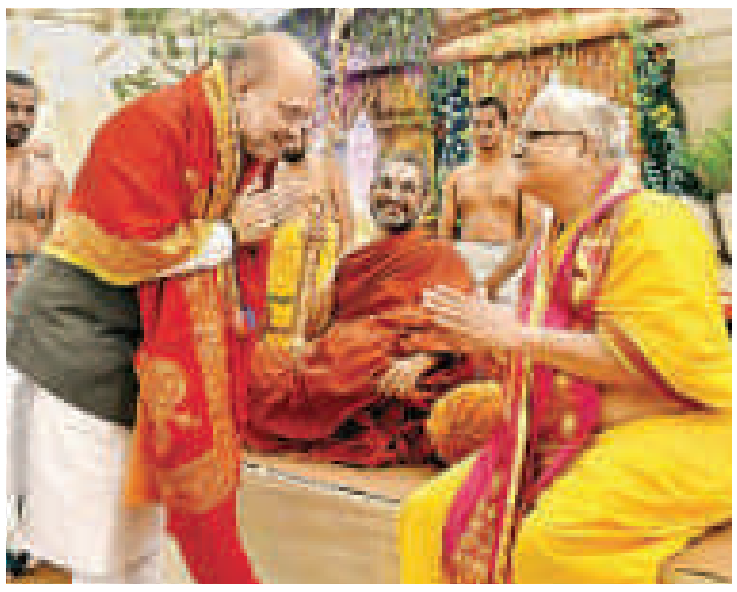

नई दिल्ली-बिड़ला मंदिर में चल रहे चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ में पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह भय्या जी जोशी बीच में जगद्गुरु रामानुजाचार्य चिन्न जीयर स्वामी। ध्रुव कुमार

सहारनपुर में एक और भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

धारा सिंह की फाइल फोटो।

प्रदेश में कानून-व्यवस्था दुरुस्त होने का दावा भले ही सरकार और पुलिस कर रही हो, पर सहारनपुर में पांच दिनों के भीतर भाजपा के दो नेताओं की हत्या से सनसनी मच गई है। शनिवार को देवबंद में भाजपा नेता व नगर पालिका सभासद चौधरी धारा सिंह गुर्जर की बदमाशों ने गोलियां बरसाकर हत्या कर दी। गुस्साए ग्रामीणों ने एसएसपी दिनेश कुमार पी का घेराव किया। मौके पर पहुंचे डीआइजी उपेंद्र कुमार ने हत्यारोपितों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया। चार दिन पहले देवबंद में ही एक और भाजपा नेता चौ. यशपाल सिंह की हत्या कर दी गई थी।

मूलरूप से बंदरजुड्डा गांव निवासी भाजपा पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष धारा सिंह परिवार के साथ देवबंद की कमला विहार कालोनी में रहते थे। वह चीनी मिल में नौकरी भी करते थे। ड्यूटी पर जाने के लिए शनिवार सुबह करीब 8:15 बजे बाइक से निकले। रणखंडी रेलवे फाटक के पास पीछे से बाइक सवार नकाबपोश दो बदमाशों ने उनकी बाइक को ओवरटेक कर सिर में गोली मार दी। इसके बाद बदमाशों ने सभासद पर कई फायर झोंके। धारा सिंह को तीन गोलियां लगीं। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। धारा सिंह के भतीजे मनोज ने दो अज्ञात आरोपितों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वारदात के पीछे ठेकेदारी और निजी रंजिश की चर्चा है। लोगों ने शुगर मिल के कुछ अधिकारियों पर धारा सिंह का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया।

दैनिक जागरण

शिखर पर पहुंचना आसान परंतु उस पर टिके रहना मुश्किल होता है

खस्ताहाल बैंक

पंजाब एंड महाराष्ट्र सहकारी बैंक में घपलेबाजी के बाद सरकारी क्षेत्र के बैंक पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से यह सूचना देना घोर निराशाजनक है कि भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने उसके साथ 44 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। वास्तव में यह भी एक किस्म की धोखाधड़ी ही है कि पंजाब एंड सिंध बैंक ने अब जाकर यह सार्वजनिक करना जरूरी समझा कि चोकसी ने उसके साथ ठगी की है। क्या यह जानकारी तभी सामने नहीं आनी चाहिए थी जब चोकसी और नीरव मोदी के देश से भाग जाने की खबर आई थी? कर्ज लेकर उसे चुकाने से जानबूझकर इन्कार करने अथवा छल-छद्म से लोन लेकर उसे हड़प करने या फिर विदेश भागने वाले तत्वों के बारे में हमारे बैंक जिस तरह जानकारी देने में शिथिलता बरत रहे हैं उससे तो यही लगता है कि वे जरूरी सूचनाएं छिपाने में अभी भी माहिर हैं। क्या अब भी बैंकों का ऑडिट सही तरह नहीं हो रहा है? क्या रिजर्व बैंक यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है कि सरकारी क्षेत्र के बैंक उसके नियम-निर्देशों का पालन करें? एक सवाल यह भी है कि जब नोटबंदी के समय यह पता चल गया था कि सहकारी बैंकों की कार्यप्रणाली भरोसेमंद नहीं तो फिर उसी समय उनके नियमन की उपयुक्त व्यवस्था क्यों नहीं की गई? यह सवाल इसलिए, क्योंकि पंजाब एंड महाराष्ट्र सहकारी बैंक में घपला होने के बाद वित्त मंत्री ने कहा कि इस तरह के बैंकों के नियमन की खामियों पर रिजर्व बैंक एवं वित्त मंत्रालय के अधिकारी चर्चा करेंगे। क्या इस चर्चा के लिए घोटाला होने का इंतजार किया जा रहा था?

वित्त मंत्री ने यह भी कहा है कि जरूरत पड़ी तो सहकारी बैंकों का संचालन बेहतर बनाने के लिए कानून बनाया जाएगा। कायदे से यह काम तो अब तक हो जाना चाहिए था। मोदी सरकार को अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत में ही सरकारी क्षेत्र के बैंकों की खस्ता हालत का आभास हो गया था। सरकार की ओर से बैंकों की कार्यप्रणाली दुरुस्त करने के लिए कई कदम भी उठाए गए, लेकिन उनकी स्थिति में अभी तक सुधार नहीं आ सका है। इसका प्रमाण सरकारी बैंकों की ओर से करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की राशि बट्टे खाते में डालना है। इसका मतलब है कि बैंकों को भारी-भरकम एनपीए से मुक्ति नहीं मिलने वाली। अगर बैंकों के बारे में इसी तरह की सूचनाएं सामने आती रहीं तो उनके साथ-साथ सरकार की साख को भी चोट पहुंचेगी और लोगों का भरोसा भी डिगेगा। बेहतर हो कि सरकार बैंकिंग व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कमर कसे, क्योंकि उनकी हालत ठीक होने का नाम नहीं ले रही।

सुधार की दरकार

उत्तराखंड का खर्च हर साल तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन तुलनात्मक रूप से आमदनी के बढ़ने की रफ्तार धीमी है। आमदनी और खर्च के बीच यह खाई प्रदेश सरकार के माथे पर भी बल डाले हुए है। एक ओर राजस्व बढ़ाने के नए तरीकों को आजमाने से बचा जा रहा है तो दूसरी ओर राजस्व की परंपरागत मदों में वृद्धि नहीं दिखना चिंता का कारण है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में आबकारी, खनन और ऊर्जा से आमदनी बढ़ने के बजाय घट गई। यह झटका खनन में ज्यादा है। बीते वर्ष की तुलना में 17 फीसद की कमी आई, जबकि आबकारी में सात फीसद की गिरावट रही है। विद्युत कर की वसूली के मामले में संबंधित महकमे ने तेजी से गोता लगा दिया। विद्युत कर राजस्व 64 फीसद घटा है। खनन में आमदनी को लेकर ज्यादा उम्मीदें संजोई तो गईं, लेकिन इन पर खरा नहीं उतरा जा सका। यह हालत तब है, जब अवैध रूप से खनन बढ़ने को लेकर सरकार के स्तर पर भी लगातार चिंता जताई जा रही है। राजस्व आमदनी को लेकर संबंधित महकमों के नजरिये और कार्यप्रणाली दोनों में ही सुधार नजर नहीं आ रहा है। राजस्व के नए क्षेत्रों को चिन्हित करने, कर चोरी रोकने और कर वसूली में तेजी लाने के लिए नई प्रौद्योगिकी के उपयोग को लेकर महकमों की सुस्ती बरकरार है। ऊर्जा विभाग को बिजली चोरी रोकने में न तो कामयाबी मिल रही है, न ही वसूली में अपेक्षित इजाफा हुआ है। सरकार के तमाम दबाव और ऊर्जा निगम के इसे मुहिम के तौर पर प्रचारित करने के बावजूद हालात सुधरते नहीं दिखते। सरकार पूरी वित्तीय प्रणाली को ऑनलाइन करने की कवायद में जुटी है। महकमों का इस कवायद से तालमेल नहीं बैठाने का नतीजा दोतरफा नुकसान के रूप में सामने है। राजस्व में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है तो बजट के उपयोग को लेकर भी महकमे ढुलमुल रवैया छोड़ नहीं सके हैं। हालांकि शासन स्तर से महकमों को बजट राशि जारी करने में तेजी आई है। इसे ऑनलाइन व्यवस्था का ही नतीजा माना जा रहा है, लेकिन बजट खर्च के मामले में महकमों की धीमी गति कई सवाल खड़े करती है। बजट खर्च की कार्ययोजना खुद तैयार करने वाले महकमों का बजट खर्च में फिसड्डी रहना कार्ययोजना को लेकर उनकी तैयारी पर अंगुली उठाने को काफी है। इसका खामियाजा वित्तीय वर्ष के आखिरी महीने मार्च में बजट का बड़ा हिस्सा खर्च होने की परंपरा के रूप में सामने है। इस परंपरा को तोड़ने के लिए सरकार को नीतिगत और व्यावहारिक दोनों स्तर पर फैसले लेने होंगे।

भारत–चीन दोस्ती का नया दौर

संजय गुप्त

आज जब 21 वीं सदी एशिया की सदी मानी जा रही है तब उचित यही है कि भारत–चीन मिलकर काम करें

अवधेश राजपूत

तमिलनाडु के मामल्लपुरम में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अनौपचारिक वार्ता के दूसरे दौर ने यही बताया कि दोनों देश फिलहाल मतभेद वाले मसले छोड़कर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। मौजूदा स्थितियों में यही उचित है, लेकिन ऐसे मसलों को सुलझाए बगैर भरोसे के साथ आगे बढ़ते रहना संभव नहीं। सच तो यह है कि इन मसलों को सुलझाकर ही आपसी भरोसे की कमी को दूर किया जा सकता है। वुहान के बाद मामल्लपुरम में हुई अनौपचारिक बैठक की खास बात यह रही कि उसमें कश्मीर का मुद्दा नहीं उठा। इसका महत्व इसलिए है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म करने के भारत के फैसले पर चीन ने न केवल एतराज जताया था, बल्कि इस मसले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी ले गया। यही नहीं बीते दिनों जब पाकिस्तानी पीएम इमरान खान सेना प्रमुख बाजवा के साथ बीजिंग पहुंचे तो चीन ने कश्मीर पर नजर रखने की बात कहते हुए उसका समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अनुरूप करने की बात कही। इसके एक दिन पहले ही उसने कहा था कि भारत-पाक को कश्मीर का समाधान मिलकर करना चाहिए। इस माहौल में इसका अंदेशा था कि चीन मामल्लपुरम में कश्मीर राग छेड़ सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो इसका मतलब यही है कि चीन जानता था कि भारत क्या चाहता है? उसे यह भी आभास होगा कि कश्मीर मसला उठाने के क्या नतीजे हो सकते हैं?

मामल्लपुरम में दोनों देशों के नेताओं के बीच विभिन्न मसलों पर करीब छह घंटे बात हुई। दरअसल अनौपचारिक वार्ता में नेता किसी भी विषय पर बात करने के लिए स्वतंत्र होते हैं। उनके पास ऐसा कोई एजेंडा नहीं होता जिसके हिसाब से बात करना आवश्यक हो। दोनों देशों के बीच वुहान में जब अनौपचारिक वार्ता हुई थी उस समय भारत-चीन डोकलाम विवाद से उबरे ही थे। तब कयास लगाए गए थे कि वुहान में डोकलाम की छाया गहरी रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और दोनों नेताओं ने आपसी मसलों पर खुलकर वार्ता की। मामल्लपुरम में भी ऐसा ही हुआ। यहां दोनों नेताओं ने व्यक्तिगत संबंधों को नई ऊंचाई देने की कोशिश की और साथ ही आतंकवाद, कट्टरता, व्यापार, निवेश आदि मसलों पर बात की। इसके अलावा दोनों देशों के लोगों में संपर्क-संवाद बढ़ाने की जरूरत जताई। इसके बावजूद इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भारत में चीन के रुख को लेकर आशंका बनी रहती है। इसके पीछे कुछ ठोस कारण हैं। 1962 में उसके साथ हुए युद्ध की कड़वी यादें अभी भुलाई नहीं जा सकी हैं। इसकी वजह यह भी है कि चीन अपने विस्तारवादी रवैये का प्रदर्शन करता रहता है। वह आर्थिक महाशक्ति बनने के बाद खुद को एक सैन्य महाशक्ति के तौर पर स्थापित करने में जुटा है। वह भारत की घेरेबंदी करने के साथ पाकिस्तान को भारतीय हितों के खिलाफ इस्तेमाल करने की कोशिश भी कर रहा है।

मामल्लपुरम में बातचीत संतोषजनक रहने के बाद भी यह कहना कठिन है कि चीन पाकिस्तान का भारत के खिलाफ इस्तेमाल करना छोड़ेगा। चीन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जो आर्थिक गलियारा बना रहा है वह भारत की संप्रभुता का खुला उल्लंघन है। चीन अरब सागर तक अपनी पहुंच आसान बनाने के लिए इस गलियारे का निर्माण कर रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी कर रहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा है। चीन यह जानते हुए भी पाकिस्तान के साथ खड़े रहने को तैयार है कि वह भारत में आतंक फैलाने में लगा हुआ है। चीन कश्मीर पर पाकिस्तानपरस्ती दिखाने के साथ जब-तब अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहता है। इसी तरह का दावा वह लद्दाख पर भी करता है, लेकिन वह अक्साई चिन पर भारत के दावे को और साथ ही मकमहोन सीमा रेखा को महत्व देने को तैयार नहीं। वह सीमा विवाद सुलझाने का भी इच्छुक नहीं दिखता। यह अच्छी बात है कि सीमा विवाद के बाद भी बीते 40 वर्षों से सीमा पर कोई गोली नहीं चली। मामल्लपुरम में दोनों देशों के बीच सीमा पर होने वाले तनाव को टालने पर सहमति बनी, लेकिन बात तब बनेगी जब इसके अनुकूल नतीजे भी सामने आएंगे।

चीन के साथ कारोबारी रिश्तों पर बात होनी आवश्यक थी, क्योंकि आपसी व्यापार का पलड़ा चीन के पक्ष में अधिक झुका है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा करीब 55 अरब डॉलर है। मामल्लपुरम में दोनों देश व्यापार और निवेश पर चर्चा के लिए एक नए तंत्र की स्थापना करने और उन सेक्टरों की पहचान करने को तैयार हुए जहां निवेश किया जा सकता है। चीन ने भारतीय कारोबारियों को निवेश का निमंत्रण भी दिया। दरअसल अमेरिका से तनातनी के चलते अमेरिकी कंपनियां वहां से अपना कारोबार समेटने के लिए तैयार हैं। यह चीन के लिए खतरे की घंटी है, क्योंकि उसकी विकास दर भी घट रही है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि चीनी अर्थव्यवस्था अगले कुछ सालों में डगमगा सकती है। ऐसे में चीन का भारत की ओर देखना स्वाभाविक है। चीन को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ कारोबारी और सामाजिक-सांस्कृतिकरिश्तों को नई दिशा देना उसके अपने हित में है। भारत और चीन न केवल क्षेत्र और आबादी के लिहाज से बड़े देश हैं, बल्कि दोनों व्यापक विविधता और प्राचीन संस्कृति वाले देश भी हैं। भारतीय प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि पिछले दो हजार साल में अधिकांश समय भारत-चीन आर्थिक महाशक्ति रहे हैं और वर्तमान सदी में भी दोनों देश इस स्थिति को प्राप्त कर सकते हैं।

मामल्लपुरम में आतंकवाद के बढ़ते खतरे पर बात होना पाकिस्तान के लिए नसीहत है, लेकिन आखिर चीन इसकी अनदेखी कैसे कर सकता है कि वहां की राजनीति तो आतंकवाद और कट्टरपंथ की धुरी पर ही घूमती है। चीन अपने यहां के उइगर मुसलमानों पर इसी बहाने सख्ती कर रहा है कि वे आतंकवाद के रास्ते पर न जाने पाएं। कश्मीर पर नजर रखने की बात करने वाले चीन को यह पता होना चाहिए कि हांगकांग और तिब्बत के मसले उसकी कमजोर कड़ी हैं। उसे कश्मीर पर कुछ कहने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। इसके साथ ही उसे यह भी पता होना चाहिए कि भारत वैसा देश नहीं जिसे निर्देशित किया जा सके। वास्तव में यह चीन की जिम्मेदारी है कि वह भारत की चिंताओं को समझे। इससे ही दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हो सकते हैं। देखना है कि चीन भारत की चिंताओं का समाधान करने के लिए आगे आता है या नहीं? चीन को इस पर आत्मचिंतन करना होगा कि आखिर वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारतीय हितों के खिलाफ अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल क्यों करता रहा और इससे उसे बदनामी के सिवाय और क्या मिला? आज जब 21वीं सदी एशिया की सदी मानी जा रही है तब उचित यही है कि भारत-चीन मिलकर काम करें। ऐसा करके वे अपने हितों की रक्षा करने के साथ ही विश्व को भी दिशा दिखा सकते हैं।

response@jagran.com

आपदाओं का असर घटाने की पहल

पीके मिश्रा

ऐसे बुनियादी ढांचे के निर्माण की आवश्यकता बढ़ रही है जो आपदाओं को सहन करने में समर्थ हो सके

दुनिया में हर साल 13 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस यानी आइडीडीआर मनाया जाता है। इस दिन प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए समुदायों और सरकारों के प्रयासों को याद किया जाता है। 2015 में आपदा न्यूनीकरण के लिए सेंदाई फ्रेमवर्क को अपनाने के बाद, 'सेंदाई सेवन' अभियान के तहत इस मुहिम की शुरुआत हुई। यह सात लक्ष्यों पर केंद्रित है। इस वर्ष का विषय 'जोखिम वाली अवसंरचनाओं यानी आधारभूत ढांचे को आपदा से होने वाले नुकसान को कम करने और बुनियादी सेवाओं में बाधा' से जुड़े लक्ष्य पर केंद्रित है। इस साल अभी तक मोजांबिक, बहामास और भारत (ओडिशा चक्रवात) प्राकृतिक आपदाओं के शिकार हुए हैं। इनसे हुए नुकसान ने ऐसी अवसंरचना के निर्माण की जरूरत को रेखांकित किया जो आपदाओं को सहन करने में समर्थ हो सके। ओडिशा में आए चक्रवात में ही अकेले बिजली क्षेत्र को लगभग 1.2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। इससे यही सबक मिला कि आपदा रोधी अवसंरचना में निवेश का लंबे समय तक कैसे फायदा हो सकता है? विश्व बैंक की सहायता वाले चक्रवात जोखिम शमन कार्यक्रम के तहत तटीय ओडिशा के कुछ हिस्सों में बिजली वितरण नेटवर्क के भूमिगत केबल बिछाने में निवेश किया गया है। इससे इन क्षेत्रों में आपदा के बाद बिजली की आपूर्ति कुछ दिनों के भीतर ही बहाल की जा सकती है जबकि अभी ऐसे इलाकों में कई हफ्ते लग जाते हैं। इससे बिजली की आपूर्ति में बाधा से रोजी-रोटी पर पड़ने वाले असर को भी कम से कम किया जा सकता है। भारत और दुनिया भर में जन उपयोगी सेवाओं को इस तरह के अनुभवों को करीब से देखने और अपनी अवसंरचना में उन्हें शामिल करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

भविष्य में अवसंरचना क्षेत्र में भारी निवेश होगा। इन अवसंरचनाओं को प्राकृतिक एवं मानवनिर्मित आपदा और जोखिम भी झेलने होंगे। इनमें कुछ आपदाएं अप्रत्याशित हो सकती हैं। इस दौरान प्राकृतिक जोखिम के रूप भी बदल सकते हैं। ऐसे में अवसंरचना प्रणाली के डिजाइन, निर्माण, परिचालन और रखरखाव को जोखिम झेलने लायक बनाना होगा। ऐसा इसलिए भी जरूरी होगा, क्योंकि आपदाओं की स्थिति में सार्वजनिक क्षेत्र में दो तिहाई नुकसान अवसंरचना से जुड़ा होता है। इसका सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर पड़ता है और उसे आपदा से उबरने में अच्छा-खासा समय लग जाता है। अवसंरचना प्रणाली का टिकाऊ होना न केवल आपदा प्रबंधन, बल्कि विकास से जुड़ी चिंता का मुद्दा भी है। घरेलू और वैश्विक बाजारों से संपर्क और पहुंच तथा बिजली, पानी और सक्षम संचार प्रणाली आर्थिक विकास और समृद्धि के लिए अनुकूल परिवेश तैयार करते हैं। यह बात सतत विकास लक्ष्य में भी उल्लिखित है।

टिकाऊ अवसंरचना निर्माण के लिए वित्तीय प्रोत्साहन, मानक, प्रशासन व्यवस्था और क्षमता की जरूरत होती है, लेकिन इसमें जितना निवेश होता है उसकी तुलना में कहीं अधिक लाभ की संभावना होती है। ओडिशा का उदाहरण इसका प्रमाण है। विश्व बैंक के हालिया अध्ययन के अनुसार आपदारोधी प्रक्रिया को मजबूत बनाने में निवेश किए जाने वाले एक अमेरिकी डॉलर से सामाजिक-आर्थिक नुकसान के संदर्भ में चार अमेरिकी डॉलर के बराबर बचत होती है। संभावित वृहद अवसंरचना निवेश, चाहे वह नवीन/हरित विकास के रूप में हो या फिर संशोधित मौजूदा अवसंरचना के रूप में हो, वह आपदारोधी विकास के लिए एक अभूतपूर्व अवसर है। यह दीर्घावधि में आशंकित नुकसान के प्रति हमें सुरक्षा प्रदान करता है। आपदारोधी अवसंरचना के विकास के लिए तीन मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। पहला, अवसंरचना को इस प्रकार विकसित किया जाए कि वह आबादी के पूरे आर्थिक दायरे के लिए भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करे जिसमें सभी कमजोर वर्ग शामिल हों। दूसरा, अवसंरचना विकास को विभिन्न सेक्टरों के मद्देनजर अधिक एकीकृत दृष्टिकोण रखना चाहिए और तीसरा, आपदारोधी अवसंरचना का विकास विश्व की बेहतरीन कार्यप्रणाली के अनुकूल हो और वह स्थानीय और राष्ट्रीय संदर्भों को पूरा करता हो। कारगर आपदारोधी प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए इस कार्यप्रणाली में राष्ट्र के विकास की दिशा को बदलने की क्षमता होती है और तेज आर्थिक विकास का रास्ता सुनिश्चित होता है।

आपदारोधी अवसंरचना के महत्व को रेखांकित करते हुए आपदा न्यूनीकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 10 सूत्री एजेंडा सभी सेक्टरों के विकास के संबंध में डिजास्टर रिस्क रिडक्शन सिद्धांतों की जरूरत पर बल देता है। इसमें आपदारोधी अवसंरचना के लिए वैश्विक गठबंधन भी शामिल है, जिसकी घोषणा 23 सितंबर, 2019 को संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्ययोजना के शिखर सम्मेलन में हुई थी। आपदा जोखिम में कमी के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के सहयोग से भारत के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में आपदारोधी अवसंरचना के वैश्विक गठबंधन में कई देशों ने दिलचस्पी दिखाई। इन देशों में अग्रणी बुनियादी संरचना प्रणाली वाले देश, बुनियादी ढांचे के अभाव वाले देश और विकासशील देश शामिल हैं। ऐसे देश इसकी जरूरत और प्रासंगिकता को मानने लगे हैं। यह गठबंधन सरकारों के साथ मानक स्थापित करने वाले संगठनों, वित्त प्रदाताओं, बीमाकर्ताओं और अकादमिक संस्थानों को एक साथ लाने का काम करेगा।

चूंकि विद्युत, दूरसंचार और परिवहन जैसे विभिन्न बुनियादी संरचना क्षेत्रों के बीच आपसी निर्भरता है इसलिए आपदा रोधी प्रणाली बनाने के लिए इन क्षेत्रों को ध्यान में रखने की जरूरत है। इसका अर्थ यह भी हुआ कि आपदा जोखिम प्रबंधन एकमात्र आपदा प्रबंधन प्राधिकार की भूमिका को छोड़कर व्यापक हितधारक शृंखला की ओर आगे बढ़े। आपदारोधी अवसंरचना के लिए वैश्विक गठबंधन के संस्थापक के रूप में भारत के पास विभिन्न देशों से सीखने और अनुभव प्रदान करने का अवसर है। उक्त गठबंधन समान सोच वाले अंशभागियों को समान वैश्विक उद्देश्य से निर्देशित मंच पर लाएगा। यह आगे बढ़ने और आपदा एवं जलवायु रोधी विकास के वैश्विक पथ पर चलने का उचित समय है।

(लेखक प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

निश्चित दायरा

प्रत्येक वस्तु का एक निश्चित दायरा होता है। बहुधा हम इसे मर्यादा से जोड़कर देखते हैं। यह बात हमें समझनी चाहिए, लेकिन हम इसे समझने का प्रयास नहीं करते। उल्टे उस दायरे की इस वास्तविकता को तोड़ने के उपक्रम में लगे रहते हैं। इससे नैतिक मूल्यों के पतन की शुरुआत हो जाती है। धीरे-धीरे यह व्यक्ति की मानसिकता में शामिल हो जाता है। ऐसी मानसिकता के पीछे तीन कारक विद्यमान हैं। ये हैं सपने, लोभ और परस्पर प्रतिस्पर्धा। ये एक दूसरे जुड़े हुए हैं। हर मनुष्य बेहतरी चाहता है और इसके लिए कदाचित कुछ अनुचित भी कर गुजरता है। ऐसा लोभ की प्रवृत्ति के कारण होता है। बेहतर पाने के सपने और लोभ दोनों समांतर चलते हैं। यहा नाकामी की आशंका रहती है, क्योंकि मनुष्य अपने सपनों को ही लक्ष्य मान बैठता है और इसमें संतुलन, समर्पण, समन्वय और अनुशासन का अभाव पाया जाता हैं। तीसरा कारक परस्पर प्रतिस्पर्धा है जो न चाहते हुए भी मनुष्य को अनेक सीमाएं तोड़ने के लिए उकसाती है। प्रतिस्पर्धा मनुष्य की शुरुआत से ही स्वाभाविक प्रवृत्ति रही है जिसके कारण मनुष्य ने प्रगति भी की है, परंतु जो तय दायरों को तोड़कर प्रतिस्पर्धा हो, उसमें संतुलन समाप्त हो जाता है।

हम इस दायरे को आदतन तोड़ना चाहते हैं एवं थोड़ा और विस्तार करना चाहते हैं जो कुछ हद तक प्रगति के लिए उचित भी होता है। मगर दायरे को तोड़ने की भी एक सीमा होती है, क्योंकि इसके बाद असंतुलन का स्तर बढ़ता जाता है और असंतुलन बढ़ने से निरंतर चल रही अनेक क्रियाएं अस्त-व्यस्त हो जाती हैं। हमारा मन किसी दायरे को मानने को जल्दी तैयार ही नहीं होता और हम इसे अपनी कमजोरी मानने लगते हैं जो हमारी गलतफहमी है। हमें यह समझना चाहिए कि 'यह दायरा' हमें मजबूत बनाता है, क्योंकि मनुष्य जब अपने कार्य के दायरे को पहचान लेता है और उसे सपनों से लक्ष्य में तब्दील कर जिंदगी में कोई कार्य करता है तो वह कार्य व्यवस्थित होने के साथ साथ दृढ़निश्चय, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण रहता है।

शिवांशु राय

जलवायु परिवर्तन की सुलझती गुत्थी

मुकुल व्यास

एक क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने के बाद पृथ्वी पर लघु हिमयुग शुरू हो गया था जिससे कई प्रजातियां विलुप्त हो गईं

वैज्ञानिकों का मानना है कि लगभग 12,800 वर्ष पहले एक विशाल क्षुद्रग्रह पृथ्वी से टकराया जिसके बाद जलवायु परिवर्तन हुआ और कई प्रजातियां एकदम विलुप्त हो गईं। यह अनुमान दक्षिण अफ्रीका में मिले एक नए प्रमाण के आधार पर लगाया है। इसके लिए वंडरक्रेटर नामक स्थान की प्राचीन मिट्टी का विश्लेषण किया और वहां प्लेटिनम के उच्च स्तर का पता लगाया। उन्होंने कहा कि इससे 'यंगर ड्रायास इंपेक्ट' अवधारणा को समर्थन मिलता है। इसके अनुसार एक टूटते हुए क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने के बाद पृथ्वी पर लघु हिमयुग का दौर शुरू हो गया था। क्षुद्रग्रह के टुकड़े उत्तर और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और पश्चिमी एशिया में गिरे थे। इन प्रहारों के बाद धूल और रेत की पतली परत ने करीब पांच करोड़ वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ढक दिया था।

इस परत में प्लेटिनम और सूक्ष्म हीरे शामिल थे। विशेषज्ञों का कहना है कि इस घटना के बाद बड़े पैमाने पर जंगलों में आग लगी, जिससे सर्दियों का दौर शुरू हुआ और लंबे समय तक जलवायु में बदलाव आते रहे तथा प्लीस्टोसीन युग के बड़े-बड़े जीव विलुप्त हो गए। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इस हिमयुग से मानव आबादियां अस्तव्यस्त हो गईं। इसके अलावा दर्जनों स्तनपायी प्रजातियां लुप्त हो गईं जिनमें मैमथ (हाथियों की एक प्रजाति) और विशाल जीव शामिल हैं। वैज्ञानिक यह मानते हैं कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्राचीन मिट्टी के नमूनों में प्लेटिनम के स्तर में वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि क्षुद्रग्रह के टुकड़े पृथ्वी से टकराए थे। उल्कापिंडों में प्लेटिनम का अंश काफी अधिक होता है। दक्षिण अफ्रीका में प्रिटोरिया के निकट लिंपोपो प्रांत में वंडरक्रेटर के अलावा दुनिया में 30 और स्थलों पर प्लेटिनम के स्तर में वृद्धि देखी गई है। ऐसे अधिकांश क्षेत्र उत्तरी गोलार्ध में हैं।

दक्षिण अफ्रीका में जोहानिसबर्ग स्थित विटवाटरसरंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की खोज से इस थ्योरी को बल मिलता है कि उल्कापिंड के पृथ्वी से टकराने के विश्वव्यापी प्रभाव हुए थे। अभी तक इसके प्रमाण सिर्फ उत्तरी गोलार्ध में ही दर्ज थे। विटवाटरसरंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक फ्रांसिस ठाकरे का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका में देखी गई प्लेटिनम के लेवल में वृद्धि यह साबित करती है कि दुनिया भर में अनेक बड़े जानवरों की विलुप्ति उल्कापिंड के एक या अनेक प्रहारों की वजह से हुई थी। यंगर ड्रायास के समय उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और यूरोप के अनेक बड़े जानवरों का सफाया हो गया था।

इसी अवधि में दक्षिण अफ्रीका में विशाल जेब्रा और विशालकाय जंगली भैंस सहित बड़े जानवरों की कुछ प्रजातियां लुप्त हो गईं। डॉ. ठाकरे ने कहा कि हमारी खोज 'यंगर ड्रायास इंपेक्ट' अवधारणा का समर्थन करती है। हमें इस विचार पर गहराई से अध्ययन करना चाहिए कि पृथ्वी पर किसी कोने में गिरने वाले क्षुद्रग्रह ने विश्वयापी स्तर पर जलवायु परिवर्तन किया होगा। यह इस बात का संकेत है कि किसी क्षुद्रग्रह या उल्कापिंड प्रहार ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया होगा।

(लेखक विज्ञान विषय के जानकार हैं)

कहां थे हुजूर?

सूचना क्रांति के इस दौर में जब सूचनाओं के आदान-प्रदान में फटाफट सब कुछ देखने और पढ़ने को मिल रहा है, ऐसे में कुछ राजनीतिक दल ऐसे हैं जिनका तंत्र अब भी सुस्त चाल से आगे बढ़ रहा है। इसका जीता जागता नमूना देखने को मिला गांधी जयंती के अवसर पर। असल में हुआ कुछ यूं कि दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर विभिन्न दलों के नेताओं ने अपने विचार देश के अलग-अलग अखबारों और पत्रिकाओं के साथ साझा किए जो गांधी जयंती पर प्रकाशित भी हुए, लेकिन इसी होड़ में दो बड़े वामपंथी नेता इतने पीछे रह गए कि उनके लिखे लेख अखबार के दफ्तरों तक गांधी जयंती की शाम को प्रकाशन के लिए पहुंचे। अब ऐसे में लेख तो नहीं छपा, लेकिन मुफ्त में जल्दी सोकर जागने की नसीहत जरूर इस दल के इन नेताओं मिल गई।

उल्टा पड़ा दांव

पाकिस्तानी ट्विटर हैंडल से गोबैकमोदी हैशटैग वाले हजारों ट्वीट के प्रभाव में आकर कई द्रमुक नेता भी बह गए। द्रमुक नेता भी गोबैकमोदी हैशटैग से ट्वीट करने लगे, लेकिन समस्या उस समय उत्पन्न हो गई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परंपरागत तमिल वेशभूषा में चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग के साथ नजर आए। तमिलनाडु समेत पूरी दुनिया में फैले तमिल समुदाय ने मोदी के इस पहनावे का जबरदस्त समर्थन किया और द्रमुक नेताओं की गोबैकमोदी हैशटैग वाले ट्वीट पर जबरदस्त खिंचाई शुरू कर दी। फिर क्या था, द्रमुक नेताओं ने आनन-फानन में गोबैकमोदी हैशटैग वाले ट्वीट डिलीट करने शुरू कर दिए। इसके बाद द्रमुक नेताओं ने पूरी तरह चुप्पी साध ली। वहीं गोबैकमोदी हैशटैग के पाकिस्तानी कनेक्शन की पोल खुलने के बाद डोंटगोबैकमोदी हैशटैग ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा।

राजरंग

मंत्री जी की शोहरत

वैसे तो मंत्रीजी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं है, लेकिन इन दिनों महकमे की वजह से उनका यह ग्राफ और भी ज्यादा बढ़ा हुआ है। खुद मंत्री जी भी इस खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। मामला यह है कि मंत्री जी एक ऐसे विभाग का भी जिम्मा संभाल रहे हैं जो मौसम से जुड़ी सटीक जानकारियां दे रहा है। ऐसे में स्थिति यह हो गई है कि उन्हें जानने वाला हर कोई अब अपने किसी बड़े कार्यक्रम या फिर बेटे-बेटी की शादी की तारीख तय करने से पहले उनकी राय लेना बिल्कुल भी नहीं भूलता। वैसे भी यह नुस्खा मंत्री जी का आजमाया हुआ है। खुद के बेटे की शादी में मौसम को लेकर महकमे की ओर से जो जानकारी दी गई थी, वह शत-प्रतिशत सच साबित हुई थी। मंत्री जी ने पिछले दिनों यह किस्सा महकमे के अधिकारियों को सुनाया तो सभी के चेहरे भी खुशी से दमक उठे। अब तो दोस्तों के साथ महकमे के अफसर भी मंत्री जी की तारीफ करने नहीं थकते हैं। कुल मिलाकर यहां मौसम और माहौल दोनों बढ़िया हैं।

अपशकुन के शिकार

आला अफसरों और नेताओं को अपशकुन की बीमारी सबसे ज्यादा पकड़ती है। सरकार गठन के छह महीने से ज्यादा होने वाले हैं, लेकिन कई बड़े अफसरों और नेताओं के दफ्तर की दिशा व दशा में अभी भी सुधार का काम तेजी से चल रहा है। ऐसे ही एक भारी भरकम विभाग के मंत्री शास्त्री भवन में अपने पूर्व निर्धारित कार्यालय का पुनरोद्धार करा रहे हैं। इसकी जगह उन्हें अपने एक राज्यमंत्री के खाली पड़े ऑफिस में अस्थाई तौर पर बैठा दिया गया। वहां बैठे उन्हें दो-तीन दिन ही हुए थे कि चमचों ने उन्हें इस दफ्तर के अपशकुन की कहानी सुना दी। फिर क्या था? अगले ही दिन मंत्री जी भाग खड़े हुए। अब उन्हें और कहीं बैठाने के लिए अफसरों की सांसें अटक गईं। एक बार फिर चमचे आगे आए और वहीं पास के कांफ्रेंस रूम में बड़े साहब का दफ्तर जमा दिए। उनके असल दफ्तर की दशा और दिशा को लेकर कई जगह के पंडित पत्रा बांच रहे हैं।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

48 हजार एकड़ विकसित औद्योगिक क्षेत्र है मध्य प्रदेश में, जबकि एक लाख बीस हजार एकड़ औद्योगिक भूमि है इस प्रदेश में जो यहां औद्योगिक निवेश के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कारक है।

आजकल

चमत्कारिक सफलता के बाद की गुमनामी

अनंत विजय

हिंदी फिल्म जगत में ऐसी कई फिल्में आई हैं जो नायक-नायिका की पहली फिल्म थी और जबरदस्त हिट रही, लेकिन उसके बाद वे गुमनाम से हो गए। हिंदी साहित्य में भी ऐसे कई नाम हैं जिनकी पहली कृति तो चर्चित रही, लेकिन वर्षों बाद उनकी दूसरी कृति नहीं आई और वे पहली कृति के आधार पर ही सोशल मीडिया में सक्रिय रहते हुए अपने होने का एहसास कराते हैं, लेकिन पाठक सब कुछ जानता-समझता है

प्रतीकात्मक

वर्ष 1981 में राहुल रवैल के निर्देशन में एक फिल्म आई थी- लव स्टोरी। फिल्म जबरदस्त हिट रही थी। इस फिल्म में अपने जमाने के जुबली कुमार कहे जाने वाले राजेंद्र कुमार के अभिनेता पुत्र कुमार गौरव को लॉन्च किया गया था। उनके साथ नायिका की भूमिका में भी एक लड़की विजयता पंडित को लिया गया था जो फिल्मों की दुनिया में बिल्कुल नई थी। अमिताभ बच्चन की एंग्री यंगमैन की छवि के दबदबे के बीच इस फिल्म ने ताजगी का एहसास करवाया था। इस जबरदस्त सफल फिल्म के बावजूद कुमार गौरव चल नहीं पाए और धीरे-धीरे सिनेमा के परिदृश्य से बाहर हो गए। इसी तरह एक फिल्म आई थी 'आशिकी' जिसके हीरो थे राहुल रॉय और नायिका थी अनु अग्रवाल। यह फिल्म भी जबरदस्त हिट रही थी, लेकिन इस फिल्म के बाद ये दोनों इतनी बड़ी हिट नहीं दे पाए और लगभग हाशिये पर चले गए। हिंदी फिल्मों में ऐसे कई उदाहरण हैं। इस तरह के नायकों को 'वन फिल्म वंडर' कहा जाता है। एक फिल्म में आए, चमत्कारिक सफलता हासिल की और गायब हो गए।

पिछले दिनों इसी तरह की फिल्मों और इसी तरह के नायक-नायिकाओं पर बात हो रही थी। हमारी बातचीत को एक तीसरा मित्र भी सुन रहा था। धीरे-धीरे वह भी बातचीत में शामिल हो गया। उसने इस चर्चा को साहित्य की ओर कब मोड़ दिया हमें पता ही नहीं चल पाया। फिल्मों में 'वन फिल्म वंडर' की बात आते ही उसने कहा कि यह तो साहित्य में भी होता है, वहां भी दर्जनों ऐसे उदाहरण हैं। किसी लेखक की एक किताब आई, उस पर जमकर चर्चा हुई और फिर वह गुमनामी में चले गए। मैंने इसका प्रतिवाद किया और कहा कि ऐसा कम होता है, लेकिन तीसरा मित्र मानने को तैयार नहीं था। उसने मेरे प्रतिवाद करते ही कहा कि आपके ही राज्य बिहार के एक कवि हैं, बहुत क्रांतिकारी माने जाते हैं, खूब इज्जत-प्रतिष्ठा भी उन्हें मिलती है, नाम है आलोक धन्वा। आज तक उनका एक ही संग्रह आया है- दुनिया रोज बनती है। वहां खड़े मेरे मित्र ने कहा कि आलोक धन्वा को संग्रह की जरूरत नहीं है तो वह और उत्तेजित हो गए कि 20 वर्ष से कोई संग्रह आया नहीं है, रचनात्मक निरंतरता कोई बात होती है या नहीं। बातचीत में थोड़ा ठहराव आ गया था। मैं हतप्रभ।

बाद बदलने की गरज से मैंने कहा कि अगर आलोक धन्वा को छोड़ देते हैं तो फिर कौन है। उसने मेरी ओर क्रोधित निगाहों से देखा और कहा, 'चलिए हम वरिष्ठ लेखकों को छोड़ देते हैं, क्योंकि आप असहज हो रहे हैं। आपको समकालीन परिदृश्य के लेखकों के नाम गिनवाते हैं कि कैसे एक संग्रह आया, खूब शोर-शराबा हुआ और अब लेखक का कहीं अता-पता नहीं।' वह एकदम अपनी रौ में था और किसी की सुनने को तैयार नहीं था। उसने कहा कि वर्ष 2013 में युवा लेखिका ज्योति कुमारी का एक संग्रह आया था- दस्तखत और अन्य कहानियां। बहुत गाजे-बाजे के साथ उसको छापा गया था। छपने के पहले ही उसके प्रकाशन के अधिकार को लेकर विवाद भी हुआ था। नामवर सिंह ने हस्ताक्षरित शुभकामनाएं दी थीं। कहानी संग्रह के प्रकाशन के दो महीनों के भीतर उसके प्रकाशक ने घोषणा की थी कि उस संग्रह की एक हजार से अधिक प्रतियां बिक गईं। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में समारोहपूर्वक ये घोषणा की गई थी।' इतना बोलने के बाद वह मेरी ओर पलटा और पूछा कि अब बताओ कहां है वह लेखिका? पहले संग्रह के प्रकाशन के छह वर्ष बीतने को आए, लेकिन दूसरे संग्रह की कोई खबर हो तो बताया जाए। हम खामोश। कोई जानकारी नहीं होने की वजह से उसकी बात मानने के अलावा कोई चारा नहीं था। वह इतने पर भी रुकने को तैयार नहीं था। अब हमलोग भी उसकी सुनना चाह रहे थे, क्योंकि उसने ज्योति कुमारी का उदाहरण तो ठीक दिया था। उसने साफ तौर पर हमलोगों से कहा कि वह कई उदाहरण देने जा रहा है और उसको यह अपेक्षा नहीं है कि हममें से कोई चंद्रधर शर्मा गुलेरी जी का उदाहरण देकर उसकी बात को कमजोर करेगा, क्योंकि गुलेरी जैसी ऊंचाई किसी के पास है नहीं।

हमारा प्रतिवाद कम होने से उसका उत्साह और बढ़ने लगा था। उसने कहा कि ज्योति कुमारी का उदाहरण इसलिए दे रहा है कि वह तत्काल उसके दिमाग में आया। ऐसे लेखकों की एक बड़ी संख्या है जो सोशल मीडिया के दौर में अपनी एक किताब के बूते साहित्यकार, कथाकार, कवि, आलोचक बने हुए हैं। उसने पूछा कि आज से छह-सात वर्ष पहले एक विधा आई थी लप्रेक। क्या हुआ उसका? और क्या हुआ उनके लेखकों का। उसने गिरींद्र नाथ झा का उदाहरण दिया कि आज से करीब पांच वर्ष पहले उनकी एक किताब आई थी- इश्क में माटी सोना। कितना शोर मचा था, इस किताब का भी और इस विधा का भी। लेकिन अब ना तो कोई इस विधा का नाम लेता है और ना ही इस किताब की चर्चा होती है।

यह सब सुनने के बाद मैंने कहा कि इतनी तल्खी की जरूरत नहीं है, क्योंकि एक तो गिरींद्र नाथ झा अच्छे व्यक्ति हैं, दूसरे वो दिल्ली छोड़कर अपने गांव में काम कर रहे हैं। उसने छूटते ही कहा कि हम कृति पर बात कर रहे हैं, कृतिकार पर नहीं। लप्रेक के दूसरे अन्य लेखक भी इस विधा में कोई और किताब पेश नहीं कर पाए। मेरे मित्र ने जोर देकर कहा कि आपलोगों को मान लेना चाहिए कि लप्रेक एक असफल प्रयोग था। मैंने कहा कि थोड़ा इंतजार करना चाहिए, क्योंकि विधाओं को बनने में समय लगता है। उसने तपाक से कहा कि इंतजार कर लीजिए, लेकिन मेरी बात याद रखिएगा। मैंने फिर उसको कोंचने की नीयत से कहा कि दो लेखकों के उदाहरण से आप कोई विमर्श खड़ा नहीं कर सकते हैं। वह उत्तेजित हो गया और बोला, ज्यादा उदाहरण देने से कोई फायदा नहीं है। आपलोगों को यह मान लेना चाहिए कि हिंदी के ज्यादातर युवा लेखकों में नैसर्गिक प्रतिभा की कमी है और वे सभी सोशल मीडिया के सहारे मशहूर होना चाहते हैं। मेहनत नहीं करते हैं।

चूंकि उसने अपनी बातचीत का दायरा बढ़ा दिया था इसलिए मुझे भी थोड़ा गुस्सा आने लगा था। मैंने उससे कहा कि ऐसा नहीं है। ढेर सारे युवा हैं जो निरंतर लेखन कर रहे हैं और अच्छा लिख भी रहे हैं। वह मेरी बात से सहमत नहीं नजर आ रहा था, लेकिन चुप था। अब तक बातचीत सुन रहे तीसरे मित्र ने शरारत की और उसको उकसाने के अंदाज में कहा, 'लगता है कि तुम्हारे पास भी नाम खत्म हो गए हैं।' जो लगभग चुप हो गया था वह फिर से मैदान में आ गया और बोला, अभी अशोक वाजपेयी ने युवा सम्मेलन किया, जाकर लेखकों की सूची देखो, उनकी उम्र देखो और उनकी रचनाएं देखो आपको स्वयं अंदाज हो जाएगा। एक जमाना था जब हिंदी के लेखक युवावस्था में विपुल लेखन कर रहे थे। व्यंग्यात्मक लहजे में उसने कहा कि आपलोगों ने रांगेय राघव का नाम सुना होगा, भारतेंदु और प्रेमचंद को जानते होंगे। जरा जाइए उनकी उम्र और रचनाओं की संख्या और स्तर देख लीजिए आपको अंदाजा हो जाएगा। रांगेय राघव को 39 वर्ष की आयु मिली और कितना लिखा, प्रेमचंद को 56 वर्ष की उम्र मिली, भारतेंदु 34 वर्ष की उम्र में चले गए। हम दोनों खामोशी से उसको सुन रहे थे। वो बोले जा रहा था। उसने कहा कि सोशल मीडिया पर जारी शोरगुल की वजह से उसने तीन किताबें पढ़ी हैं, गौरव सोलंकी का कहानी संग्रह- ग्यारहवीं ए के लड़के, हिमांशु वाजपेयी की पुस्तक- किस्सा किस्सा लखनउवा और अविनाश मिश्र का- नए शेखर की जीवनी। उसकी राय थी कि ये तीनों रचनाएं बेहद कमजोर हैं। मैंने पूछा कि कैसे आप इस निष्कर्ष पर पहुंचे तो उसने तमाम वजहें गिनाईं। मेरी सहमति नहीं थी, लेकिन वह अपनी बात पर कायम था। मैंने यह कहकर जान बचाई कि ना वह भविष्य जानता है और ना ही हम।

इस चर्चा में चाहे मेरे मित्र की उत्तेजना हावी हो, लेकिन उसने कई ऐसी बातें कहीं जिन पर हिंदी साहित्य के लोगों को विचार करना चाहिए। करना होगा भी। उसने सोशल मीडिया पर शोर मचाकर स्थापित होने की जिस प्रवृत्ति को रेखांकित किया, उसमें दम तो है। ऐसे कई लेखक तो हैं जो अपनी रचनात्मकता की वजह से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर गिरोहबाजी की वजह से साहित्य की दुनिया में अपने डटे होने का एहसास करवाते हैं। पर हिंदी का साहित्य समाज फेसबुक से कहीं अधिक विस्तृत है। फेसबुक आदि पर तत्काल सफलता मिलती दिख सकती है, लेकिन वह स्थायी होगी, इसमें मुझे भी संदेह है।

फिर से

कम बच्चों से ही बचेगी दुनिया

अब्दुलअजीज, अमीनातु, अबसातु, अब्दुलमनफ, फरहाद, और हां मंसूर भी। ये सब वो नाम हैं जो जैनब गारबा ने भविष्य में होने वाले अपने बच्चों के लिए सोच रखे थे। फिलहाल उनके दो बच्चे हैं। तीन वर्ष का बेटा राशिद और उसका छोटा भाई बिलयामिनू, जिसका जन्म अभी हाल ही में हुआ है। अब जैनब ने गर्भनिरोधकों का इस्तेमाल करना शुरू किया और ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। उनका पूरा ध्यान अपने दोनों बच्चों को बेहतर जिंदगी देने पर है। जैनब कहती हैं, 'मुझे गर्व है कि मैं गर्भनिरोधक इंप्लांट इस्तेमाल कर रही हूं।'

जैनब का फैसला वाकई बहुत बड़ा है। वह अफ्रीकी देश नाइजर में रहती हैं जहां प्रति महिला जन्मदर दुनिया में सबसे ज्यादा है। लेकिन नाइजर में पर्यावरणविद और युवा कार्यकर्ता ज्यादा से ज्यादा परिवारों से गर्भनिरोधकों को अपनाने को कह रहे हैं। उनके मुताबिक इससे जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में मदद मिलेगी।

संयुक्त राष्ट्र के विकास कार्यक्रम के इस्सा लेले कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन की वजह से नाइजर के तापमान में तेजी से इजाफा हुआ है और नदियों में पानी कम हुआ है। सूखे और बाढ़ की समस्या भी बढ़ी है। ऐसे में जनसंख्या तेजी से बढ़ने के कारण खाद्य और जल आपूर्ति के लिए जोखिम पैदा हो रहे हैं। पर्यावरण के लिए काम करने वाले एक समूह यंग वॉलेंटियर फॉर द एन्वायरमेंट के निदेशक सानी आयोबा का कहना है कि नाइजर में प्रति महिला बच्चों का औसत 7.6 है।

दुनिया भर में बढ़ती आबादी के कारण पृथ्वी के सीमित संसाधन दबाव में हैं। जितने ज्यादा लोग होंगे, उतना ज्यादा खाना, परिवहन, ऊर्जा और अन्य संसाधनों की जरूरत होगी और इन सब की वजह से आखिरकर जलवायु परिवर्तन बढ़ेगा। अमीर देशों में स्थिति ज्यादा खराब है। वहां गरीब देशों के मुकाबले लोगों को ज्यादा संसाधनों की जरूरत होती है। लेकिन नाइजर जैसे देशों में भी होने वाले हर जन्म का मतलब है कि देश के सीमित संसाधनों का बंटवारा ज्यादा लोगों के बीच होगा। इससे दुनिया संकट की तरफ बढ़ रही है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से पहले ही खेती बाड़ी और खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

जैनब ने पिछले माह अपनी बांह में गर्भनिरोधक इंप्लांट कराया था। इस काम में पांच मिनट लगते हैं, लेकिन इससे तीन वर्ष तक वह गर्भधारण नहीं कर पाएंगी। नाइजर में अब तक गर्भनिरोध के तौर पर गोलियां ही सबसे लोकप्रिय रही हैं, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की तरफ से चलाए जा रहे क्लीनिक में गर्भनिरोधक इंप्लाट किए जा रहे हैं। इस क्लीनिक में बहुत सी महिलाएं आ रही हैं और अपनी त्वचा में इंप्लांट करा रही हैं।

नाइजर के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय में परिवार नियोजन निदेशक इस्सोफोऊ हारोऊ कहते हैं कि सरकार परिवार नियोजन

के कुछ पहलुओं का समर्थन कर रही है और इसके लिए धन भी आवंटित किया जा रहा है। लेकिन कई विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार ने गर्भनिरोधक खरीदने के लिए जो 3.4 लाख डॉलर का राष्ट्रीय बजट निर्धारित किया है, वह पर्याप्त नहीं है।

नाकाफी बजट के साथ साथ समाज में गर्भनिरोधकों के लिए स्वीकार्यता भी बड़ी चुनौती है। नाइजर में 99 प्रतिशत आबादी मुसलमान है। देश के इस्लामिक एसोसिएशन के प्रमुख सिता अमादोऊ कहते हैं कि अगर बच्चों की ठीक से देखभाल हो सकती है तो इस्लाम परिवार में बच्चों की संख्या सीमित करने की वकालत नहीं करता। इसी कारण नाइजर में परिवार नियोजन के लिए काम करने वाले संगठनों का काम मुश्किल हो जाता है। वे पिछले वर्ष से मुहिम चला रहे हैं कि परिवार नियोजन को अपना कर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटा जा सकता है।

(डीडब्ल्यू से संपादित अंश, साभार)

ट्वीट-ट्वीट

प्लास्टिक कचरा भारत को जाम कर रहा है। बीच पर सफाई का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो भले ही पीआर के मकसद से बनाया गया हो, लेकिन यह देखकर बहुत सुकून मिला कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी मिसाल कायम करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं और इसके लिए उन्होंने चीनी राष्ट्रपति के साथ वार्ता के व्यस्त दौरे के बीच समय निकाला।

ब्रह्मा चेलानी@Chellaney

पाकिस्तानी ट्रोल्स, वामपंथी ब्रिगेड और कुछ शरारती तत्वों को छोड़ दिया जाए तो तमिलनाडु के आम लोग तो सोशल मीडिया पर 'डोंटगोबैक मोदी' का झंडा ही बुलंद कर रहे हैं।

प्रदीप भंडारी@pradip103

इथोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद को मिले शांति के नोबेल पुरस्कार में भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए संदेश निहित है। उन्होंने पड़ोसी मुल्क इरीट्रिया के साथ दशकों पुराना हिंसक संघर्ष समाप्त किया जिसमें करीब एक लाख से ज्यादा लोग मारे गए। इससे सभी को सीखना चाहिए।

सुधींद्र कुलकर्णी@SudheenKulkarni

डोनाल्ड ट्रंप ने कुर्दों की पीठ में जो छुरा घोंपा है, उसके खिलाफ भारत की आपत्ति को सुनकर अच्छा लगा। उनके सहयोग के बिना आइएस का आतंक अभी भी कायम रहता। इस संघर्ष में हजारों कुर्द मारे गए जबकि एक दर्जन से भी कम अमेरिकी सैनिक शहीद हुए होंगे।

तवलीन सिंह@tavleen_singh

रचनाकर्म

ईसा मसीह, कश्मीर और चर्च का रुढ़िवाद

ब्रजबिहारी

कथाओं, भोजपत्रों से लेकर गुफाओं के भित्ति चित्रों तक में दिए गए आख्यानों और संकेतों के आधार पर मानव सभ्यता ने भविष्य में कई आविष्कार किए, जिनसे इंसान के सामने उपस्थित कई भौतिक व आध्यात्मिक समस्याओं का हल निकला। सर्वविदित है कि मशहूर चित्रकार लियोनार्डो डा विंची ने हवाई जहाज के निर्माण से काफी पहले उसका रेखाचित्र बना दिया था। उससे भी पहले 'रामायण' में पुष्पक विमान का जिक्र मिलता है। हाल के वर्षों में विश्व कथा साहित्य में कई ऐसी कृतियां सामने आई हैं जिनमें मानव जाति के सामने खड़ी विकट समस्याओं, उनके समाधान और उसमें भारत की भूमिका का ब्योरा पेश किया गया है। स्लोवाकिया के लोकप्रिय लेखक योजेफ बानाश का उपन्यास 'ईसा मसीह की जीवन यात्रा : येरुशलम से कश्मीर तक' भी ऐसी ही कृति है। यह लेखक के बहुचर्चित उपन्यास 'कोड 1' का हिंदी अनुवाद है। वे 'कोड 7' और 'कोड 9' नामक उपन्यासों की भी रचना कर चुके हैं। ये तीनों उपन्यास भारत, भूटान, नेपाल और तिब्बत की पृष्ठभूमि पर लिखे गए हैं।

इस उपन्यास में दो कहानियां एकसाथ चलती हैं। एक कहानी है मारिका की, जिसे ब्रेस्ट कैंसर है और उसे यकीन है कि अगर वह ईसा मसीह की कब्र तक पहुंच जाए तो इस बीमारी से उसे छुटकारा मिल सकता है। कब्र की खोज उसे श्रीनगर ले जाती है, लेकिन वह वहां आतंक के खतरनाक माहौल में फंस जाती है।

इस उपन्यास में मारिका की कहानी के समानांतर ईसा मसीह की जीवन गाथा चलती रहती है। उनके जीवन को लेखक ने अनोखे, रोचक और विश्वसनीय ढंग से पेश किया है। कथा के अनुसार, ईसा मसीह ने भारत में काफी लंबा समय व्यतीत किया था। अपने जीवन की अंतिम सांस भी उन्होंने इसी पुण्य भूमि पर ली थी और उन्हें श्रीनगर में दफनाया गया था।

क्या मारिका को ईसा मसीह की कब्र के दर्शन होते हैं? क्या उसका ब्रेस्ट कैंसर ठीक हो जाता है? ईसा मसीह भारत क्यों आए थे और किसके कहने पर उन्होंने इस महान देश की यात्रा की थी? ऐसे सवालों के जवाब हमें इस उपन्यास में मिलते हैं। गहन शोध पर आधारित यह उपन्यास पाठकों को सोचने पर मजबूर करता है। दरअसल, लेखक ने ईसाइयत और उसे नियंत्रित और परिभाषित करने वाले चर्च की रूढ़िवादिता पर प्रहार किया है। उन्होंने बताने की कोशिश की है कि अगर चर्च को रुढ़िवाद से मुक्ति पानी है तो उसका रास्ता भारत से होकर ही जाएगा, क्योंकि पूरी दुनिया में यही एक ऐसा देश है, जो समरसता और सह-अस्तित्व में यकीन करता है और पूरी सृष्टि के मंगल की कामना करता है। इसके बरअक्स ईसाइयत और इस्लाम में अपने अलावा बाकियों को विधर्मी और काफिर करार देने की व्यवस्था की गई है। इस दकियानूसी सोच का ही नतीजा है कि ये दोनों धर्म आपस में लड़ रहे हैं और पूरी दुनिया इसके नतीजे भुगत रही है। खुद को दूसरे से श्रेष्ठ समझने का अहंकार ही सारे संघर्ष की जड़ में है।

यह उपन्यास ईसा मसीह के भारत से संबंधों, चर्च व्यवस्था की रुढ़िवादिता और उसके दुष्परिणामों के बारे में नए तथ्य सामने रखता है...

पुस्तक का नाम : ईसा मसीह की जीवन यात्रा : येरुशलम से कश्मीर तक
लेखक : योजेफ बानाश
प्रकाशक : राजपाल ऐंड संस
मूल्य : 375 रुपये

चर्च की रुढ़िवादिता के कारण आज यह धर्म एक ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जिसकी ईसा मसीह ने कल्पना भी नहीं की थी। वे तो सत्य के अन्वेषी थे और पूरा जीवन अपने अनुयायियों को भी उसी रास्ते पर चलने की शिक्षा देते रहे। लेकिन उनके नाम पर धर्म की ठेकेदारी करने वाली एक रुढ़िवादी व्यवस्था ने इसका सत्यानाश कर दिया है। सत्य का मतलब वह नहीं है जिसे आप खुद ईश्वर की राह पर चलते हुए ढूंढते है, बल्कि वह है जो चर्च कहता है। इस दमघोंटू धार्मिक व्यवस्था में भक्तों को स्वीकार करना होता है कि चर्च की विचारधारा में ही संपूर्ण सत्य है। इसी कारण चर्च और उसकी विचारधारा के प्रति संदेह को ईश्वर के खिलाफ एक अपराध घोषित किया जाता है। प्रश्न पूछने की अनुमति देने के बजाय भक्तों की नीयत को ही संदेहास्पद बता दिया जाता है। यह प्रवृत्ति मनुष्य की सोच को निजी स्तर पर परिपक्व नहीं होने देती है। खुद पर लादे गए धार्मिक सिद्धांतों के भय से मनुष्य अपने व्यक्तित्व पर संदेह करने लगता है। इस तरह, वह ईसा मसीह की बताई गई मोक्ष की राह पर चलने के बजाय एक भयपूर्ण एवं निराशाजनक जीवन जी रहा होता है।

आज के दौर की कहानियां

अरुण सिंह

चर्चित लेखिका ममता कालिया के कहानी संग्रह 'ठसक' में आज के दौर की कहानियां हैं। इन कहानियों के पात्र हमारे आसपास के वे लोग हैं जिनसे हम रोजाना मुखातिब होते हैं। मसलन, प्रेस वाला, सिक्योरिटी गार्ड आदि। इन कहानियों में सुनी-पढ़ी सूचनाओं के नहीं, बल्कि आंखोंदेखे अनुभवों के चित्र हैं। इस मशीनी दौर के जीवन को उन्होंने इन कहानियों में इतने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि कथन के प्रवाह में डूबा पाठक उन्हें बखूबी महसूस करता है।

इस कहानी संग्रह की प्रतिनिधि कहानी 'ठसक' अपने सपनों का पीछा करते लेखकों की बहस के जरिये जीवंत और ज्वलंत प्रश्न उठाती है। साहित्य के क्षेत्र में पुरानी और नई पीढ़ी का द्वंद्व, स्त्री विमर्श और स्त्री लेखन, ज्यादा या कम लिखना, अखबार में छपी सच्ची खबर और कहानी, यथार्थ व बाजारवाद और अच्छी रचना होने के मानक इत्यादि पर यह कहानी बेबाकी के साथ विचार रखती है। 'मुश्किल खेल' में महानगरों के मनोरंजन पार्क के जरिये आज की व्यावसायिकता को बड़ी ही संजीदगी से पेश किया गया है। इस कहानी का मोटा सेठ अपने रोलर कोस्टर को परखने के लिए अपने यहां काम करने वाले लोगों के बच्चों की जिंदगी दांव पर लगा देता है। 'निरा निरर्थक दिन' में एटीएम में नकदी की किल्लत को सामने रखा गया है। 'मेरी बेवकूफियां' में उन्होंने अपने जीवन की कुछ घटनाओं पर रोशनी डाली है। 'शुक्र है, शुक्र है' में नोएडा और दिल्ली के व्यस्त ट्रैफिक के बीच भाग-दौड़ करते और सप्ताहांत में मिलने वाली छुट्टी का बेसब्री से इंतजार करते लोगों और उनके अपनों की कहानी है। 'कांदिवली की लड़कियां' कहानी के जरिये उन्होंने कामकाजी लड़कियों के आत्मविश्वास को उकेरा है। 'हरजाई' अनथक काम करते-करते 28 की उम्र में अधेड़ हो गई कलावती प्रेसवाली व उसके अल्हड़ देवर की कहानी है, तो 'सु. कर्मी शेरसिंह' में दिल्ली-एनसीआर में खड़ी हो रहीं बहुमंजिली इमारतों की सुरक्षा में अपनी जिंदगी खपाते यूपी-बिहार के बेरोजगार युवाओं का दर्द सामने रखा गया है। जबकि 'सेकेंड हैंड' एक ही दफ्तर में काम करते-करते लिव-इन से लाइफ पार्टनर बने युवाओं के बनते-बिगड़ते रिश्तों की कहानी है।

पुस्तक : ठसक
लेखिका : ममता कालिया
प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 125 रुपये

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या जीएसटी संग्रह में आई कमी टैक्स चोरी का नतीजा है?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या चीनी राष्ट्रपति के भारत दौरे से भारत-चीन संबंधों में सुधार के आसार बढ़े हैं?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर POLL लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, N-नहीं, C-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

दिखी केमिस्ट्री है गजब अब मिल साधो गोल,
ध्यान रहे लेकिन यही बिगड़े ना भूगोल।
बिगड़े ना भूगोल जाय हर बात निभाई,
किंतु न जाएं भूल मुकुट मणि चीन अक्साई।
चिनफिंग-मोदी साथ गढ़ें पूरब की हिस्ट्री,
तभी सार्थक होय आज जो दिखी केमिस्ट्री।

- ओमप्रकाश तिवारी

मध्य प्रदेश डायरी

निवेशकों का भरोसा जीतने में जुटी सरकार

आशीष व्यास
संपादक, नई दुनिया, मध्य प्रदेश

विश्व के सफल निवेशकों में से एक वारेन बफेट का एक मशहूर कोट है- यदि आप सोते समय पैसा कमाने का कोई रास्ता नहीं खोजते हैं, तो आप मरते दम तक काम करेंगे।' निवेश और निवेशकों को बढ़ावा देने का इससे अच्छा उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता है। यह संदर्भ केवल इसलिए कि मध्य प्रदेश इन दिनों रेड कार्पेट बिछाकर निवेशकों की राह देख रहा है। 18 अक्टूबर को इंदौर में 'मैग्निफिसेंट एमपी' के जरिये देश-विदेश के उद्योगपति इस तैयारी-उम्मीद के साथ मध्य प्रदेश आएंगे कि वे बेहतर निवेश की संभावनाओं से सीधा साक्षात्कार कर लें। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस बार उद्योगपति कमलनाथ खुद बतौर मुख्यमंत्री उनका स्वागत करेंगे। सरकार की तैयारी यह भी बता रही है कि देश के नामचीन उद्योग समूह सीमेंट, पर्यटन, फार्मा, सूचना प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में लगभग एक लाख करोड़ रुपये का निवेश कर सकते हैं। कुछ प्रस्तावों का एलान हो सकता है और कुछ उद्योग समूह अपनी ओर से निवेश को लेकर ठोस घोषणाएं भी कर सकते हैं। इस आयोजन की एक खास बात और है। यह अब तक की राजनीतिक परंपराओं से कुछ हटकर भी है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में यह 'ग्लोबल समिट' के नाम से 2006 में शुरू हुआ था। आमतौर पर सरकार बदलने के बाद ऐसे आयोजन-प्रयोजन भी बदल जाते हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसका नाम बदला, तय मानक भी बदले, परंतु निवेशकों को बुलाने की परंपरा कायम रखी। व्यावसायिक जगत में इसकी सराहना हो रही है और उम्मीद की जा रही है कि वर्षों बाद सत्ता में लौटी कांग्रेस उद्योग जगत के लिए ऐसी उपजाऊ जमीन जरूर तैयार करेगी, जिस पर निवेश की वास्तविक फसल लहलहा सके। प्रदेश सरकार पारंपरिक के बजाय नए तौर-तरीकों से राज्य की ब्रांडिंग करने पर भी जोर दे रही है। मेगा इवेंट में निवेशकों की भीड़ जुटाने की जगह चुनिंदा औद्योगिक घरानों और निवेशकों पर ही ज्यादा फोकस किया जा रहा है। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम भी इस बार प्रयास में है कि निवेशकों को ऑनलाइन सारी जानकारियां उपलब्ध रहें।

अब बात करते हैं सिक्के के दूसरे पहलू पर। राज्यों में निवेश की संभावनाओं को परखने के लिए बनी 56 वर्ष पुरानी संस्था है नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर)। पहली बार वर्ष 2015 में इसने प्रत्येक राज्य में निवेश की क्षमता स्टेट इन्वेस्टमेंट पोटेंशियल इंडेक्स (एसआईपीआइ) को मापना शुरू किया था। संस्था तय मानकों पर शोध करती है। इसके आधार पर पिछले चार वर्षों से देश के 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली की रेटिंग जारी भी की जा रही है। यह जमीन की उपलब्धता, श्रमिक, आधारभूत संरचना, आर्थिक माहौल, राजनीतिक स्थिरता व सुशासन पर आधारित है। फिलहाल चिंताजनक तथ्य यह है कि 2018 की ताजा रिपोर्ट में चयनित हुए टॉप 10 राज्यों में मध्य प्रदेश नहीं है। यही नहीं मध्य प्रदेश की निवेश क्षमता 2017 के मुकाबले 2018 में तीन पायदान नीचे गिर गई है। प्रदेश दसवें से अब 13वें स्थान पर आ गया है। निवेश के लिए फिलहाल दिल्ली सबसे बेहतर है। दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है, इस राज्य ने अपनी नीतियों में सुधार कर चार पायदान की छलांग लगाई है। तीसरे नंबर पर गुजरात है, हालांकि यह दो पायदान नीचे आया है, बावजूद इसके निवेशकों की पसंद में शामिल है। इसके बाद क्रमशः हरियाणा, महाराष्ट्र, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, बंगाल, राजस्थान और पंजाब हैं। स्वाभाविक है इन सभी राज्यों में निवेश की क्षमता मध्य प्रदेश से ज्यादा आंकी जा रही है और यह भी कि इन राज्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर काफी तत्परता-गंभीरता से काम किया जाता है।

यदि मध्य प्रदेश को सर्वे की सभी कसौटियों पर परखें तो जमीन की उपलब्धता में देश में दूसरे नंबर पर है। एक अच्छी खबर यह है भी कि मध्य प्रदेश सुशासन और राजनीतिक स्थिरता में पांचवें स्थान पर है। हड़ताल के कारण देश भर में सबसे कम नुकसान मध्य प्रदेश में ही हुआ है। बिजली 100 प्रतिशत है। देशी-विदेशी निवेशक अपने साथ इस प्रकार के तुलनात्मक आंकड़े साथ लेकर ही आएंगे। क्योंकि यह वह संदर्भ होगा, जिस आधार पर वह अपने योगदान को सुनिश्चित करेंगे। दरअसल, मध्य प्रदेश के पास जमीन तो उपलब्ध है, लेकिन कुशल श्रमिक और जनसंख्या के अनुपात में बैंक शाखाएं कम हैं। प्रदेश के पास गुजरात, महाराष्ट्र की तरह बंदरगाह नहीं हैं, इसलिए संपर्क भी अन्य राज्यों की तुलना में कमजोर है। गंभीरता से यह भी सोचा जाना चाहिए कि अब तक हुए सर्वे में जो फीडबैक मिला है, उसमें 50 प्रतिशत निवेशक ही संतुष्ट हैं। शेष 50 फीसद को इन कमियों के साथ ही लुभाना होगा। शासन और प्रशासन की शीर्ष पंक्ति भी इस धारणा को स्वीकार करती है, तभी संभावनाओं वाले कुछ नए सेक्टर भी जोड़े गए हैं। इस बार लॉजिस्टिक व वेयरहाउस और आइटी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ डाटा बेस को जोड़ते हुए पर्यटन पर सबसे ज्यादा फोकस किया जा रहा है। निवेश के लिए जिन राज्यों से मध्य प्रदेश की तुलना होगी, वे हैं दिल्ली, तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र। महाराष्ट्र और गुजरात तो पहले से ही निवेश के लिए बेहतर राज्य माने जाते रहे हैं। इनके पास जमीन की उपलब्धता, लैंड रिकॉर्ड, एकल खिड़की पद्धति, कुशल श्रमिक की व्यवस्था के साथ बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बंदरगाह भी हैं। मगर इस बार दिल्ली और तमिलनाडु जैसे राज्य भी आगे आए हैं।

मध्य प्रदेश सरकार का प्रचार-प्रसार बताता है कि सरकार इस बार 'भरोसे' की बात कर रही है। बतौर मुखिया कमलनाथ ने भी यह विश्वास दिलाने की कोशिश की है कि यहां पारदर्शी व्यवस्था, आसान शर्तें, असीमित संसाधन और सामाजिक समरसता है। उन्होंने वादा भी किया है कि निवेश के लिए तैयार प्रदेश के पास 1,20,000 एकड़ औद्योगिक भूमि, 48,000 एकड़ विकसित औद्योगिक क्षेत्र, 900 एमक्यूबी जल उद्योगों के लिए और 23,000 से मेगावॉट बिजली क्षमता है। प्रतिवर्ष दो लाख स्किल्ड मैनपॉवर का दावा भी किया जा रहा है। विश्वास की नई परंपरा स्थापित कर देश का हृदय प्रदेश निवेशकों की आवभगत में जुटा हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह योजनाएं-घोषणाएं कागजी-कश्तियां नहीं बनेंगी!

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 13 अक्टूबर 2019

2050 तक मलेरिया से दुनिया को निजात मिल सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में यह उम्मीद जताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2000 के बाद से विश्व में मलेरिया के मामलों और इससे मृत्युदर में क्रमश : 36 और 60 फीसद की गिरावट आई है।

मैन ऑफ द मोमेंट

कप्तानी के किंग कोहली

शानदार कप्तानी के साथ बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम के कप्तान कोहली जिस विराट प्रदर्शन से दुनियाभर के प्रशंसकों को अचंभित किए हुए हैं उससे एक फीसद शंका की गुंजाइश भी नहीं रह जाती कि जल्द वह दुनिया के दिग्गज कप्तानों के कीर्तिमान तोड़ सर्वश्रेष्ठ कप्तान होने का ताज हासिल कर लेंगे। आइए जानते हैं क्या वजहें हैं जो इस खिलाड़ी को इस रफ्तार से आगे बढ़ा रही हैं ...

निखिल शर्मा, नई दिल्ली

क्रिकेट की दुनिया में ऐसे कई कप्तान रहे हैं, जिनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भले ही सामान्य रहा हो लेकिन बतौर कप्तान उन्होंने अपनी टीम को बुलंदी तक पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में महेंद्र सिंह धौनी इसका एक उदाहरण कहे जा सकते हैं। अगर बात करें उन कप्तानों की, जिन्होंने शानदार कप्तानी के साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन भी बेहतरीन किया हो तो ऐसे नाम कम ही मिलते हैं। इंग्लैंड के एलिस्टेयर कुक, ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग, डॉन ब्रैडमैन और दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ उन असाधारण कप्तानों में शुमार हैं। वहीं, भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली जिस तेजी से नए कीर्तिमान स्थापित करते जा रहे हैं उससे साफ लग रहा है कि वह जल्द दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तान का ताज हासिल कर लेंगे। इसके पीछे एक-दो नहीं कई बल्कि कई वजहें हैं, जो कोहली को कप्तानी का किंग बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रही हैं।

फिटनेस में कोई आगे नहीं: विराट ने हमेशा से कहा है कि उनके कॅरियर में फिटनेस ने बहुत अहम रोल निभाया है। एक इंटरव्यू में विराट ने कहा था, 'एक बार मैंने शीशे के सामने खड़े होकर सोचा कि कैसे मैं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की गिनती में आऊंगा? कैसे मैं अपने प्रदर्शन से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों पर भारतीय टीम को जीत दिलाऊंगा? तब मैंने खुद को देखा और सोचा कि ऐसे तो बिल्कुल नहीं होगा। तब से ही मैंने अपनी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू किया।' उन्होंने फिटनेस बनाने के बाद महसूस भी किया कि उनका संतुलन अच्छा हो गया है। उनकी शॉट की ताकत बढ़ी और गेंद पर समय से बल्ला आ रहा है। एक रन को दो और दो को तीन में बदलने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हो रही। हकीकत यही है कि दुनिया के किसी भी कप्तान ही नहीं किसी खिलाड़ी ने भी विराट की तरह फिटनेस को अहमियत नहीं दी।

सर्वश्रेष्ठ भारतीय कप्तान: बेशक भारतीय क्रिकेट में सफलतम कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को कहा जाता है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि विराट आने वाले दिनों में धौनी को आसानी से पीछे छोड़ देंगे। वर्ष 2000 में भारतीय क्रिकेट फिक्सिंग के साये में फंस चुका था और तब के सफलतम कप्तान मुहम्मद अजहरूद्दीन अपना 100वां टेस्ट भी नहीं खेल सके थे। तब सौरव गांगुली ने टीम को बनाया। विदेशों में जीतना सिखाया। उनकी आक्रामकता को दुनियाभर की टीमें ताच्जुब मानती थीं क्योंकि तब तक विदेशी टीमों के खिलाड़ी ही मैदान में ऐसा करते थे। सही मायने में विराट में गांगुली की ही छवि दिखती है। विराट कप्तानी के साथ बतौर बल्लेबाज भी नए आयाम गढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा सात दोहरे शतक किसी भारतीय कप्तान ही नहीं किसी खिलाड़ी ने भी नहीं लगाए। कप्तान के तौर पर विराट 19 टेस्ट शतक लगा चुके हैं।

हार मानना नहीं सीखा: विराट की आक्रामकता का एक पक्ष आलोचना भी करता रहा है, लेकिन सच्चाई यही है कि कोहली के विराट बनने में इस आक्रामकता का ही अहम रोल है। विराट के व्यक्तित्व में यह आक्रामकता समाई है। विराट को हारना पसंद नहीं है और जब उन्हें कोई उकसाता है तो उनका प्रदर्शन और भी निखरकर आता है। वर्ष की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर वहां के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने अपनी टीम को विराट को नहीं उकसाने की सलाह भी दी थी।

अपने खिलाड़ियों पर भरोसा: विराट ऐसे कप्तान हैं जो अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा दिखाते हैं। कई बार सब कुछ सामने होते हुए भी वह उसे कुबूलने में विश्वास नहीं करते। इंग्लैंड में हुए विश्व कप में जब उनकी विजय शंकर को चौथे नंबर पर खिलाने की चाल गलत हुई और पत्रकारों ने उन पर सवाल दागे, तो विराट ने साफ कहा कि शंकर ने एक सूझबूझ वाले बल्लेबाज के तौर पर बल्लेबाजी की। उन्हें शंकर को टीम में चुनने का कोई पछतावा नहीं है। विराट अपने साथी खिलाड़ियों के साथ पूरी दृढ़ता से खड़े रहते हैं। उनकी सलाह भी लेते हैं।

सर्वश्रेष्ठ बनने की ओर अग्रसर: विराट जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं उससे वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ही नहीं सर्वश्रेष्ठ कप्तान बनने की ओर भी अग्रसर हैं। विश्व क्रिकेट में इंग्लैंड के कुक ने लंबे अर्से तक कप्तानी के साथ दमदार बल्लेबाजी की। ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग भी उन्हीं में से एक हैं। अब विराट के पास कप्तान के तौर पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने का मौका है। कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका के स्मिथ (25) के नाम हैं। विराट 19 शतक तक पहुंचकर पोंटिंग की बराबरी कर चुके हैं। वहीं, 41 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड पोंटिंग के नाम है। कोहली 40 अंतरराष्ट्रीय शतक ठोक चुके हैं। बतौर कप्तान सबसे ज्यादा बार 150 से ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले कप्तान का रिकॉर्ड कोहली ने गत शुक्रवार को बना ही दिया है। कोहली ने नौ बार ऐसा करके ब्रैडमैन (9) को पीछे छोड़ दिया। विराट अगले कुछ वर्षों में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा ब्रैडमैन (12) के दोहरे शतक लगाने के रिकॉर्ड को भी धाराशायी कर सकते हैं। कोहली के अब सात दोहरे शतक हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ये बनाए रिकॉर्ड

7 वां दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं कोहली। सभी दोहरे शतक बतौर कप्तान लगाए।

7 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले देश के सातवें और विश्व के 49वें बल्लेबाज।

19 वां टेस्ट शतक जड़ा है विराट ने बतौर कप्तान। कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा शतक बनाने वालों में रिकी पोंटिंग के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। ग्रीम स्मिथ 25 शतकों के साथ सबसे आगे हैं।

40 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बने कोहली। उन्होंने बतौर कप्तान टेस्ट में 19 और वनडे में 21 शतक बनाए हैं।

21 हजार इंटरनेशनल रन सबसे तेज पूरा करने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने यह उपलब्धि 392 मैचों में हासिल की। ब्रायन लारा ने 396 मैचों में 21 हजार रन बनाए थे।

248 रन नाबाद सचिन तेंदुलकर का टेस्ट मैच में सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। कोहली इससे आगे निकल गए हैं।

250 से ज्यादा रन टेस्ट मैच की एक पारी में बनाने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी बने। बतौर कप्तान ऐसा करने वाले पहले।

254 रन नाबाद बनाए हैं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वर्तमान टेस्ट मैच में। यह इनका सर्वाधिक स्कोर है।

पिता की कोचिंग ने बेटी को दिलाई पहचान

इनसे मिलिए

मनीष गोधा, जयपुर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शानदार प्रदर्शन कर राजस्थान की **प्रिया पूनिया** ने साबित कर दिया कि अगर तैयारी अच्छी हो तो मुश्किल कुछ भी नहीं। ...और उन्हें यह तैयारी कराई है उनके पिता सुरेंद्र पूनिया ने, जिनकी बदौलत वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में परिवार और देश का नाम कर रही हैं रोशन ...

फिल्म दंगल में आमिर खान ने अपनी बेटियों के लिए कहा था कि 'म्हारी छोरियां छोरों से कम है के।' यही बात राजस्थान के सुरेंद्र पूनिया की क्रिकेटर बेटी प्रिया पूनिया पर भी लागू होती है। इनके जीवन की कहानी भी फिल्म दंगल से मिलती है। पिता ने कोच की भूमिका निभाई, तो बेटी ने भी जबर्दस्त मेहनत करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई और अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

राजस्थान के चूरू जिले के राजगढ़ कस्बे की रहने वालीं प्रिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने का मौका इसलिए मिला क्योंकि टीम की ओपनर स्मृति मंधाना चोटिल थीं। प्रिया ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और अपने कॅरियर के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 75 रनों की शानदार पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। प्रिया की सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके पिता सूरेंद्र पूनिया का है। पिता ही उनके कोच और मेंटर हैं। वह बताते हैं, 'बेटा राहुल भी क्रिकेट खेलता है। मेरे दोनों बच्चे अच्छे से अभ्यास कर सकें, इसके लिए जयपुर से 12 किलोमीटर दूर गांव में अपना घर बनाया। वहीं पर नेट्स और पिच तैयार की। 2015 से बच्चे लगातार वहां अभ्यास कर रहे हैं।'

सुरेंद्र पूनिया भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग में कार्यरत हैं। प्रिया में क्रिकेट की रुचि कैसे पैदा हुई इस बारे में बताते हैं, 'बेटी का बचपन से ही स्पोर्ट्स की तरफ रुझान था। पहले बैडमिंटन खिलाया, फिर लॉन टेनिस। आठ साल की उम्र में प्रिया ने जब क्रिकेट खेलना शुरू किया तब से ही उसकी इसमें जबर्दस्त रुचि रही। तभी मैंने तय कर लिया था कि बेटी को क्रिकेटर बनाऊंगा। पहले जयपुर की एक क्रिकेट अकादमी में भेजा, लेकिन वहां ज्यादा कुछ जमा नहीं तो खुद ही प्रेक्टिस कराना शुरू कर दिया। फिर पूरा परिवार दिल्ली चला गया। वहां भी एक अकादमी से प्रिया को प्रशिक्षण दिलाया, लेकिन खुद हमेशा साथ रहा। अब तो सारी प्रेक्टिस मैं खुद ही कराता हूं।'

पढ़ाई में भी अव्वल: प्रिया खेल ही नहीं पढ़ाई में भी अच्छी रही हैं। सुरेंद्र कहते हैं, 'बेटी हर चीज बहुत जल्द सीख लेती है। खेल ही नहीं पढ़ाई में भी उसने अच्छा प्रदर्शन किया है। दसवीं में उसने 81 प्रतिशत अंक लिए थे और बारहवीं में 91 प्रतिशत। दिल्ली से ही पढ़ाई की और यहीं के जीसस एंड मेरी कॉलेज से बीकॉम किया। खेल के प्रति लगाव ऐसा रहा कि आज तक प्रेक्टिस कभी मिस नहीं की। परीक्षाओं के दौरान चार घंटे की प्रेक्टिस दो घंटे की हो जाती थी, लेकिन होती जरूर थी।' प्रिया को उनकी मां सरोज पूनिया का भी पूरा साथ मिला। समय-समय पर उनके प्रोत्साहन की वजह से ही वह इस मुकाम पर पहुंच पाईं। सरोज कहती हैं, 'मैं हमेशा से चाहती थी कि बेटी वो करे जो उसे पसंद है।'

इन देशों में स्वास्थ्य देखभाल पर सबसे बड़ा बोझ है मोटापा

दुनियाभर के कई देशों में मोटापा बड़ी बीमारी बनता जा रहा है। गत 11 अक्टूबर को मनाए गए विश्व मोटापा दिवस के मौके पर आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी)) ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया है कि दुनियाभर में स्वास्थ्य प्रणालियों की लागत कितनी है। रिपोर्ट के मुताबिक, मोटे लोग स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का सबसे अधिक लाभ उठाते हैं। ओईसीडी के मुताबिक, संतुलित वजन वाले व्यक्तियों की तुलना में मोटे लोग 2.4 गुना अधिक डॉक्टर के पास जाते हैं। इसका असर वहां की सरकार के स्वास्थ्य संबंधी खर्च पर पड़ता है।

2020-2050 तक मोटापे के कारण प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक स्वास्थ्य व्यय

देश	प्रति व्यक्ति व्यय (रुपये में)	कुल स्वास्थ्य व्यय का %
अमेरिका	45 हजार	14%
जर्मनी	29 हजार	11%
कनाडा	21 हजार	11%
इटली	16 हजार	9%
स्पेन	16 हजार	10%
ऑस्ट्रेलिया	14 हजार	9%
ब्रिटेन	13 हजार	8%
फ्रांस	148.2	5%
रूस	10 हजार	7%
ब्राजील	7 हजार	9%
चीन	4 हजार	8%
भारत	1300	6%

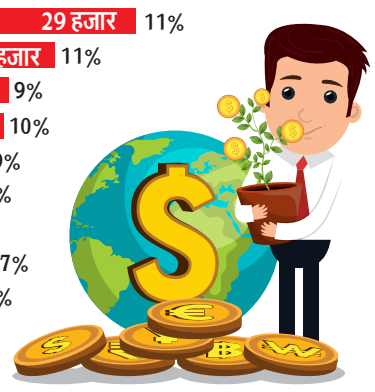

बड़ा खतरा

वर्ल्ड ओबिसिटी फेडरेशन के वैश्विक सर्वे के अनुसार, दुनिया में करीब 15 करोड़ बच्चे और किशोर मोटापे से ग्रसित हैं। अगले दस साल में यह संख्या 25 करोड़ पहुंच जाएगी। संगठन की चाइल्डहुड ओबिसिटी रिपोर्ट के मुताबिक, पांच से 19 साल के आयुवर्ग में चीन के 6.19 करोड़ और भारत के 2.75 करोड़ बच्चे इसकी जद में हैं।

भारत में राज्यों के अनुसार बच्चों में मोटापा

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के अध्ययन के मुताबिक, तेलंगाना में 100 में से 23.2 बच्चे, दिल्ली में 23.1, गोवा में 22.3, राजस्थान में 10, छत्तीसगढ़ में 9.9, झारखंड में 8.6, मध्य प्रदेश में 8.2, बिहार में 6.8, हिमाचल प्रदेश में 18.5, पंजाब में 12.1, हरियाणा में 14.4, गुजरात में 13.1 और महाराष्ट्र में 14.9 फीसदी बच्चे मोटापे से ग्रस्त हैं।

एक बड़ा हिस्सा होता है खर्च

ओईसीडी के अंतर्गत 35 देश आते हैं, जिन पर अध्ययन के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें बताया गया है कि इन देशों में कुल स्वास्थ्य खर्च का 8.4 फीसद मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों का इलाज करने में खर्च होता है।

मोटापे के प्रमुख कारण

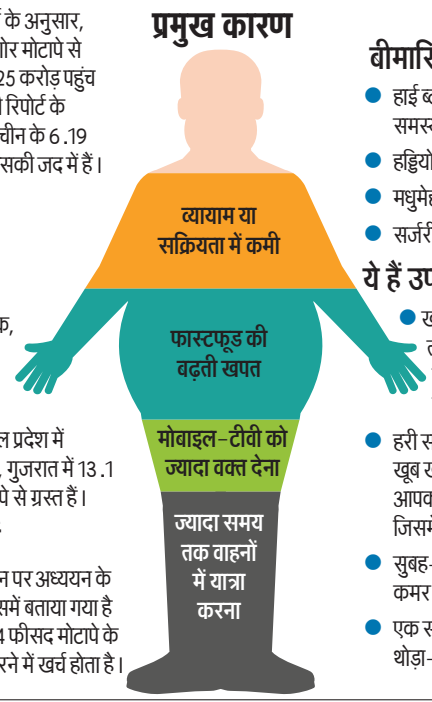

बना वित्तीय बोझ

अमेरिका में मोटापे के कारण वर्ष 2020 से 2050 तक प्रति वर्ष स्वास्थ्य प्रणाली की लागत 644 डॉलर (करीब 45 हजार रुपये) प्रति व्यक्ति होने की संभावना है, जो कि उसके कुल स्वास्थ्य व्यय का 14 फीसद है। वहीं, कनाडा को प्रत्येक वर्ष 295 डॉलर (करीब 21 हजार रुपये) खर्च करने होंगे, जो कि उसके कुल स्वास्थ्य व्यय का 11 फीसद है।

बीमारियों का घर

- हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्राल और श्वास रोग की समस्या
- हड्डियों और जोड़ों में परेशानी का खतरा
- मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर का खतरा
- सर्जरी कराने का खतरा

ये हैं उपाय

- खाली पेट कतई न रहें। हर तीन या साढ़े तीन घंटे में भोजन करें। अनाज अधिक मात्रा में खाएं। कोशिश करें कि ओट, बाजरा, गेहूं आपकी खुराक में शामिल हों।
- हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी और सरसों खूब खाएं। जितनी बार भोजन करें, उतनी बार आपकी थाली में एक ऐसा पकवान जरूर हो, जिसमें प्रोटीन पाया जाता हो।
- सुबह-सुबह योगा व व्यायाम करें। पेट और कमर की चर्बी को कम करने के लिए योग करें।
- एक साथ बहुत अधिक मात्रा में खाना न खाएं। थोड़ा-थोड़ा खाना रुक-रुक कर खाएं।

नानी का अधूरा सपना पूरा कर रही 'सुपरस्टार सिंगर'

उभरता सितारा

विशाल श्रेष्ठ, कोलकाता

प्रतिभा उम्र और अनुभव की मोहताज नहीं होती। वह तो कुदरत की देन होती है। ऐसी ही प्रतिभा की धनी हैं बंगाल की **प्रीति भट्टाचार्जी**, जिन्होंने महज नौ साल की उम्र में हासिल किया है रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर का खिताब ...

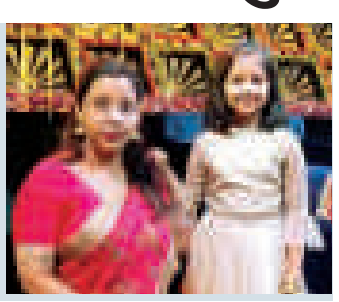

बंगाल का छोटा सा शहर बर्द्धमान अपने इतिहास के साथ कई चीजों के लिए मशहूर रहा है, लेकिन इन दिनों इसके चर्चा में होने की एक अलग ही वजह है। वह है नौ साल की बच्ची प्रीति भट्टाचार्जी। प्रीति अपनी जादुई आवाज से करोड़ों लोगों को दीवाना बनाकर देश की 'सुपरस्टार सिंगर' बन गई हैं। जिस उम्र में बच्चे खिलौनों के साथ खेलते हैं, उस उम्र में प्रीति सरस्वती की साधना में लीन हैं। प्रीति भले ही अभी बहुत छोटी हैं, लेकिन उनके सपने बहुत बड़े हैं। वह तो अपनी नानी का अधूरा सपना पूरा करना चाहती हैं। कहती हैं, 'मेरी नानी का सपना था कि मेरी मां गायिका बने, लेकिन मां पढ़ाई के दबाव के कारण उनका सपना पूरा नहीं कर सकीं। उनके सपने को अब मैं पूरा करना चाहती हूं।' प्रीति आगे कहती हैं, 'मैंने अभी पहली सीढ़ी चढ़ी है। अभी बहुत सी सीढ़ियां चढ़नी होंगी। काफी मेहनत करनी होगी। और अच्छा गाना होगा। मैं इसके लिए तैयार हूं।'

गत छह अक्टूबर को सिंगिंग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर की पहली विजेता बनीं प्रीति अभी रोजाना दो से तीन घंटे रियाज करती हैं। उनका सपना प्लेबैक सिंगर बनने का है। वह कहती हैं, 'संगीतकार व शो के जज हिमेश रेशमिया ने मुझसे कहा है कि थोड़ी बड़ी हो जाने पर वह अपनी फिल्म में मुझसे गाना गवाएंगे।' गायकों में प्रीति को किशोर कुमार व अरिजीत सिंह और गायिकाओं में लता मंगेशकर, आशा भोंसले व श्रेया घोषाल पसंद हैं। प्रीति को मेलोडी सांग गाना बहुत भाता है।

तीन साल की उम्र से सीख रही गायकी: बर्द्धमान में स्थित कर्जन गेट से आधा किलोमीटर की दूरी पर बादामतल्ला इलाके में रहने वालीं प्रीति तीन साल की उम्र से गायकी सीख रही हैं। उनकी पहली संगीत शिक्षक कोई और नहीं, मां प्रिया भट्टाचार्जी थीं।

यूं सामने आई प्रतिभा: प्रीति की मां प्रिया भट्टाचार्जी ने बताया, 'बेटी जब डेढ़ साल की थी, तभी हमें उसके संगीत प्रेम का आभास हो गया था। उस वक्त टीवी पर आने वाले एक बांग्ला धारावाहिक का टाइटल सांग वह बड़े ध्यान से सुनती थी। तीन साल की हुई तो उसे गुनगुनाने लगी। उसकी सुरीली आवाज सुनकर हम सब दंग रह गए। पहले मैंने उसे संगीत सिखाया। पांच साल की हुई तो बर्द्धमान में ही पंडित ध्रुवतारा ज्योति क्लासिकल इंस्टीट्यूट में भर्ती करा दिया, जहां डॉ. तापसी घोष के सानिध्य में उसकी तालीम शुरू हुई।' उन्होंने आगे कहा, 'सुपरस्टार सिंगर का कोलकाता ऑडिशन इस साल अप्रैल में हुआ था। प्रीति उसमें सेलेक्ट हो गई। उसके बाद मुंबई में उसे ऑडिशन के तीन और राउंड क्लीयर करने पड़े। उसके बाद ही वह मेगा राउंड में पहुंची। आज मेरी बेटी पर पूरा देश नाज करता है। विदेश में भी उसके काफी प्रशंसक हैं। एक मां के लिए इससे ज्यादा गर्व की बात और क्या हो सकती है। इतनी छोटी सी उम्र में इतने बड़े मंच पर उसने यह कमाल कर दिखाया है।' मासूमियत भरे अंदाज में प्रीति कहती हैं, 'पहले सब मुझे पापा के नाम से जानते थे। अभी सब पापा को मेरे नाम से जानते हैं।'

इस नगरी के रोम-रोम में बसे हैं नानक

इन दिनों

हरनेक सिंह जैनपुरी, सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला)

गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के अवसर पर पंजाब के **सुल्तानपुर लोधी** शहर में होने जा रहे हैं विभिन्न आयोजन, जिसके चलते लंबे समय से उपेक्षित रहा यह शहर इन दिनों सुर्खियों में है। कहा जा रहा है कि यहां प्रयागराज के महाकुंभ सरीखी तैयारियां चल रही हैं, ताकि देश-दुनिया से आने वाले मेहमानों के सत्कार में कोई कमी न रहे। 12 नवंबर को मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की भी संभावना है। जानते हैं इस ऐतिहासिक नगरी और इससे बाबा नानक के जुड़ाव के बारे में ...

श्री ननकाना साहिब व श्री करतारपुर साहिब (पाकिस्तान) के बाद सुल्तानपुर लोधी तीसरा ऐसा शहर है, जिसका सिखों के प्रथम गुरु बाबा नानक से लंबा और गहरा नाता रहा है। इसके बावजूद नानक की यह पावन नगरी दशकों से बेहद उपेक्षित रही है। गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशपर्व से सुल्तानपुर लोधी ने अब पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। यहां टेंट सिटी बसाई जा रही है, ताकि देश और दुनिया से हजारों श्रद्धालु इस पावन पर्व पर यहां दर्शन को पहुंच सकें।

इतिहासकार बताते हैं कि गुरु नानक देव जी सुल्तानपुर लोधी में नवाब दौलत खां के मोदीखाने (अन्न भंडार) में नौकरी करते थे। वह यहां दरवेश, कलंदरों, साधू, फकीरों व अन्य जरूरतमंदों को 'तेरा-तेरा' तोलते हुए अनाज बांटते थे। इसी शहर से गुरु जी की बटाला (गुरदासपुर) के लिए बरात गई और शादी के बाद वे सुल्तानपुर लोधी में ही रहे। यहीं गुरु जी के घर दो पुत्रों बाबा श्री चंद व बाबा लक्ष्मी दास का जन्म हुआ। यहीं पर गुरु जी ने नवाब दौलत खां व उनके मौलवी को नमाज अदा करने की असलियत समझायी थी। यहां अपने करीब 15 साल के प्रवास के दौरान गुरु साहिब सुबह पवित्र काली बेईं नदी में स्नान कर प्रभु की भक्ति में लीन हो जाते थे। उन्होंने नदी के किनारे बेरी का एक वृक्ष लगाया जो आज भी लहलहा रहा है। यहीं से गुरु जी ने पवित्र नदी में डुबकी लगाई और तीन दिन बाद प्रकट होकर मूल मंत्र 'एक ओंकार सतनाम करता पुरुख' का उच्चारण कर श्री गुरु ग्रंथ साहिब की आधारशिला रखी। सुल्तानपुर लोधी से ही गुरु नानक देव जी ने विश्व कल्याण के लिए चार उदासियों (पवित्र यात्रियों) की शुरुआत की। इस शहर में कई ऐतिहासिक गुरुद्वारे हैं।

गुरुद्वारा श्री बेर साहिब: सुल्तानपुर लोधी में स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री बेर साहिब गुरु नानक देव जी का भक्ति स्थल होने के कारण श्रद्धालुओं की श्रद्धा का केंद्र रहा है। इस गुरुद्वारे का सिख धर्म में ठीक वही स्थान रखता है, जो बौद्ध धर्म में गया को, यहूदी धर्म में यरुशलम और मुस्लिम धर्म में मक्का को प्राप्त है। इस स्थान पर आज भौरा साहिब बना है, जिसमें गुरु जी 14 साल नौ महीने 13 दिन तक रोजाना आकर भक्ति करते रहे। भौरा साहिब के बिल्कुल पास ही गुरु नानक देव जी हाथों से लगाया गया बेरी का वृक्ष भी है, जो साढ़े पांच सदी से अधिक समय बीतने के बाद भी लहलहाते हुए फल दे रहा है।

गुरुद्वारा श्री हट साहिब: काली बेईं नदी में स्नान कर गुरु जी प्रभात होने पर नवाब दौलत खां के मोदीखाने में अपनी ड्यूटी संभाल लेते थे। गुरुद्वारा हट साहिब उसी जगह पर सुशोभित है। कहा जाता है कि यह वह जगह है, जहां गुरु साहिब दरवेश, कलंदर, साधू, फकीरों व अन्य जरूरतमंदों को अनाज बांटते और 'तेरा-तेरा' का उच्चारण कर प्रभु के गुण गाते रहते। जब गुरु नानक साहिब की प्रभुता दिन-ब-दिन बढ़ती गई तो किसी ईष्या रखने वाले ने दौलत खां लोधी से शिकायत कर दी कि नानक मोदीखाना लोगों को लूटा रहे हैं। इसके बाद दौलत खां ने गुरु नानक साहिब के बहनोई जय राम जी को बुलाया और मोदीखाने का हिसाब करने के लिए कहा। उस समय में अगर कोई राज दरबार के साथ रुपयों की हेराफेरी करता था, तो उसको कई प्रकार की सजाएं दी जाती थीं। यहां तक कि मौत की सजा भी सुना दी जाती थी, लेकिन जब मोदीखाने के हिसाब की जांच-पड़ताल की गई तो किसी भी प्रकार का घाटा न निकला, बल्कि गुरु नानक साहिब का बकाया सरकार की ओर निकला। दौलत खां यह सब देखकर बहुत खुश हुआ और उसने इनाम के तौर पर गुरु जी को धन भेंट किया, लेकिन उन्होंने वह धन लेने से इन्कार कर दिया और इसको जरूरतमंदों में बांटने के लिए कहा।

गुरुद्वारा श्री कोठड़ी साहिब: मोदीखाना लुटाए जाने की शिकायत के बाद गुरु साहिब को राई मसूदी अकाउटेंट जनरल के घर हिसाब की पड़ताल करने के लिए बुलाया गया। जांच पड़ताल के बाद सरकार पर गुरु जी के कुछ रुपये अतिरिक्त निकले। गुरु जी ने वह धन लेने से इन्कार कर दिया व नवाब के लेखाकारों को उस धन को जरूरतमंदों में बांटने के आदेश दिए। उन्होंने खुद मोदीखाने की नौकरी छोड़ दी। जहां यह सारी जांच-पड़ताल की गई थी, उस जगह पर अब गुरुद्वारा कोठड़ी साहिब स्थित है।

गुरुद्वारा श्री अंतात्मा: यह वह स्थान है जहां ईदगाह में श्री गुरु नानक देव जी ने नवाब दौलत खां व उसके मौलवी को नमाज की असलियत बताई थी। उन्होंने बताया था कि नवाब व मौलवी का ध्यान ईदगाह में नमाज अदा करने में नहीं काबुल में घोड़े खरीदने में है। अगर नमाज अदा करनी है तो मन को भी शरीर के साथ प्रभु के आगे सच्चे मन से अर्पित किया जाए। इस मौके पर गुरु जी ने यह संदेश दिया कि नवाब शारीरिक तौर पर ईदगाह में है, लेकिन उसका मन तो कहीं दूर घूम रहा है। इस गुरुद्वारा साहिब की अब नई व सुंदर इमारत कायम हो चुकी है।

गुरुद्वारा गुरु का बाग: श्री गुरु नानक साहिब अपने विवाह के बाद अपने परिवार के साथ इस स्थान पर रहे। यहीं पर उनके पुत्र बाबा श्री चंद एवं बाबा लक्ष्मी दास का जन्म हुआ। इसी वजह से इस स्थान को गुरु का बाग कहते हैं। पहले इस स्थान पर छोटी इमारत होती थी। सुंदर बाग भी होता था, धीरे-धीरे शहरीकरण बढ़ने के साथ बाग तो खत्म हो गया, लेकिन गुरु के बाग की यादें यहां पर कायम हैं।

गुरुद्वारा श्री सेहरा साहिब: यह वह पवित्र स्थान है, जहां श्री गुरु अर्जुन साहिब जी अपने सुपुत्र गुरु हरगोबिंद साहिब जी की बारात लेकर जाते समय रात को रुके थे। सुबह इस स्थान से सेहरा बांध कर शादी के लिए डल्ले पहुंचे थे। इसी कारण इसका नाम सेहरा साहिब है। इस गुरुद्वारे को गुरु नानक देव जी ने धर्मशाला का नाम दिया था।

2017 तक 117 देशों में एक्सडीआर टीबी के 10,800 मामले सामने आए थे। इसमें भारत में ही 2,650 मामले थे, जो कुल मामलों के लगभग एक चौथाई थे।

फसल की बजाय अब सीधे कीटों पर किया जाएगा वार

वीणा तिवारी, चंडीगढ़

- सीएसआइओ के वैज्ञानिकों ने तैयार की एडवांस इलेक्ट्रोस्टेटिक स्प्रेइंग डिवाइस
- पौधे के प्रभावित हिस्से पर होगा प्रहार पानी और मिट्टी पर नहीं पड़ेगा असर

पर्यावरण संरक्षण

कम लागत में अधिक पैदावार कृषि जगत की सबसे बड़ी जरूरत है। इसके लिए तमाम तरीके अपनाए गए। कीटनाशकों का बेइंतहा इस्तेमाल होता रहा, जिसने बड़ा दुष्प्रभाव डाला। अब एक ऐसी डिवाइस तैयार की गई है, जिससे रसायनों के बहुत कम प्रयोग से ही घातक कीटों को खत्म किया जा सकेगा। फसल की बजाय सीधे कीटों पर वार होगा और कम खर्च में अधिक उपज आ सकेगी। मिट्टी और पानी भी कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से बचे रहेंगे।

चंडीगढ़ स्थित सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंटल ऑर्गेनाइजेशन (सीएसआइओ) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार पटेल ने यह एडवांस इलेक्ट्रोस्टेटिक स्प्रेइंग डिवाइस तैयार की है। उन्होंने बताया कि इसे चलाने के लिए पेट्रोल या बिजली की जरूरत नहीं है। ट्रैक्टर से कनेक्ट करने पर यह उसके चलने से उत्पन्न होने वाले ऊर्जा से खुद ही चलेगा। उस दौरान डिवाइस का ट्रापलेट चार्ज होगा और स्प्रे सीधे पौधे के प्रभावित हिस्से पर ही जाएगा। चार्जिंग के कारण कीटनाशक की बूंद जमीन पर गिरने की बजाय सीधे पौधे पर जाती है। इसे टारगेटेड पेस्टिसाइड डिलीवरी कहा जाता है। इससे कम मात्रा में ही ज्यादा फसल को कीट मुक्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कम समय में ज्यादा परिणाम के लिए 17 से 18 नोजल वाली ट्रैक्टर माउंडेट डिवाइस तैयार की जा रही हैं।

कम लागत में सेहतमंद फसल : इस डिवाइस की मदद से कम लागत में अधिक उपज तो होगी ही, रसायन के कम प्रयोग के कारण उत्पन्न अन्न ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक भी होगा।

तमाम बीमारियों से हो सकेगा बचाव: चूंकि कीटनाशक सीधे पौधे के प्रभावित हिस्से पर पड़ेगा, इसलिए खेत की मिट्टी और पानी इससे बचे रहेंगे। इससे तमाम बीमारियों से बचाव हो सकेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार, नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों के अधिक मात्रा में इस्तेमाल से भूमि अम्लीय हो जाती है। पानी में नाइट्रेट की मात्रा 50 मिली ग्राम लीटर में अधिक होने पर मानव और पशुओं में ब्लू बेबी सिंड्रोम उत्पन्न करता है। इसी तरह फास्फेट में कैडमियम और सीसा होता है, जिसकी वजह से गुर्दा और हृदय रोग का खतरा बढ़ता है। सीसा युक्त भोजन लेने से दिमाग को क्षति पहुंचती है एवं उल्टी की शिकायत होती है। आर्सेनिक के कारण चर्मरोग होता है। कीटनाशकों के कारण पेट की तकलीफ, तंत्रिका संबंधी समस्याएं तथा कैंसर जैसी बीमारियों के खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। पक्षी, मधुमक्खी, मित्र कीट तथा जलीय जीव भी इससे प्रभावित हो रहे हैं।

मिट्टी भी खो रही अपनी सेहत : कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी और खेती की सेहत भी लगातार खराब हो रही है। मृदा-जल संरक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, देहरादून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उर्वरकों और कीटनाशकों के अविवेकपूर्ण इस्तेमाल से प्रतिवर्ष 5334 लाख टन मिट्टी नष्ट हो रही है।

डिवाइस बनाने वाले वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार पटेल। जागरण

> इस डिवाइस में प्रयोग किए गए नैनो तकनीक के विशेष मैथड के कारण सोच से बढ़कर परिणाम हासिल करने में सफलता मिली है।
> **-डॉ. मनोज कुमार पटेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआइओ**

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

एडवांस इलेक्ट्रोस्टेटिक स्प्रेइंग डिवाइस। जागरण

मोतियाबिंद के ऑपरेशन में खामी बनी अंधेपन की तीसरी बड़ी वजह

चिंताजनक ▸ दिल्ली एम्स ने 24 राज्यों के 31 जिलों में किया सर्वे

सर्जरी के बाद 7.2 फीसद लोगों की गई आंखों की रोशनी

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

देश में लोगों की आंखों का अंधियारा दूर हो रहा है। इसलिए अंधेपन से पीड़ित लोगों की संख्या में कमी आई है, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि सफेद मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद होने वाला संक्रमण नई मुसीबत बन रहा है। यह बात दिल्ली एम्स के आरपी सेंटर द्वारा किए गए राष्ट्रीय सर्वे में सामने आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर एम्स के डॉक्टरों ने यह सर्वे किया है। इससे पता चला है कि मोतियाबिंद के ऑपरेशन से संबंधित खामी अंधेपन की तीसरी बड़ी वजह बन गई है।

एम्स ने इस राष्ट्रीय सर्वे (2015-19) की रिपोर्ट केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंप दी है। डॉक्टर कहते हैं कि सर्वे के नतीजों को ध्यान में रखकर सरकार को इस दिशा में कदम उठाने होंगे। साथ ही अस्पतालों को भी सर्जरी के बाद मरीजों की आंखों में होने वाली परेशानी व संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। इस सर्वे का मकसद देश में अंधेपन और उसके कारणों का पता लगाना था। एम्स के आरपी सेंटर के डॉक्टरों ने दो चरणों में यह सर्वे किया। पहले चरण में सितंबर 2015 से जून 2018 के बीच 24 राज्यों के 31 जिलों के 93 हजार लोगों पर सर्वे किया गया। इसमें पश्चिमी दिल्ली भी शामिल है। हर जिले से तीन हजार लोग शामिल किए गए थे। इस दौरान 85,135 लोगों की जांच की गई। उन लोगों की उम्र 50 साल से अधिक थी। दूसरे चरण में इस साल जनवरी-फरवरी में 49 साल तक की उम्र वाले 18 हजार लोगों पर सर्वे किया गया। इसमें देश के छह जिलों के लोग शामिल किए गए थे। सर्वे में यह बात सामने आई कि देश में 0.36 फीसद लोग अब भी अंधेपन से पीड़ित हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वर्ष 2010 में भारत में 0.68 फीसद लोगों के अंधेपन से पीड़ित होने का अनुमान लगाया था। इस तरह इसमें कमी आई है। वहीं, 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले 1.99 फीसद लोग अंधेपन से पीड़ित पाए गए हैं।

मोतियाबिंद अब भी अंधेपन का सबसे बड़ा कारण : आरपी सेंटर के कम्युनिटी ऑप्थेल्मोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रवीण वशिष्ठ ने कहा कि मोतियाबिंद अब भी आंख की रोशनी कमजोर होने व अंधेपन का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। इसलिए मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों को जारी रखना होगा।

कॉर्निया की बीमारी बनी अंधेपन का दूसरा बड़ा कारण : सर्वे में यह बात सामने आई है कि कॉर्निया की बीमारी अंधेपन का दूसरा बड़ा कारण बन गई है। इसलिए डॉक्टर कॉर्निया दान कार्यक्रम को बढ़ावा देने की जरूरत बता रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद की परेशानी से 7.2 फीसद लोगों के आंखों की रोशनी चली गई। इसका एक बड़ा कारण ऑपरेशन थियेटर में संक्रमण होता है। हालांकि, सर्जरी के बाद 83.9 फीसद लोगों की आंखों की रोशनी बेहतर हो गई।

यह आया सामने

- **2.55** फीसद लोग देश में कुल दृष्टिबाधित हैं
- **0.36** फीसद लोग अंधेपन से पीड़ित हैं
- **0.35** फीसद लोगों की आंखों की रोशनी गंभीर रूप से प्रभावित है
- **1.84** फीसद लोगों की आंख की रोशनी मध्यम स्तर तक प्रभावित

निजी अस्पतालों में ज्यादातर लोग कराते हैं सर्जरी : सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, आंखों की बीमारियों से पीड़ित ज्यादातर लोग निजी अस्पतालों में सर्जरी कराते हैं। सर्वे की अवधि के दौरान 60.7 फीसद लोगों ने निजी अस्पतालों में मोतियाबिंद की सर्जरी कराई थी, जबकि सरकारी अस्पतालों में 39.3 फीसद सर्जरी हुईं।

गरीबी की वजह से नहीं करा पाते इलाज : अंधेपन से बुजुर्ग अधिक पीड़ित होते हैं क्योंकि बुजुर्गों को मोतियाबिंद की बीमारी अधिक होती है। सर्वे में यह बात समाने आई है कि अंधेपन से पीड़ित 66.2 फीसद लोगों की आंखों की रोशनी इस वजह से चली जाती है क्योंकि वे मोतियाबिंद का इलाज नहीं कराते।

रंग बताएगा, किस तापमान में उड़ रहे रॉकेट और वायुयान

विक्सन सिक्रोड़िया, कानपुर : वायुमंडल में ऊंचाई की ओर बढ़ते हवाई जहाज और रॉकेट किस तापमान से गुजर रहे हैं, यह पता लगाने के लिए केवल सेंसर पर ही निर्भरता नहीं रहेगी। आने वाले समय में विशेष पेंट की चमक से तापमान का आकलन होगा। दरअसल, अधिक तापमान से सेंसर भी प्रभावित हो जाते हैं। अब वायुयान व रॉकेट में ऐसा पेंट लगाया जाएगा, जिसका रंग तापमान बदलने के साथ हल्का व गाढ़ा हो जाएगा। आइआइटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर साथेश मरिअप्पन, रसायन विज्ञान के डॉ. आनंद सिंह समेत अन्य ने तापमान आधारित पेंट तैयार किया है।

तापमान परिवर्तित होने पर इस पेंट के पैटर्न में बदलाव दिखाई देता है। आइआइटी की प्रयोगशाला में इसका परीक्षण करने के बाद एडवांस टेस्ट किए जा रहे हैं। तापमान बढ़ने के साथ इस पेंट का रंग हल्का हो जाता है, जबकि कम तापमान पर गहरा। इस पेंट में ल्यूमिनोफोरे मॉड्यूल का उपयोग किया गया है। इस खास तत्व पर विभिन्न प्रकार की तरंगदैर्ध्य वाले प्रकाश का अलग असर पड़ता है। प्रकाश पड़ते ही ल्यूमिनोफोरे नामक तत्व ऊर्जावान हो जाते हैं और रंग में परिवर्तन करते हैं। प्रो. सतीश मरिअप्पन ने बताया कि पेंट का उपयोग रॉकेट की सतह, न्यूक्लियर रिएक्टर व हवाई जहाज पर किया जा सकता है। ऊंचाई पर तापमान बहुत अधिक घटता-बढ़ता रहता है। कई बार तापमान का बदलाव बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रो. मरिअप्पन ने बताया कि तापमान का बेहद बारीक यानी एक-एक डिग्री का आकलन किया जा सकता है। इसके लिए स्पेशल चार्ज कपल्ड डिवाइस बनाई गई है।

31 को शीतकाल के लिए बंद हो जाएगी फूलों की घाटी

जागरण संवाददाता, चमोली

- अब तक घाटी के दीदार को पहुंच चुके हैं रिकॉर्ड 16,862 पर्यटक
- चमोली में यह घाटी अपनी जैव विविधता के लिए है विश्व विख्यात

विश्व धरोहर फूलों की घाटी आगामी 31 अक्टूबर को बंद कर दी जाएगी। इस साल फूलों की घाटी के दीदार को अब तक देश-विदेश से रिकॉर्ड 16,862 पर्यटक पहुंच चुके हैं। यह घाटी में पहुंचने वाले पर्यटकों की सर्वाधिक संख्या है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में समुद्रतल से 12,995 फीट की ऊंचाई पर स्थित फूलों की घाटी अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। 87.5 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैली घाटी में 500 से अधिक दुर्लभ प्रजातियों के फूल खिलते हैं। इसके अलावा यहां दुर्लभ प्रजाति के जीव-जंतु, परिंदे और औषधीय वनस्पतियां भी पाई जाती हैं। इसी वजह से प्रकृति प्रेमियों और वनस्पति शास्त्रियों की यह सबसे पसंदीदा जगह है। सुखद यह है कि इस साल घाटी के दीदार को बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। अब तक 16,355 भारतीय और 507 विदेशी पर्यटक घाटी की सैर कर चुके हैं।

फूलों की घाटी पहुंचे पर्यटकों की संख्या

वर्ष	कुल पर्यटक
2019	16,862
2018	14,742
2017	13,752
2016	6503
2015	181
2014	484

2018 में 14,742 पर्यटकों ने घाटी का दीदार किया था।

पर्यटकों से 27 लाख रुपये की हुई कमाई

फूलों की घाटी के वन प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी बृजमोहन भारती ने बताया कि कमाई के मामले में भी इस बार घाटी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। पर्यटकों की आमद बढ़ने से नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन को अब तक 26 लाख 80 हजार रुपये की आय हो चुकी है।

मोतियों की खेती से बदल रहे तकदीर

रविवार विशेष

झारखंड के रंगामटिया गांव के एक डोभा में मोती की खेती करते सुभाष महतो। जागरण

वीरेंद्र ओझा, जमशेदपुर

- एक साल में ढाई लाख की पूंजी लगाकर होगी 14 लाख रुपये की आय
- कोलकाता में लिया प्रशिक्षण, अगले साल मिलेगी पहली फसल

झारखंड के किसान अब तक धान और सब्जी की ही खेती करते आए हैं, लेकिन एक किसान ऐसा है जो अपने खेत में ही मोती की खेती कर रहा है। जमशेदपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर रंगामटिया गांव में यह खेती हो रही है। ठेका मजदूरी और परंपरागत खेती करने वाले सुभाष महतो (50) मोती की खेती से किस्मत बदल रहे हैं। उन्हें इसकी प्रेरणा उनके दामाद राजेश महतो से मिली, जिन्होंने यूट्यूब पर देखा था कि मोती की खेती से एक साल में पांच से दस गुना तक आमदनी हो सकती है। इसके बाद उन्होंने कोलकाता में तीन माह का प्रशिक्षण लिया। हालांकि, उन्होंने अभी यह खेती शुरू की है, इसकी फसल मई-जून 2020 में तैयार होगी। ढाई लाख की पूंजी से जब यह फसल तैयार होगी, तो करीब 14 लाख रुपये की आय होगी।

फिलहाल दो गड्ढों जिनकी गहराई छह फीट है में आठ हजार मोती के सीप डाले गए हैं। सुभाष बताते हैं कि कोलकाता और उसके पास मेचेदा में इसकी आसानी से बिक्री हो जाएगी। वैसे उन्हें स्थानीय स्तर पर भी ऑर्डर मिल रहे हैं।

हर किसान बने खुशहाल : मोती की मांग बंगाल और ओडिशा में काफी ज्यादा है। स्थानीय बाजार में भी इसकी आसानी से बिक्री हो जाती है। सुभाष चाहते हैं कि झारखंड के दूसरे किसान भी इसकी खेती करें, वे सिखाने को तैयार हैं। वह चाहते हैं कि उनके राज्य का हर किसान खुशहाल हो।

ऐसे तैयार होते हैं मोती

मोती समुद्र में रहने वाले घोंघा प्रजाति के एक छोटे से प्राणी के पेट में बनता है। सबसे पहले समुद्र के सीप को गड्ढे में करीब एक सप्ताह तक छोड़ दिया जाता है। जब वह यहां के पानी में रहने लायक हो जाता है, तब सीप को बाहर निकालकर सर्जरी के माध्यम से मोती का बीज सीप में डाला जाता है। चूंकि सीप और मोती जीव होता है, लिहाजा एंटीबायोटिक दवा के घोल में करीब एक सप्ताह तक रखा जाता है। करीब 10 दिन बाद इसे दोबारा गड्ढे में डाला जाता है। इसके बाद सीप के अंदर मोती पर कैल्शियम कार्बोनेट की परत चढ़ती जाती है। यह समय के साथ सफेद रंग का चमकदार गोल आकार का पत्थर जैसा बन जाता है। एक सीप को 18-20 माह तक रखने पर सामान्य से बड़े आकार के मोती तैयार होंगे।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/jagran-special

स्वच्छता और पोषण के लिए 4000 महिलाओं ने डाली नाटी

जागरण संवाददाता, कुल्लू

कुल्लू के अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के दौरान रथ मैदान में चार हजार महिलाओं ने एक साथ महानाटी डालकर स्वच्छता व पोषाहार का संदेश दिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी कुल्लू जिले की महिलाओं व युवतियों ने नाटी डाली। लगभग एक घंटे तक चले इस कार्यक्रम को दो भागों में बांटा गया था। इस नाटी का रिकॉर्ड इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होगा, इसके लिए उनकी टीम भी मैदान में मौजूद रही।

नाटी के पहले भाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता व पोषाहार के बारे में जागरूक करने के लिए बनाए गाने पर नाटी डाली। इसके बाद सभी महिलाओं ने एक साथ कुल्लू के स्थानीय गानों पर नाटी आरंभ की। ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ स्थानीय लोकगीतों पर जब नाटी शुरू हुई तो मुश्य अतिथि मंत्री गोविंद ठाकुर भी खुद को रोक नहीं पाए और पत्नी सहित नाटी में भाग लिया। उनके साथ उपायुक्त डॉ. ऋचा वर्मा भी थीं। उन्होंने भी अन्य महिलाओं के साथ लगभग 15 से 20 मिनट तक ताल से ताल मिलाई।

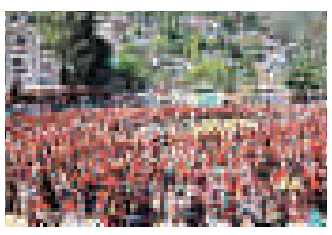

कुल्लू के अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में महानाटी में हिस्सा लेतीं महिलाएं। जागरण

मुख्य अतिथि ने महानाटी के लिए स्वच्छता व पोषाहार जैसी थीम रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को बधाई दी। विदेश से आए पर्यटकों व शोधार्थियों ने भी इस नाटी को अपने कैमरों में रिकॉर्ड किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी वीरेंद्र आर्य ने बताया कि महानाटी का आयोजन हर वर्ष किसी न किसी थीम पर किया जाता है और इस बार की थीम स्वच्छता व पोषाहार रही।

अयोध्या की दीपावली रोशन करेंगे इमरान के दीये...

देश-दुनिया में बेहद श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाला दीपावली का त्योहार नजदीक आ गया है। इस मौके पर घर-आंगन को रोशन करने वाले मिट्टी के दीये बनाने का काम जोरों पर है। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के देवीपुरा मुहल्ले में कवि रहीम के अनुयायी इमरान भी दीपावली के लिए मिट्टी के दीये बनाने में जुटे हुए हैं। यही नहीं इमरान के दीये दीपावली पर अयोध्या में भी जगमग होंगे। दरअसल इस मौके पर अयोध्या में लाखों दीये रोशन होने हैं। ऐसे में अयोध्या के लिए इमरान दीये बनाने में दिन-रात एक किए हुए हैं। दीपावली 27 अक्टूबर को है। हितेश गुप्ता

अंगूठे के बिना निशाने को भेदता है इनका तीर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मरवाही के घने जंगलों के बीच अंगूठे का इस्तेमाल किए बिना निशाने पर तीर चलाते पंडो आदिवासी। नईदुनिया

संडे बॉक्स जरा हटके...

राधाकिशन शर्मा, बिलासपुर

- छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो एकलव्य को मानती है अपना पूर्वज
- एकलव्य की प्रतिमा बनाकर बच्चों को सिखाते हैं धनुष विद्या

छत्तीसगढ़ स्थित मरवाही के घने जंगलों और पहाड़ों के बीच झोपड़ी बनाकर रहने वाले पंडो आदिवासियों के कंधों पर तीर-कमान लटका रहता है। इनका निशाना सटीक है। खास बात यह कि तीर चलाते समय वे कभी भी अपने अंगूठे का इस्तेमाल नहीं करते। ये एकलव्य के वंशज जो ठहरे। एकलव्य ने गुरु दक्षिणा में गुरु द्रोणाचार्य को अपना अंगूठा दे दिया था। लिहाजा वे ऐसा कर अपने पूर्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं।

बिलासपुर जिले में मरवाही ब्लॉक है। यहां बैगा आदिवासियों के साथ विशेष पिछड़ी जनजाति में शुमार पंडो आदिवासी भी रहते हैं। ये तंगहाल तो हैं पर मस्तमौला होकर जिंदगी जीते हैं। पूर्वजों के प्रति सम्मान का भाव आज भी इनके मन में है।

पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर रहने के बाद भी परंपरा निभाने में ये आगे हैं। वे खुद मानते हैं कि पंडो महाभारतकालीन महान धनुर्धर एकलव्य के वशंज हैं। एकलव्य ने धनुष विद्या सीखने के लिए गुरु द्रोणाचार्य की मिट्टी की प्रतिमा बनाई थी। प्रतिमा को नमन कर धनुष विद्या सीख ली थी। जब एकलव्य ने अपनी साधना के बारे में बताया, तब गुरु द्रोण ने गुरु दक्षिणा में उनका अंगूठा ही मांग लिया था। एकलव्य ऐसे शिष्य थे, जिन्होंने एक झटके में अपना अंगूठा दे दिया। उनके वंशजों की कहानी उनसे भी अद्भुत है। वे कहते हैं कि जब हमारे पूर्वज तीर चलाते वक्त बगैर अंगूठे के निशाना साध लेते थे, तब हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते। एकलव्य की प्रतिमा बनाकर हम बच्चों को धनुष विद्या सिखाते हैं और अंगूठे का इस्तेमाल करने से मना करते हैं। पंडो जनजाति के प्रमुख मंगल सिंह का कहना है कि ऐसा कर हम अपने पूर्वज के प्रति श्रद्धा का भाव अर्पित कर उनकी याद को संजोकर रखना चाहते हैं। पंडो आदिवासियों को घनी आबादी रास नहीं आती। वे केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से पूरी तरह कटे हुए हैं। घासीराम व बगैहा पंडो से जब पूछा गया कि आधार कार्ड और राशन कार्ड है क्या। तब इन्होंने कहा कि यह आधार कार्ड क्या होता है।

तलाशी राह

दिल्ली के इंडिया गेट लॉन में सरस आजीविका मेले में आकर्षण का केंद्र बना मुजफ्फरनगर का स्टॉल, यहां महज दस रुपये में मिल रहा है गोबर से बना गमला

प्रदूषण के कीचड़ में खिला पर्यावरण संरक्षण का कमल

संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

शहर की गलियों से गुजरना मुश्किल हो चुका था। गोबर की वजह से नालियां अक्सर जाम हो जाती थीं। सड़कों पर नालियों का पानी फैल जाता था। बदबू की वजह से सांस लेना दूभर हो जाता था। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से यह हालत देखी नहीं गई और इन्होंने शहर की सूरत संवारने का बीड़ा उठा लिया। फिर क्या, दस महिलाओं ने गोबर इकट्ठा कर गमला बनाना शुरू किया और देखते ही देखते इस छोटे कदम से बड़ा बदलाव दिखने लगा। शहर की चंद गलियां ही सही, साफ दिखने लगीं। खास बात यह है कि महिलाओं ने गमला बनाने की मशीन भी खुद ही ईजाद की। महिलाओं की इस पहल को ग्रामीण विकास मंत्रालय ने भी सराहा और दिल्ली में सरस आजीविका मेले में स्टॉल लगा लोगों को जागरूक करने का न्योता दिया। इंडिया गेट लॉन में चल रहे सरस मेले में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का यह स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

शहर की बदली सूरत : स्टॉल पर मौजूद बबली कहती हैं कि संगम स्वयं सहायता समूह का गठन पांच साल पहले हुआ था। समूह मुजफ्फरनगर के गांव सरहट, ब्लॉक चिनहट में सक्रिय है। समूह से जुड़ीं महिलाएं विभिन्न मेलों, कार्यक्रमों में जाकर खाने का स्टॉल लगाती थीं। महिलाएं अक्सर समूह में सामान खरीदारी के लिए मुजफ्फरनगर जातीं। अक्सर सड़कों पर जाम मिलता। पूछने पर पता चलता कि नालियों का पानी सड़कों पर फैला है। दरअसल, नालियों में पॉलीथिन, गोबर, आदि जमा रहता था। महिलाओं ने सोचा कि क्यों ना कुछ ऐसा किया जाए जिससे गोबर नालियों में जाए ही ना और शहर भी साफ सुथरा दिखे।

यूट्यूब की मदद : बकौल बबली, हमने निश्चय तो कर लिया था, लेकिन किस तरह करेंगे यह तय नहीं था। समूह की ही एक महिला ने गाय के गोबर से गमला बनाने का सुझाव दिया। इस पर हमने अमल किया और फिर यूट्यूब पर ऐसे लोगों के बारे में वीडियो देखना शुरू किया जो इससे मिलता-जुलता काम करते थे। वीडियो के जरिये हम गुजरात की एक कंपनी तक पहुंचे जो एक मशीन बनाती थी। हमने मशीन भी खरीद ली, लेकिन वह मशीन बहुत छोटे गमले बनाती थी। इसके अलावा बार-बार उसके पुर्जे टूट जाते थे। बार-बार काम अवरुद्ध होने पर एक दिन महिलाओं ने खुद ही मशीन बनाने की ठानी और शहर के ही एक लोहा फैक्ट्री की मदद से एक मशीन तैयार की। इसकी मदद से बड़ी आसानी से गमला बनाया जाने लगा।

दिल्ली के इंडिया गेट लॉन में आयोजित सरस आजीविका मेले में गोबर से बने गमले दिखाती मुजफ्फरनगर की बबली। जागरण

प्रतिदिन मिल रहा एक ट्रॉली गोबर

बबली बताती हैं कि मुजफ्फरनगर में 100 से ज्यादा डेयरियां हैं। हम धीरे-धीरे डेयरियों तक पहुंच रहे हैं। डेयरी संचालक भी मदद करते हैं। प्रतिदिन हमें करीब एक ट्रॉली गोबर मिल रहा है। इस गोबर को हम मशीन में डालकर गमला बनाते हैं। इस प्रक्रिया में सिर्फ 30 सेकंड लगते हैं, लेकिन इसे सुखाकर इसे रंगरोगन में पांच से छह दिन लग जाते हैं। यह गमला सिर्फ दस रुपये में उपलब्ध है। नर्सरी में पौधे पॉलीथिन में रखकर बेचे जाते हैं। उससे कहीं बेहतर यह विकल्प है। पौधों को गोबर के गमले में दिया जाए व लगाया जाए। यह तीन महीने तक काम करेगा। इसको लगाने का एक फायदा यह भी है कि यह खाद का भी काम करता है। सरस मेले में स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोग गोबर से बना गमला खरीद रहे हैं।

2017 तक 117 देशों में एक्सडीआर टीबी के 10,800 मामले सामने आए थे। इसमें भारत में ही 2,650 मामले थे, जो कुल मामलों के लगभग एक चौथाई थे।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन में खामी बनी अंधेपन की तीसरी बड़ी वजह

चिंताजनक ▶ दिल्ली एम्स ने 24 राज्यों के 31 जिलों में किया सर्वे

सर्जरी के बाद 7.2 फीसद लोगों की गई आंखों की रोशनी

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

देश में लोगों की आंखों का अंधियारा दूर हो रहा है। इसलिए अंधेपन से पीड़ित लोगों की संख्या में कमी आई है, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि सफेद मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद होने वाला संक्रमण नई मुसीबत बन रहा है। यह बात दिल्ली एम्स के आरपी सेंटर द्वारा किए गए राष्ट्रीय सर्वे में सामने आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर एम्स के डॉक्टरों ने यह सर्वे किया है। इससे पता चला है कि मोतियाबिंद के ऑपरेशन से संबंधित खामी अंधेपन की तीसरी बड़ी वजह बन गई है।

एम्स ने इस राष्ट्रीय सर्वे (2015-19) की रिपोर्ट केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंप दी है। डॉक्टर कहते हैं कि सर्वे के नतीजों को ध्यान में रखकर सरकार को इस दिशा में कदम उठाने होंगे। साथ ही अस्पतालों को भी सर्जरी के

बाद मरीजों की आंखों में होने वाली परेशानी व संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। इस सर्वे का मकसद देश में अंधेपन और उसके कारणों का पता लगाना था। एम्स के आरपी सेंटर के डॉक्टरों ने दो चरणों में यह सर्वे किया। पहले चरण में सितंबर 2015 से जून 2018 के बीच 24 राज्यों के 31 जिलों के 93 हजार लोगों पर सर्वे किया गया। इसमें पश्चिमी दिल्ली भी शामिल है। हर जिले से तीन हजार लोग शामिल किए गए थे। इस दौरान 85,135 लोगों की जांच की गई। उन लोगों की उम्र 50 साल से अधिक थी। दूसरे चरण में इस साल जनवरी-फरवरी में 49 साल तक की उम्र वाले 18 हजार लोगों पर सर्वे किया गया। इसमें देश के छह जिलों के लोग शामिल किए गए थे। सर्वे में यह बात सामने आई कि देश में 0.36 फीसद लोग अब भी अंधेपन से पीड़ित हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वर्ष 2010 में भारत में 0.68 फीसद लोगों के अंधेपन से पीड़ित होने का अनुमान लगाया था। इस तरह इसमें कमी आई है। वहीं, 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले 1.99 फीसद लोग अंधेपन से पीड़ित पाए गए हैं।

मोतियाबिंद अब भी अंधेपन का सबसे बड़ा कारण : आरपी सेंटर के कम्युनिटी ऑप्थेल्मोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रवीण वशिष्ठ ने कहा कि मोतियाबिंद अब भी आंख की रोशनी कमजोर होने व अंधेपन का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। इसलिए मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों को जारी रखना होगा।

कॉर्निया की बीमारी बनी अंधेपन का दूसरा बड़ा कारण : सर्वे में यह बात सामने आई है कि कॉर्निया की बीमारी अंधेपन का दूसरा बड़ा कारण बन गई है। इसलिए डॉक्टर कॉर्निया दान कार्यक्रम को बढ़ावा देने की जरूरत बता रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद की परेशानी से 7.2 फीसद लोगों के आंखों की रोशनी चली गई। इसका एक बड़ा कारण ऑपरेशन थियेटर में संक्रमण होता है। हालांकि, सर्जरी के बाद 83.9 फीसद लोगों की आंखों की रोशनी बेहतर हो गई।

यह आया सामने

2.55 फीसद लोग देश में कुल दृष्टिबाधित हैं

0.36 फीसद लोग अंधेपन से पीड़ित हैं

0.35 फीसद लोगों की आंखों की रोशनी गंभीर रूप से प्रभावित है

1.84 फीसद लोगों की आंख की रोशनी मध्यम स्तर तक प्रभावित

निजी अस्पतालों में ज्यादातर लोग कराते हैं सर्जरी : सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, आंखों की बीमारियों से पीड़ित ज्यादातर लोग निजी अस्पतालों में सर्जरी कराते हैं। सर्वे की अवधि के दौरान 60.7 फीसद लोगों ने निजी अस्पतालों में मोतियाबिंद की सर्जरी कराई थी, जबकि सरकारी अस्पतालों में 39.3 फीसद सर्जरी हुईं।

गरीबी की वजह से नहीं करा पाते इलाज : अंधेपन से बुजुर्ग अधिक पीड़ित होते हैं क्योंकि बुजुर्गों को मोतियाबिंद की बीमारी अधिक होती है। सर्वे में यह बात समाने आई है कि अंधेपन से पीड़ित 66.2 फीसद लोगों की आंखों की रोशनी इस वजह से चली जाती है क्योंकि वे मोतियाबिंद का इलाज नहीं कराते।

फसल की बजाय अब सीधे कीटों पर किया जाएगा वार

वीणा तिवारी, चंडीगढ़

▶ सीएसआइओ के वैज्ञानिकों ने तैयार की एडवांस इलेक्ट्रोस्टेटिक स्प्रेइंग डिवाइस

▶ पौधे के प्रभावित हिस्से पर होगा प्रहार पानी और मिट्टी पर नहीं पड़ेगा असर

पर्यावरण संरक्षण

कम लागत में अधिक पैदावार कृषि जगत की सबसे बड़ी जरूरत है। इसके लिए तमाम तरीके अपनाए गए। कीटनाशकों का बेइंतहा इस्तेमाल होता रहा, जिसने बड़ा दुष्प्रभाव डाला। अब एक ऐसी डिवाइस तैयार की गई है, जिससे रसायनों के बहुत कम प्रयोग से ही घातक कीटों को खत्म किया जा सकेगा। फसल की बजाय सीधे कीटों पर वार होगा और कम खर्च में अधिक उपज आ सकेगी। मिट्टी और पानी भी कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से बचे रहेंगे।

चंडीगढ़ स्थित सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंटल ऑर्गेनाइजेशन (सीएसआइओ) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार पटेल ने यह एडवांस इलेक्ट्रोस्टेटिक स्प्रेइंग डिवाइस तैयार की है। उन्होंने बताया कि इसे चलाने के लिए पेट्रोल या बिजली की जरूरत नहीं है। ट्रैक्टर से कनेक्ट करने पर यह उसके चलने से उत्पन्न होने वाले ऊर्जा से खुद ही चलेगा। उस दौरान डिवाइस का ट्रापलेट चार्ज होगा और स्प्रे सीधे पौधे के प्रभावित हिस्से पर ही जाएगा। चार्जिंग के कारण कीटनाशक की बूंद जमीन पर गिरने की बजाय सीधे पौधे पर जाती है। इसे टारगेटेड पेस्टिसाइड डिलीवरी कहा जाता है। इससे कम मात्रा में ही ज्यादा फसल को कीट मुक्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कम समय में ज्यादा परिणाम के लिए 17 से 18 नोजल वाली ट्रैक्टर माउंडेट डिवाइस तैयार की जा रही हैं।

कम लागत में सेहतमंद फसल : इस डिवाइस की मदद से कम लागत में अधिक उपज तो होगी ही, रसायन के कम प्रयोग के कारण उत्पन्न अन्न ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक भी होगा।

तमाम बीमारियों से हो सकेगा बचाव: चूंकि कीटनाशक सीधे पौधे के प्रभावित हिस्से पर पड़ेगा, इसलिए खेत की मिट्टी और पानी इससे बचे रहेंगे। इससे तमाम बीमारियों से बचाव हो सकेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार, नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों के अधिक मात्रा में इस्तेमाल से भूमि अम्लीय हो जाती है। पानी में नाइट्रेट की मात्रा 50 मिली

डिवाइस बनाने वाले वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार पटेल। जागरण

> इस डिवाइस में प्रयोग किए गए नैनो तकनीक के विशेष मैथड के कारण सोच से बढ़कर परिणाम हासिल करने में सफलता मिली है।
> –डॉ. मनोज कुमार पटेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआइओ

ग्राम लीटर में अधिक होने पर मानव और पशुओं में ब्लू बेबी सिंड्रोम उत्पन्न करता है। इसी तरह फास्फेट में कैडमियम और सीसा होता है, जिसकी वजह से गुर्दा और हृदय रोग का खतरा बढ़ता है। सीसा युक्त भोजन लेने से दिमाग को क्षति पहुंचती है एवं उल्टी की शिकायत होती है। आर्सेनिक के कारण चर्मरोग होता है। कीटनाशकों के कारण पेट की तकलीफ, तंत्रिका संबंधी समस्याएं तथा कैंसर जैसी बीमारियों के खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। पक्षी, मधुमक्खी, मित्र कीट तथा जलीय जीव भी इससे प्रभावित हो रहे हैं।

मिट्टी भी खो रही अपनी सेहत : कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी और खेती की सेहत भी लगातार खराब हो रही है। मृदा-जल संरक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, देहरादून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उर्वरकों और कीटनाशकों के अविवेकपूर्ण इस्तेमाल से प्रतिवर्ष 5334 लाख टन मिट्टी नष्ट हो रही है।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

एडवांस इलेक्ट्रोस्टेटिक स्प्रेइंग डिवाइस। जागरण

रंग बताएगा, किस तापमान में उड़ रहे रॉकेट और वायुयान

विक्सन सिक्रोड़िया, कानपुर : वायुमंडल में ऊंचाई की ओर बढ़ते हवाई जहाज और रॉकेट किस तापमान से गुजर रहे हैं, यह पता लगाने के लिए केवल सेंसर पर ही निर्भरता नहीं रहेगी। आने वाले समय में विशेष पेंट की चमक से तापमान का आकलन होगा। दरअसल, अधिक तापमान से सेंसर भी प्रभावित हो जाते हैं। अब वायुयान व रॉकेट में ऐसा पेंट लगाया जाएगा, जिसका रंग तापमान बदलने के साथ हल्का व गाढ़ा हो जाएगा। आइआइटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर साथेश मरिअप्पन, रसायन विज्ञान के डॉ. आनंद सिंह समेत अन्य ने तापमान आधारित पेंट तैयार किया है।

तापमान परिवर्तित होने पर इस पेंट के पैटर्न में बदलाव दिखाई देता है। आइआइटी की प्रयोगशाला में इसका परीक्षण करने के बाद एडवांस टेस्ट किए जा रहे हैं। तापमान बढ़ने के साथ इस पेंट का रंग हल्का हो जाता है, जबकि कम तापमान पर गहरा। इस पेंट में ल्यूमिनोफोरे मॉड्यूल का उपयोग किया गया है। इस खास तत्व पर विभिन्न प्रकार की तरंगदैर्ध्य वाले प्रकाश का अलग असर पड़ता है। प्रकाश पड़ते ही ल्यूमिनोफोरे नामक तत्व ऊर्जावान हो जाते हैं और रंग में परिवर्तन करते हैं। प्रो. सतीश मरिअप्पन ने बताया कि पेंट का उपयोग रॉकेट की सतह, न्यूक्लियर रिएक्टर व हवाई जहाज पर किया जा सकता है। ऊंचाई पर तापमान बहुत अधिक घटता-बढ़ता रहता है। कई बार तापमान का बदलाव बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रो. मरिअप्पन ने बताया कि तापमान का बेहद बारीक यानी एक-एक डिग्री का आकलन किया जा सकता है। इसके लिए स्पेशल चार्ज कपल्ड डिवाइस बनाई गई है।

31 को शीतकाल के लिए बंद हो जाएगी फूलों की घाटी

जागरण संवाददाता, चमोली

▶ अब तक घाटी के दीदार को पहुंच चुके हैं रिकॉर्ड 16,862 पर्यटक

▶ चमोली में यह घाटी अपनी जैव विविधता के लिए है विश्व विख्यात

विश्व धरोहर फूलों की घाटी आगामी 31 अक्टूबर को बंद कर दी जाएगी। इस साल फूलों की घाटी के दीदार को अब तक देश-विदेश से रिकॉर्ड 16,862 पर्यटक पहुंच चुके हैं। यह घाटी में पहुंचने वाले पर्यटकों की सर्वाधिक संख्या है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में समुद्रतल से 12,995 फीट की ऊंचाई पर स्थित फूलों की घाटी अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। 87.5 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैली घाटी में 500 से अधिक दुर्लभ प्रजातियों के फूल खिलते हैं। इसके अलावा यहां दुर्लभ प्रजाति के जीव-जंतु, परिंदे और औषधीय वनस्पतियां भी पाई जाती हैं। इसी वजह से प्रकृति प्रेमियों और वनस्पति शास्त्रियों की यह सबसे पसंदीदा जगह है। सुखद यह है कि इस साल घाटी के दीदार को बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। अब तक 16,355 भारतीय और 507 विदेशी पर्यटक घाटी की सैर कर चुके हैं।

फूलों की घाटी पहुंचे पर्यटकों की संख्या

वर्ष	कुल पर्यटक
2019	16,862
2018	14,742
2017	13,752
2016	6503
2015	181
2014	484

2018 में 14,742 पर्यटकों ने घाटी का दीदार किया था।

पर्यटकों से 27 लाख रुपये की हुई कमाई

फूलों की घाटी के वन प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी बृजमोहन भारती ने बताया कि कमाई के मामले में भी इस बार घाटी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। पर्यटकों की आमद बढ़ने से नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन को अब तक 26 लाख 80 हजार रुपये की आय हो चुकी है।

मोतियों की खेती से बदल रहे तकदीर

रविवार विशेष

झारखंड के रंगामटिया गांव के एक डोभा में मोती की खेती करते सुभाष महतो। जागरण

वीरेंद्र ओझा, जमशेदपुर

▶ एक साल में ढाई लाख की पूंजी लगाकर होगी 14 लाख रुपये की आय

▶ कोलकाता में लिया प्रशिक्षण, अगले साल मिलेगी पहली फसल

झारखंड के किसान अब तक धान और सब्जी की ही खेती करते आए हैं, लेकिन एक किसान ऐसा है जो अपने खेत में ही मोती की खेती कर रहा है। जमशेदपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर रंगामटिया गांव में यह खेती हो रही है। ठेका मजदूरी और परंपरागत खेती करने वाले सुभाष महतो (50) मोती की खेती से किस्मत बदल रहे हैं। उन्हें इसकी प्रेरणा उनके दामाद राजेश महतो से मिली, जिन्होंने यूट्यूब पर देखा था कि मोती की खेती से एक साल में पांच से दस गुना तक आमदनी हो सकती है। इसके बाद उन्होंने कोलकाता में तीन माह का प्रशिक्षण लिया। हालांकि, उन्होंने अभी यह खेती शुरू की है, इसकी फसल मई-जून 2020 में तैयार होगी। ढाई लाख की पूंजी से जब यह फसल तैयार होगी, तो करीब 14 लाख रुपये की आय होगी।

फिलहाल दो गड्ढों जिनकी गहराई छह फीट है में आठ हजार मोती के सीप डाले गए हैं। सुभाष बताते हैं कि कोलकाता और उसके पास मेचेदा में इसकी आसानी से बिक्री हो जाएगी। वैसे उन्हें स्थानीय स्तर पर भी ऑर्डर मिल रहे हैं।

हर किसान बने खुशहाल : मोती की मांग बंगाल और ओडिशा में काफी ज्यादा है। स्थानीय बाजार में भी इसकी आसानी से बिक्री हो जाती है। सुभाष चाहते हैं कि झारखंड के दूसरे किसान भी इसकी खेती करें, वे सिखाने को तैयार हैं। वह चाहते हैं कि उनके राज्य का हर किसान खुशहाल हो।

ऐसे तैयार होते हैं मोती

मोती समुद्र में रहने वाले घोंघा प्रजाति के एक छोटे से प्राणी के पेट में बनता है। सबसे पहले समुद्र के सीप को गड्ढे में करीब एक सप्ताह तक छोड़ दिया जाता है। जब वह यहां के पानी में रहने लायक हो जाता है, तब सीप को बाहर निकालकर सर्जरी के माध्यम से मोती का बीज सीप में डाला जाता है। चूंकि सीप और मोती जीव होता है, लिहाजा एंटीबायोटिक दवा के घोल में करीब एक सप्ताह तक रखा जाता है। करीब 10 दिन बाद इसे दोबारा गड्ढे में डाला जाता है। इसके बाद सीप के अंदर मोती पर कैल्शियम कार्बोनेट की परत चढ़ती जाती है। यह समय के साथ सफेद रंग का चमकदार गोल आकार का पत्थर जैसा बन जाता है। एक सीप को 18-20 माह तक रखने पर सामान्य से बड़े आकार के मोती तैयार होंगे।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/jagran-special

स्वच्छता और पोषण के लिए 4000 महिलाओं ने डाली नाटी

जागरण संवाददाता, कुल्लू

कुल्लू के अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के दौरान रथ मैदान में चार हजार महिलाओं ने एक साथ महानाटी डालकर स्वच्छता व पोषाहार का संदेश दिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी कुल्लू जिले की महिलाओं व युवतियों ने नाटी डाली। लगभग एक घंटे तक चले इस कार्यक्रम को दो भागों में बांटा गया था। इस नाटी का रिकॉर्ड इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होगा, इसके लिए उनकी टीम भी मैदान में मौजूद रही।

नाटी के पहले भाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता व पोषाहार के बारे में जागरूक करने के लिए बनाए गाने पर नाटी डाली। इसके बाद सभी महिलाओं ने एक साथ कुल्लू के स्थानीय गानों पर नाटी आरंभ की। ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ स्थानीय लोकगीतों पर जब नाटी शुरू हुई तो मुश्य अतिथि मंत्री गोविंद ठाकुर भी खुद को रोक नहीं पाए और पत्नी सहित नाटी में भाग लिया। उनके साथ उपायुक्त डॉ. ऋचा वर्मा भी थीं।

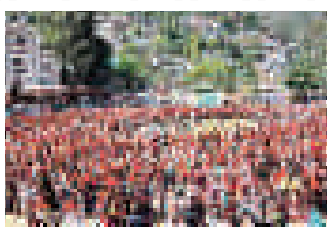

कुल्लू के अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में महानाटी में हिस्सा लेतीं महिलाएं। जागरण

उन्होंने भी अन्य महिलाओं के साथ लगभग 15 से 20 मिनट तक ताल से ताल मिलाई।

मुख्य अतिथि ने महानाटी के लिए स्वच्छता व पोषाहार जैसी थीम रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को बधाई दी। विदेश से आए पर्यटकों व शोधार्थियों ने भी इस नाटी को अपने कैमरों में रिकॉर्ड किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी वीरेंद्र आर्य ने बताया कि महानाटी का आयोजन हर वर्ष किसी न किसी थीम पर किया जाता है और इस बार की थीम स्वच्छता व पोषाहार रही।

अयोध्या की दीपावली रोशन करेंगे इमरान के दीये...

देश-दुनिया में बेहद श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाला दीपावली का त्योहार नजदीक आ गया है। इस मौके पर घर-आंगन को रोशन करने वाले मिट्टी के दीये बनाने का काम जोरों पर है। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के देवीपुरा मुहल्ले में कवि रहीम के अनुयायी इमरान भी दीपावली के लिए मिट्टी के दीये बनाने में जुटे हुए हैं। यही नहीं इमरान के दीये दीपावली पर अयोध्या में भी जगमग होंगे। दरअसल इस मौके पर अयोध्या में लाखों दीये रोशन होने हैं। ऐसे में अयोध्या के लिए इमरान दीये बनाने में दिन-रात एक किए हुए हैं। दीपावली 27 अक्टूबर को है। हितेश गुप्ता

अंगूठे के बिना निशाने को भेदता है इनका तीर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मरवाही के घने जंगलों के बीच अंगूठे का इस्तेमाल किए बिना निशाने पर तीर चलाते पंडो आदिवासी। नईदुनिया

संडे बॉक्स जरा हटके...

राधाकिशन शर्मा, बिलासपुर

▶ छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो एकलव्य को मानती है अपना पूर्वज

▶ एकलव्य की प्रतिमा बनाकर बच्चों को सिखाते हैं धनुष विद्या

छत्तीसगढ़ स्थित मरवाही के घने जंगलों और पहाड़ों के बीच झोपड़ी बनाकर रहने वाले पंडो आदिवासियों के कंधों पर तीर-कमान लटका रहता है। इनका निशाना सटीक है। खास बात यह कि तीर चलाते समय वे कभी भी अपने अंगूठे का इस्तेमाल नहीं करते। ये एकलव्य के वंशज जो ठहरे। एकलव्य ने गुरु दक्षिणा में गुरु द्रोणाचार्य को अपना अंगूठा दे दिया था। लिहाजा वे ऐसा कर अपने पूर्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं।

बिलासपुर जिले में मरवाही ब्लॉक है। यहां बैगा आदिवासियों के साथ विशेष पिछड़ी जनजाति में शुमार पंडो आदिवासी भी रहते हैं। ये तंगहाल तो हैं पर मस्तमौला होकर जिंदगी जीते हैं। पूर्वजों के प्रति सम्मान का भाव आज भी इनके मन में है।

पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर रहने के बाद भी परंपरा निभाने में ये आगे हैं। वे खुद मानते हैं कि पंडो महाभारतकालीन महान धनुर्धर एकलव्य के वशंज हैं। एकलव्य ने धनुष विद्या सीखने के लिए गुरु द्रोणाचार्य की मिट्टी की प्रतिमा बनाई थी। प्रतिमा को नमन कर धनुष विद्या सीख ली थी। जब एकलव्य ने अपनी साधना के बारे में बताया, तब गुरु द्रोण ने गुरु दक्षिणा में उनका अंगूठा ही मांग लिया था। एकलव्य ऐसे शिष्य थे, जिन्होंने एक झटके में अपना अंगूठा दे दिया। उनके वंशजों की कहानी उनसे भी अद्भुत है। वे कहते हैं कि जब हमारे पूर्वज तीर चलाते वक्त बगैर अंगूठे के निशाना साध लेते थे, तब हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते। एकलव्य की प्रतिमा बनाकर हम बच्चों को धनुष विद्या सिखाते हैं और अंगूठे का इस्तेमाल करने से मना करते हैं। पंडो जनजाति के प्रमुख मंगल सिंह का कहना है कि ऐसा कर हम अपने पूर्वज के प्रति श्रद्धा का भाव अर्पित कर उनकी याद को संजोकर रखना चाहते हैं। पंडो आदिवासियों को घनी आबादी रास नहीं आती। वे केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से पूरी तरह कटे हुए हैं। घासीराम व बगैहा पंडो से जब पूछा गया कि आधार कार्ड और राशन कार्ड है क्या। तब इन्होंने कहा कि यह आधार कार्ड क्या होता है।

तलाशी राह

दिल्ली के इंडिया गेट लॉन में सरस आजीविका मेले में आकर्षण का केंद्र बना मुजफ्फरनगर का स्टॉल, यहां महज दस रुपये में मिल रहा है गोबर से बना गमला

प्रदूषण के कीचड़ में खिला पर्यावरण संरक्षण का कमल

संजीव कुमार मिश्र, नई दिल्ली

शहर की गलियों से गुजरना मुश्किल हो चुका था। गोबर की वजह से नालियां अक्सर जाम हो जाती थीं। सड़कों पर नालियों का पानी फैल जाता था। बदबू की वजह से सांस लेना दूभर हो जाता था। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से यह हालत देखी नहीं गई और इन्होंने शहर की सूरत संवारने का बीड़ा उठा लिया। फिर क्या, दस महिलाओं ने गोबर इकट्ठा कर गमला बनाना शुरू किया और देखते ही देखते इस छोटे कदम से बड़ा बदलाव दिखने लगा। शहर की चंद गलियां ही सही, साफ दिखने लगीं। खास बात यह है कि महिलाओं ने गमला बनाने की मशीन भी खुद ही ईजाद की। महिलाओं की इस पहल को ग्रामीण विकास मंत्रालय ने भी सराहा और दिल्ली में सरस आजीविका मेले में स्टॉल लगा लोगों को जागरूक करने का न्योता दिया। इंडिया गेट लॉन में चल रहे सरस मेले में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का यह स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

शहर की बदली सूरत : स्टॉल पर मौजूद बबली कहती हैं कि संगम स्वयं सहायता समूह का गठन

दिल्ली के इंडिया गेट लॉन में आयोजित सरस आजीविका मेले में गोबर से बने गमले दिखाती मुजफ्फरनगर की बबली। जागरण

पांच साल पहले हुआ था। समूह मुजफ्फरनगर के गांव सरहट, ब्लॉक चिनहट में सक्रिय है। समूह से जुड़ीं महिलाएं विभिन्न मेलों, कार्यक्रमों में जाकर खाने का स्टॉल लगाती थीं। महिलाएं अक्सर समूह में सामान खरीदारी के लिए मुजफ्फरनगर जातीं। अक्सर सड़कों पर जाम मिलता। पूछने पर पता चलता कि नालियों का पानी सड़कों पर फैला है। दरअसल, नालियों में पॉलीथिन, गोबर, आदि जमा रहता था। महिलाओं ने सोचा कि क्यों ना कुछ ऐसा किया जाए जिससे गोबर नालियों में जाए ही ना और शहर भी साफ सुथरा दिखे।

यूट्यूब की मदद : बकौल बबली, हमने निश्चय तो कर लिया था, लेकिन किस तरह करेंगे यह तय नहीं था। समूह की ही एक महिला ने गाय के गोबर से गमला बनाने का सुझाव दिया। इस पर हमने अमल किया और फिर यूट्यूब पर ऐसे लोगों के बारे में वीडियो देखना शुरू किया जो इससे मिलता-जुलता काम करते थे। वीडियो के जरिये हम गुजरात की एक कंपनी तक पहुंचे जो एक मशीन बनाती थी। हमने मशीन भी खरीद ली, लेकिन वह मशीन बहुत छोटे गमले बनाती थी। इसके अलावा बार-बार उसके पुर्जे टूट जाते थे। बार-बार काम अवरुद्ध होने पर एक दिन महिलाओं ने खुद ही मशीन बनाने की ठानी और शहर के ही एक लोहा फैक्ट्री की मदद से एक मशीन तैयार की। इसकी मदद से बड़ी आसानी से गमला बनाया जाने लगा।

प्रतिदिन मिल रहा एक ट्रॉली गोबर

बबली बताती हैं कि मुजफ्फरनगर में 100 से ज्यादा डेयरियां हैं। हम धीरे-धीरे डेयरियों तक पहुंच रहे हैं। डेयरी संचालक भी मदद करते हैं। प्रतिदिन हमें करीब एक ट्रॉली गोबर मिल रहा है। इस गोबर को हम मशीन में डालकर गमला बनाते हैं। इस प्रक्रिया में सिर्फ 30 सेकंड लगते हैं, लेकिन इसे सुखाकर इसे रंगरोगन में पांच से छह दिन लग जाते हैं। यह गमला सिर्फ दस रुपये में उपलब्ध है। नर्सरी में पौधे पॉलीथिन में रखकर बेचे जाते हैं। उससे कहीं बेहतर यह विकल्प है। पौधों को गोबर के गमले में दिया जाए व लगाया जाए। यह तीन महीने तक काम करेगा। इसको लगाने का एक फायदा यह भी है कि यह खाद का भी काम करता है। सरस मेले में स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोग गोबर से बना गमला खरीद रहे हैं।

मप्र में अडानी-विलमर और मिसेज बेक्टर्स ग्रुप ने बढ़ाया कदम

नईदुनिया, इंदौर : मैग्निफिसेंट एमपी इन्वेस्टर समिट से ठीक पहले फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में दो बड़े समूहों ने मध्य प्रदेश में निवेश की दिशा में कदम बढ़ाया है। अडानी-विलमर ने इंदौर के पास निमरानी फूड पार्क में परख एग्रो इंडस्ट्रीज की यूनिट का अधिग्रहण किया है। दूसरी ओर, 60 से ज्यादा देशों में कारोबार कर रहे भारत के मिसेज बेक्टर्स समूह को इंदौर एमपीआइडीसी (एकेवीएन) ने 10 एकड़ जमीन आवंटित की है। मैग्निफिसेंट एमपी का आयोजन 18 अक्टूबर को इंदौर में होगा।

पीएमसी बैंक मामले पर मंत्रालय की नजर है। हम सुनिश्चित करेंगे कि बैंक के ग्राहकों की सभी चिंताओं को प्राथमिकता पर रखते हुए दूर किया जाए। रिजर्व बैंक ने भी यह भरोसा दिलाया है।
— निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

बढ़ती उम्मीद ▶ अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर प्रस्तावित शुल्क बढ़ोतरी को फिलहाल टाला

ट्रेड वार से बचने के लिए अमेरिका व चीन में प्राथमिक समझौते पर सहमति

चीन ने अमेरिका से 50 अरब डॉलर के कृषि उत्पादों की खरीद को दी मंजूरी

वाशिंगटन, आइएएनएस : चीन-अमेरिका ट्रेड वार को लेकर समझौते की ओर बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरे दौर की वार्ता में दोनों देशों के बीच प्राथमिक समझौते पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के प्रमुख वार्ताकार लियू ही की मौजूदगी में इस आशय की जानकारी दी।

ट्रंप ने कहा कि इस समझौते को कागजों पर वास्तविक रूप देने में तीन से पांच सप्ताह का समय लगेगा। प्राथमिक समझौते के तहत अमेरिका 250 अरब डॉलर की चीनी वस्तुओं पर आयात शुल्क 25 से बढ़ाकर 30 परसेंट करने की दिशा में अभी कदम नहीं बढ़ाएगा। शुल्क दरों में यह वृद्धि पहली अक्टूबर से लागू करने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में ट्रेड-वार्ता को देखते हुए इसे 15 अक्टूबर तक टाल दिया गया था। अमेरिका की ओर से बढ़ी दरें लागू नहीं करने के फैसले के बदले में चीन ने भी 50 अरब डॉलर के कृषि उत्पादों की अमेरिका से खरीद को मंजूरी दे दी है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक दोनों देशों में आपसी व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए इस मामले पर बहुत उपयोगी और रचनात्मक बातचीत हुई। दूसरे दौर की वार्ता में दोनों देशों ने कृषि, वित्तीय सेवाओं, व्यापारिक सहयोग में विस्तार, टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान और विवाद निस्तारण जैसे मुद्दों पर सार्थक बातचीत की। इस दौरान वार्ताकारों के बीच भविष्य में होने वाली वार्ता की व्यवस्था को लेकर बात हुई और समझौते पर पहुंचने के लिए मिलकर प्रयास करने को लेकर सहमति बनी।

फिलहाल दोनों देशों के बीच हुए प्रारंभिक समझौते की विस्तृत जानकारी नहीं मिली है, लेकिन माना जा रहा है कि अब भी अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति पर खुशी जताई।

प्रतीकात्मक फोटो

अर्थजगत ने किया समझौते का स्वागत

बीजिंग, एपी : ग्लोबल कंपनियों ने चीन-अमेरिका के बीच बनी व्यापार सहमति का स्वागत किया है और इस मामले में आगे प्रगति की उम्मीद जताई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों ने इसे बहुत मामूली प्रगति बताया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि किसी नतीजे पर पहुंचने में अभी सालभर का वक्त लग सकता है। औद्योगिक समूह यूएस-चाइना बिजनेस काउंसिल के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट जेक पार्कर ने कहा, 'कम से कम अगले दो महीने बढ़ी शुल्क दरों पर विराम लगाकर बातचीत का माहौल बन सकता है।' चीन के अर्थशास्त्री यू चनाई ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह जीत है, लेकिन इससे स्थिति सुधरेगी। दोनों पक्ष फिलहाल कारोबार को सुचारू करते हुए उपभोक्ताओं का भरोसा बहाल करना चाहते हैं।'

ग्लोबल स्लोडाउन से प्रभावित होगी भारतीय इकोनॉमी : आरबीआइ

नई दिल्ली, आइएएनएस : रिजर्व बैंक ने कहा है कि पहले से सुस्ती का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था ग्लोबल इकोनॉमी में स्लोडाउन के चलते और सुस्त हो सकती है। रिजर्व बैंक ने अपनी मौद्रिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि इस वर्ष ग्लोबल ट्रेड के और कमजोर होने की आशंका है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने निर्यात में गिरावट और व्यापार में कमजोर निवेश के चलते इस वर्ष की दूसरी तिमाही में दो परसेंट की ग्रोथ रेट दर्ज की है। आरबीआइ ने बताया कि दूसरी तिमाही के दौरान यूरो क्षेत्र की जीडीपी में भी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान ब्रेक्जिट को लेकर बने गतिरोध और अन्य कारणों से यूरोप के बड़े देशों ने खराब प्रदर्शन किया। ऑटो इंडस्ट्री के खराब प्रदर्शन और निर्यात में कमी के कारण दूसरी तिमाही में जर्मनी का प्रदर्शन भी खराब रहा। दूसरी तिमाही के दौरान इटली की ग्रोथ रेट भी कमजोर रही। चीन-अमेरिका में जारी व्यापारिक गतिरोध के कारण जापान की इकोनॉमी ने पिछले तिमाही के मुकाबले खराब प्रदर्शन किया और इस वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान चीन का प्रदर्शन बीते 27 साल के निचले स्तर पर आ गया। इस दौरान ब्रिक्स देशों की हालत भी कुछ बेहतर नहीं रही। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की ग्रोथ रेट में गिरावट देखी गई। वहीं इंडोनेशिया की इकोनॉमी ने इस वर्ष की पहली दोनों तिमाही में खराब प्रदर्शन किया है।

पीएमसी बैंक मामले में ग्राहकों के हित को मिलेगी प्राथमिकता

- वित्त मंत्री ने आरबीआइ गवर्नर से मामले पर चर्चा की बात कही
- खाते से धन निकासी की सीमा के चलते ग्राहक हैं परेशान

नई दिल्ली, प्रेट्र : पीएमसी (पंजाब एंड महाराष्ट्र कॉपरेटिव) बैंक संकट को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंक के ग्राहकों को आश्वस्त किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर आरबीआइ गवर्नर से बात की है। गवर्नर ने पूरे मामले में ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता देने का भरोसा दिलाया है।

कमजोर वित्तीय हालत के कारण आरबीआइ ने पीएमसी बैंक पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए हैं। रिजर्व बैंक ने धन निकासी की भी सीमा निर्धारित कर दी है। बैंक के खाताधारक इस समय अधिकतम 25,000 रुपये ही निकाल सकते हैं। गुरुवार को वित्त मंत्री ने पीएमसी के ग्राहकों से मुलाकात में आरबीआइ गवर्नर के समक्ष उनका मामला उठाए जाने की बात कही थी। सीतारमण ने कहा था कि इस मामले से वित्त मंत्रालय का कोई सीधा संबंध नहीं है क्योंकि इसे आरबीआइ नियामक के तौर पर देख रहा है। हालांकि उन्होंने वित्त मंत्रालय के अधिकारियों से इस पर नजर बनाए रखने को कहा था। वित्त मंत्री ने कॉपरेटिव बैंक से संबंधित कानून में सुधार की संभावनाओं पर विचार करने की बात भी कही थी।

धन निकासी पर कैप लगाने से ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते वे लगातार सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएमसी बैंक पर एनपीए छिपाने, क्षमता से अधिक कर्ज बांटने और सुरक्षित स्तर तक नकदी नहीं होने के आरोप लगे थे। आरबीआइ ने अपनी प्राथमिक जांच में ज्यादातर आरोपों को सही पाया है। इसके चलते बैंक पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। बैंक से नकदी निकासी की सीमा के साथ ही नए कर्ज देने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। पहले बैंक के ग्राहकों को मात्र 1,000 रुपये की निकासी की ही अनुमति थी, जिसे बाद में बढ़ाया गया।

प्रतीकात्मक फोटो

ई-कॉमर्स कंपनियों को फेस्टिव सीजन में बिक्री दोगुनी होने का भरोसा

- छोटे शहरों को फोकस में रख रही हैं ई-कॉमर्स कंपनियां
- ऑनलाइन खरीदारी पर बढ़ रहा है ग्राहकों का भरोसा

नई दिल्ली, एएनआइ : फेस्टिव सीजन में ई-कॉमर्स कंपनियां पिछले साल की तुलना में बिक्री को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं। इसके लिए कंपनियों ने टियर-2 और टियर-3 शहरों को फोकस में रखा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल त्योहारी सीजन में डायरेक्ट टू कंज्यूमर (डी2सी) कारोबार में पिछले साल की तुलना में 100 प्रतिशत तक की वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसकी बड़ी वजह यह भी है कि अब ऑनलाइन उत्पादों की खरीद को लेकर ग्राहकों का भरोसा बढ़ रहा है। लोग इसमें खुद को ज्यादा सहज महसूस करने लगे हैं। छोटे एवं मझोले उद्यमों के लिए लॉजिस्टिक्स का प्लेटफॉर्म मुहैया कराने वाली फर्म शिपरॉकेट के सह संस्थापक और सीईओ साहिल गोयल ने कहा, 'भारत में ई-कॉमर्स बाजार उभार पर है। खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों से ज्यादा लोग इस डिजिटल मार्केट से जुड़ रहे हैं। एक नए तरह का डिजिटल बाजार बन रहा है, जहां विक्रेता और खरीदार एक क्लिक के जरिये एक-दूसरे से जुड़े हैं।' गोयल ने कहा कि पिछले साल शिपरॉकेट ने फेस्टिव सीजन के दौरान अपने मंथली ऑर्डर में 75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। इस साल कंपनी को उम्मीद है कि फेस्टिव सीजन में दोगुनी वृद्धि होगी। ऑनलाइन बाजार में औसतन 30 से 50 फीसद की वृद्धि की उम्मीद है। देशभर के 1,900 सेलर्स के सर्वेक्षण के आधार पर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक, ब्यूटी और हेल्थ जैसी कुछ श्रेणियों में 100 फीसद से ज्यादा की वृद्धि भी देखने को मिल सकती है। टियर-2 व टियर-3 शहरों में घरेलू सामान और रसोई से जुड़े उत्पाद ग्राहकों के फोकस में हैं।

एक लाख अस्थायी रोजगार : इस साल फेस्टिव सीजन में फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसी बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों ने अस्थायी तौर पर एक लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी दी है। ऑनलाइन मार्केट से जुड़े विक्रेताओं का कहना है कि सामान की समय पर आपूर्ति और बड़े मार्केटप्लेस में उपस्थिति पर वे सबसे ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

सात लाख करोड़ के पार पहुंचेगा ऑनलाइन कारोबार

ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म पीडब्यूसी के मुताबिक, 2022 तक भारतीय ई-कॉमर्स बाजार 100 अरब डॉलर (करीब सात लाख करोड़ रुपये) के स्तर को पार कर जाएगा। 2017 में यह कारोबार 35 अरब डॉलर (करीब 2.45 लाख करोड़ रुपये) का था। पीडब्ल्यूसी का कहना है कि ऑर्गनाइज्ड रिटेल सेक्टर में बेहतर विकास, अर्थव्यवस्था में तेज विकास और सकारात्मक परिस्थितियों के दम पर कारोबार में यह तेजी देखने को मिलेगी।

मुश्किलों से जूझ रहे सहकारी क्षेत्र के डेयरी किसान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दुग्ध उत्पादन की बढ़ती लागत और बाजार में उचित मूल्य न मिलने से सहकारी डेयरी उद्योग संकट के दौर से गुजर रहे हैं। पशुपालक किसानों के लिए आजीविका चलाना भी मुश्किल हो गया है। दुग्ध सहकारी संघ ने इस बाबत केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगाई है। दुग्ध प्रसंस्करण की दिशा में प्रयास करने वाले सहकारी संघों को वाजिब सब्सिडी न मिलने से उनकी कठिनाइयां बढ़ गई हैं।

राजस्थान सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ के चेयरमैन रामचंद्र चौधरी ने पशुपालकों के साथ होने वाले सौतेले व्यवहार पर सख्त नाराजगी जताई है। उन्होंने कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर और पशुपालन व डेयरी मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया है। चौधरी ने शनिवार को यहां आयोजित एक प्रेसवार्ता में कहा, 'डेयरी उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सबसे ज्यादा ध्यान दूध के प्रसंस्करण और किसानों के प्रोत्साहन पर देना होगा।'

दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों को सरकारी प्रोत्साहन नहीं मिलने से स्थिति चिंताजनक। प्रतीकात्मक

चौधरी ने हैरानी जताते हुए कहा कि सरकार ने अपने बजट में डेयरी उद्योग के लिए जितने धन का प्रावधान किया है, उससे कई गुना ज्यादा धनराशि सब्सिडी की बकाया है। सहकारी डेयरी क्षेत्र में दुग्ध प्रसंस्करण के लिए दी जाने वाली मदद न मिलने से कई परियोजनाएं लंबित पड़ी हुई हैं। सहकारी संस्थाएं संकट में हैं, जिन्हें तत्काल राहत की जरूरत है।

सहकारी डेयरी के नेता ने कहा कि दुग्ध प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना के लिए 11.5 फीसद की ब्याज दर पर लोन मिलता है। कहने को तो 20 फीसद का सरकारी अनुदान दिया जाता है लेकिन उसके भुगतान में इतना वक्त लग जाता है कि उसका अपेक्षित फायदा नहीं मिल पाता है। उन्होंने सहकारी क्षेत्र की डेयरी को चार फीसद की दर से लोन देने की वकालत की। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पशुपालकों को भी किसान की श्रेणी में रखकर किसान क्रेडिट कार्ड देने का एलान किया था, लेकिन यह योजना जमीन पर नहीं पहुंच पा रही है। इससे डेयरी वाले किसानों को कोई फायदा नहीं हो पा रहा है।

उन्नत किस्म की देसी नस्ल की गायों की कमी होने से भी डेयरी क्षेत्र की कठिनाई बढ़ी है। गीर नस्ल के सांड का सीमन फिलहाल 1200 रुपये प्रति डोज पर मिल रहा है, जो किसानों को बहुत महंगा पड़ रहा है। चौधरी ने कहा कि सरकार अगर ब्राजील से गीर नस्ल की देसी गायों का सीमन आयात कर किसानों को मुहैया कराए तो बात बन सकती है। इससे नस्ल सुधरेगी और दूध का उत्पादन बढ़ेगा। इससे बड़ा लाभ यह भी होगा कि बछड़ों का जन्म नहीं होगा। ऐसा होने से छुट्टा सांडों की फौज स्वतः समाप्त हो जाएगी। गायों में सारी बछिया ही पैदा की जा सकेंगी। उल्लेखनीय है कि घरेलू गीर नस्ल की गायों की हमारी प्रजातियां ब्राजील को निर्यात की गई थीं, जहां उनकी उन्नत प्रजातियां 35 लीटर तक रोजाना दूध दे रही हैं।

फेसबुक की क्रिप्टोकरेंसी को नहीं मिल रहा साथ

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक की किप्टोकरेंसी लांच करने की योजना को बड़ा झटका लगा है। इस दिशा में पहला कदम बढ़ने से पहले ही बड़ी कंपनियों ने फेसबुक का साथ छोड़ दिया है। जेनेवा में 14 अक्टूबर को होने जा रही बैठक से पहले वीजा, मास्टरकार्ड और ईबे ने खुद को इस प्रोजेक्ट से बाहर कर लिया है। इससे पहले पेपाल ने भी खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग करने का एलान किया था।

फेसबुक ने इस साल मई में बताया था कि कंपनी अपनी क्रिप्टोकरेंसी 'लिब्रा' को लांच करने की योजना बना रही है। 2020 तक दुनियाभर में इस करेंसी को लांच करने की योजना के साथ फेसबुक ने लिब्रा एसोसिएशन के नाम से 28 सदस्यीय गैर लाभकारी संगठन की स्थापना की है। 14 अक्टूबर को लिब्रा एसोसिएशन की बैठक प्रस्तावित है। जैसे-जैसे बैठक की तारीख नजदीक आती जा रही है, फेसबुक को झटका लगता जा रहा है। फेसबुक में लिब्रा प्रोजेक्ट की कमान संभाल रहे डेविड मार्कस ने कहा, 'मैं कहना चाहूंगा की इस जानकारी के आधार पर लिब्रा के भविष्य का आकलन नहीं किया जाए। निश्चित तौर पर खबर अच्छी नहीं है, लेकिन एक तरह से यह आजादी मिलने जैसा भी है। जल्द ही कुछ और जानने को मिलेगा। आप जानते हैं कि हम ऐसे मोड़ पर हैं, जहां बहुत दबाव है। मैं वीजा और मास्टरकार्ड को आखिरी क्षणों में अलग होने के लिए धन्यवाद देता हूं। दबाव बहुत ज्यादा है और मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं।'

वीजा, मास्टरकार्ड और ईबे ने प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिए हैं। प्रतीकात्मक

अमेरिका में चल रही जांच : अमेरिकी संसद और नियामक क्रिप्टोकरेंसी के कारण उपजी चिंताओं की जांच कर रहे हैं। फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग 23 अक्टूबर को अमेरिका में हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स के समक्ष पेश होंगे। अमेरिकी सांसद फेसबुक की क्रिप्टोकरेंसी के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि यह कदम देश के लिए बहुत घातक हो सकता है। फेसबुक पहले से ही डाटा चोरी के मामले में जांच का सामना कर रही है। ऐसे में लिब्रा से मुश्किलें और बढ़ गई हैं। शुरुआती स्तर पर साथ आने वाली बड़ी कंपनियों के पीछे हटने से योजना ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। माना जा रहा है कि नियामकीय जांचों के चलते ही बड़ी कंपनियों ने खुद को इससे अलग किया है।

क्या है क्रिप्टोकरेंसी?

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल करेंसी है। इसमें सॉफ्टवेयर कोड को मुद्रा की तरह इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कोई भौतिक उपस्थिति नहीं होती है। कुछ साल पहले बिटकॉइन ने क्रिप्टोकरेंसी को चर्चा में लाने का काम किया था। फिलहाल डिजिटल दुनिया में कई क्रिप्टोकरेंसी मौजूद हैं। हालांकि किसी देश की सरकार ने इसे मंजूरी नहीं दी है। जानकारों का मानना है कि इसका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में किया जा रहा है। हाल में आतंकियों द्वारा फंडिंग में इसके इस्तेमाल की बातें भी सामने आई हैं। क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन की पूरी व्यवस्था इतनी जटिल होती है कि जांच एजेंसियों के लिए इसके लेन-देन को ट्रैक करना संभव नहीं हो पाता है।

एनसीआर में एक लाख से ज्यादा प्रॉपर्टी को नहीं मिल पा रहे खरीदार

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली-एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में करीब 1.09 लाख घर बिक्री की राह देख रहे हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर के मुताबिक इनमें से 54 परसेंट घर ऐसे हैं, जो 45 लाख या इससे कम कीमत के हैं। यह आंकड़े इसी वर्ष जुलाई के हैं। हालांकि उम्मीद है कि होम लोन पर ब्याज दरों में कटौती और 45 लाख रुपये तक की कीमत वाले घरों पर 1.5 लाख रुपये की अतिरिक्त कर छूट के बाद किफायती मूल्य वाले घरों की बिक्री में तेजी आएगी।

प्रॉपटाइगर ने बताया कि एनसीआर के मार्केट में रियल एस्टेट डेवलपर्स के पास जुलाई, 2019 तक कुल 1,08,937 बिना बिकी प्रॉपर्टी थी। इनमें से 58,516 प्रॉपर्टी की कीमत 45 लाख या इससे कम है। गुरुग्राम के मार्केट में भिवाड़ी, रेवाड़ी, नीमराना और धारूहेड़ा भी शामिल हैं। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के स्वामित्व वाली एलारा टेक्नोलॉजीज के सीओओ मणि रंगराजन के मुताबिक बिल्डर्स पर इन्सॉल्वेंसी के बढ़ते मामलों के चलते एनसीआर के मार्केट पर बुरा असर पड़ा है। खासकर नोएडा के प्रॉपर्टी बाजार इससे अधिक प्रभावित हुए हैं। बिक्री में कमी की वजह से बिल्डर्स के पास प्रॉपर्टी का स्टॉक जमा हो गया है। फिलहाल जिस गति से बिक्री हो रही उससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रॉपर्टी स्टॉक को बिकने में लगभग साढ़े तीन साल का वक्त लग जाएगा। गुरुग्राम के पहले से मौजूद स्टॉक को बिकने में 28 महीने का समय लगेगा।

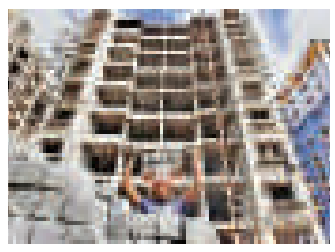

प्रतीकात्मक फोटो

रंगराजन ने कहा कि सेक्टर के लिए स्थिति चिंताजनक है, लेकिन सरकार जिस तरह से ब्याज दरों में रिकॉर्ड छूट और दूसरे टैक्स लाभ दे रही है, उस हिसाब से ग्राहकों के लिए यह बने-बनाए घर खरीदने का अच्छा मौका है। गौरतलब है कि सरकार ने इस वर्ष के बजट में 45 लाख रुपये तक के घर की खरीद पर 1.50 लाख रुपये की अतिरिक्त कर छूट देने की घोषणा की थी। इसके अलावा किफायती दाम वाली प्रॉपर्टी में निवेश पर जीएसटी में भी छूट दी गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इन प्रॉपर्टी बाजारों में कीमत में कमी भी आई है। पिछले तीन वर्षों के दौरान गुरुग्राम की प्रॉपर्टी की कीमतों में 10 परसेंट तक की गिरावट आई है, जबकि इसी दौरान नोएडा में 2.5 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई है। नोएडा में इस समय जमीन की कीमत 3,900 रुपये प्रति वर्गफुट और गुरुग्राम में 4,950 रुपये प्रति वर्गफुट है।

निवेश के मामले में जरूरत के हिसाब से योजना बनाकर चलना जरूरी

क्या आप कभी ऐसे घर में रहे हैं, जो बिना किसी नक्शे या पूर्व योजना के बनाया गया हो? भारत के छोटे शहरों में इस तरह के घर आम हुआ करते थे और शायद आज भी हैं। ऐसे मामलों में होता यह है कि कोई व्यक्ति प्लॉट खरीदता है और दिहाड़ी मजदूरों को लेकर घर बनाने का काम शुरू करवा देता है। इसके लिए कोई नक्शा या प्लान बनाने की जगह वह खुद ही निर्देश देता रहता है। वह राजगीर मिस्त्री को बताता है कि एक कमरा यहां होगा, एक वहां होना चाहिए, बाथरूम फलां जगह बन सकता है। जब घर आधा बन जाता है, तब उसके दिमाग में एक और बाथरूम की योजना आ सकती है, जिसे वह कहीं फिट करने की बात कहता है। मकान का मालिक इस तरह की दूसरी चीजों की इच्छा भी जता सकता है। वह छत पर जाने के लिए सीढ़ियों की जगह खोजता है, या वह बाथरूम के लिए वेंटीलेटर की मांग कर सकता है। वह गेट चौड़ा करने के बारे में सोच सकता है, क्योंकि हो सकता है कि भविष्य में कोई कार खरीदी जाए। वह ऊंची सीढ़ियों की मांग कर सकता है या बोल सकता है कि बाकी दीवारों के मुकाबले एक दीवार पतली होगी। इसी तरह के कई विचार उसके दिमाग में आते रहते हैं।

हो सकता है कि ऐसे घर अब भी बनते हों या नहीं भी बनते हों, लेकिन इंवेस्टमेंट पोर्टफोलियो इस तरह के घरों से काफी मिलते-जुलते हैं। ज्यादातर मामलों में निवेश इस तरह से चुने जाते हैं, जिनको पोर्टफोलियो का दर्जा देना भी मुश्किल होता है। खैर घर के मामले में अच्छी बात है कि घर कैसा भी बन जाए, आखिर में मालिक के काम तो आ ही जाता है, लेकिन निवेश के मामले में ऐसा हो, यह जरूरी नहीं है। अक्सर पोर्टफोलियो अलग-अलग समय पर जोश में आकर की गई खरीद और सेल्सपर्सन से मिली प्रेरणा का नतीजा होता है।

धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च

बोनस

निवेश का चुनाव करते समय प्राय : निवेशक बाहरी चीजों से प्रभावित होकर फैसले करता है। फैसला करने में सेल्सपर्सन की सलाह या विज्ञापन भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस आधार पर फैसले करना सही नहीं है। निवेश प्रभाव में आकर नहीं किया जाना चाहिए। निवेशक को अपनी जरूरतों के हिसाब से निवेश के विकल्पों पर विचार करना चाहिए और योजना के साथ चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। विज्ञापन के प्रभाव में आकर किया गया निवेश आपकी नहीं, किसी दूसरे की जरूरतों को पूरा करता है।

इस मामले में सेल्सपर्सन को दोष देना भी उचित नहीं होगा। उसका मुख्य काम अपनी कंपनी के लिए पैसे कमाना होता है, जबकि हमारा निवेश हमारी जिम्मेदारी है। सवाल यह है कि आपको कोई निवेश क्यों चुनना चाहिए? कुछ खरीदने के लिए हमारे दिमाग में दो तरह की सोच चलती है। एक तो हमें किसी चीज की जरूरत होती है और उस जरूरत को पूरा करने की इच्छा हमें खरीद के लिए प्रेरित करती है। दूसरी सोच है कि हम कुछ देखते हैं और उसे खरीदने के समर्थन में तरह-तरह की बातें हमारे दिमाग में आनी शुरू होती हैं। किसी खरीदारी के ज्यादातर निर्णय इसी का परिणाम होते हैं, लेकिन निवेश के फैसले ऐसे नहीं होने चाहिए।

चलिए बात करते हैं कि यह कैसे काम करता है। मान लीजिए कि आप एक टीवी खरीदने की जरूरत महसूस कर रहे हैं, क्योंकि आपको टीवी पर आने वाले मनोरंजक और जानकारी वाले कार्यक्रम देखने हैं। एक बार आपने सोच लिया कि आपको टीवी खरीदना चाहिए, फिर आपके दिमाग में इसके लिए माहौल बनना शुरू हो जाएगा। यह कुछ ऐसे होगा, 32 इंच? 42 इंच ठीक रहेगी। नहीं, 56 इंच वाली ज्यादा अच्छी रहेगी। एचडी तो आम है, कम से कम 4के तो होनी ही चाहिए। खैर, स्मार्ट टीवी तो लेनी ही है,। यह इतनी स्मार्ट तो होनी चाहिए कि मेरे कमांड्स पर काम कर सके और इंटरनेट पर टाडा ट्रांसफर कर सके। इससे इतर, टीवी खरीदने की सोच दूसरी तरह से भी शुरू हो सकती है। मान लीजिए आपके पास पहले से एक टीवी है लेकिन विज्ञापन आपको नई टीवी लेने के लिए प्रेरित करते हैं। आपको लगता है कि अब स्मार्ट टीवी खरीदना चाहिए। एक बार नया टीवी खरीदने की बात दिमाग में आते ही पुराना टीवी बदल देने के ढेरों तर्क आपके दिमाग में आने लगते हैं।

दुर्भाग्यवश निवेश के मामले में खरीद और बिक्री ऊपर बताए गए पहले मॉडल के स्थान पर दूसरे मॉडल के हिसाब से ज्यादा होती है। कायदे से होना यह चाहिए कि आपको किसी जरूरत के लिए निवेश करने की जरूरत महसूस हो। इसके बाद फैसला लें कि आपकी जरूरत के हिसाब से कौन सा निवेश बेहतर रहेगा। अब आप अपने चुनाव के हिसाब से निवेश करें। उदाहरण के लिए आप एक दशक बाद होने वाले बड़े खर्च के लिए बचत करना चाहते हैं। इस खर्च के लिए आप जो पैसा बचाएंगे वह आपकी पूरी संपत्ति का बड़ा हिस्सा नहीं है और आपके पास समय भी है। इस तरह के मामले में इक्विटी में निवेश करना सबसे अच्छा रहेगा। एक बार यह फैसला कर लेने के बाद कई तरह के इक्विटी फंड का ट्रैक रिकॉर्ड चेक करना चाहिए और इनमें से कुछ फंड को चुन लेना चाहिए। इनमें लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे दो या तीन इक्विटी फंड शामिल हो सकते हैं। इसके बाद आपको इनमें बराबर मात्रा में निवेश शुरू करना चाहिए।

चलिए, निवेश के इस तरीके की तुलना आम प्रचलित खरीदारी से करते हैं। आप किसी म्यूचुअल फंड का कोई विज्ञापन देखते हैं। फिर आपको पता चलता है कि यह म्यूचुअल फंड किस तरह से बेहतर प्रदर्शन करेगा। अब आपको लगने लगता है कि आपने जहां पहले निवेश कर रखा है उसके मुकाबले यह ज्यादा बेहतर है। इस तरह से आप प्रेरित होते हैं और दूसरे फंड में निवेश कर देते हैं।

निवेश से जुड़े आपके फैसले दो तरह से प्रेरित होते हैं। एक में आप अपनी जरूरत के हिसाब से फंड का चयन करते हैं, दूसरे में आप बाहरी चीजों से प्रभावित होकर निवेश करते हैं और किसी दूसरे की व्यापारिक जरूरतों को पूरा कर रहे होते हैं। निवेश के मामले में जब आप सावधानी से और चरणबद्ध तरीके से सोचते हैं, तो सही फैसला लेना आसान हो जाता है।

बोइंग ने सीईओ डेनिस को चेयरमैन की जिम्मेदारी से किया मुक्त

न्यूयॉर्क, एएफपी : 737 मैक्स विमानों में खामी के कारण सवालों का सामना कर रही बोइंग ने अपनी लीडरशिप स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने कहा है कि डेनिस मुलेनबर्ग अब केवल कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद संभालेंगे। उन्हें चेयरमैन की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

कंपनी का कहना है कि सीईओ और चेयरमैन के पद को अलग-अलग कर देने से डेनिस को कंपनी के संचालन पर पूरा फोकस करने में मदद मिलेगी। सुरक्षा को प्राथमिकता में रखते हुए 737 मैक्स विमानों को फिर से परिचालन में लाने के लिए यह जरूरी है। कंपनी में गवर्नेंस और सेफ्टी मैनेजमेंट प्रोसेस को मजबूत करने के लिए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और कंपनी की सीनियर लीडरशिप ने व्यवस्था में बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत स्वतंत्र निदेशक डेविड कैलहन को नॉन एक्जीक्यूटिव चेयरमैन की जिम्मेदारी दी गई है। इस बदलाव पर कैलहन ने कहा, 'बोर्ड को बतौर सीईओ डेनिस पर पूरा भरोसा है। कंपनी का मानना है कि भूमिकाओं में बदलाव से उन्हें कंपनी के संचालन पर पूरा ध्यान देने में सहूलियत होगी और बोर्ड सक्रिय तरीके से निगरानी की भूमिका में रहेगा।' दो भीषण दुर्घटनाओं के बाद मार्च से दुनियाभर में 737 मैक्स विमान ग्राउंड कर दिए गए हैं।

10 से 14 अक्टूबर तक कोमोरोस और सियेरा लियोन के दौरे पर हैं उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू। कोमोरोस के राष्ट्रपति अजाली असौमानी ने उपराष्ट्रपति को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द आर्डर आफ द ग्रीन क्रिसेंट' प्रदान किया है।

बापू की 150वीं जयंती मनाने को अमेरिकी संसद में प्रस्ताव

वाशिंगटन, प्रेट्र : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती और उनकी विरासत का उत्सव मनाने के लिए अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया गया है। यह प्रस्ताव भारतीय मूल के सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया। इस प्रस्ताव को 14 अन्य सांसदों का भी समर्थन प्राप्त है।

प्रतिनिधि सभा में प्रस्ताव पेश करने के बाद कृष्णमूर्ति ने कहा, 'महात्मा गांधी मेरे निजी नायकों में से एक हैं। उन्होंने अपना जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। वह कठिनाइयों और अन्याय के बावजूद आजादी, गौरव और समानता की लड़ाई में कभी लड़खड़ाए नहीं। यह प्रेरणादायक है।' उन्होंने बताया, 'बतौर एक भारतीय अमेरिकी सांसद मुझे यह प्रस्ताव पेश करते हुए गर्व हो रहा है।' प्रस्ताव का समर्थन करने वाले सदन की विदेश मामलों की उप समिति के अध्यक्ष ब्राड शेरमन ने कहा, 'गांधी के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए मैं इस मंच का उपयोग करना जारी रखूंगा।' अमेरिका में भारत के राजदूत हर्ष वर्धन श्रींगला ने प्रस्ताव का स्वागत कया है।

▶ भारतवंशी सांसद राजा कृष्णमूर्ति के प्रस्ताव को 14 अन्य सांसदों का समर्थन

राजा कृष्णमूर्ति। फाइल

इन सांसदों ने भी किया समर्थन : बापू जयंती मनाने के प्रस्ताव का समर्थन करने वाले अन्य सांसदों में जार्ज होल्डिंग, ब्राड शेरमन, जो विल्सन, गेरी कोनोली, पीटर किंग, एमी बेरा, रो खन्ना, फ्रैंक पैलोन, ब्रेंडा लॉरेंस, पीट ओल्सन, प्रमिला जयपाल, टीजे कोक्स, डेविड प्राइज और टेड योहो शामिल हैं।

ट्रंप प्रशासन से एक और मंत्री हटे, नए मंत्री का एलान अगले हफ्ते

वाशिंगटन, एएफपी : ट्रंप प्रशासन का साथ छोड़ने वाले शीर्ष अधिकारियों की सूची में शुक्रवार को केविन मैक्लीनन का भी नाम जुड़ गया। उन्होंने अमेरिका के कार्यवाहक गृह सुरक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। मैक्लीनन के इस्तीफे का एलान खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया। वह अगले हफ्ते नए कार्यवाहक मंत्री के नाम का एलान करेंगे।

ट्रंप ने शुक्रवार को ट्वीट में कहा, 'केविन मैक्लीनन ने गृह सुरक्षा मामलों के कार्यवाहक मंत्री के तौर पर बेहतरीन काम किया। हमने साथ में मिलकर बॉर्डर क्रासिंग समेत कई मसलों पर अच्छा काम किया। सरकार में कई साल रहने के बाद केविन अब अपने परिवार के साथ ज्यादा वक्त गुजारना चाहते हैं और निजी क्षेत्र में जाना चाहते हैं। केविन को बेहतरीन काम के लिए बधाई।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि वह नए कार्यवाहक गृह सुरक्षा मंत्री के नाम का एलान अगले सप्ताह कर देंगे। इस पद के लिए कई प्रभावशाली लोग हैं। जबकि केविन ने ट्वीट के जरिये ट्रंप का आभार व्यक्त किया और अपने मंत्रालय की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

▶ अमेरिका के कार्यवाहक गृह मंत्री मैक्लीनन ने दिया इस्तीफा

केविन मैक्लीनन का फाइल फोटो। एपी

अप्रैल में बनाए गए थे मंत्री : इस साल अप्रैल में गृह सुरक्षा मंत्री पद से कर्स्टजेन नीलसन के इस्तीफे के बाद ट्रंप ने केविन मैक्लीनन को कार्यवाहक मंत्री बनाया था। केविन के छह माह के कार्यकाल के दौरान ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में शरणार्थियों को दाखिल होने से रोकने के लिए कई कदम उठाए थे। अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर भी कार्रवाई की गई थी।

'मेरे ही नियंत्रण में नहीं मेरा विभाग' : केविन मैक्लीनन ने हाल ही में वाशिंगटन पोस्ट को दिए इंटरव्यू में अपने विभाग के कामकाज में दखलअंदाजी को लेकर अपना दर्द बयां किया था। उन्होंने कहा था, 'मेरा अपने ही विभाग पर कोई नियंत्रण नहीं है। इससे मैं हतोत्साहित महसूस कर रहा हूं।'

ट्रंप प्रशासन से कई लोगों की हो चुकी है छुट्टी : जनवरी, 2017 में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद कई मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों के साथ उनके मतभेद उभरकर सामने आ चुके हैं। इसकी वजह से कई लोगों ने इस्तीफा दे दिया या उनकी छुट्टी कर दी गई।

इनकी हो चुकी है छुट्टी

- सात अप्रैल, 2019 को कर्स्टजेन नीलसन का गृह सुरक्षा मंत्री से इस्तीफा
- 31 दिसंबर, 2018 को जेम्स मैटिस का रक्षा मंत्री पद से इस्तीफा
- नौ अक्टूबर, 2018 को भारतवंशी निकी हेली का संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी दूत पद से इस्तीफा
- 31 मार्च, 2018 को रेक्स टिलरसन ने विदेश मंत्री पद छोड़ा
- 31 जुलाई, 2017 को जॉन एफ केली का आंतरिक सुरक्षा मंत्री पद से इस्तीफा

पूर्व राजदूत ने कहा, ट्रंप ने उन्हें जबरन हटवाया

वाशिंगटन, एपी : महाभियोग प्रक्रिया में जांच का सामना कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ यूक्रेन में अमेरिका की राजदूत रही मैरी यूवानोविच की गवाही हुई। प्रतिनिधि सभा के डेमोक्रेट सांसदों के समक्ष मैरी ने कहा कि ट्रंप ने विदेश मंत्रालय पर दबाव बनाकर उन्हें उनके पद से हटवाया था। मैरी ने कहा कि उन्हें मई में अचानक वापस बुलाकर कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप को अब उनपर भरोसा नहीं रह गया है। अमेरिकी संसद कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट सांसदों की समिति ने ट्रंप के वकील रहे रुडी गुलियानी के दो सहयोगियों को गवाही के लिए बुलाया है। यूक्रेन-अमेरिकी लेव परनस और बेलारूस में पैदा हुए अमेरिकी नागरिक इगोर फ्रूमैन को समिति ने समन किया है। इन दोनों को बुधवार को वर्जीनिया एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। दोनों विदेश भागने की कोशिश में थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन के खिलाफ हमला जारी रखा है। मिनियापोलिस में एक रैली में ट्रंप ने कहा कि बिडेन अमीर हो गए है और इसकी पुष्टि भी हुई और अमेरिका को लूट लिया गया। ट्रंप ने कहा, 'वो आपकी आवाज मिटाना चाहते हैं, और वो आपका भविष्य खत्म करना चाहते हैं।'

सऊदी अरब में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका ने सऊदी अरब में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करने की घोषणा की है। 14 सितंबर को सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के बाद वहां की सुरक्षा मजबूत बनाने के तहत यह कदम उठाया जाएगा। रियाद और वाशिंगटन ने ईरान पर तेल प्रतिष्ठान को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

पेंटागन ने कहा है कि नियोजित तैनाती में लड़ाकू स्क्वाड्रन, एक हवाई अभियान विंग और वायुसैनिक शामिल होंगे। पेंटागन ने कहा है कि वह दो अतिरिक्त पैट्रिऑट बैट्री और एक टर्मिनल हाई ऑल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम (टीएचएएडी) भेज रहा है।

पेंटागन के प्रवक्ता जॉनथन हॉफमैन ने एक बयान में कहा है, 'अन्य तैनातियों को मिलाकर इसमें अतिरिक्त 3000 बल शामिल होंगे। इसे पिछले महीने ही विस्तारित या अधिकृत किया गया।' यह अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि आने वाले सप्ताह या महीनों में घोषित किए गए कुछ नए दस्ते क्षेत्र में अन्य अमेरिकी बलों की जगह ले सकते हैं। पेंटागन ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि कब वह विमान वाहक यूएसएस आब्राहम लिंकोलन और उसके लड़ाकू समूह को बदलेगा। यह विमान वाहक पश्चिम एशिया में अपनी तैनाती से लौटने की तैयारी कर चुका है। इस तैनाती को पिछले महीने सऊदी अरब में तेल प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के बाद अमेरिका द्वारा करार दिए गए रक्षात्मक कदमों का हिस्सा माना जा रहा है। इस हमले ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को बेचैन कर दिया था।

छवि बचाने के लिए अमेरिका की तुर्की को प्रतिबंध की चेतावनी

बड़ा मामला ▶ सीरिया के सीमावर्ती शहर पर तुर्की का कब्जा

जर्मनी ने तुर्की को हथियारों का निर्यात रोका

इस्तांबुल, एएफपी : सीरिया के सीमावर्ती इलाके में कुर्द लड़ाकों पर तुर्की के हमले शनिवार को भी जारी रहे। इन हमलों से प्रभावित एक लाख से ज्यादा आबादी को घर छोड़ना पड़ा है और अब वह सुरक्षित ठिकानों की तलाश में भटक रही है। तुर्की के हमलों में अभी तक 28 नागरिक मारे गए हैं, करीब 50 कुर्द लड़ाकों के मारे जाने की भी खबर है। कुर्दों के जवाबी हमले में तुर्की के दर्जन भर सैनिकों और नागरिकों के मारे जाने की सूचना है। नागरिकों पर हमले की खबरों के बीच अमेरिका ने तुर्की पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है जबकि जर्मनी ने तुर्की को हथियारों का निर्यात रोक दिया है। अरब लीग की बैठक में सीरिया पर हमले को अरब भूमि हड़पने का प्रयास करार देते हुए तुर्की की निंदा की गई।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने ट्विटर पर रास अल-आईन पर कब्जे की घोषणा की है। सीरिया की सीमा के भीतर यह कुर्दों के कब्जे वाला प्रमुख शहर था। लेकिन तीन दिन के हवाई और जमीनी हमलों के बाद तुर्की की सेना ने इस पर कब्जा कर लिया है और अब यहीं से कुर्दों पर जमीनी हमलों का संचालन हो रहा है। अपने ही देश में तुर्की के हमलों के लिए निशाने पर आए ट्रंप प्रशासन ने छवि के नुकसान की भरपाई के लिए तुर्की को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। वित्त सचिव स्टीवन नूचिन ने कहा है कि प्रतिबंधों का प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेज दिया गया है। ईरान ने भी मामले में दखल देते हुए तुर्की और कुर्दों के बीच मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा है। ईरान के तुर्की के साथ अच्छे संबंध हैं तो हजारों कुर्द लोग ईरान में भी रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने तुर्की के हमलों पर चिंता जताते हुए उन्हें तत्काल रोके जाने की अपील की है।

सीरिया के कामिशली में हुए विस्फोट के बाद क्षतिग्रस्त वाहन। रायटर

हांगकांग में मेट्रो स्टेशन पर पेट्रोल बमों से हमला, सेवाएं ठप

हांगकांग, रायटर : कई दिनों की शांति के बाद शनिवार को हांगकांग में फिर से आंदोलन और हिंसा भड़क उठी। मेट्रो रेल के कोलून टोंग स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल बमों से हमला किया। इससे स्टेशन को भारी नुकसान हुआ है और उसकी सेवाएं रोक दी गई हैं। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। सूत्रों के अनुसार लोकतंत्र की मांग वाले आंदोलन पर चीन के कोई ध्यान न देने से नाराज आंदोलनकारी अब आंदोलन का स्वरूप बदलने पर विचार कर रहे हैं। मेट्रो स्टेशन पर हमला इसकी शुरुआत था।

सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि हमले का शिकार हुए स्टेशन को काफी नुकसान हुआ है। सैकड़ों फेस मास्क लगाए प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए स्टेशन पर पहुंचे और वहां पर उन्होंने घटना को अंजाम दिया। हाल के दिनों में प्रदर्शनकारियों ने मेट्रो स्टेशनों पर कई हमले किए हैं जिसके चलते कई दिनों तक उसकी सेवाओं को बंद रखा गया। ताजा हमले के बाद भी महानगर की मेट्रो सेवा को रोक दिया गया। विदित हो कि हांगकांग में मेट्रो रेल से प्रतिदिन करीब 50 लाख लोग सफर करते हैं। इसे दुनिया के सबसे व्यवस्थित रेलवे नेटवर्क में से एक माना जाता था। शनिवार को प्रौढ़ आंदोलनकारियों का समूह मार्च कर पुलिस मुख्यालय पहुंचा और वहां 48 घंटे के धरने पर बैठा। सिल्वर हेयर्ड मार्चर नाम के समूह में शामिल लोगों ने कहा है कि वे बुजुर्ग भले ही हो गए हैं लेकिन खत्म नहीं हुए हैं। चार महीने पहले चीन के साथ प्रत्यर्पण संधि के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन अब लोकतंत्र की मांग के आंदोलन में तब्दील हो गया है। इसे अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों का समर्थन हासिल है।

बीते सप्ताह सरकार ने जब फेस मास्क पर प्रतिबंध लगाया तो आंदोलनकारी भड़क उठे। इसके बाद दसियों हजार आंदोलनकारी सड़कों पर उतरकर दर्जनों स्थानों पर पुलिस से जूझे। सरकार ने उस रात को स्वायत्त क्षेत्र की काली रात कहा था।

▶ कई दिनों की शांति के बाद फिर भड़का लोकतंत्र की मांग वाला आंदोलन

▶ इसे अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों का समर्थन है हासिल

अमेरिकी सांसद के साथ लैम ने रद की मुलाकात

हांगकांग की शीर्ष नेता कैरी लैम ने अमेरिकी सांसद टेड क्रूज के साथ अपनी प्रस्तावित मुलाकात रद कर दी है। पता चला है कि लैम ने मुलाकात को गोपनीय रखने का अनुरोध किया था लेकिन टेड ने इसे मीडिया को बता दिया। इसी के बाद हांगकांग में लोकतंत्र की मांग वाले आंदोलन के बीच होने वाली इस बैठक को लैम ने रद कर दिया। चीन आंदोलन को भड़काने का आरोप अमेरिका पर लगाता रहा है।

अमेरिकी सांसद बोले आतंकियों को समर्थन देना बंद करे पाकिस्तान

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिकी सांसद मैगी हसन ने आतंकवाद पर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद को आतंकी संगठनों का समर्थन करना बंद कर देना चाहिए। हसन ने अपने समकक्ष क्रिस वैन होलेन के साथ गुरुवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान, सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा और गुलाम कश्मीर के अधिकारियों से मुलाकात की थी। दोनों सांसदों ने गुलाम कश्मीर का दौरा भी किया था और वहां के हालात का जायजा लिया था।

अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट की सदस्य हसन ने शुक्रवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान को आपसी तनाव को दूर करने के लिए रास्ते की तलाश करनी चाहिए। कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद से दोनों देशों में तनाव बढ़ गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में स्थिरता लाने में पाकिस्तान की भूमिका अहम है।

पाकिस्तान की यात्रा करने से पहले मैगी हसन और क्रिस वैन होलेन अफगानिस्तान भी गए थे। वहां उन्होंने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अब्दुल्ला अब्दुल्ला समेत उन अफगान महिलाओं से भी मुलाकात की थी, जिन्होंने तालिबान से बातचीत में अपने मुल्क का प्रतिनिधित्व किया था। दोनों सांसद भारत दौरे पर भी आएंगे। वे कई भारतीय नेताओं और कारोबारियों से मिलेंगे व अमेरिका-भारत संबंधों पर चर्चा करेंगे। बता दें कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से पाकिस्तान बरगलाया हुआ है।

भीषण तूफान हेगिबिस की चपेट में जापान, रग्बी विश्व कप के मैच रद

न्यूयॉर्क टाइम्स से

टोक्यो : शक्तिशाली तूफान हेगिबिस शनिवार की शाम जापान की राजधानी टोक्यो से टकरा गया। इसके चलते आसपास के क्षेत्रों में सर्वोच्च स्तर की चेतावनी जारी की गई है। 73 लाख से ज्यादा लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचने को कहा गया है। टोक्यो से टकराने से पहले ही आंधी व मूसलधार बारिश के रूप में तूफान का असर देखने को मिल गया था। चिबा क्षेत्र में आंधी के चलते गाड़ी पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। तीस लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से चार की हालात गंभीर है।

तूफान के टकराने से ठीक पहले चिबा में 5.7 तीव्रता के भूकंप का झटका भी महसूस किया गया। कई जगहों पर भूस्खलन के मामले भी सामने आए हैं। इसकी चपेट में आने से दो लोग लापता हो गए हैं। टोक्यो, कानगवा व शिजुका में 30 से ज्यादा नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, जिसके चलते इन क्षेत्रों में भीषण बाढ़ आने की भी आशंका है।

छह दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान होने की आशंका : मौसम वैज्ञानिकों ने शुक्रवार को आशंका जताई थी कि हेगिबिस पिछले छह दशकों में टोक्यो से टकराने वाला सबसे भीषण तूफान हो सकता है। इससे पहले 1958 में आए कानगवा तूफान में हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। हेगिबिस तूफान के चलते हवा अब भी 216 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है।

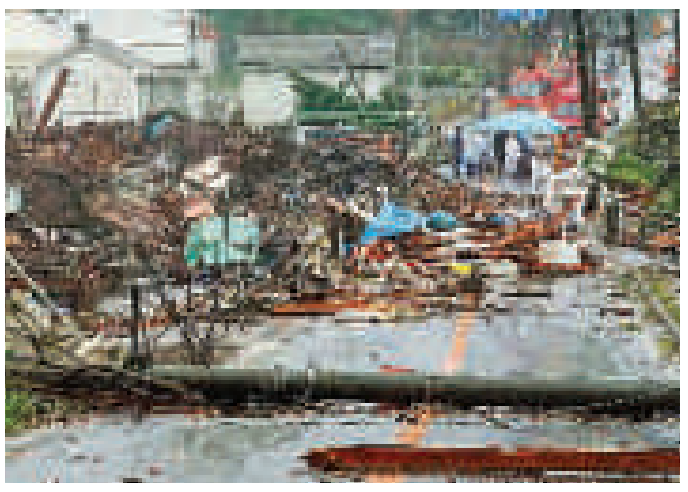

जापान में शनिवार को आए तूफान हेगिबिस से राजधानी टोक्यो सहित कई नगरों में भारी नुकसान पहुंचा है। जीबा और कनागवा शहरों में लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। एपी

हजार से ज्यादा उड़ानें रद : तेज बारिश, आंधी व भूकंप के साथ हेगिबिस ने जापान को अपनी चपेट में लिया है। 24 घंटे में कांगावा क्षेत्र में 27.6 इंच बारिश दर्ज की गई। तूफान के कारण शनिवार को रग्बी विश्वकप के दो मैचों को भी रद करना पड़ा। उद्योग मंत्रालय के अनुसार तीस हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल है। तूफान की वजह से परिवहन और विद्युत आपूर्ति सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

हजार से ज्यादा उड़ानों को रद किया जा चुका और कई ट्रेनें निलंबित कर दी गई है। दुकानों व फैक्ट्रियों को भी बंद कर दिया गया है। आपदा से संबंधित सूचनाएं प्रसारित करने के लिए देश के रक्षा मंत्रालय ने एक ट्विटर अकाउंट भी बनाया है।

कैलिफोर्निया के जंगलों में आग एक लाख लोगों ने छोड़ा घर

सैन फ्रांसिस्को : अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया है। तेज हवाओं के चलते आग धीरे-धीरे लॉस एंजिलिस की तरफ बढ़ रही है। इसके चलते करीब एक लाख लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। आग की चपेट में आने से 25 घर नष्ट हो गए। एक व्यक्ति की मौत भी हो गई। इसी बीच शुक्रवार को उत्तरी कैलिफोर्निया में करीब 20 लाखों घरों में बिजली आपूर्ति फिर से बहाल कर दी गई है। जंगलों में लगी आग के खतरे से बचने के लिए राज्य की सबसे बड़ी विद्युत आपूर्ति कंपनी ने बिजली काट दी थी।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के जंगलों में आग लगने की शुरुआत गुरुवार की रात सिलमर से हुई थी। शुक्रवार तक लॉस एंजिलिस के उत्तर-पश्चिम इलाके में 7,500 एकड़ आग में झुलस चुका थी। कैलिफोर्निया के वन व अग्नि सुरक्षा विभाग के मुताबिक, हर घंटे 800 एकड़ इलाका इसकी चपेट में आ रहा है। आग पर काबू पाने के लिए हजार से ज्यादा दमकल कर्मियों को तैनात किया गया है। हालांकि, तेज हवा व कम आर्द्रता के कारण इसमें मुश्किल आ रही है। आग की आशंका को देखते हुए कई स्कूल व कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

हर घंटे आग से झुलस रहा 800 एकड़ इलाका।

लॉस एंजिलिस के पूर्व हिस्से में भी जंगलों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इसकी चपेट में आने से 74 इमारतों को नुकसान हुआ है। पुलिस के अनुसार कूड़ा उठाने वाले ट्रक ने वहां जलता कचरा फेंक दिया। इसके चलते ही वहां के जंगल में आग गई।

लोकतंत्र स्थापना की ओर बढ़ रहा ट्यूनीशिया

ट्यूनिस, रायटर: अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध, उत्तर कोरिया का परमाणु परीक्षण, अमेरिका-ईरान का गहराता विवाद जैसी बड़ी और बुरी घटनाओं के बीच में एक सुखद घटना भी सामने आई है। वह यह है कि अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में बीते रविवार लोगों ने राष्ट्रपति पद के लिए वोट डाले। पहले चरण की वोटिंग हो चुकी है और आज दूसरी चरण की वोटिंग होनी है। इसके बाद नए राष्ट्रपति का एलान होगा।

2011 में 'अरब स्प्रिंग' की शुरुआत करने वाली क्रांति के बाद इसे ट्यूनीशिया में लोकतंत्र की स्थापना का बेहद अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि, ट्यूनीशिया में अभी प्रजातांत्रिक प्रणाली परिपक्व नहीं हो पाई है। देश की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है, कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है, बेरोजगारी है, लेकिन इसके बावजूद लोकतंत्र अपनाने के बाद देश का यह तीसरा चुनाव सुखद संदेश दे रहा है। आइये नजर डालते हैं ट्यूनीशिया की क्रांति से लेकर 2019 तक के चुनावों के बीच की प्रमुख घटनाओं पर...

दिसंबर, 2010 : ट्यूनीशिया में सब्जी विक्रेता मुहम्मद बुअजीजी का ठेला पुलिस ने जब्त किया तो उसने खुद को आग लगाकर जान दे दी। इस घटना के बाद देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए।

जनवरी, 2011 : प्रदर्शनों के जोर पकड़ते ही 29 साल निरंकुश शासन करने वाले जिने अल-आबिदीन बेन अली सऊदी अरब भाग गए और 'अरब स्प्रिंग' की शुरुआत हुई।

अक्टूबर 2011 : उदारवादी इस्लामिक पार्टी एनाहदा ने बेन पर प्रतिबंध लगा दिया और धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ मिलकर नया संविधान लिखने की योजना बनाई

मार्च, 2012 : महिलाओं के अधिकारों को लेकर इस्लामिक और धर्मनिरपेक्ष दलों के बीच ध्रुवीकरण बढ़ने लगा। तय यह हुआ कि इस्लामिक कानून को संविधान से बाहर होगा।

फरवरी, 2013 : धर्मनिरपेक्ष विपक्षी नेता की चोकरी बेलाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे बड़े विरोध-प्रदर्शन हुए और प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

दिसंबर, 2013 : बड़े विरोध-प्रदर्शनों के बाद से प्रधानमंत्री हामदी जेबाली के मुताबिक सरकार भंग कर दी गई और देश को विशेषज्ञों की विशेष टेक्नोक्रेट सरकार को सत्ता मिली।

जनवरी, 2014 : नए संविधान को मंजूरी दी गई। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समान अधिकारों की गारंटी मिली और राष्ट्रपति-पीएम के बीच शक्तियों का विभाजन हुआ।

दिसंबर, 2014 : बेजी सईद एस्सेबी ने पहला निष्पक्ष और स्वतंत्र राष्ट्रपति चुनाव जीता। वे निंदा टूंस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते थे। सत्ता के गठबंधन में एनाहदा पार्टी भी शामिल हो गई।

मार्च, 2015 : इस्लामिक स्टेट के हमले शुरू हुए। ट्यूनिशया के बार्डो म्यूजियम में 22 लोगों हत्या हुई। जून में साउसे के बीच पर एक बंदूकधारी 38 लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

मार्च, 2016 : सेना अंत में आइएस आतंकियों के खिलाफ अभियान छेड़ती है। लीबिया की सीमा से घुसे इस्लामिक स्टेट के कई लड़ाकों को हराकर बाहर धकेल देती है।

अगस्त, 2016 : धीमी आर्थिक प्रगति पर संसद ने नया प्रधानमंत्री यूसुफ चाहेद को चुना। इसके बाद आइएमएफ से ऋण पर बातचीत हुई और आर्थिक सुधारों को लागू किया गया।

दिसंबर, 2017 : अर्थव्यवस्था पर चरम संकट मंडराने लगा। व्यापार घाटा बढ़ गया, मुद्रा अपने सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गई और मंहगाई दर 7 .8 फीसद पहुंच गई।

जनवरी, 2018 : आर्थिक संकट बढ़ने पर सरकार ने टैक्स बढ़ाए, सब्सिडी में भी कटौती की, जिससे एक बार फिर से विरोध शुरू हुए और प्रदर्शनकारियों ने पैदल मार्च निकाले।

मई, 2018 : नगर निगम के चुनावों में होते हैं कमजोर अर्थव्यवस्था से नाराज अधिकतर लोगों ने चुनाव का बहिष्कार किया। 34 प्रतिशत वोटिंग होती है ।

जुलाई, 2019 : राष्ट्रपति बेजी सईद एसेब्सी की 92 वर्ष की उम्र में मौत हो गई। विधायिका के प्रमुख ने कार्यकारी राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाली और राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई।

अक्टूबर, 2019 : राष्ट्रपति चुनाव शुरू हुए, पहले दौर के चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। लोगों ने निर्दलीयों पर ज्यादा भरोसा दिखाया। दूसरे दौर का चुनाव 13 अक्टूबर को है।

अमेरिका में फिर गोलीबारी चार की मौत, तीन घायल

न्यूयॉर्क, एएफपी : अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के एक सोशल क्लब में शनिवार तड़के गोलीबारी की घटना में चार लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ब्रूकलिन इलाके में हुई इस घटना में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटना के कारणों के बारे में भी अभी कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन लोग जख्मी हुए हैं, लेकिन उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। इससे पहले पांच लोगों के घायल होने की खबर आई थी।

अभी पिछले हफ्ते ही गोली बारी की दो घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो गई थी। मैसाचुसेट्स में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इन सभी लोगों के शव अपने ही घर में पाए गए थे। इसके पहले कंसास में दो बंदूकधारियों ने एक बार में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और पांच अन्य घायल हो गए थे।

▶ न्यूयॉर्क के ब्रूकलिन में सोशल क्लब में हुई फायरिंग के कारणों का पता नहीं

▶ पिछले हफ्ते मैसाचुसेट्स और कंसास में दो घटनाओं में मारे गए थे नौ लोग

बंदूकों की खरीद-बिक्री पर भी उठे सवाल

गोलीबारी की इन घटनाओं से अमेरिका में हथियारों की खरीद बिक्री पर बहस शुरू हो गई है। अमेरिका में बंदूकों की खुलेआम बिक्री होती है। यहां सैकड़ों की तादाद में स्टोर खुले हुए हैं जहां बंदूकें बेची जाती हैं। इनमें वॉलमार्ट जैसे बड़े शॉपिंग आउटलेट से लेकर छोटी-छोटी दुकानें भी शामिल हैं। आम लोग भी नियमित रूप से अपने पड़ोस से या परिवार के सदस्यों से बंदूकें खरीदते हैं। हथियारों के इस खुले लेन-देन में कोई जांच-पड़ताल नहीं होती।

वैश्विक जलमार्ग की असुरक्षा से बिगड़ेंगे आर्थिक हालात : ईरान

तेहरान, एएफपी : ईरान ने सऊदी अरब के तट के पास अपने तेल टैंकर पर हुए हमले पर कड़ा विरोध जताया है। कहा है कि साबिती नाम के इस टैंकर पर किसने मिसाइल हमला किया, इसका जवाब आना बाकी है। अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पर इस तरह के हमले हालात को बिगाड़ेंगे और उससे पूरे दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली शामखानी ने कहा है कि लाल सागर में ईरानी टैंकर पर हुए हमले के वीडियो और अन्य खुफिया साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। उन्होंने हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को आगाह किया कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में असुरक्षा का माहौल पैदा कर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का काम किया जा रहा है। साबिती टैंकर ईरान की राष्ट्रीय टैंकर कंपनी का जहाज है, जिस पर शुक्रवार को सऊदी अरब के जेद्दा बंदरगाह के नजदीक हमला हुआ। हमले से टैंकर पर दो विस्फोट हुए।

ईरान का साबिती नामक तेल टैंकर। रायटर

माना जा रहा है कि यह कम क्षमता की मिसाइलों का हमला था। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने ये हमले सऊदी अरब की धरती से होने की बात नकारी है। मतलब साफ है कि सऊदी अरब के नजदीक किसी अन्य देश या संगठन ने हमले को अंजाम दिया है। ईरान ने हमले के जिम्मेदार का पता चलने पर उसके खिलाफ कार्रवाई का एलान किया है। हमले के बाद टैंकर वापस सऊदी अरब की जल सीमा में चला गया है। लेकिन समुद्री आवागमन पर नजर रखने वाले शिपिंग मॉनीटर्स ने बताया है कि ताजा सूचना में साबिती टैंकर जेद्दा बंदरगाह से 400 किलोमीटर दूर लाल सागर में है।

सऊदी को वार्ता का प्रस्ताव

ईरान ने अपने कट्टर दुश्मन सऊदी अरब से बिना शर्त वार्ता का प्रस्ताव रखा है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह वार्ता सीधे या किसी मध्यस्थ के जरिये भी हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए आवश्यक इस वार्ता को दोनों देशों के लिए लाभदायक बताया गया है। कहा गया है कि इससे गलतफहमियां दूर होंगी और किसी अन्य देश की साजिशों का पर्दाफाश होगा। उल्लेखनीय है कि सितंबर में सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर हुए हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया गया था जबकि उसने इससे इन्कार किया था।

ये भी जानिए

टेस्ट में महाराज व फिलेंडर ने अपने करियर में एक पारी में सबसे ज्यादा गेंद खेली। फिलेंडर ने 192 व केशव ने 132 गेंद खेली। इससे पहले फिलेंडर ने 143 गेंद और केशव ने 54 गेंद खेली थी।

फिर फॉलोऑन के फेर में कोहली

- पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष के बावजूद 275 रन बना सका दक्षिण अफ्रीका
- अश्विन ने झटके चार विकेट, भारत को मिली 326 रनों की बढ़त

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: पुछल्ले बल्लेबाजों केशव महाराज (72) और वर्नोन फिलेंडर (नाबाद 44) के जबरदस्त जुझारूपन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका की टीम 275 रन बनाने में जरूर कामयाब हुई, लेकिन फॉलोऑन बचाने में कामयाब नहीं हो सकी। भारतीय टीम ने कप्तान विराट कोहली के दोहरे शतक की बदौलत पांच विकेट पर 601 रन पर पहली पारी घोषित की थी। भारतीय टीम ने पहली पारी में 326 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली और अब चौथे दिन रविवार की सुबह देखना होगा कि कप्तान कोहली मेहमान टीम को दूसरी पारी में फॉलोऑन खिलाते हैं या फिर चौथी पारी में बल्लेबाजी करने के डर से खुद ही बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं।

हालांकि अब से पहले भी कई मौकों पर यह देखा गया है कि कोहली फॉलोऑन देने से बचते आए हैं। रिकॉर्ड देखा जाए तो भारतीय टीम ने अभी तक टेस्ट इतिहास में कभी भी दक्षिण अफ्रीकी टीम को फॉलोऑन नहीं दिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीकी टीम को आखिरी बार 2008 में इंग्लैंड की टीम ने लॉर्ड्स के मैदान पर फॉलोऑन दिया था। हाल ही में वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज के दौरान भी भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन नहीं देकर दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। इससे पहले भी दक्षिण अफ्रीका में भी यही देखने को मिला था। कोहली का मानना है कि पांचवें दिन पिच की स्थिति को देखते हुए बल्लेबाजी करने का जोखिम लेना ठीक नहीं होता है।

नहीं चले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज: 36 रन पर तीन विकेट से आगे शनिवार को खेलने उतरी मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया। हालांकि कप्तान फॉफ डुप्लेसिस जरूर 117 गेंद में नौ चौके और एक छक्के की मदद से 64 रन बनाने में कामयाब रहे। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज संघर्ष नहीं कर सका। सुबह के सत्र में मुहम्मद शमी का शानदार स्पेल और रिद्धिमान साहा का दर्शनीय कैच आकर्षण का केंद्र रहा। इसके बाद स्पिनरों ने कमान संभाली। डुप्लेसिस और क्विंटन डिकॉक (31) पारी को संवारने की कोशिश में लगे थे। दोनों के बीच 75 रन की साझेदारी को अश्विन ने तोड़ा जब डिकॉक उनकी गेंद पर आउट हुए।

पुछल्लों ने दिखाया जज्बा : फिलेंडर और चोटिल महाराज ने नौवें विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी की। फिलेंडर 44 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि महाराज ने 72 रन बनाए। दोनों ने जिस समय मेहमान टीम को संभालना शुरू किया, उस वक्त दक्षिण अफ्रीका का स्कोर आठ विकेट पर 162 रन था। दोनों 43.1 ओवर तक क्रीज पर डटे रहे। महाराज ने अपनी पारी में 12 चौके लगाए लेकिन वह कंधे पर लगी चोट के कारण कराहते दिखे। आखिर में अश्विन की गेंद पर वह लेग स्लिप में रोहित शर्मा को कैच देकर लौटे।

शमी ने किया परेशान : बल्लेबाजों की मददगार पिच पर दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी जूझते नजर आए। एनरिक नोर्टजे शुरू ही से असहज लग रहे थे। कप्तान कोहली ने उनके लिए आक्रामक फील्ड सजाते हुए स्लिप में चार और गली में एक फील्डर लगाया। शमी की गेंद पर नोर्टजे चौथी स्लिप में कोहली को कैच देकर लौटे। थेउनिस डि ब्रूएन (30) ने कुछ अच्छे कवर ड्राइव लगाए लेकिन साहा के दर्शनीय कैच ने उनका पारी का अंत किया।

शनिवार को मैच के दौरान भारतीय कप्तान विराट कोहली ● प्रेट्र

फिर आई सामने भारतीय गेंदबाजों की कमजोरी

पुणे: भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के आठ विकेट एक समय 162 रन पर ही निकाल दिए थे, लेकिन केशव महाराज और वर्नोन फिलेंडर बड़ी साझेदारी करने में कामयाब रहे और मेजबान टीम के गेंदबाज आखिरी दो विकेट निकालने के लिए जूझते रहे। यह पहला मौका नहीं है जब भारतीय गेंदबाजों को इस कमजोरी का सामना करना पड़ा है। पिछली कुछ सीरीज में खासकर इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ऐसा कई बार हुआ था। इसी वजह से भारतीय टीम ने टेस्ट जीतने के मौके तक गंवा दिए थे।

केपटाउन में मिली थी हार : पिछले साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर भी भारत को इस तरह की परेशानी झेलनी पड़ी थी। केपटाउन में सीरीज के पहले टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में शुरुआती छह विकेट 202 रन तक झटक लिए लेकिन अंतिम चार बल्लेबाजों ने 84 रन जोड़े थे। फिलेंडर और कैगिसो रबादा की दमदार गेंदबाजी की बदौलत मेजबानों ने भारत की पहली पारी 209 रन पर समेट दी थी। दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 130 रन पर सिमटी और 208 रन का लक्ष्य मिला लेकिन मेजबान टीम के गेंदबाजों ने भारत को 135 रन पर ढेर कर मैच 72 रन से जीत लिया था।

इंग्लैंड ने भी दी मात : इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल अगस्त में भी भारत की यही कमजोरी सामने आई। सीरीज के पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड की दूसरी पारी में उसके सात विकेट 87 रन तक गिर गए लेकिन फिर अंतिम तीन बल्लेबाजों आदिल राशिद, स्टुअर्ट ब्रॉड और सैम कुर्रन ने स्कोर 180 रन तक पहुंचा दिया था। भारत को 194 रन का लक्ष्य मिला लेकिन दूसरी पारी में वह 162 रन पर ऑलआउट हो गया था और उसे 31 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

ऑस्ट्रेलिया से किसी तरह जीते

दिसंबर 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में भारत की पहली पारी 250 पर सिमटी और मेजबान टीम के पहली पारी में छह विकेट 127 रन तक गिर गए थे। फिर अंतिम चार बल्लेबाजों ने स्कोर 235 तक पहुंचा दिया था। दूसरी पारी में भारत 307 रन पर ऑलआउट हुआ और मेजबानों को 323 रन का लक्ष्य मिला था। भारत ने सात विकेट 187 रन तक ले लिए लेकिन फिर अंतिम तीन बल्लेबाजों की मदद से स्कोर 291 तक पहुंच गया था। हालांकि विराट की खुशकिस्मती रही कि मैच जीतने में कामयाबी मिली थी। पुणे टेस्ट में भी भारत को अंतिम दो विकेट लेने में काफी परेशानी हुई। हालांकि अश्विन ने महाराज को आउट करके फिलेंडर के साथ उनकी साझेदारी को तोड़ा।

स्कोर बोर्ड

टॉस : भारत (बल्लेबाजी)

भारत (पहली पारी) : 601/5 पारी घोषित (156.3 ओवर)

दक्षिण अफ्रीका (पहली पारी) 275 (105.4 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
डीन एल्गर बो. उमेश	06	13	01	00
एडेन मार्करैम एलबीडब्ल्यू बो. उमेश	00	02	00	00
थेउनिस डि ब्रूएन का. साहा बो. उमेश	30	58	06	00
तेंबा बावुमा का. साहा बो. शमी	08	15	01	00
एनरिक नोर्टजे का. कोहली बो. शमी	03	28	00	00
फाफ डुप्लेसिस का. रहाणे बो. अश्विन	64	117	09	01
क्विंटन डिकॉक बो. अश्विन	31	48	07	00
मुथुस्वामी एलबीडब्ल्यू बो. जडेजा	07	20	00	00
वर्नोन फिलेंडर नाबाद	44	192	06	00
केशव महाराज का. रोहित बो. अश्विन	72	132	12	00
कैगिसो रबादा एलबीडब्ल्यू बो. अश्विन	02	09	00	00

अतिरिक्त : 08 (लेबा-8), **कुल** : 105.4 ओवर में 275 रनों पर सभी आउट, **विकेट पतन** : 1-2 (मार्करैम, 1.2), 2-13 (एल्गर, 3.5), 3-33 (बावुमा, 9.1), 4-41 (नोर्टजे, 17.2), 5-53 (ब्रूएन, 20.6), 6-128 (डिकॉक, 37.6), 7-139 (मुथुस्वामी, 44.2), 8-162 (डुप्लेसिस, 58.3), 9-271 (महाराज, 101.4)

गेंदबाजी : इशांत 10-1-36-0, उमेश 13-2-37-3, जडेजा 36-15-81-1 मुहम्मद शमी 17-3-44-2 अश्विन 28.4-9-69-4 रोहित शर्मा 1-1-0-0

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते रविचंद्रन अश्विन। प्रेट्र

हताश नहीं हुआ था : अश्विन

पुणे, प्रेट्र: भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के वर्नोन फिलेंडर और केशव महाराज के बीच शतकीय साझेदारी के दौरान वह एक बार भी हताश नहीं हुए थे क्योंकि वह रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल होने के बजाय टेस्ट मैच में दोबारा गेंदबाजी करने से खुश हैं।

जब उनसे दक्षिण अफ्रीका की नौंवे विकेट की शतकीय साझेदारी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं हताश नहीं होता और हताश होना भी नहीं चाहता क्योंकि मैं दोबारा गेंदबाजी करने से खुश हूं। कोई भी बल्लेबाज होगा, मैं उन्हें गेंदबाजी करके खुश हूं। मुझे लगता है कि पुछल्ले बल्लेबाजों को लेकर जो मिथक है, उसे बढ़ा चढ़ाकर बताया जाता है। अब कोई भी बल्ले से इतना कमजोर नहीं है। हमारी टीम में भी लगभग हर कोई 11वें नंबर तक बल्लेबाजी करता है। यह अच्छी पिच है और फिलेंडर ने अच्छी बल्लेबाजी की। अश्विन ने 28.4 ओवर में 69 रन देकर चार विकेट चटकाए।

केशव ने कहा, मैं हमेशा सकारात्मक रहता हूं: कंधे में चोट के बावजूद भारत के खिलाफ 72 रनों की अहम पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका टीम के स्पिनर केशव महाराज ने कहा कि मैंने खुद को सकारात्मक रखा इसी वजह से यह पारी खेल पाया। महाराज ने कहा कि फिलेंडर ने उन्हें पिच पर हमेशा सकारात्मक रखा। फिलेंडर और मैंने आपस में बात करते हुए कहा कि हम टी तक टिके रहेंगे। इसके बाद क्या होगा बाद में देखेंगे। निचले क्रम के बल्लेबाज होने के चलते आपका हमेशा लंबे शॉट मारने का मन करता है, लेकिन वर्नोन ने मुझे ऐसा करने से रोका। मैंने भी खुद को खेल में बनाए रखा क्योंकि ऐसा करके हम विरोधी गेंदबाजों को परेशान कर सकते थे।

महाराज ने भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के लिए अपनी रणनीति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मैं स्पिन के खिलाफ ऑफ स्टंप से बाहर रहना चाहता था। मैं जडेजा की गेंदबाजी पर लेग साइड में बने रहना चाहता था। हमने देखा कि शमी गेंद को स्विंग करा रहे हैं। ऐसे में उनके खिलाफ भी अलग रणनीति थी। हम जानते थे कि जितनी देर तक पिच पर रुकेंगे बल्लेबाजी करना उतना ही आसान हो जाएगा।

अश्विन ने द. अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में पूरे किए 50 विकेट

पुणे, प्रेट्र: भारतीय टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शनिवार को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार विकेट लेकर रिकॉर्ड बना दिया। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में 50 विकेट पूरे करने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए।

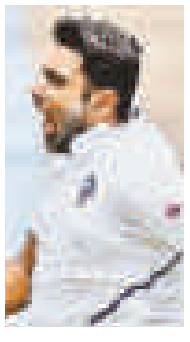

उन्होंने शनिवार को दिन की आखिरी गेंद पर कैगिसो रबादा को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। इस मैच में उन्होंने डुप्लेसिस, डिकॉक और केशव महाराज के भी विकेट लिए। भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अनिल कुंबले के नाम है। कुंबले ने 84 टेस्ट विकेट लिए हैं। जवागल श्रीनाथ 64 विकेट के साथ दूसरे और हरभजन सिंह 60 विकेट के साथ तीसरे पायदान पर हैं। इससे पहले पिछले टेस्ट में अश्विन ने टेस्ट में सबसे तेज 350 विकेट लेने के मुथैया मुरलीधरन के रिकॉर्ड की भी बराबरी की थी।

... जब प्रशंसक ने पकड़े पैर तो गिर पड़े रोहित शर्मा

पुणे, प्रेट्र : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां महाराष्ट्र क्रिकेट संघ में खेले जा रहे सीरीज के दूसरे मैच के तीसरे दिन शनिवार को सुरक्षा में सेंध लगाते हुए एक प्रशंसक मैदान में घुस गया। प्रशंसक रोहित शर्मा के पास पहुंचा, जो उस समय स्लिप में क्षेत्ररक्षण कर रहे थे। प्रशंसक ने जैसे ही रोहित के पैर पकड़े तो उनका बैलेंस बिगड़ गया और वह गिर पड़े। रोहित प्रशंसक से अपने पैरों को छूने नहीं देना चाहते थे। इस दौरान रोहित के साथ भारत की टेस्ट टीम के उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे भी साथ थे। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने प्रशंसक को मैदान से बाहर निकाल दिया।

दक्षिण अफ्रीका के भारत के मौजूदा दौरे पर यह तीसरी घटना है जब दर्शक मैदान में घुस गया। विशाखापत्तनम में पहले टेस्ट में एक प्रशंसक मैदान में चला गया था और उसने भारतीय कप्तान विराट कोहली से हाथ मिलाया और सेल्फी भी लेने की कोशिश की थी। इससे पहले मोहाली में दोनों टीमों के बीच दूसरे टी-20 मैच में भी बाधा उत्पन्न हुई थी क्योंकि प्रशंसक मैदान में घुसा था।

गावस्कर भड़के: पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर इस बात से काफी नाराज थे कि प्रशंसक ने सुरक्षा घेरे को तोड़कर मैच के दौरान मैदान में प्रवेश कर लिया। गावस्कर ने कहा, 'इस तरह की घटनाएं इसलिए होती हैं क्योंकि सुरक्षाकर्मी दर्शकों को नहीं देख रहे होते बल्कि मैच देख रहे होते हैं। भारत में यह समस्या रही है। सुरक्षाकर्मी यहां मुफ्त में मैच देखने के लिए नहीं हैं। वे इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए हैं।'

1- रोहित के पैर छूने की कोशिश करता प्रशंसक, 2- पैर पकड़ने के बाद रोहित प्रशंसक के कंधों पर आ गए, 3- इसके बाद रोहित गिर गए ● प्रेट्र

लिस्ट ए में दोहरा शतक लगाने वाले छठे भारतीय बने सैमसन

अलुर (कर्नाटक), आइएएनएस: विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने विजय हजारे ट्रॉफी में शनिवार को अपनी ताबड़तोड़ खेल से धमाल मचा दिया। केरल के मध्यक्रम के बल्लेबाज सैमसन ने गोवा के खिलाफ अपना पहला दोहरा शतक जड़ा और वह लिस्ट ए (सीमित ओवरों के प्रारूप) में दोहरा शतक लगाने वाले छठे भारतीय क्रिकेटर बन गए। उनसे पहले रोहित शर्मा (तीन बार), शिखर धवन, वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर व कर्णवीर कौशल हैं।

दायें हाथ के बल्लेबाज सैमसन ने 129 गेंदों में 21 चौके और 10 छक्के लगाकर नाबाद 212 रनों की तूफानी पारी खेली और करेल ने यह मैच 104 रनों से जीत लिया। सैमसन ने लिस्ट ए में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। सैमसन ने महज 125 गेंद में 200 रन जड़ दिए। भारत की ओर से लिस्ट ए क्रिकेट में यह कुल आठवां दोहरा शतक है, जबकि घरेलू क्रिकेट में यह तीसरा दोहरा शतक है। सैमसन की 212 रनों की नाबाद पारी विजय हजारे ट्रॉफी की भी सबसे बड़ी पारी है। उन्होंने कर्णवीर कौशल द्वारा पिछले साल बनाए गए 202 रनों की पारी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इससे पहले लिस्ट ए में सैमसन ने कोई भी शतक नहीं लगाया था।

पंजाब ने उत्तर प्रदेश को 63 रनों से हराया

बड़ोदरा : ग्रुप-बी में पंजाब ने उत्तर प्रदेश को 63 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब की टीम 50 ओवर खेलने के बावजूद 204 रन ही बना सकी। उत्तर प्रदेश के लिए अंकित राजपूत ने सर्वाधिक चार विकेट झटके। हालांकि 205 रनों का लक्ष्य उत्तर प्रदेश के लिए बड़ा साबित हुआ और उसकी पूरी टीम 38.4 ओवर में 141 रनों पर सिमट गई। पंजाब के लिए करण ने चार विकेट हासिल किए।

हरियाणा हारा : इसी ग्रुप के एक अन्य मुकाबले में महाराष्ट्र ने हरियाणा को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की टीम 40वें ओवर में महज 135 रनों पर सिमट गई। इसके बाद महाराष्ट्र ने 35.1 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

सीओए कल दाखिल करेगा अपनी स्टेटस रिपोर्ट

अभिषेक त्रिपाठी ● नई दिल्ली

बीसीसीआइ चुनाव संबंधी सभी जानकारियां रहेंगी रिपोर्ट में

प्रशासकों की समिति (सीओए) सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी 11वीं स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। इससे पहले सीओए ने पिछले वर्ष अक्टूबर में अपनी 10वीं स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की थी। बता दें कि 23 अक्टूबर को होने वाले बीसीसीआइ चुनाव के बाद सीओए का कार्यकाल खत्म हो जाएगा और उनकी जगह निर्वाचित पदाधिकारी बीसीसीआइ की कमान संभाल लेंगे।

सूत्रों की मानें तो सीओए इस स्टेटस रिपोर्ट में बीसीसीआइ चुनाव को लेकर उठाए गए कदम की जानकारी देगी। इसके अलावा सभी राज्य संघों में लोढा समिति की सिफारिशें पूरी तरह से लागू हुई हैं या नहीं इसकी भी रिपोर्ट रहेगी। इसी के साथ सीओए इस की भी रिपोर्ट देगा कि क्यों पांच राज्यों और तीन सरकारी सदस्यों को बीसीसीआइ की सालाना आम बैठक (एजीएम) में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है। बीसीसीआइ के निर्वाचन अधिकारी एन गोपालस्वामी द्वारा अंतिम मतदाता सूची गुरुवार को जारी की थी, जिसमें मणिपुर, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हरियाणा, महाराष्ट्र, रेलवे, सेना और भारतीय विश्वविद्यालयों के संघों को मतदान और एजीएम में हिस्सा लेने से बाहर कर दिया था। पांच राज्य संघ इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।

अब सीओए अपनी स्टेटस रिपोर्ट में सभी कारण बताएगा जिसके लिए इन सभी को चुनाव और एजीएम से बाहर रखा गया है। सीओए बीसीसीआइ से विदा लेने से पहले अपना काम पूरी तरह से खत्म कर लेना चाहता है।

चुनाव के बाद बदलेगी क्रिकेट की सूरत : सीके खन्ना

नई दिल्ली : बीसीसीआइ के कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना ने राजधानी में दिल्ली प्लेयर वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यक्रम में कहा कि 23 तारीख को होने वाले बोर्ड के चुनाव के बाद भारतीय क्रिकेट और आगे बढ़ेगा। इस कार्यक्रम में उनको अपने कार्यकाल के दौरान अच्छे कार्य के लिए सम्मानित किया गया। खन्ना ने कहा कि उम्मीद है कि बीसीसीआइ में अच्छे लोग आएंगे जो क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है। इस चुनाव के साथ ही बीसीसीआइ के वर्तमान अधिकारियों का कार्यकाल खत्म हो जाएगा और नए पदाधिकारी आ जाएंगे। प्रशासकों की समिति का कार्यकाल भी खत्म हो जाएगा।

मुक्केबाजी | हरियाणा की मुक्केबाज ने फाइनल में जगह बनाई, मेरी कॉम, जुमना और लवलीना को कांस्य से करना पड़ा संतोष

विश्व चैंपियन बनने से एक कदम दूर मंजू रानी

उलान-उदे (रूस), प्रेट्र: भारतीय महिला मुक्केबाज मंजू रानी (48 किग्रा) ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन छह बार की चैंपियन एमसी मेरी कॉम (51 किग्रा), जुमना बोरो (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा) को शनिवार को यहां विश्व महिला चैंपियनशिप में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

छठी वरीयता प्राप्त और विश्व चैंपियनशिप में पहली बार खेल रही मंजू ने सेमीफाइनल में थाइलैंड की चुटहामत रखसत को 4-1 से शिकस्त दी। अब उनका सामना रविवार को फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त रूस की एकेटरीना पाल्टसेवा से होगा। हरियाणा की मंजू ने पहले दो दौर में जवाबी हमले करना ही ठीक समझा। हालांकि स्ट्रांदजा मेमोरियल की रजत पदकधारी मुक्केबाज अंतिम तीन मिनट में आक्रामक हो गई। इस तरह मंजू ने अपने सीधे और तेजतर्रार पंचों से थाइलैंड की मुक्केबाज को काफी परेशान किया और जीत के लिए अंक जुटाए।

अपील खारिज : मेरी कॉम को तुर्की की बुसेनाज काकिरोग्लू से 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी। भारतीय दल ने मेरी कॉम के फैसले पर अपील की, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आइबा) की तकनीकी समिति ने उनकी अपील खारिज कर दी। आइबा के निर्देशों के अनुसार, एक खिलाड़ी तभी अपील कर सकता है जब वह 2-3 या 1-3 के अंतर से मैच हारा हो। मेरी कॉम 1-4 से मुकाबला हारी थी इसलिए तकनीकी समिति ने उनके पीले कार्ड को स्वीकार नहीं किया।

इसके अलावा, जमुना बोरो को चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ वेन से 0-5 से हार मिली जबकि लवलीना को सेमीफाइनल में चीन की यांग लियू के खिलाफ करीबी मुकाबले में 2-3 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के बार भी लवलीना का विश्व महिला चैंपियनशिप में यह लगातार तीसरा कांस्य पदक है।

फाइनल में पहुंचने के बाद खुशी मनातीं भारत की मंजू रानी (बायें) ● ट्विटर

> मैं जजों के फैसले से खुश नहीं हूं। यह हार मैं स्वीकार नहीं कर पा रही हूं। मैं बहुत हैरान हूं। मैंने 51 किग्रा में इस विश्व चैंपियनशिप में सही सतुंलन हासिल किया। ओलंपिक की योजनाओं के संबंध में इससे चीजें मेरे लिए आसान हो गई हैं। मैं जिन मुक्केबाजों से यहां भिड़ी हूं, उनसे कभी भी नहीं भिड़ी थी और मुझे लगता है कि उन्हें हराना इतना मुश्किल भी नहीं था।
>
> **एमसी मेरी कॉम**

08 पदक विश्व चैंपियनशिप में एमसी मेरी कॉम ने जीते हैं। वह इस चैंपियनशिप के इतिहास की सबसे सफल मुक्केबाज बन गईं। वह पुरुष और महिला दोनों में सबसे सफल हैं। पुरुष वर्ग में क्यूबा के फेलिक्स सावोन ने सर्वाधिक सात पदक। मेरी कॉम के नाम अभी तक छह स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक है

चांदी हुई पक्की, अब सोने की बारी : मंजू

रतन चंदेल, रोहतक: बेटी मंजू रानी ने शनिवार को विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। यह कहना है रिठाल गांव निवासी मंजू की मां ईशवंती का। सेमीफाइनल से पहले मंजू ने अपनी मां से फोन पर बातचीत की तो वह आत्मविश्वास से लबरेज लग रही थीं। फोन पर मंजू बोली, मां चांदी तो पक्की हो गई, अब सोने की बारी है। जीत से पहले ही बेटी के इन शब्दों ने मां के चेहरे की चमक बढ़ा दी।

ईशवंती ने भी बेटी का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि बेटी डरना नहीं सै, तू हर मैच जीत ज्यागी। मां की बातों से बेटी का भी हौसला और भी बढ़ गया। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में जीत दर्ज की। उधर, मंजू का मुकाबले देखने के लिए परिजनों में सुबह से ही उत्साह बना रहा। परिजनों ने मोबाइल फोन पर ही मंजू का मैच देखा। मंजू के छोटे भाई अजय ने बताया कि उनके पास बार-बार रिश्तेदारों व जानकारों के फोन आ रहे हैं। पिछले सात साल में मंजू का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। 2012 में शुरू हुए उनके खेल करियर में उन्होंने कड़ा संघर्ष किया जिसमें उनके गांव के ही कोच साहब सिंह की विशेष भूमिका रही है। साहब सिंह ने संसाधनों के अभाव में भी मंजू को विश्वस्तरीय मुक्केबाज बना दिया। उन्होंने ही मंजू की प्रतिभा को पहचान कर उनको इस खेल का ककहरा सिखाया। 2012 में मंजू ने मुक्केबाजी रिंग में कदम रखा और अपने गांव के खेतों में जाकर अभ्यास किया। मंजू जब 12 साल की थी तो उनके पिता भीमसेन की कैंसर से मौत हो गई थी। भीमसेन बीएसएफ जवान थे। मंजू पिता की मौत के सदमे से उबर नहीं पा रही थी और इसी कारण बहुत चिड़चिड़ी और गुस्सैल होने लगी थी। उनके गुस्से का सही इस्तेमाल करने के लिए उन्होंने मुक्केबाजी शुरू की। लेकिन गरीबी रास्ते में बाधा बनी गई। मंजू ने भी हार नहीं मानी और हर मुकाबले में अच्छे पंच लगाती चली गई। मंजू के कोच साहब सिंह का कहना है कि 2014 में मंजू ने जूनियर राज्य मुक्केबाजी चैंपियनशिप स्वर्ण जीता और फिर इसी साल जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी स्वर्ण हासिल किया।

कृपाशंकर ने जीता विश्व चैंपियनशिप में पदक

नई दिल्ली, जेएनएन: भारतीय पहलवान कृपाशंकर बिश्नोई ने जॉर्जिया के तिबलसी में खेली जा रही विश्व वेटरन कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। कृपाशंकर ने 70 किग्रा वर्ग के बी डिवीजन फ्रीस्टाइल में यह पदक हासिल किया। अर्जुन पुरस्कार विजेता बिश्नोई ने कांस्य पदक के मुकाबले में इजरायल रे सिनियावस्की को 14-3 से हराया। फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत का यह पहला पदक है। कृपाशंकर इंदौर के रहने वाले हैं ।

कृपाशंकर ने तुर्की, हंगरी, ईरान और इजराइल के पहलवानों को हराकर कांस्य पदक तक का सफर तय किया है। हालांकि वह प्री क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन के पहलवान से पराजित हो गए थे लेकिन उस पहलवान के फाइनल में पहुंचने से कृपाशंकर को रेपचेज राउंड में खेलने का मौका मिला। कृपाशंकर के अलावा भारत के एक और अर्जुन पुरस्कार विजेता पहलवान रणधीर सिंह ने 100 किग्रा ग्रीको रोमन स्टाइल के सी डिवीजन में कांस्य पदक जीता। रणधीर ने नॉर्डिक सिस्टम के तहत कांस्य पदक जीता। विश्व कुश्ती महासंघ के नियमों के तहत नॉर्डिक सिस्टम में शामिल सभी खिलाड़ियों को एक दूसरे से मुकाबला करना होता है। रणधीर ने पहले मुकाबले में कजाखिस्तान के पहलवान को हराया। लेकिन दूसरे मैच में रणधीर ईरानी पहलवान से हार गए। तीसरे मैच में उन्हें मेजबान जॉर्जिया के डेविड कुप्रासविली से हार का सामना करना पड़ा जिससे उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा।

मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारे ब्रिटेन दौरे का फायदा हमें ओलंपिक क्वालीफायर में जरूर मिलेगा।
– रानी रामपाल, कप्तान भारतीय हॉकी टीम

अभ्यास शिविर के लिए 22 खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली, आइएएनएस : हॉकी इंडिया ने रविवार से शुरू होने वाले राष्ट्रीय अभ्यास शिविर के लिए 22 भारतीय महिला खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की है। नवंबर में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर को देखते हुए यह कैंप काफी अहम माना जा रहा है। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में एक और दो नवंबर को अमेरिका के साथ दो मैच खेलने हैं। शीर्ष की दो टीमें टोक्यो ओलंपिक–2020 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

फुटबॉल डायरी ▶ यूरो 2020 चैंपियनशिप में पुर्तगाल ने लुक्सेमबर्ग को 3–0 से हराया

पुर्तगाल की जीत में रोनाल्डो का 699वां गोल

क्रिस्टियानो ने दागा अंतरराष्ट्रीय करियर का 94वां गोल

पेरिस, एएफपी : यूरो 2020 चैंपियनशिप के क्वालीफायर के ग्रुप-बी में पुर्तगाल ने लुक्सेमबर्ग को 3-0 से हरा दिया जहां पुर्तगाली स्टार क्रिस्टियानो रेनाल्डो ने अपने करियर का कुल 699वां गोल दागा।

लिसबॉन में खेले गए इस मुकाबले में बेनार्डो सिल्वा ने 16वें मिनट में गोल करके पुर्तगाल को शुरुआती बढ़त दिलाई। हाफ टाइम तक पुर्तगाल एक गोल से आगे रहा। वहीं 65वें मिनट में जुवेंटस के स्टार स्ट्राइकर रोनाल्डो ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के कुल गोल की संख्या 94 पहुंचा दी। इसके बाद निर्धारित समय से एक मिनट पहले गोंकालो ग्यूडिस ने गोल करके पुर्तगाल को आसान जीत दिलाई।

इस जीत के साथ पुर्तगाल (11 अंक) ग्रुप तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार रहा लेकिन अभी भी वह शीर्ष पर काबिज यूक्रेन (16 अंक) से पांच अंक पीछे है। ग्रुप के एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन ने लिथुएनिया को 2-0 से हराया जहां विजेता टीम के लिए रुसलान मालिनोवस्की ने दोनों गोल किए। अब पुर्तगाल का सामना यूक्रेन से कीव में होगा जहां दोनों टीमों की निगाहें अगले साल होने वाली यूरो चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर होंगी।

गोल करने के बाद जश्न मनाते पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो। एएफपी

700 गोल करने वाले दुनिया के छठे खिलाड़ी बनने से एक कदम दूर हैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो। वह मौजूदा समय में सर्वाधिक गोल करने वाले सक्रिय खिलाड़ी हैं

जिरॉड के गोल से फ्रांस की आइसलैंड पर जीत

पेरिस : ग्रुप–एच में विश्व चैंपियन फ्रांस ने आइसलैंड को 1–0 से हरा दिया जहां विजेता टीम की ओर से ओलिवर जिरॉड ने खेल के 66वें मिनट में मुकाबले का इकलौता गोल दागा। चेल्सी के लिए खेलने वाले जिरॉड अब फ्रांस की फुटबॉल टीम के लिए दूसरे सर्वाधिक गोल करने के मामले में माइकल प्लाटिनी (41) से महज चार गोल पीछे हैं। ग्रुप–एच में फ्रांस और तुर्की की टीम के 18–18 अंक हैं और सोमवार को इन दोनों के बीच मुकाबले में अगर दिदिएर डेसचैंप्स की फ्रांसिसी टीम ने जीत हासिल की तो वह अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर सकती है। तुर्की की टीम ने भी अपने सातवें मुकाबले में अल्बेनिया को 1–0 से हराया। उधर इस ग्रुप के एक अन्य मुकाबले में एंडोरा की टीम ने माल्डोवा को 1–0 से हराकर यूरोपीयन क्वालीफायर के इतिहास में पहली जीत दर्ज की।

चेक गणराज्य से हारा इंग्लैंड

पेरिस : इंग्लैंड की फुटबॉल टीम को चेक गणराज्य के हाथों 1–2 से शिकस्त झेलनी पड़ी जिसकी वजह से यूरो 2020 के लिए जल्दी क्वालीफाई करने का एक मौका उसके हाथ से निकल गया। ग्रुप–ए में शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड को हैरी केन ने पांचवें मिनट में पेनाल्टी किक के जरिये गोल करके बढ़त दिलाई। क्वालीफायर में यह केन का कुल सातवां गोल रहा। हालांकि इंग्लैंड के गोल के चार मिनट बाद ही जैकब ब्राबेक (नौवें मिनट) ने गोल करके चेक गणराज्य को बराबरी दिलाई। वहीं स्थानापन्न जेनेक ओंड्रासेक (85वें मिनट) ने अपने पदार्पण मुकाबले में चेक गणराज्य के लिए निर्णायक गोल दागा। इस गोल ने इंग्लैंड के 43 मैचों से चले आ रहे एक दशक लंबे अजेय क्रम को तोड़ा। क्वालीफायर में पिछले महीने इंग्लैंड ने चेक गणराज्य को 5–0 से करारी शिकस्त दी थी लेकिन इस बार उसे शिकस्त खानी पड़ी। ग्रुप–ए में इंग्लैंड और चेक गणराज्य के 12–12 अंक हैं लेकिन चेक गणराज्य ने इंग्लैंड से एक मैच ज्यादा खेला है। ऐसे में इंग्लैंड अगले मुकाबले में जीत के साथ अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर सकता है। अक्टूबर 2009 में इंग्लैंड को किसी क्वालीफायर मुकाबले में पिछली बार हार मिली थी। तब उसे यूक्रेन ने 1–0 से हराया था।

सरफराज को कप्तानी से हटाना चाहता है पीसीबी

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान सरफराज अहमद। फाइल फोटो

क्रिकेट डायरी

लाहौर, आइएएनएस : श्रीलंका के साथ हाल ही में खेली गई टी-20 सीरीज में हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम के कप्तान सरफराज अहमद के बीच अगले सप्ताह बैठक होनी हैं। सरफराज से इस बैठक में टेस्ट कप्तानी छोड़ने को कहा जा सकता है। रिपोर्ट की माने तो सरफराज को नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले टी-20 सीरीज तक के लिए कप्तान बनाए रखा जा सकता है, लेकिन टेस्ट टीम की कप्तानी को लेकर अगले सप्ताह होने वाली बैठक में उनसे सवाल किए जाएंगे। इससे पहले, पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों, जहीर अब्बास, मोहसिन खान और शाहिद अफरीदी ने भी सरफराज को कप्तानी से हटाए जाने की बात कही थी। इंग्लैंड में खेले गए विश्व कप में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तभी से सरफराज को हटाए जाने की बातें हवा में चल रही हैं।

सोहेल ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लताड़ा

लाहौर, आइएएनएस : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान आमिर सोहेल ने मौजूदा पाकिस्तान क्रिकेट टीम प्रबंधन को लताड़ते हुए कहा है कि वह क्रिकेट नहीं ओलंपिक और डब्ल्यूडब्ल्यूई की तैयारियों में जुटे हैं। सोहेल ने कहा कि पाकिस्तानी टीम इस समय फिटनेस पर बहुत ध्यान दे रही है, लेकिन लग रहा है कि हम अपने खिलाड़ियों को क्रिकेट के लिए कम बल्कि ओलंपिक या डब्ल्यूडब्ल्यूई की तैयारियां करा रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के नए कोच मिस्बाह उल हक ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की फिटनेस को बेहतर करने की बात कही थी।

शमी ने शेयर किया बेटी का वीडियो

कोलकाता, आइएएनएस : भारतीय तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी अपने क्रिकेट करियर में शीर्ष पर चल रहे हैं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी में कुछ सही नहीं चल रहा है। शमी ने अपनी बेटी के भोजपुरी गाने पर डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने लिखा कि मेरी बेटी में अपने पिता की तरह डांस का कौशल है। एक यूजर ने कहा कि शानदार। अल्लाह उनको सलामत रखे। शमी का अपनी पत्नी हसीन जहां से विवाद चल रहा है और उनकी बेटी अपनी मां के साथ ही अलग रह रही हैं।

एंडी फ्लावर ने 12 साल बाद इंग्लैंड का साथ छोड़ा

लंदन, आइएएनएस : इंग्लैंड के पूर्व कोच एंडी फ्लावर 12 साल बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से अलग हो गए हैं। एंडी ने ईसीबी की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा कि ये सचमुच मेरे लिए बेहद खास रहा। जिंबाब्वे के पूर्व बल्लेबाज एंडी को 2007 में पीटर मूर्स के साथ इंग्लैंड क्रिकेट टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। इसके दो साल बाद वह टीम के मुख्य कोच बने थे। बाद में वह 2014 में वो इंग्लैंड लायंस के साथ जुड़ गए थे। उन्होंने कहा कि 2010–11 में एशेज टेस्ट सीरीज में मिली जीत सबसे खास था। ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में जीतना काफी मुश्किल था, लेकिन हमारी टीम ने इसे कर दिखाया। ये मेरे कोचिंग करियर का सबसे ज्यादा गर्व करने वाला मौका था। टीम के युवा खिलाड़ियों को उस चुनौती को सफलतापूर्वक लेते देखना काफी सुखद था और ऐसा करने में काफी समय लगा। एंडी ने आगे कहा कि भारत में 2012–13 में टेस्ट सीरीज जीतना अपने आप में बड़ी बात थी। भारतीय परिस्थितियों में इस तरह की जीत बहुत ही खास था। 2010 टी–20 विश्व कप में जिस तरह से इंग्लैंड की टीम ने आक्रामकता और आजादी के साथ क्रिकेट खेली वे भी अपने आप में शानदार था।

केन्याई धावक किपचोगे ने मैराथन जीतकर रचा इतिहास

वियना, एएफपी : केन्या के एलियुड किपचोगे ने दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करके इतिहास रच दिया। ओलंपिक चैंपियन किपचोगे एक घंटे 59 मिनट 40.2 सेकेंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी करने वाले दुनिया के पहले एथलीट बन गए। इससे पहले भी सबसे कम समय दो घंटे एक मिनट 39 सेकेंड में मैराथन पूरी करने का रिकॉर्ड उनके ही नाम था जो उन्होंने 2018 में बर्लिन में बनाया था। वह दो साल पहले इटली में ऐसा करने से चूक गए थे। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा करने वाला पहला धावक हूं। मैं सभी को प्रेरित करना चाहता हूं। हम इस दुनिया को खूबसूरत और शांतिपूर्ण बना सकते हैं। मेरी पत्नी और तीन बच्चे यहां हैं और मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

मैराथन के दौरान किपचोगे के कोचों ने बाइक की मदद से उन्हें पीने के लिए पानी मुहैया कराया। आमतौर पर मैराथन के दौरान धावक को खुद ही टेबल पर से पानी लेना होता है। यह हालांकि आधिकारिक मैराथन रिकॉर्ड नहीं है क्योंकि यह ओपन टूर्नामेंट नहीं था। केन्याई धावक की मदद के लिए 42 पेसमेकर्स शामिल किए गए थे। इनमें 1500 मीटर ओलंपिक चैंपियन सेंट्रोविट्ज, ओलंपिक 5000 मीटर रजत विजेता पॉल चेलिमो और इंगेरब्रिजट्सेन भाई-जैकब, फिलिप और हेनरिक शामिल हैं।

लगातार छठे फाइनल में पहुंचे मेदवेदेव

टेनिस डायरी

▶ शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में सितसिपास को हराया

शंघाई, एएफपी : रूस के युवा टेनिस सनसनी डेनिल मेदवेदेव ने शनिवार को अपने दमदार खेल को आगे बढ़ाते हुए लगातार छठे टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। यूएस ओपन के उपविजेता रहे मेदवेदेव ने एक अन्य उभरते हुए यूनानी सितारे स्टेफानोस सितसिपास को 7-6, 7-5 से हराकर शंघाई मास्टर्स के फाइनल में प्रवेश किया।

23 वर्षीय मेदवेदेव को अब पहली बार शंघाई मास्टर्स का खिताब जीतने के लिए जर्मन स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव से रविवार को पार पाना होगा। दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव ने शनिवार को खेले गए एक अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के माटियो बेरेटिनी को 6-3, 6-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल में रोजर फेडरर और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविक हारकर बाहर हो गए थे जहां चीन में टेनिस की दुनिया के इन उभरते हुए सितारों ने अपनी चमक बिखेरी है।

मेदवेदेव ने तेजी से आगे बढ़ने की अपनी गति को बरकरार रखते हुए 21 वर्षीय सितसिपास के खिलाफ पांचवीं जीत दर्ज की। हालांकि वह ज्वेरेव के खिलाफ खेले पिछले चार मुकाबलों में जीत नहीं दर्ज कर पाए हैं। ज्वेरेव ने शुक्रवार को 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फेडरर को क्वार्टर फाइनल में हराया था जबकि सितसिपास ने जोकोविक को हराकर सनसनी फैला दी थी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने कहा कि इस साल से पहले मैंने कहा था कि शुरुआत में ज्वेरेव हमारे दौर के सबसे अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने तीन मास्टर्स खिताब जीते हैं जबकि हम में से कोई दूसरा उसके करीब भी नहीं पहुंच पाया है। हालांकि स्थिति अब थोड़ी बदल चुकी है। ऐसे में मुझे लगता है कि मैं अब उसे नजदीकी टक्कर दे सकता हूं। फेडरर को हराने के बाद ज्वेरेव ने कहा था कि उस जीत से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा था। हालांकि ज्वेरेव को लगता है कि मेदवेदेव ने मार्च 2018 के बाद अपने खेल में जबरदस्त सुधार किया है।

विविध

धर्म व संस्कृति को अंगीकार कर सकारात्मक राजनीति करना भाजपा का लक्ष्य : गहलोत

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित

▶ संतों के पैर धोकर मंत्री ने किया उनका स्वागत, प्रज्वलित किए गए 11 सौ दीप

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री थावर चंद गहलोत ने कहा कि धर्म और संस्कृति को अंगीकार कर सकारात्मक राजनीति करना भाजपा का लक्ष्य है। पार्टी समस्त ऋषियों व महापुरुषों की विचारधारा पर अमल करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास' के लिए काम कर रही है। वह दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जहां नकारात्मकता होती है, वहां जनहित व लोककल्याण की राजनीति नहीं हो सकती है। सबको साथ लेकर अंत्योदय के मूलमंत्र पर काम करने वाली भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने अनुसुचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) व अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उत्थान के लिए काम किया है।

उन्होंने कहा कि जनसंघ के समय से ही हम ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए एससी/एसटी व ओबीसी के हितों की रक्षा के लिए आरक्षण को लागू करने के पक्ष में थे। भाजपा ने समाज से छुआछूत खत्म करने, आरक्षण देकर पिछड़ों का उत्थान करने, अनुसूचित जाति अत्याचार कानून को और अधिक सख्त करने और आर्थिक रूप से पिछड़ रहे लोगों को आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया है और उस पर काम कर रही है। नरेंद्र मोदी सरकार ने महापुरुषों की जंयती को मनाने के लिए आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है।

प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने वाल्मीकि समाज से संबंधित संतों के पैर धोकर उनका स्वागत किया। उन्होंने सभी से भगवान वाल्मीकि के दिखाए गए मार्ग पर चलकर मानवता के कल्याण और आपसी भाईचारा बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने ऐसे महाकाव्य (रामायण) की रचना की जिसके आदर्श चरित्रों को ईश्वर के रूप में पूजा जाने लगा। इस अवसर पर 11 सौ दीप भी प्रज्वलित किए गए।

संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एससी/एसटी आयोग का गठन हुआ और ओबीसी के लिए अलग आयोग बनाया गया। प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि मोदी सरकार ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर से जुड़े स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष मोहन लाल गिहारा ने कहा कि भाजपा लगातार अनुसूचित जाति व गरीबों के उत्थान के लिए काम कर रही है और लोग भी पार्टी से लगातार जुड़ रहे हैं।

भगवान महर्षि वाल्मीकि के प्रकटोत्सव की पूर्व संध्या पर दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वाल्मीकि समाज से आने वाले संतों के पैर धोते केंद्रीय मंत्री थावर चंद गहलोत। संजय

साझा रणनीति से आतंकियों की घेराबंदी का किया अभ्यास

संवाद सहयोगी, पिथौरागढ़ : भारत-कजाकिस्तान की सेनाओं के बीच सैन्य अभ्यास काजिंद का महत्वपूर्ण पड़ाव शनिवार को शुरू हो गया। 48 घंटे तक लगातार चलने वाले सत्यापन अभ्यास के पहले दिन जवानों ने जंगलों में छिपे आतंकवादियों से निपटने के लिए उपयोग की जाने वाली रणनीति पर काम किया। इस दौरान आतंकवादियों की खोज, घेराबंदी, ध्वस्तीकरण और बम निष्क्रिय का प्रदर्शन किया गया। अभ्यास में दोनों देशों के 120 जवानों ने भागीदारी की।

सैन्य क्षेत्र में चल रहे अभ्यास के दौरान जवानों ने जंगल में छिपे आतंकवादियों की सूचना पर तैयारी, जंगल में सुरक्षित स्थान पर कैंप लगाने, अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से आतंकवादियों के मूवमेंट पर नजर रखने, आतंकवादियों के ठिकाने को घेरने और उन्हें मार गिराने का प्रदर्शन किया। इस दौरान ऐसे अभियानों में जवानों को संभावित नुकसान से बचाने का भी प्रदर्शन किया गया। दोनों देशों के जवानों ने अपनी-अपनी रणनीति दिखाई। पहाड़ों पर चढ़ने, नदियों को पार करने, जंगलों में रास्ता खोजने जैसी तमाम जरूरतों को लेकर दोनों देशों के जवानों ने अपने अनुभव साझा किए। अभ्यास पूरी रात चलेगा। रात में दुश्मन का पता लगाने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति का प्रदर्शन दोनों देशों के जवान करेंगे। इस महत्वपूर्ण प्रदर्शन को देखने के लिए कजाकिस्तान सेना के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर दौलत ओसनाव, भारतीय सेना के उत्तर भारत के चीफ ऑफ स्टाफ कवींद्र सिंह मौजूद रहे।

बेरोजगारों का खाता खुलवा एटीएम कार्ड रखा लेता था सदाकत

जागरण संवाददता, बरेली

▶ मदद के नाम पर रुपये देता और मुंह बंद रखने को कह देता

टेरर फंडिंग के आरोप में शुक्रवार को लखीमपुर खीरी में पकड़े गए आरोपितों ने जिस सदाकत का नाम लिया, वह मदद के नाम पर बेरोजगार के खाते खुलवाता था। उनके एटीएम कार्ड अपने पास रखकर कह देता था जब भी किसी काम के लिए रुपयों की जरूरत हो तो आ जाना।

सदाकत का घर बरेली के परतापुर चौधरी गांव में बना हुआ है। वह फरार है। गांव के लोगों ने बताया कि 15 साल पहले सदाकत चप्पल कारीगर था। पिछले कुछ सालों से उसका रहन-सहन बदलता गया। ईंट-भट्ठा खरीद लिया, कोठी बनवा ली। कार से घूमता था।

दर्जनों एटीएम कार में पड़े रहते : गांव वालों की मानें तो सदाकत के पास कई एटीएम कार्ड रहते थे, जिन्हें वह अपने घर में और कार में ही रखता था। बेरोजगार व अन्य जरूरतमंद उसके पास पहुंचते तो उनके बैंक खाते खुलवाकर कहता था कि जितने रुपये चाहिए, ले जाओ। इससे ज्यादा किसी और बात से मतलब मत रखना। जिन लोगों ने उसके कहे पर खाते खुलवाए, अब वे डरे हुए हैं। इनमें से कुछ लोग तो घर छोड़कर रिश्तेदारी में चले गए हैं।

घर के दरवाजे तो खुले पर बोलने वाला कोई नहीं : शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक एटीएस और पुलिस की टीमें सदाकत के घर गईं। बताते हैं कि घर में महिलाओं और बच्चों के होने के चलते कोई खास जानकारी हासिल नहीं की जा सकी। जैसे ही घर के दरवाजे पर कोई आता तो छत से बच्चों को देखने के लिए बाहर भेजा जाता, लेकिन बात करने को कोई तैयार नहीं था

भूखों मर रहे हम, वो 15 दिन से गायब : टेरर फंडिंग मामले का एक और संदिग्ध फईम 15 दिन पहले घर से निकला, अब तक नहीं लौटा। शनिवार को जब पुलिस उसके बारे में जानकारी जुटाने घर पहुंची तो उसकी पत्नी रुखसार रोने लगी। बोली, हमें तो कुछ नहीं पता। किसी की कार लेकर जाने की बात कहकर निकले थे। इस दिन से तो फोन भी बंद जा रहा। घर में अब खाने का राशन तक नहीं बचा है। दोनों बच्चे भूखे हैं।

टेरर फंडिंग में परतापुर चौधरी के जिन सदाकत, सिराजुद्दीन और फईम का नाम सामने आया है। सदाकत और फईम का घर तो आसपास ही है। सदाकत की आलीशान कोठी है, जबकि फईम के घर के बाहर छप्पर पड़ा है। घर में सुख सुविधा का सामान तो है पर टूटी छत और फर्श में ही परिजन गुजर बसर कर रहे हैं।

शनिवार को जब सादा वर्दी में पुलिस व एटीएस (आतंकवाद निरोधक दस्ता) पहुंची तो फईम के घर के लोग सन्न रह गए। टीम ने फईम से जुड़े कई सवाल किए लेकिन रुखसार इतना ही बता सकी कि कार चालक थे। कहां जाते थे, यह नहीं बताते थे। दूसरी ओर सिराजुद्दीन के घर के लोग तो कुछ भी बोलने को तैयार नहीं थे। मुहल्ले के कुछ लोगों ने बताया कि दिल्ली में किसी मामले में वह फंस गया था। इसके बाद से पुलिस उसे ले गई थी। तभी उसके घर वालों ने सिराजुद्दीन को बेदखल कर दिया था।

अमीषा पटेल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

राज्य ब्यूरो, रांची

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। धोखाधड़ी और तीन करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में रांची के न्यायिक दंडाधिकारी कुमार विपुल की अदालत ने शनिवार को अमीषा पटेल व उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल गुमर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अदालत ने मई में इस मामले का संज्ञान लेते हुए अमीषा के खिलाफ समन जारी किया था और उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए कहा था। लेकिन चार तारीखों में भी उन्होंने इस मामले में अपना पक्ष नहीं रखा। इसके बाद गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

दरअसल, डिजिटल इंडिया के तहत 2017 में रांची के हरमू हाउसिंग कॉलोनी में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। इसमें अमीषा पटेल मुख्य अतिथि एवं अजय सिंह अतिथि के रूप में मंच पर एक साथ बैठे थे। इसी दौरान अजय सिंह की अमीषा से मुलाकात हुई और उन्हें फिल्मों में पैसे लगाने का ऑफर मिला। इसके बाद डेढ़ महीने में उन्होंने ढाई करोड़ रुपये अमीषा पटेल के खाते में ट्रांसफर किए थे। अजय सिंह लवली वर्ल्ड इंटरटेनमेंट के प्रोपराइटर हैं। इस मामले में उनकी ओर से अदालत में अपनी गवाही भी दर्ज कराई गई है।

अभिनेत्री पर ये हैं आरोप

अमीषा पटेल पर फिल्म 'देशी मैजिक' बनाने के नाम पर हरमू निवासी अजय सिंह से ढाई करोड़ रुपये लेने का आरोप है। समझौते के अनुसार जब फिल्म जून 2018 में रिलीज नहीं हुई, तो अजय ने पैसे की मांग की। टाल–मटोल के बाद अक्टूबर 2018 में ढाई करोड़ एवं 50 लाख रुपये के दो चेक दिए गए, जो बाउंस हो गए। इसके बाद अजय सिंह ने 17 नवंबर 2018 को निचली अदालत में मुकदमा दर्ज कराया था।

जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को पदयात्रा गाजियाबाद पहुंची

जासं, गाजियाबाद

जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर मेरठ से शुरू हुई पदयात्रा शनिवार शाम मोदीनगर और गाजियाबाद होती हुई साहिबाबाद पहुंची। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की अगुवाई में यात्रा के साथ आए कार्यकर्ताओं ने साहिबाबाद के लिंक रोड स्थित फॉर्म हाउस में डेरा डाला। 210 फीट का तिरंगा लेकर चल रही यात्रा रविवार सुबह दिल्ली के जंतर-मंतर पर समाप्त होगी।

पदयात्रा में हजारों पुरुष व महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा हजारों लोग कैंटर, ट्रैक्टर ट्राली, बस, ऑटो, बाइक और अन्य वाहनों में सवार होकर साथ चल रहे हैं। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि आबादी का बढ़ता बोझ आने वाले समय में सबसे बड़ा खतरा है। संसाधन लगातार घट रहे हैं और आबादी अपेक्षाकृत बढ़ रही है। इससे आने वाले समय में भुखमरी, भ्रष्टाचार, बीमारी बढ़नी तय है। ऐसे में वे पदयात्रा निकाल सरकार को जगाने का काम कर रहे हैं।

मौसम विशेष

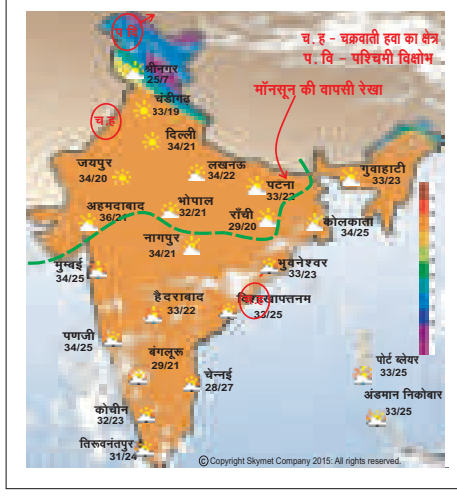

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा राजस्थान में सुबह हल्की धुंध रहेगी। इन राज्यों के शहरी इलाकों में प्रदूषण में बढ़ोत्तरी होगी। दिन गर्म रहेगा। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सुबह ठंडी व सुहावनी रहेगी। दिन आंशिक बादलों के साथ आरामदायक व हल्का गर्म रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	35/25/व	अहमदाबाद	36/26/व
कोलकाता	34/26/आंबा	बड़ौदा	36/25/व
चेन्नई	36/27/व	नागपुर	34/22/व
हैदराबाद	32/21/सा	इन्दौर	31/22/सा
बंगलूरू	30/20/सा	राँची	30/22/आंबा
त्रिवेन्द्रम	32/24/आंबा	पटना	32/23/सा
गुवाहाटी	31/24/आंबा	जमशेदपुर	33/24/आंबा
गंगटोक	13/03/व	पुणे	31/22/व